y white than som

७७। |ळॅ'न'सन्दश्चुग'य'नम्य'मदेख्रम्'नेग्र

र्रे:हेते:से करा

ज.श्र.ध्रु.भ्रेश

y white March

७७। |क्.य.स्य प्रश्नीया.ता.यम्ता.सप्त.तीर.स्याया.

સ્રુંત-તાસુસાર્સ-ત્વૃજ્ઞતે ત્રુંતા મુંગાના મુંગાના

र्टा हैं अर्थे न हैं न श्रेट श्रें न अर्ट र वहीया नदे न न अहा है स्थान है अर्थे हैं । अर्थे न हैं स्थान है हैं न्द्री क्रु अळ्द्र या पार्थे या द्रशासन्त्रा के पा न्यापा के सायने या यदा सार्यु मात्रा यदा सामित्रा सामित्रा य नहनः चंदेः न्या अः अः नहें क्रुः भेत्। केना शुः नहेंना त्यः नना दः नने व्यवः कें अः केना श्रुँ तः वें नशा नें तः नश्र र वहः यास्रावसामधे क्षेत्रासा के सार्चे सार्चे देत क्षेत्र के स्वा ध्रायाय न्या च्या स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स मी भ्रुं माशुर म्रुमाश्र माशुर्थ मी प्यें द एद त्यार स्टर्माय विर मुश्य प्यापे के के दिन के माश्रेद के दिन प्र न्ग्रंभी सुर्यार्से सुर्या पावर प्रवेशिवर पी स्वार्थ बिवर के स्वार्थ हो स्वार यापायम् विवार्वेदावि दे वददाविदाविवास्य के वर्षायम् विवारम्य विवार नदे भुः र्वे कें श्रञ्ज विवायन् वायन् भित्रायाधीत्। विन्ति वे र्वे न्यू श्री विश्व श्री नम्य प्रमास्य व्ययमायळमार्भेनश्रव्यविमायक्त्रम् व्यव्यक्तिम् वर्षे र्शेन्यशायवर में र्डं अ हो न प्रमें शार्थेन। धें दादवर मिं क्रें म्याश हो शार्वे में राषायद के से विना वर्धेन खे पेंट सूस ॡ्र्याः ह्रेच्या अद्भेदः क्षेत्र अप्ते दे रहे . हे . हा नदे चात्र पात्र पात्र अप्ता क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र स् क्रुचाः झें. ३.२ थाः चार्चाः की तर्याः प्रियः प्रेयः स्टर्टर सीचाः चेश्वायश्चर प्रियः प्रेयः विशायस्य प्रशास्य र्श्वेशनदे सम्बर्भन ने न्या न्या न्या स्वार्थ सर्थेश स्वार्थ के का निवास स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स यदे वी अर द्वीर वर्षा अर्थ वर्षा या वर्ष वा वर्ष वर्ष वर्ष अर विषय अर विषय अर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष नायर विवादर सर खेवा शहे अस्तर नाष्ट्रातु विवासे वा इते त्यस र कु ले प्येंट स्नुस र से वा तुस ग्राहर । दास র্বিষামের অর্বাঞ্চান্ডর স্বান্তর অর্বাঞ্চান্ডর আর্বান্তর আর্বান্তর আর্বান্তর আর্বান্তর বিলামের সিমান্তর আর্বান্তর বিলামের সিমান্তর স্থান্তর বিলামের সিমান্তর স্থান্তর বিলামের সিমান্তর স্থান্তর স্থান স্থান্তর স্থান স্থান্তর স্থান্ত স্থান্তর স্থান্তর স্থান্ত স্থান্ত স্থান্তর স্থান স্থান্তর স্থান্তর স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান স্থান স্থান্ত স্থান স্থান স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান y charles for

रे विना सुना सर सुरा द्वारा दे या दि से क्षेत्र या सर्केना नी हे या यह ना या हु मा तुन्य यक राम विना धेता सदि कः दशः विषयः महें ना उद्या नुष्यः हुना हुन् कें स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा कें ना विदे ना हे महें स्व ना या प्रकंदःसमिन दे कें प्रामानस्य संसीता दे द्वापी सद्यामा सदे प्रती पर्दे द्वापि संसीत सीता सीता सिन हो पर्दे दे य'न्र'अर्द्धर्य'स्थ'र्से । न्धुन्वर्हेन्धेय'च'स्वाय'त्रेर'वेच'ळवे'यात्रन्य'कंर'च'से'यां वेवाय'ळे'व्यु'ळे' वन् र्चेन'सदे'र्झे'इर'नभ्रेनस'म'नदेत'र्झेनस'मदे'सर्ने'र्ने'ते'नेनम्। न्मद'६सस'ग्रे'यम्'र्म'त्रे'नश्चेरस्। य' कुदे सेना बुद है नग्दा अस र्जन्य गरे नहें द रुस र है वा सिन्य हिंद ग्री श्रू से हे न कुद र है। दनेन्य दर्बे अया प्रतिवास म्हा विचादर्बे अया विचादर्बे चरा हो स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स र्वेश शुः शुः मुन्तर भीत कुर सर। दाक केंन्य पा हा वर्ष दिया ही त्या ही वर्ष ही वर्ष ही किया ही प्रकार हिंदा है सा माशुस्रानी प्रभाषापह्ना निवेद परि स्वाप्यापा स्वाप्य द्वाप्य निवाप्य द्वाप्य द्वाप्य द्वाप्य द्वाप्य स्वाप्य द्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य द्वाप्य स्वाप्य स नम्मन्यार्श्वीर प्यर अर्धेर अर्देन द्वी न्यस्य नत्नाय नहीं नदे अर्देन दर नस्य पन्नेर पनिस्य सर्देन नहतु ग्री पर्त सामान्त्री सामित्र मार्च मार्च मार्च सामाने सामा के'अर्देग्'नश्रूत्र'हे। क्रेंद्र'म'न्ट्रनश्रूत्र'म'हेश'यह्ग्'न्ट्रन्ठश'म'रेग्'श'मये'यअ'दश'अर्ढ्र्र'यदीद'न्ट्रअर्ढद् श्चर-परेव-परेव-ह्या-ह्या-ब्रा-इया-ब्रा-इय-क्रिय-विद्यान्त्र-इय-क्रिय-विद्यान्त्र-विद्यान्त्र-विद्यान्त्र-विद्य ૹ૽ૼૼ૱૽૽ૼૄ૽ૺ૱૽ૺઙ૾ૢૼઌૢૻ૱ૹૢ૽૽ૣૻૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૼૹ૱ૡ૽ૼઌૢ૽ઌ૱૽૽ૢ૽૽૽ૣ૽૱૱૽૽ૢ૽૱ૹ૽૽ૼ૱ઌ૽૽૱૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૹ૽૽૱૽ૺૹ૽ ळेंना ग्राट तर्ह सार् सुया द सुया निर्देर साम्रिका त्रका ग्राट तर्ह सार् सुया द सुया दे का परे दे ते त्रहर पी ता परे व्हें दःचलेव दः विष्य विषय में ना नो रःचल्वा श्राच हैं च दे यह वा श्रें वा श्रें वा रा वे हैं स्थळ र प्या र छे व्या है । वदना यासळेंद्राद्यास्टार्क्के स्टायार्क्केषा पुष्याश्चराया विषाणिदासून या केषा छुटा विष्या विष्या विषया विषया विषया बुवातम् मुवारे मुवारे मुवारा मुक्रमारा मुक्रमारा मुक्रमारा मुवारा कर्म महिल्ली महिला मुक्रमार मित्र मित्र मित्र मीया धार्यात्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रम् । वियान्त्रान्त्रम् वियान्त्रान्त्रम् वियान्त्रम् वियान यर वें दिशास्त्र केंद्र कें वाहिं वाहें वाहें दिशा कर दे दे प्रचार्के प्रदेश साबिवा हो द्राप्त है प्रचारा प्रवादा का स्वादा कर हो। देवाशवदे लाइ उटा वृश्व क्षेत्र दरावा इसावर्सू दासरा इता श्राद देवा लवरा वार्षे विषा दुः वश्वाद सामरा सःसर्वेदः। देःद्वेदःभ्रवसःभ्रवसःशुःभवासःवर्गेदःहेदःर्सेःर्सेवासःदःउदःवयःकःकेःवेदःयःर्देवःर्वेदेःसर्वदःवः र्स्यान्यन्त्रेराविष्ठावर्ष्यम् अत्रान्या न्यायाः प्रायान्यम् म्यायाः स्वयान्यम् स्वयाः व्यवस्य स्वयाः स्वयान्य यः धेवा

यः न्युन् राखेश स्त्रेन् राखेश स्त्रेन् राखेश स्त्रा विषाः यः न्युन् राखेश स्त्रेन् राखेश स्त्रेन् राखेश स्त्रा विषाः

y white March

मंदे खुन्य ग्री वहेना हेत क्षु द्धंया ने दे से वि क्षें में राखना सरा में नि रात्र सावह साबी राज्य मुना वि राज्य वि राज् नन्द्रश्रित्यक्केट्रन्नः ने स्टर्भित्रः मश्चेत्रः केट्रानेट्रश्रदः क्वेट्रान्ते अप्यान्द्रः क्वेट्रास्त्रे वा सामान्या स्वानिकार्या सामानिकार्या साम बेरा देंशर्ररपरे रेगश्याया इराबर् ग्रहानि परे प्रमुखायू न देगा मेशर्म प्रमुखायू न देश है स्टिंग के सामी साम कि रे वर् ने विवान श्रुवाया शे वर् वा वाशा सर्दे न पदे खुवाया शे वर्षे वा हे द खु खु ला दे से वि स्ट्रिंग सदा सर के वि वशायहं अःश्चीरः भूरः वुनः र्षेत्रायः विनः यदेः नभूरः श्चेतः विनः यदेः कुः अळवः श्चेशः यर्देरः नवे शावा हिनः શૈયા હતું ક્ષેત્ર ખરાત્વા કૃષ્ટે તલે તારાવે તાલે કારણે હતા રેવા સુવાયા શે વર્દવા કેતા સુંતાને તારા છે. જે સ્ટ્રેંટ લાવા सर र्वेदि हे श शुः सके या सदे म्या ना निवेद पर्दे र पूर्वे श यर मया ने पुरा पर दिये किंदा रेवा खुवा श ग्री पर है वा ৾৾ढ़॓**ঀॱ**ৠॱख़॔ॱऄ॓ॱख़॔ॱऄॕॣ॔॔॔ॱख़ॻऻॎॺॸॱवे॔ॱॺॊ॔॔॔ॸढ़ॺॱख़ॾ॔ॺॱक़ॗऀ॔ॸॱॶॸॱज़ॖॖऺॻॱऒऀॱॵढ़ॱऄ॔ज़ॱऄॕज़ॱढ़ॆॢऀॸॱॻॱऄढ़ॱ यदे ही मा वर्ने न त्वा हिं न हो शर्वे वा ने स्थान सकें विद्याया करें शर्हे वा व्यवे न व्यवे न विद्याया न हे व भूँ र.च.चक्क्या अविदः श्रुँ र.स.ळू.श.च.र.बैर.विश्वशायेशायीशायक्षेशा अर्बर.चतुः रूपरार.टर.चक्षेयायत्रीयः नक्त्रात्रह्मा क्षेराची क्षेर्चे प्रशास्त्र क्षेत्र क्षेत् वॅर्न्यर्भेन्यन्वमुः स्वार्त्यानमुन्ये। न्यवाः स्वार्म्यवाः स्वार्माः स्वार्माः स्वार्माः स्वार्माः स्वार्माः नक्षुः सेन् सर्देवः शुस्रान्तीः दुस्याः शुद्रान्य स्वार्धिवः वेनः निर्देश निर्देशः निर्देशः निर्देशः स्वार्धिवः स्वर्धिवः स्वार्धिवः स्वरं स्वरं स्वार्धिवः स्वरं स् वियायान्ता कं श्वरायार्धिन ग्रीशार्श्वी के या श्वरात्ता श्वरात्ता श्वराया स्थाय से प्रति प्रति । हि अप्तर्ती ज्ञानान्वत्रत्वा पञ्चर्यः व्यान्त्रत्वः ज्ञान्त्रत्वात् । ज्ञान्त्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वर्षे वहें त'सदे'कु से क्रम्म । सु के ना के द'शे का र्श्वेन 'दिर विराध है त'से दे दे से स्टूर वर्शे के ते र ना दिये।

 y charles for

ૠૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌૡ૽૽૽૽ૢૡૹ૽૽ૢ૾ૡૹ૽ૢૢૢૡ૽૱ૢૺૹૢૼઌ૽૱ૹ૽ૺ૱ૡ૽ૡૡ૽૱ૡ૽૽ૡૡઌ<u>૽ઌ૾૽ૡૡ૽૽ૢ૾ઌ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ઌ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽</u>ૡૢૡૢૡૢ૱ ॔ढ़ॣॸॱॴॸॱऄढ़ॱढ़॓ऻॎॸ॓ॺॱख़ॱॸ॓ॾज़ॱऀॸॱॿॖॴॱक़ॗढ़॓ॱॺॸॕॱॴॴॱग़ॖढ़ॱॸॴढ़ॱक़ॕॴऄॱॴड़ॆॴॱॸ॔ढ़॓ॱक़ॕॴज़ड़ॖज़ॕॱ ढ़ॊटॱॻऻॖॖॾॆॻऻॱय़ख़ॸॱय़ढ़ॆॱॶॖढ़ॱॻॖऀॱॻऻॾॆॻऻॱय़ख़ॸॱय़ढ़ॆॱॶढ़ॱॴ_ॗॱॸ॓ढ़ॆॱज़ॖॴॾॕॴॸ॓ॱढ़ड़ॱऄॗ॔ॸॱऒ॔ॱढ़ॊ॓ॸॱढ़ख़ॸॱक़ॕॖॴ*ॗॸॆ*ॴ मठेग'दळन्'सदे'धुर'य'र्से दु'सम्याधी'तुर्यरदेगाहेद'ग्री'विसर्यान कुन्'विनःह्द्रावधुयाग्रीर्यादन्द्रात्र्या देश'ग्रिज्'यद्रव'नवे'नर'य'स्रह्भ'कुर्य'दहेग्।हेद'ग्री'विस्रश'द्रस'स्रविद'द्र'स्रह्स'य'वस्था'उद'ग्री'ग्लेद'रे' रेर'सह्र, त्राच श्रुपिष्ठेश की त. त. की श्राचार त्रा श्री शास्त्र शास्त्र श्री शास्त्र श्री शास्त्र श्री शास्त्र श्री शास्त्र श्री शास्त्र शास्त्र शास्त्र श्री शास्त्र श्री शास्त्र शास्त्र शास्त्र श्री शास्त्र शास्त्र श्री शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र श्री शास्त्र शास्त ८.कै.पह्याभ्रीटाय.कुरार्जूय.कूर्य.क्री.स.स्ट्रा.ची.स.स्ट्रा.ची.स.स्ट्रा.ची.स.स्टरा.ची.स.ची.स.ची.स.ची.स.स.स.स.स वना-५-७८-१८-१-१८ वेश-१ में ८-१ मार्थे ८-१ मार्थे १-१ मार्थ १ म त्रः ते : वे न् ने : व : विं : वें : वें : वें से ने : वें ने : वें से : व ते : वें से : वें से : वें : वें : वें : वें : वें तुःवेनाःसुन्दर्भःर्द्धनःकुःधेवःवय। क्षेवःयः।यःवनःहिनःनाडेनाःहेनःयःधेनःकेशःसेनःयदेःकुःसळ्वःर्यसः<u>ग्</u>रीशः इस्रायराम्बन्नायाने न्यासेन्यरायर्वे न्वे स्यायस्य कुन्यारायम् कुन्यारायस्य स्वर्यासेन्यस्य स्वरायस्य स्वर्यास য়৾ঢ়৵৻ৼ৻য়৾ঀয়৻য়ৢ৵৻৵৻ৼ৸৴৻ৼ৾৻ঀ৾৻৾ৼয়৵৻৵ৼ৵৻য়৾৵৻য়ৢ৻য়৾ঀ৻৻৻৻৻য়য়ৼ৻য়৾ৡ৸৻ঀ৾৻৸৻৴ড়৵৻ঢ়ৄ৾৻ৼঢ়ৢ৻ড়৾ सक्त मी शाहर मानिया सारे प्रवासिक शाम है निया मानिया से साम स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स्वासिक स यदे प्रहेगा हेत इस मावमा ने दे से से प्रेंट खमा सट में में टात्र सार्व सारी टान में मुना प्रेंट सारा हिना प्रे र्बेट निर्वे निष्ठ में निर्वे के स्वार्थित होता है से स्वार्थित है से स्वार्थित है। स्वार्थित हो स्वार्थित हो स महेत्रचीश ने यः र्रेन् ची प्रहेन हो । मन् रायम पर्देन यदे देना नमामी । क्रूनमी न छीय पर्वे सहस्रा राष्ट्री बियार्स्सन्यार्श्चेयात्वर्त्वायार्क्क्षयात्त्र्यात्वर्त्त्रयात्त्र्यः विष्यात्वर्त्त्रयात्त्रः विष्यात्त्रः विषया महिरामार्था ग्रामारे व्हिरात् वर्देत् यात्रा व्यावे यश्चार्या यात्रात्र हिराया श्री श्राप्ति हिराया हिराया वर् देवे क्वें नार्षे न त्यस बुद नर वर्दे द सद्दा द्वार सुना समाद्वार में वर्दे द स त्यस बुद नर वर्दे द स द्वार म दे प्रविदः पुः प्रदेशः स्वित्रायायः प्रदः। योः शुदेः स्वेत्रायायः प्रदः। विः स्वेदेः स्वेत्रायायः प्रदेशः ग्रामः प्रदेशः यम् भूरशे व्हर्भरश्

च्यान्त्रभ्रभ्भेत्त्रन्त्वे अर्थन्त्रम् अर्थन्त्रभ्याः अर्थन्त्रभ्यः विवाद्यः विवाद्यः अर्थन्त्रभ्यः विवाद्यः अर्थन्त्रभ्यः विवाद्यः विवादः विव

y charte Marison

सेन्-प्रस्ति हुन् हुन्-प्रस्ति वित्र स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्व

ळं ५ ख्या प्राचित्र १ से १ ५ स्ट्रिये प्रहे वा हे व प्रहे वा हे व प्याविव विवा विवा व राज्य प्राच स्थाप व रिश् रेथाची अःश्वेषायाचिवा तृत्द्र्यायदे अवराहें हे यावस्या भूरावह्र यरा सुरा दे छेटा सुः सवर सेटायदे दसः सिवदः रचिरमः शुःहेतः सेर्यस्टन्यस्त्वायानेरः। रचित्रयाने स्चीः सेसासर्वे त्यान्तरं स्वारानः स्वे त्यस्यूरः र्य यदे चें केंद्र विवादित वर्षे प्रति दे हे या क्षूर द्यीय देवे केंद्र वी वसासवित या क्षेत्र की सुंदर में केत्र में वर्ष या के कर क्रितं क्षेर हिरे तयर लें उं या पुत्र देर र् प्राया यथ। ययर वें पा कुषा विरया पा पतित क्रिया की प्राया शुः करः कुरे : क्रुः सर्कें : क्रेन् : सें विवा कवाया विश्व सें वाया हो रा गाणे : इस से स्वा रहन : क्री : सें वाया हो रा वेद-वडद-दे-वर्षेष-देव-स-सक्केश-सेंद्र| वेंद्र-ग्रह-सेषास-वत्व-स्या दद-प-इसस-स-हेद-ग्रुश-द्या |दद-पवे-न्वराष्ट्रीयर्रात्यावर्दित्। सिरायदुःक्षायावहेवरायायी । १८ इस्ययाक्षायावर्षेय्या । वियावश्रीर्यायास्य देरः अरः गानुसः नदेवः यः से 'च्रेवः यरः ह्रवः यः च्रेवः यदेः त्यः धेवः यशः ह्युवः यें 'गाणसः क्रुगः यः प्यायः यरः वें 'विगः गणर सर दिवन निव तर्वा मंस्र हिन दर्वी गामदर ५ उटा देव से ने मा विवासी वा के का सदेव मान दे खुवा स वा वहिनाहेत की विस्र साथ में नास दिन मास दिन सम्मान के दान के निकार मानि साम के निकार मानि साम के निकार मानि स र्केश अर्देन यम क्रेंन यसे प्रहेग हेन ने से प्रहेन प्रहेग हेन परि हिन ग्री नगर नु ग्रुश या पीन प्रा ने प्रा शेसश ठवःश्चीःवहिनाःहेर्वः नृदःश्चॅन्श्चीःवहेनाःहेर्वानहेर्वानहेराः वित्रः वित्रः स्त्रान्यः शुःननयः वार्श्चेन्श्चीः वहिनाःहेर्वाः वित्रः यथा ने यः अर्हेन यथा ने यः र्बेन ग्री यहेन हेन श्री । मन्य यन यरेन प्रते वेन न्या मी । हुन मी न्यीय परिं <u> </u>हस्रश्रुति । सःषः तुना दत्रमः मन्स्र सेन्दि । विसः र्वेना सः क्रूनः नृग्रेयः दळन्य सः सः सन्देवः नेसः सः नृतः कुः क्ट्री अवत्या भ्रे.ट्ट.क्ट.ट्ट.व्य.चीश विह्या.च.ट्या.वे.लट.याश्वा.लुवा विश्वासे.क्.क्ट.व्य.चाश्वा.ट् रेदे प्रहेवार्द्धयाक्तु अप्यराम् अप्रभागार्थर उवापि अप्यास मुन्युवायी वार्षि स्थान । द्रार्प प्रदर्भ स्थान से विवा न्नरःवीशः र्स्तिष्यः नद्वते त्रसः समिते । तस्य त्रस्य स्त्राः द्वारके तर्रः न्वाः भू ने । न्वाः ने सः मी शः सिवारा विवार । वर्षायवे अवर हैं हे वे विस्राय हुर वह्र वर्ष र कुरें। वे सामायदे दर्ग दे हे दे सु स्रवर से दाय दे सामाये न्दीत्रासु हेत्यो न प्रत्य कन्या भीता वेशाय न्ता न्दीन्या देशी देशास में प्रावत न्याय न से प्रत्य हुत्त <u>न्द्यन्यामवे में भूंत्र विवाद्य वर्षे प्राप्त</u> वेयाम इसया स्ट के वासू ही द्रेया शुरव्याय है। वहे वा हे द्राय है। वळगा रावे हेत की दें के हैं है विस्र राष्ट्र राष्ट्र विदायहत के लिंदा प्रवित प्रवित की ता विवास के कि विदाय के y charles for

विंदःरो देःवस्थारुदःश्चीःनद्याः क्रेवःवे कुषःनवेः क्रेवःषसःददः। वर्षे नवे वस्य दनदः यदिशाधिवःषा हेरः ॺ॓ढ़ॱॼॖऀॱक़ॗॱढ़ऀॱढ़ॾऀॻॱढ़॓ढ़ॱॻऻॿढ़ॱॸॻॱॿऀॻॱय़ढ़॓ॱॿय़ॱ*ॸ॒ॺॱॾ*ॱक़ॕॱॸॻॱढ़य़ॱय़ऻॻढ़ॱढ़ॸऀॸॱक़ॗॖॸॱॺॏॴॱढ़ॖॏॸॱढ़ॴढ़ॕॸॱॻॱ धेवा वेर्यःह्वरनर्वे नेरायायारे कं वेरायादा हिला पेरा इरावन ग्राम् से नेरा दिला हिन ग्रीभाने स्रोसभा उत्तादिही माहेत प्राम् । श्रिन् ग्रीप्टी माहेत पीत पुर्स के माना पर्मेन। पर्मे पास स्रामा स्र भ्रेअप्रम्यात्रुरम् । विराद्या गुरुष्ठिर्दित्रियायहेर्द्याया । यस्यस्य स्टियाहेर्द्यास्त्रेम् । विरा दर। दमलातुषाग्री विदेशविष्टिनाहेद।वस्रायां विद्यापादेदानाहेद।वस्रायां विद्यापादेदान्तेदान्तेदान्तेद्वापादेदान मदे से समा उत्र द्वारा की प्रमान के <u> न्यासवे निनेत्रास्य प्रहेता हेत्र श्री प्रथय प्यास्त्र से नाते । ये यथा उदाशी पर्यो प्रथय प्रथा प्रथा प्रथा प</u> श्री । बिश्वानर्शेन् त्रस्यान्दरः स्वेनान्यदे त्यस्य स्वास्त्रेन्त्र निस्य । त्यस्य । त्यस्य । त्यस्य । त्यस्य . बुं क्वें नाया शुः बूदः नरः नते दि केटा। यदया कुया सवा में के त्यया। विदाहमया वदे ग्राह्म से सया ग्रीयाहमा स ह्याक्षेत्रकृतिक्षाक्षात्रविष्याक्षात्रवा विषान्ता क्षुः अदिः अपिकार्धे अत्यवायान्त्रवाया विषान्त्रकृतियाः क्षेंद्र'रा भूर् । दे 'पत्नेद्र'सेसस' उद'यस' इसस' ग्रेस । वसस ग्रेस सी ग्रिप निर्देश हि प्रेस दे सि ग्रुग्यार्थः क्रिस्या । देः स्रिवे त्याया क्रीया दीया प्राप्ता । दे प्राप्ता । दे प्राप्ता । दे स्रिया क्रिया क्रि त्रेयामाधिता वियानमा धराहे भूनाता द्वियायाह्मययाग्वादादादीमा स्वर्थाना स्वर्थाना विषया ह्वियाया यु'ग्राह्यस'ह्री ने'न्या'य'य'र्स्याम्यन्यु'यिवर्ग्यानविम्'ग्राह्मस्य । गुर्व्याप्यम्'ह्मस्य । ह्या । विम्या रटा विट्यांचस्ररायायार्द्र से देते। सिर्यायद्र यह वार्याया सिर्यात्र हो। हेवा वार्स्य स्थापित ही विद्यात्र से नवरःश्चे प्यरःग्रायय विरःह्मस्यायायायाद्ये देराच्या विषायाद्येसात्ती देराच्या विषायाद्ये वायाद्ये ह्या विरा इसरायायान्दरमी देन्। विदामी देन् उद्योगसारी यायादे थी देन् उदाने। विदाहसरायायादे रापते द्री जि.ज.अम्.भुदुःद्र्र.६४.५। बिट.४अभ.ज.ज.अ८भ.भैभ.द्री बिट.४अभ.ज.ज.ज.सर्.भुदुःद्री झिंशः ढ़ॖढ़ऀॱढ़ॕ॔ॸॱॸ॔ॸॱक़ॕ॔ॺ॔ॱय़ढ़ॸॱज़ॣॖॖॖ॔॓॔य़ऻॹॕॖॺॱज़ॹॱॸ॔ॺॸॱॻॖऻॹॱॾॹॱय़ॸॱक़ॕऀ॓ॸॴऻॿॖॴख़ॣॺॱॸॖॻ॔॓ग़य़ढ़ॖॱढ़ड़ॣ॔॓॔॓॔॓य़ज़ॹॴॻॿऀऀ त्युर-र्क्रेट-त्युर-मुर्अ-मु:के-नदे-वहेग-हेद-मु:विस्रश-सूर्क्षिण्य-सु-ग्रु-स्य-सदे-कः वस्र अ-ठट-केट-र्-क्द-रेगें'दर'समुद्रंमनस'दर्कें य'दर्दे द'ममुद्राह्मस्यास'येद'या कंद'रेग्'द्रर'समुद्र'य'रे'यें द'रंस'ग्रीस'क'मसस्य उद्दान्नरास्त्रवुद्दान्नेरास्तरपर्देद्दासादे प्राया सुदान्ना प्राया देशास्त्रवुद्दा स्वीत्वर्त्ता स्वारा स्वीता स्वीता स्वारा स्वारा स्वीता स् यशनसन्। संस्थान्त्रे साम्युक्तिन्। सुरसूर निर्देश्य निर्देश में साम्युक्त स्थाने साम्युक्त स्थाने साम्युक्त सम् न'सूर्र'षीत्र'य। वहेना'हेत्र'मुं निस्रस'सूर्वेनास'य'रे 'द्ना' वस्रस'ठ्द' कुय'नदे 'र्सूत'यस'मुस'दनर'ने स'मून' y calification as the

शुर्वः स्पृश्वः स्वात्त्रः स्वीत्रः स्वीत्तः स्वात्त्रः स्वात्तः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्तः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्त्रः स्वात्तः स्वातः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वात्तः स्वातः स्वातः स्वात्तः स्वात्तः स्वातः स्वातः स्वात्तः स्वातः स्वात्तः स्वातः स्वात्तः स्वातः स्वातः स्वात्तः स्वातः स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः स्वातः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः

पटाने सम्बा क्रूँन या नम्मान के निष्य क्रूँन वा शुक्र क्षेत्र वा निष्य क्रूँन वा शुक्र क्षेत्र वा निष्य क्रूँन वा शुक्र वा निष्य क्षेत्र वा न

July 2 march 4

नुःवळवार्यास्य वासुन्यास्त्री हिन् हो या यहेवा हेत् से से दे वळवार्या यदे नुर्या धुत्र दे वस्य सूत्रा हे स्वा हे खुनार्यायायायाद्वार्यात् यायवरायारायहिनाहेरानाहेर्यायाद्वारायात्रायायात्रीयात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्री यासी त्री न्योग्या सुरान कुरान कुराने साथ राष्ट्र ने साय स्थी स्वरामित हो। स्वरामित यदः निष्यायः मुनार्थे यदः नदे देशे सेदाद्या धदः देश्याचन दहेना नदे छुवाया से प्रायहेना नदि। सुधीया व्हिनामन्द्र। हुरनेशव्हिनामन्वस्येशयोभविष्राचामा द्रियान्यस्य द्रियान्यस्य द्रियान्यस्य द्रियान्यस्य विष्या हेत पहेना सर हैं सपि के है। सदे प्रीय परिंस परे हैन प्रायम मानि प्रायम की की की की मीट है। यह विया तथा केव में विदे हिन् हु कु के विदान प्रविद्या हिन विविद्या है विदान केव के विदान केव के विदान केव केव केव केव केव से·र्नेट्राचाविनाः स्रे। यहेनाः परिः में देसाः स्रेंद्राचरा इत्यायमा से प्येमानतुत्र र्ते स्रुप्येमानविना । दे प्रूरास्रुप्यतुत्र वयात्रयाग्रमा । यो प्येयानतुर्वे मे त्रयादी । यह्ना मृत्युमानीयायहेना माप्येता । वेयायेयायदानत्त्रायहेना मदिर्दिना कुःधी शायदानि हैन दे रक्ष्मा से शायदान तुदान तुदान दिना मदि है शासु कुशायदिना माने में है। कुशायदा नत्व। ने वश्येशव्यव नत्व वहेवा पदे वेंवा पुः द्वरावीश वहेवा परावाशुरश पश्च। अर्देर व सेश वहेवा पाञ्च नङ्गर-हुन द्ध्यायहेनामानन्त्रके हिंदानर्थेययाये द्ध्यायहेनामानुनाङ्गे नाशुयादी दिना हुन्द्वरानीयायहेना यःगठिगायनुरानरागशुर्यायासान्वीरयासराबन्ती। नियानायदेगासदे।स्वायासे।धेयायदेगासान्ता। स्वा म्रीसायार्चे पायो रार्से दारे या पारा देया दासाय सार्धे दासे दासे प्रतस्था प्रति है। सायासराया वादा द्वापाय सा सन्तर्तर्त्रमार्रेगार्न्त्रम्तर्व्यायावि केत्रमें प्रति हित्त्रम्थः से त्रात्रम्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान केट बेट नियम नियम विष्या प्रति वा प्रति वा प्रति वा किया है। दे ते का के वा नियम के वा न ययार्भ्भेवासेनासेना वायाने हे सावनुवालया बेरावान्या हे सावनुवायालया बेरावावहियासे पदासे हे सान्या र्थें : धर : द : खेरे : हे : स : दे : या से : बेर : वर : हे : स : दे : या स : वि : या स : वि : या स : वि : या स ८.केंत्र, ध्रे.च.तर्, त्वरायध्रे वर्षीया क्रिया सम्मित्राचान्त्रम् ने सुसम्बर्धन की साम्यादेशसम्बर्धन सम्बर्धन सम्मित्र सम्बर्धन सम्मित्र सम्बर्धन सम्बर्धन सम ययर रेग्राश्च रहें मुक्त कें केंश्वरें केंश्वरें केंश्वरें केंश्वरें मुन्ति मुन यर प्रशुर प्रदेशकें। हे सदे प्रशुव प्रवित्या हे वा प्यश्र हे स्या प्रतु हो। हे प्रवा वीश्व स्र श्रुश प्रदेश हे व विवा प्रर मूर्रे वेश बेरर्रे विश्वर्र मिल्या दर्भ हे स्रियर मुख्य विषय विश्वर्ष के नाम स्रियर मिल्या विश्वर्ष कर् नर्तुः प्रकृरः र् प्रकृरः है। प्रदेश हेत्र श्रेया प्रराह्ये र हैं। विश्व त्रेरः हैं। विश्व स्थाय श्रुर्थ प्राप र् नुस्यायार से प्रम् प्रते से स्पर्मा मानुस्यमेयायायाये के माने माने स्पर्भ स्मान्त्र मान्याया स्पर्भ सा ऍन् पर्वः न्वनः न् जुरुः ग्रुटः ने बदे । विकित्ते विकासिन क्षेत्रः के प्राप्ति । क्षेत्रः ने मा पर्वः न विनः मिन स्वा श्चिन् प्रमान्त्रिन् प्रमान्त्रें प्रमान्त्रीया क्रिन्ने वाप्यमान्त्रें न् स्त्रुम् अक्रिन्तु स्वर्षे साम्यान्य y calification as the

ब्रूटःष्पटः। र्नेतःषःने:न्वाःवरःक्रूटःश्रेतःश्रेतःस्यःन्दः। इषःइशःस्टःविवःठतःग्रीःश्चेतःस्वांशःनःठटःग्रीः कें दर्भ र्षे दर्भ प्राप्ती वसुवान में बाक्ष क्षा के वार्ष के वार्ष के वार्ष वार्ष के वार के वार्ष के Orion Nebulaवेशपदे भ्रेत केंग्रा की सहें शर्बेर शर्थेर श्रुर श्रूर श्रुर श्रूर श्रू र्थे प्यूर् हिर्। देवे प्रमेष भीषा क्या शास्त्र में रिया है रिया है रिया है स्था है स्था है स्था से स्था प्रमेष स्था में स्था में स्था से स्था में स्था मे स्था में स चिमःवासःत्रीमः। नेःक्षःचितःसहसार्क्षेम्सार्क्षेम्याःचीःस्वरःस्याःसार्यस्यास्यास्यास्यानम्यानम्यान्याः नुसान्। दे द्वा वी श्राद्यास्वाश्रा श्री वा बुवाशासुरातु स्वास्थ्रासुसानुरा हो साल्वा स्वासी स रुषारेषाउदाविषाः हुः सँदावाद्या हो। द्वा हो। दवने सुँदा हुन। यदेवे। यद्यवाद्या सुरा हुन। दवा हवा हवा हो। हो द र्क्षेन्याययात्रे याक्ष्यात्रे विवानाययम् नु ग्रुवा स्वानायमः वर्द्धे न्द्रेया मार्क्षेयात्रे मार्थे न्याये हे याविवायये है याविवायये हे याविवायये हे याविवायये हे याविवायये हे याविवायये है याविवायये हे याविवायये है याविवायये हे याविवायये है याविवाये है याविवा त्रुतःदशःशेःवॅःनुदःसुरःनवेःनञ्जःव्रथःपःन्दःस्रेनःस्रूनःयशःशेंदःसेनःपःन्दः। सःवेंदर्यःसेःवेःनुदःसुरःष्ट्रःनञ्जेः <u> इ</u>े अ'शु'हे' अदे'ळें 'ळें <u>न</u>`हें गुअ'हे 'दळे 'च'त्य' अर्दे व'तु 'शुं गुअ' संदे' खुद' चश्रुद' प्यदा गुर्द अ' दुन न बद्दार्विकाराये के दिस्सूरावक्कार्या प्यान्तिका के वार्षित के विद्यान्ति के विद्याने के विद्यानिक विद्यानि য়ৢ৾৴ॱয়ৢ৾৾ॱয়ৢয়৽য়৾ৼ৾৻ড়ৢ৾য়ৢ৾ঀ৾৽য়৾ঀৢয়৸য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢৼ৸য়ৢ৾য়৸য়ৢয়৽য়ৢৼ৸য়ৢ৾য়ৢঢ়৽ঢ়ৼয়৸য়৽য়ৼয়ৠয়৽য়ৢ৾ড়য়৽ द्वीं अःसअःनरःनञ्जलःग्रेवाःवेरःनःतुअःबुदःदुःविवाःग्वत्व्यःभ्रेत्। ह्विंदःग्रेअःग्रुदःनरःनञ्जलःग्रेवाःवोः *पुत्र त्य न् भ्रेना कुर न कुन व्यूना र्ड स हिना मुः लिया क्री स न विस्त स प्यास प्येत त्या ने व्यून का न विसा स तर न न स्था* गठिगानी वरासे विष्टिर वर्ष सामित्र के प्रति स्था कि प्रति स्था है के सामित्र के स्था के प्रति स्था विष्टि स्था भुः पदः श्रेदः चर्यः श्रेष्

 y charles for

स्तुः स्तुः म् स्तुः स्तुः म् स्तुः स्तुः स्तुः स्त्राः स्त

लर्ट्रियक्ष्म हिराक्षित्र विकासी मानस्य मानमानी पर्दे निया हिरावहिन प्यास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व यट.रेंपट.मु.मैं.मैं। क्र्या.भवर.ज.रेंग.ग्रीभ.पश्चेता.बुट.स.भवर.ज.लेज.ग्रीभ.पश्चेता.यभ.लूर.मुट.वट.त र्ह्से से पहुना परे ही र ने राष्ट्रे परे परे परे स्वाप राष्ट्रे सम्बद्धे प्राप्त के प्राप्त परे से प्राप्त परे पर स्व ৾৾ढ़ॺॱऻॺॺॺॱॻॖऀॱॿॕॺऻॱॺॿय़ॱॸ॔ॸॱॺॿय़ॱॺढ़ॱॺॿय़ॱऒ॔ॸॱऄ॓ॸॱॻॖऀॱॿॸ॔ॱॷॱॺ॒ॱख़ॕॱढ़ॺॱॾॕॸ॔ॱय़ॱॾॕॸ॔ॱख़ढ़ॱॻॖॴय़ढ़॓ॱऄ॔ॱक़ॗॴ ऍन्'डेन्। नात्रवःचेंदे:कुःभूनःळवःनेना'य'नान्'अनःवेना'न्न। केंशःखनश्यःभूनःविना'नाडेना'नीशःईना'यदेः सबयःलूर्यःसर्धियः धर्म्यः धर्म्यः धीरः क्रूचाः सक्ष्यः श्रृष्यः श्रीः चार्यः प्रति । वर्षः स्वरः स्वरः । वर्षः स रेग्'रा'से'से'ते'सेद'र्ने'गीर'गीस'नइसस'रादे'त्स'ग्री'र्से' क्रुस'सर्देर'नसूस'विस'रा'यस्। ग्वद'र्नेदे' क्रु'सूर'ळंद' रेगं सामरान्गं हेगान्ता वहेतु न्राये भुन्ताव हेवे न्या हेता हेता हेता वहेता हैता वहेता वहेता वहेता वहेता वहेता वहेता वहेता वहेता हैता वहेता वहे यदे त्राक् कर से मेर नदे त्रा रे रा कहा विवाद रा वर्षी नहुं वासा वरी वही में वासा वित्र से मून हो ता विवादी ष्ट्रिम्'हेर्नामस्यार्थेन् हेरावर्षेया महेन् गुरादाने मार्चे मार्चे कु विमाने याममार्थेन स्थित विद्यानि स्थान दे प्येत्र विश्वाद्मा अ न्या शे तेत्र दे पद्मे वा हेत्र प्यार्वे वा स्रवे स्यवेद प्येत् स्था पत्र वा से प्या विदा वीशःवङ्गस्यान्यदेःदिवाःहेदःवर्गेद्रान्यर्वेदेःकुषःशःदेशःदाःषश्च दिवाःहेदःक्वीःविस्याःदकवाशःदशःधुदादेः द्राश्रूराश्रम् वहिवाहेव.चर्ग्रमायाहेशक्ष्राचित्राची लाग्नीश्राभवित्रामात्रात्वीरश्रास्त्रहेव.की.क्राला वळग्या बेया तुरा दे द्रायाया नरा सूरा ना की दे से हिं तया सँग्या से दे वा गेदि त्या सुन सूर्य ना स्था के रासी या *ने '*दे'न्नॉद'सर्ळेग'मेश शेर्' हु श'ळेश'न्नग्रथ'संदे'ने सश्यम्य १८५५म् । हेशन्य १८५५म् से 'सेग्रथ'न्न। ने मन् र् तक्यात्रासदायात्रम् मार्थित्यक्रास्त्रात्रम् मार्थित् क्षेत्राय्येत्र क्षेत्रायत्र क्षेत्र यत्र विद्या हेत् क्षेत्र स्था त्यः र्वे वा सम्यः वाहे सः गादे :सम्यः सम्यान्यः सम्या हे मः सः बन् रक्षतः मे वा सदे : श्रू सहे वा हे त । वस्य वळम्याक्षंत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राचे महिषात्तुरार्षेत्राच्यम। त्राचेषा त्यारेषाठतावेमानुः समयाप्यापित्रसा यावर-ह्याङ्गाहे अरहे अरहे अरहे अरहे अरहे अर्गहुं अर्गहुं अर्गहुं अर्गहें अर्गहें अर्थ हो अर्थ हेत परे प्रक्रम्य पर्या परे वा परे वा स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण प्रमान्य स्वर्ण स्वर y with the relaisofu

धुरावकुत्याहेशावकुते र्वेत्र, भूराळें या इयशा घराया यह या वासरावा वया वया या या द्वीरायराचे या रेवा था बस्रकारुन वीं नातु वा तु रक्षेवाकार्कन के समेत तु ना माने वा का की माने के की ना ने त्या वि र्के का मर्नेन्सिवे से देया देश नर्हेन्। तुशः भुग्राशाने हिन्छा सम्यासम्य सम्यासन्ति । तुशासम्यासार्था स्वाना दे'यान्य अर्चे र के द र्चे बेर् वनरं न्या शुर् र्वे र न दे त्य नहे द द श द श स्वाव दे हिंद न र श्वर वि न र वि न हेत्रावस्रसः केत्रः सें रहे हें इंसा हो र शे. श्वास रेवास प्रते शुर हे र पर ने सात्रा यदे । यदे स्पर हें वा सदे सहय पेंदा यर पर्दे र पर भीत कु या अपा हिंद हो अ ग्राट देया कु प्रदेश हैत पर्दे दे प्यान से अ दे प्रयाभ या हैं र स्केत से दे प्यान <u> न्वीं श.सदे वादश स्वाश तकन कु . लेव तन्वा से न्वे श हेवा क्षश में तर न लेवा वश्व से तन्वा वाश</u> ही सदे सवतः स्त्रिन् स्त्रेन् मी वर्षा तर्दिन् स्त्रे वर्षा से तर्दा न स्त्रे स्त्रे सामित्र स्त्रे सामित्र स्त्रे सामित्र स्त्रे सामित्र स्त्रे सामित्र स्त्रे सामित्र सामित ਜ਼ੵ੶**ਜ਼**੶ਸ਼ਫ਼੶ਸ਼ਫ਼੶ਸ਼ਫ਼ਸ਼੶ਖ਼ੑੑਗ਼੶ਫ਼ਫ਼ੑਗ਼੶ਫ਼ੑਫ਼ੑਗ਼ਸ਼ਸ਼ਸ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਖ਼ਁਫ਼੶ਫ਼ਫ਼੶**ਖ਼ਁਫ਼੶ਸ਼ਫ਼੶**ਖ਼ਫ਼੶ਫ਼ੑਜ਼ਸ਼ਫ਼੶ਫ਼ੑਗ਼ਸ਼੶ਫ਼ੵ੶Galaxy੨੶੨ਫ਼੶ वरःवावर्थाः भेरःविःवावतः भूरः न्यवाः भेरः श्चीः वर्गेनः यः इस्यावः वर्षेरः वत्वेवः स्पेनः यः ने रेन्। ने र्नरः सर्द्धः यः यर'सवर'सूर'सदे'देंद्र'दर्बे'क्स्यर'देस'श्चेर'दर्बेच'स्रे'देंद्र'सेद्र'स'द्र्याद्रियायर'दशुर्द्र'वदे रहेवायरे ८८.स्.लुषी चार्ष्रेश्वास्त्राची चार्षुःके.चतुःस्टास्त्रेतःचावश्वास्त्रिचाःहेवःविश्वश्वाक्षेत्रःस्त्रेतःस्त्रःस्त्रःस्त्रः अदे र्क्षेन्य स्थे Galaxy रे रेदे व्रदः नाव्य स्थित स्वे नाव्य स्थार स्वाप्त स्थित स्वाप्त स्थित स्वाप्त स्थित स्वाप्त स्थार स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप र्शेट न त त त होत त्या का के त श्री देश के वा का का का का का का किया है वा त का श्री का का किया है कि के विश्व ल. बिया कें. ट्रे.लुब. सर. चन्दे. सन्। ब्रियाना याहे ना ना सहिता हे ब. की. ब. सह. सनद. लूटे. सर. पन साम ही की. हिंद. द्यायार्थः श्रे : व्याप्तायायाः व्याप्तायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्राय ५८। अर्देरअस्य अस्य अस्य अद्यु कुष्ठ्य हुः वर्षे स्य केंद्र द्रम्या ग्रु अत्यु वा स्थार्दे वा स्वेदा अस्य พभःविदःश्रःभवतःभेदःगरः।वशःव्यद्भाराःभःभवतःवभा देवःग्रादः। क्वेवःग्रीःगवमःदेगःगः व्यव्यादः स्थाःविदशः शुःश्रें न् निवेदायदे हैं अदे हि अ कुन् प्देदे निवन न् नुअ दायहे वा हे दाअवद उद न् विश्व प्रेद है। इस देवाया ळॅं रूप्ट्रें खूट हु। धुत्य वाहिवा हु। क्रे| र उट सहें रूप ग्राट क्ष्ट्र स्थे वर्डे द सदे है। सादटा दे त्य क्रें र वाहिट सदे वाहित ञ्चनारान्दराम्बरारात्र्यरम्। यहंस्राञ्चेदान्दराम्बरासेनान्स्या म्बरास्ट्रान्दराम्बराञ्चेदाया म्बराम्बेदा कुषान्दरमाबदासर्के कुषा माबदामानसाकुषानरुषान्दरा न्त्र्रान्देव मिरमाबदासेमानसरान्द्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा *ૹ૽૾ૢ૽*ઃવૃર્વિત્તઃત્યસઃશ્રેૃદઃબૅદ્વઃવવિત્યવાલક હોઃલવા સદઃવેં બૅદ્વઃવાદે ક્વાંત્રસશ્ચાહદાવત્ર સ્થૂદાવી ગુવા ææે તુર્વે ત્વદા ॔ख़ॣॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ढ़ऀॱॺढ़ॱॺॾढ़ॱऄॣॕॸॱॸॖॖॱढ़ऻढ़ॕॸॱॸढ़ऻढ़ॱऒ॔ॸऻॗ*ॱऄॹ*ज़ॱज़ॕॱॹ॔ज़ॱॸऻॾॕॸॱॴॗऄॱॺढ़॓ॱॿॖॎऀॺॱक़ॗॗ॔ॸॱढ़ॸॱॻऻढ़ॺॱ र्यदे नर्भूर दे समद से र हे ना स पीत नर्भ समर समद उत्र दिना से । नित्र समर ना ने से दिना दर्भ र पर से से स्वर प न्यवसःशुःवेनाःसर्श्वेन्याः स्टन् स्टेसःसर्वे न्यदेः विनायस्य स्ट्रेन् गुरु हे स्ट्रेन्स् स्टर्स् स्वयः स्वयः सेन् नुर्वे से सुरा यर-८८:म्.४८:१८:यट-४८:४४:५४:४५४:४५४:४४ म्.४८:४४। ह्यूं-५४:४८:४४:४८:४४:४८:४४ वरानाः सुरावयरा श्रीरायहेषाः हेवा वेशःश्री नया वेषायशा श्री श्री न्या देशा न्या है स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् देशकें सबद से द रें या नाहें द रे नाया या वाया है हिंदाया से विनानी या हिंदा ही द रही र से नाय दे राया है ना सबद खें प्पेंद्र हे शद्देश कें 'ब्रिंद्र 'ग्रीश प्यव 'हे 'बेवा 'श्रेस 'व दे 'व बेव 'द्रा दिखा है ते 'व है वा हे व 'व है वा सेवा सादा ' y ved in lar solm

मः सदि समद प्पेंद्र हे शः श्चा कु में र स कवा में ।

षटानेते'सह्याने'स'म्या त्यार्थायार्नेराळेद'र्सेते'यातुटाख्यार्थ'त्देते'स्ट्रियार्द्र'ख'रेते'याद्रस'रेवा'स्रायर्थ' यः ५ वें अभीतः मुः ये गर्या सदे । कुट भीयः सुट द्वर्थः हैं गः बीचः तुर्या सदे । सुच । स्विट मी शः कुट भीयः नक्तुन्द्रमः भूत्रभावमः भूत्रः र्क्षेत्रमः प्यान्तः स्वतः वना है रहं अप्तेर न ने रहं आ श्री अप्ती अप्ता अप्ता के न स्पत्ना बेस द व्हार के अपने र बुन पति रहें न के प्ता द्युरायरावरानी अपरावेदादे देवाद् सी विष्टुराधरार्थे वासी अपरावेदाधी अपरावेदाधी वासी वासी विष्टुरान्य होना वी प्यर क्रिंव दु : भ्रूर अपदे : द्वा यव रहंव ची :वर ववा द :क्ष प्यश हे :व :दर। दे : दुश :भ्रूर अपव रहंव ची :ची श ॱॶॖॻऻॺॱॻॖड़ॱॸॖॱख़ॺॱक़॓ॱॸॱढ़ॏॻॱऄढ़ॱय़ॸॱॺॊ॔ॸॱॺॊॱक़ॗड़ॱऄॺॱॼॖऀॱॺॾॕॸॱढ़ॖ॔ख़ॱॸॆॺॱॸॱॾॣॕॸ॔ॱॼॖॺॱऄ॔ॸ॔ॱय़ॱॸ॓ॸ॔ॱॿ॓ॸॱॺॱ वर्दे वार्क्षेशन्ता दे प्यतः क्रुतः वना हे उद्यानेता दे उद्यानी यानी यानी यानी याना के निर्वाद निर्वाद निर्वाद यदः र्ह्नंदः श्रीः श्री मा श्रान्य राष्ट्रः दाया के ता विवा धिदः वे स्वयः विवा विवा विवा विवा विवा विवा विवा व वनाहि उसादेर न दे उसा क्री अपने त्याया क्री अपने वाया करान है। उसावनाहि उसादे न दे उसाक्री अपने हो त्याया ग्रेमःभुवामःकेःवरःवर्वादा द्वेमःमवारायःद्वेमःहे ग्रेमःभुवामःकेःवःधेदादम हिर्मेरदा हिर्मानरहरः बर्'गुर्'सेर्'स'स'हिर्'सर'ग्री'क्षेंग'गेश'सूर्यास'स'स'सेग्रायाया यर्यादसग्याग्री'सुद्र'स्यायर'ग्रीट'के'केर'र्ह्रे'न' ब्रिंद्रा के अप्तेंद्रा त्रा मुद्रा स्वराय हो भूरा अदे प्रेंद्रा अर्थे दान हो अपार्ट्रे पान हो प्रताय स्वराय हो नश्रसेना उत्रायासर्गे भ्रें रानिहरायर्रे रायह्या उत्रावेना हुर्मे रासाळना है। रराया विताह हे नासे विराहर <u>ब्र</u>ेम र्देन:र्ह्नेदे:सुवान्,'सार्सेट:चम:सु:र्स्नेदे:स्रेट:चारुसावादकेवादकादिःचन्,कानुसान,वर्दे:वर्दादेटसा नःक्षः ৼ^{ૹૻ}য়৻য়৾য়ৼঀৢয়৻য়৾য়ৼয়৾ৼ৻ৼ৾ৼ৾য়৾ৼৢ৾৻য়৾৽য়৾৽ঀৢৼ৻য়ৢৼ৻য়৾ঽয়৻ড়ৼ৽য়৾য়৻য়য়৻য়য়ৣৼ৽য়৾ৼয়ৼয়৾ৼ৻ড়য়৻ विश्वानर्देशादाळंदानेवानवे वे वर्ने नार्चश्वाचायावर्ष्यवायायात्रम्य स्थान हिन्दी स्थेन स्थान होन्दी हे साविवा <u> नगायः व्हें न नेना न नुनः क्षें व्हें वा विश्वास्त्र सुन न निष्के में न न सुन्दें न विश्वास्त्र स्तर्य स्</u> सर्हर मुन मते मुर ने वा नर्हे अ प्रेंट वा न के हैं र न ने महित का से मिने के कि हैं। परि से सर व है वे सर y white March

याश्रयान्यभ्रम्भार्याः स्रोत्यात्त्वा यात्याः स्रोत्यादेत्याः स्रोत्याः स्रो नर्वे मुन परे द्वार दुन द्वा प्रदेश हिन विस्था परे में या सर है भूर क्वा या पर दि । प्रमाय मिर केन से दे है :क्रूर:त्रूट:नवे:क्रुंव:नठर्भ:सर्देत:सुस:न्:सर्वेट:नवे:रे:नःर्षेन्:नःषेत्:वन्त्वा:हेर्भ:रे:नःसेन्:सःवःस्प्टः कुंवायार्हेशन्ता क्रवानेनायमा इयायमेयायमुमायमुमायामहेव वशावेन विमानमा क्रवासन हे स्थापन सर्वेट वृष्ण परि कुट प्लेल विवा वर्वे मुवा ग्राट श्रेट सेंट्र है ने प्रमुत्त के कुट प्लेल लाय नहेव वाषा दर्वेट के दारें है है ^११८ चुर नवे रहे ता अर्दे त शुअ प्राप्त अर्वे र मव अर से दा परे तहे ता देवा है , तह देवा विकास के स्थान हो है देवा सर्कें द'द'र्ने द'र्ने 'न्' रुट: कुट' | दे'नश हिंद' शेश श्रुवश ग्वदश वहु 'च' शेद' पदे 'दमें द'सर्के ग'ग्रा श्रु नःर्रे.ही.रेट.जशःकी.पर्यशःर्श्र्योशःस्रेरं.सरःस्नैरःयःयधेयःतरः। रेयिजःखेटःस्र्रंटशःसप्रःक्षेत्रश्रःस्त्रीयःतः यर्हेरःचःदरः। याव्वेरायःयार्वेर्पःमञ्चेरामयेःद्धंयाधिम्रमःश्चरःचःदरः। याव्यःश्चेशःस्रायःयान्वेःवेरःमह्यःसद्धःचः <u>देपा'म'र्सेपास'स'के'से'सूस'मर'नर्बेर्'म'र्स्नेस'वेर'यद'र्सस्याचेर्'म'र्नर'। सेसस'क्वेपाकेपा'तु'रेस'सु'स'ळर्'</u> য়৾ঽ৾৽য়য়য়৽ঽয়য়য়৽ঽঢ়৾য়ৣ৽য়৾ঢ়৾৽য়ৄয়৽য়৽য়য়য়য়৽য়য়ৢয়ৢঢ়৻য়ঢ়ঢ়৽য়ঢ়৽য়য়য়৽য়ৣ৽য়ৣ৽ঢ়ঢ়৽ঢ়ৄ৾য়য়ৢয়য়৽ नष्ट्रवाची क्रुः शॅर शॅर श्रुरेश हो क्रेप्ट्रवा क्रें सार्वे र नर त्वाशास शॅवाश वायव्यश तु से र स्मर स्मर परे तथा <u>ๅ฿๛ๅ฿๛๛฿๚๛฿๛๛๚๚๛฿ๅ๛๛฿๛๛๛๛๛๛๛฿๛฿๛฿๛฿๛๛๛๛฿๛๛๛</u> *ऄॸॱय़ॸॱढ़ॖॱॺॱक़ॆॱॸॺॴऄॖॱॺॺॎ*ऻॺऻढ़ॺॱय़ॱॸ॓ॱढ़ॶढ़ढ़ॺऻॱक़ॗॸॱॼॸॱढ़॒ॸऻॗॸॎ॓ॺॱढ़॓ॱॸॖॺॱय़ढ़ॸढ़ॎऀॺऻॱय़ढ़ॱढ़ॸ र्क्षेट्राचा । वट्रवात्यात्रवर्द्यद्वात्रेष्ठात्वेवार्दे रहुवा हेश्यत्दा पेट्रश्यात्रावर्द्यत्यास्यात्रावर्द्य मद्रःसर्दे त्यम् यदःद्वाः र्द्वेसःददःद्वादः श्रुवः स्त्रम् । इदः श्रुवः स्त्रम् स्यमः यद्वेनसः । दिःद्वाः श्रु न्याः हुन्ते। । नुश्चायः वर्षेत्र वरः भूदः वरः वर्षुन् । विशः न्दः । देवः दें रक्षेः भ्रोदः वर्षा वाववः प्यदः वे रवे वर्षाः व भ्रातः व विशासेन्यनेत्रायासेन्याः सेतिः स्वान्तः विश्वासाक्षे सुरानेयानेतिः त्ररासेनाः सेशायायेनाशासराके शान्यासेन्याः गुःने:धोबःया खुरःने:न्यायो:याईन:र्नेब:बे:यनेब:यन्वेव:कुरःश्लेवश्राधःयन्त्रु:श्लेवश्राधःयन्त्रु:श्लेवश्राधःयन्त्रु

यून दें ते के न्यं के

y charles dans 64m

स्ट्रिन् प्राचित्र प्राचि

लट. देवु. द्वा. ही कु. शरु. विशाक्चित. तदी. कवाशावशावशावी. वि. हो च. तदीशाक्त. व्यात्राची. शाली. वी. त्वाकवाशावशा कैर ने वा सवा केर बर् क्यार्रे र कर्र कुर रु भ्रिक या दर में ज्ञाय कर्र या भ्रुया कर ग्राम है । वह र ग्रुप परे <u> ननम्बोशन्याळ्याशर्वेम् हे हे अदे वेंम्याळ्नम् स्थायश्चनम् इयावेग् हे छेम् प्रमूम् भूनशनेम् याधे</u> म्.ज.श्र्यात्राक्षे.त्राप्तुः वित्राक्तिः क्री भिरात्वता श्रु. क्षाया ज्ञात्रा क्षी.प्रम्यात्रा क्षीयात्रा क्षीया वित्र स्त्रा क्षिया क्षी त्रवित्र प्राप्त क्षी त्रवित्र क्षी त्रवित क्तुन देवार्से वर्ते सुतारा सुतात्रवा विवादिवदाविवा कुष्वयुमाना धीत देविका निमाने मिला सुना है। स्रोदे विद्या कु क्षेया या अहे शक्त वर्ते दाया वर्ते दाहे प्रूर प्यदार्दे वा या यह वा हे वा यदी और वेर यत् वा सूर्व क्षेत्र व या दुः व कवा श निमा भे में भेर पत्तु अपूर्व हे अर शुरवहे मा कुरे दिन हे अर पाय अभी पत्ता दे दे पति दिन पति हैं वि अपने दिन दिन र्वेटरी हैश्च.की.योष्ट्रश्चात्रश्चात्रश्चात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्ये.तर्द्रट्रात्रेच्याः हेष्ट्याः हेष्ट्याः हेष्ट्याः स्वतः लूटः स्वट्याः स्वतः लूटः स्वट्याः श्चार्थे। र्ह्मा अवदायानु राष्ट्री राज्यस्य विदायासवदाया स्याय क्री राजस्य वर्षा दिन्ती वर्षा हो स्व मदि: श्रेम: बेम: न: इत: र्रे राज्यमा है। सदि: हिम: कुन: हे राजा कंत: में पायरा केत: केंत्र: केंत्र: है। सुन: वी स्वान क्षेः रूटः रेवे अर्वेटः ब्रूटः वकः ग्रुवः पवे क्षेः अः ट्रूटः दे त्यः क्षें रः वः ग्रेट् । अविवःग्रीः ग्राववः वे 'दृश् । ग्राववः व्यापादः दिः यावयःसःस्रद्या यहंसःभ्रीतःद्रःयावयःस्रेयाःद्रस्य। यावयःस्र्रःसुःद्रःयावयःस्रेदःस। यावयःयान्वेदःक्रयःद्रः वाबदःसर्ळे मुत्य। वाबदःवाद्यामुत्यःवरुषाधीदायःदरः। दःतुरःदेवे विरम्मुरःसर्वेदःस्रे भीवःवमुदःसर्वेदः सुवः संवे मानवः स्रम् द्वि समास्रम् स्रिन् केम्पे प्रमास्रम् के मामानवः स्रमान्स्रम् प्रमानुस्रम् सुमाने र्षेत्। ते द्वस्य प्यया के र्वे यादी से दूर ये वियाया ते प्येदाय सम्पर्देत प्या कु विदार्श्वी यो सूर प्यूवा पेताय सम्पत्ती ते 'क्ष्र-'वाबर'न्त्','यथ। रूट'रेदे'यह्ं अ'ब्लेट'य'र्ब्नेर'न'वेन्'यदे क्च'न'विवापिता वाबर'स्र-'तु'न्टा। वाबर'क्षेत

y called a land

स्टिन्धिरान्तेयात्रीयाः स्टिन्द्रीयाः स्टिन्द्रीयः स्टिन्द्रयः स्टिन्द्रीयः स्टिन्द्रीयः

क्र.ल्या.स्याल्या.क्यु.स्या मूर्या.स्याल्याच.स्याल्या.स्याच.स्यात्याच.स्याच.स्याचा.स्याच्याच.स्याच्याच.स्याच्याच.स्याच्याच्याच्याच्याच्या

स्रम्याचिकान्त्रम् स्राह्म्याह्म्याचिन् क्रियाचिक्ष्याचिक्षयाचिक्ययाचिक्षयाचिक्ययाचिक्ययाचिक्ययाचिक्षयाचिक्षयाचिक्षयाचिक्ययाचिक्यय

July 2 march 4

यावै ये न के ब वि या यो स्ट्रेट र र र र र र र र र र र र र र र र व या था री। या प्यतः से र र र या र था री। यह र यह र र र यार्ड्र-र्र्ट्रा अर्क्के क्षेत्र-द्रा-अर्क्के द्रा क्रु-अर्क्के द्रा-क्रु-अर्के क्षेत्र-वे अर्के क्षेत्र-वे क् मदिःवेलाचीःश्चें व्याप्तःवेनानीःश्वेराने प्रमानसस्य उदानम्याची स्वाप्तः स्वराव्य प्रमानस्य प्रमानस्य प्रमानस्य विवायमामर्बेटाम्ने मुनामदे भ्रीम् वाववायटामे सँवामाभ्री प्रदेश सेंटार्ने र्रेवामावी प्रदेशिभ्रेटा व प्रमावी प्र श्चे दुः ढ्रंग्रायः सुः दर्वे स्ट्रेन् होन् नित्रे व्यापान्य ने विस्यार हम् यदिः स्ट्रेन् नुप्यानः विग्रायानि विदिः होन् हैं भूर पर्वेर पर नर भूर में मुमाक दे तर दुः सभूर न से र पदे भ्री य तर न सर सम्बर्ध सम्पर्ध र कर पदि मा हेत्रत्रः य्वानाश्रः पविश्वत्रशः व्याप्ते । त्रसूत्रः स्रोत् । स्त्रुत् । स्त्रे । स्त्रुत् । स्त्रे । स्त्रः से वा । से व र्रे : क्वें धेवॱॴ^ॱऄऺॸॱक़॓॓ॺॱॿ॓ऀॻॱॻऀॱॺॖ॓ॸॱॸॖॱॺॻऻॺॱॸऀॱक़ॗॱक़ॗॸॱऄ॔ॻऻॺॱॺॾऀॱॸॺड़ॱॸ॔ॱॾॕॺॱॸॖॱऄ॔ॸॱॸॱॸऀॱॸऀॱॻऻॺॺॱक़ॕॸॱऄॿॱ ढ़॓ॱढ़ॱढ़॓ॱॾॣऻ*ॱॱॱख़ॕॺॱॾ*ॱक़ॗख़ॱॾॣॕॺॱॸॱढ़ॱज़॒ॱॺॱक़ॗ॒ॸॱॸ॓ऀॸॱढ़ॺॱॸढ़ॣॺॱऴ॓॔ॱॶॖॻॱॻऻढ़॓ॻॱॸॖॱॺॺॊ॔ॱॸॕॱग़ॖढ़ॱढ़ॺॱॺढ़ॺॱय़ॕॸॱ ब्रुअविरमिर्देशकेष्मिर्भकेष्मिरम्बर्दियाव्याप्तर्यस्थित्रस्थात्र्यस्थात्रस्य विष्यात्रस्थित्रस्य स्थित्रस्य स्थिति स्थित्रस्य स्थिति स्याति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्याति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्याति स्थिति स्याति स्थिति स्याति स् र्देर्भःशुः नेरः ध्रेतः क्रें से शुंभः नृदः वाद्रभः ख्रुतः, सः नृदः धृतः परः भः खनः ख्रुतः वरः ख्रुवः वरः च्रा रे'म्बित्र'न्द्रप्रश्चित्र'सूर्र'क्वार्थाशु'म्बिर्थार्थेम्थार्वे मुद्र'रेद्र'मे सूर्र खुंषाउँ सासेद्रप्र'न्देशसें व्हिना हेत वर्ने क्वारेना यदे वर्ने न यदे वहिना हेत न सम्बद्धा वर्षे व वर्षे न स्वाप्त कार्य न सेन केन नह्रम्थान्यास्य स्वतः न तुरामी शार्के शासरें द्वाराराम् शुर्यापदे त्वहे मा हे दावहे । कुरासे रातृ खूरानराक नवमा व। ह्युयार्से देयारेयारेयार्से विमा मुम्बूदाश्चेदादी यायदेवे वे विमाम्बेदानी मित्रे विमास्त्रेया स्वे प्रायमित्रा देवे देवा क्रुट वी द्यीय विद्या क्रुट वी द्यीय विद्या के विद्या क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र मा कुरे न्रेंग्रेय वर्षे र ग्री बेर न्र में र ग्री र ग्री केर विदे बेर कर्र अहमा बेर । रे र न ग्री वसर न्या कर वर्ष इ्याद्वां त्यमा नक्कर् वित्रे द्धेते दर पुर्विष्यम्य दस यासे राष्ट्री सामिति त्या बुमा केर नक्कर् वित्रे को दर पुरा देवे र्वि र विर भुग र नर रे अ न दी हे रे रे रे अ वयर कर हि रे मी व र न हो गया हे वे अवव क्रें र र न के र मी रे नर्त्रः अर्हे न्ययः श्रे श्रूं यथः मदे रहेवा श्रे अप्पेंट्यः शुःनर्श्ने न् ने ने न्त्रा मी स्कृतः वेवायः शुः श्लेटः छेदः में निवायः शॅवाशनावादशा देवे वरद्रात्रवादेवे व क्वेरे कुशवादा देवे सवतः भ्रेर्द्र खुवाश रेश विराधिर खुवा वर्भेर नःश्र्वाशाधितःपश् र्वोष्यायशर्येवाशास्त्रं हेत्। क्विटारेटात्रशाक्षाञ्चनशाञ्च्यार्वे। स्वाधित्रं विवासर्वेटानायश रामित्रिंद्रभूष्ट्रम् भेत्रभित्रभूष्ट्रभ्वेताः मे प्रमानित्रम् स्थानित्रभित्रभ्यम् स्थानित्रभ्यम् स्थित्। ग्रम् से से देते । वाय हे से द्वा य द्वाद देवाय य सुर से दर्वे य य र स्थाप य स्थाप य स्थाप य स्थाप य स्थाप य स वजुरमें। अदिविविवाहेन स्रेरमी सुर जुसमें रिविया भेतर्सि छिर करमी सुरमें येन येन वर्षन विया भेत व वे दें अळ र छ। वर वरे ख्वाश था श वाबि खेरा खेरा हु वर्दे र श्रीव खेर वे र र से वहर दे। वे र र र र वि र र र व यः सूर्रः अः निवि । विव : स्व अः सः निवः क्षे वर्षः विवा नी दिशीयः त्र अ। विरः क्षं न अः शुः क्षे अः सदिः से र स र हो । वर न न न र सः सूर तुःविनाः सर्वेदः प्यदः से खुनः या प्येदः ग्राटः से खेदः दे। दये र द स्वास्त्र सेनाः प्रश्रामाविः तुः र्सेदः विना वेदः प्यदः y ved ig iz Marisoln

र्देशःगुद्राद्रशायद्दरायदे गुःर्श्वेदायद्दा विषा वेदार्शे श्वेदाया यविदार्शे ।

वहिना हेत नहें न परे अर्ने निवेर नविन तर्मा त्रा इत वर्मा प्रक्ष प्राप्त क्रुत निवेश से तानी क्रा न न निवेश से शःमाबि 'दे 'माहे शःमादे 'दसद' ळंद' 'दसमा ळंद' 'दत्तु सः समा माडे मा 'ददः सि 'मकुँदा । कुदे 'द्यी यः पर्वि रः मी 'बेट' दर्र दे'गिहेश'ग्री'बेट'ळॅट्र'सहसाबिट'ट्रमा'ळॅट्र'दर्ज्याञ्चमा'गहेश'ट्रट'व्वि'गश्रुस'व्यःक्ट्रेंट्र'चक्कु'बस'म। दे'र्न्नग्री' दसरः रूर् द्रम्याः रूर् व्युअः स्याः याद्याः द्रमः द्वियः भेतः । व्यक्षः विद्युः दे विद्युः वि ग्री:यानिवाय: त्रम नक्तर्वि: ग्रीतर्वार्वि: म्रीत्रयानिवादि स्त्रीयानिवादि स्त्रीयानिवादि । देवे^ॱकुषॱर्वेॱदेॱदगदेवेॱविं'दर्वेदर्धुग'तुःवदःदेश'ववे'क्चेदरतुःहुदःश्ले| दे'द्गामी'वयदःळंद्वे'देश'क्चेश'ञ्लः वर्भार्देगानी नर्भ्, न्यमा क्रमा द्वारे प्राप्त स्वर्ध द्या ने प्रमानी विष्ट क्रमा दी प्रभाने स्वराय स्वर्भ निष् ळं ५ 'बि' माठे मा ५ ८ 'ड्रा मार्के ५ 'ड्रा मार्के ५ 'च्रा मार्के ५ र्द्रेटा नवियाने नमार्कन्ते अर्द्द्रेटा द्वेटा नेवे सम्बद्देर् न्या केटा ही में नत्त र्वेटा नेवे निवास है है । न् बुर वहें ब के ब ख का क्री ब र र र र वा केंद्र र वा वे कि क्षें द र र कें न ब र द र र र र र वा कर र र र र र वि र र पुना की र रे से न्या विष्य के नार्थे कि नार्थे कि ना के नाय न बे दियर प्रयास्त्र हि त्या स्वार हि हो हो राज है वायेनायेनाडेशामदे मासूनाहे सूनादर्जेम् धेनावानाह्नावान्यानु स्कृतानु सासूनिम हे सूनानु हिंगाया विष्युत्ते नाम्या अर्थाक्ति अर्धी नमून पास्त्र पास्त्र प्रमान्त्र पास्त्र पास्त्र पास्त्र पास्त्र पास्त्र पास् त्रूर-धेव-प्रमा वर्दर-ळ-सूर-व-हिंद-दर-रट-सुँग्रम-सु-गर्दिग्रमाय-प्रदेशम्य-प्र-स्मय-श्रीय-ग्राहे-देय-प्रर-विय-<u>न्व</u>ों राक्का बिना त्या वरानवे खुनारा शे पहेना हेव श्री क्रानावना कंव सेना खुनारा शे पहेना हेव श्री क्रानावना <u> २८.भ.भू बेथ.य.त्या.भुष.संघा.संघा.पंचा. १.याष्ट्रेश.क्.चाट.क्षेत्र.तयाक.यश.यावृत्या.प्यश.वंदा.वं.वृत्या.त्र्र</u> <u> नर्वो अःश्रुअःसःन्तः। श्रृॅ्वःसअःगशुरअःसदेःव्हे गःहे वःग्रीः इसःग्रवगःयः इरःहे अःवग्रे नः नर्वो अःश्रुअःसःनगःवेः</u> लॅगिःहेर्गिः के र्वेश्वाधेत्रः सर्वश्वासरः तुः श्रेष्ठे र्वेगः तुवरः वर्तुरः दें।

 y charles for

र्क्षेत्रः से 'नर्जे श'त्रः खुदः 'नक्ष्र्तः 'वहुना' श्रदेः खुव्यः नदः धेत्रो हिंनः ग्रीशः में दः 'नुः श्रदे से स <u>इं शःशुःक्षेः यदे व्यवस्य स्थाय के स्वत्य के स्वत्य के द्वत्य क्ष्या है । पूर्वे क्षया है । पूर्वे व्यवित्य के स</u>्व ्रथायराञ्चनानक्तार्डराविनाहो केरावशुरावर्शे रहेवा अन्यरानेरास्त्रे में व्यासेन्स्राहे स्वते शिस्राकृत्यी क्रुप ययाकेरहे अदेरें राशु येत् कु यो ते कुया हे त्रार्थे निर्मुर विषय रें रहे शहे अदे विनर ह्रा यें रश हें प्रारा बर्-रे-ब्रिंश-क्रुन्-क्रेय-सॅ-वर्ने-सुंद-स-सुद-दग्-ए-व्युर-क्रु-पोद-स्वय-र्सेग्-संदे-स-देन्य-संद-स-सुद-नर्गे दिन्यासार्ये दावसा मानदायदाने दिन्य प्रमानस्य स्त्री मान्य स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त ळॅं ५ तिश्व र्से ६ ते त्या से इस त्या त्या तिया त्या तिया या तिया या तिया है ५ या है ५ या है ५ या है विया यो या यो ५ केश होत् मुना बेर न प्यत् नन हैं या स्रे का स्रात्म होति प्रमान हो में भें में में मान स्रोति हैं न स्रोति प्रमान हो हो है । हेत् ग्री ह्रा निष्ठा त्र विष्ठा हित्य हेत्य होत्य होत्य होत्य स्था होत्य क्षेत्र हेत्य हेत्य स्था हित्य होता है स्था स्था है स्था हित्य है स्था है स् विष्यानवे सेनानासरान विनानक्केन वेदानवे स्रीरान्या ने वासासरान्या हिन् ग्रीसाग्राम् स्रीता स्रीता मदे श्रेम ह्वारा में में त्रावर्ग वर्षिम वार्षिम वार्षिम वार्य के में विषय में निर्माण के लिए हिंदी हिंदी हैं कु:बिस:माशुस:न्र-'ध्र-पित:से:बेना'पेत:स्न-पे:पर्ना'पर्या विंट:मीर्य:देन्'रुना'त्र-पंसे:पःटेन्'त्नात:क्षेय:पर्न <u>२</u>.५२.ग्रे८.८ग्र्यूश.ट्र्यूय. बाङ्ग्य.ग्रेथ.ये.प्र्यूट.ये.च्यूय.या.ट्र्यूय.यह.व्यूय.या.च्यूय.व्यूय.व्यूय.व्यूय. वबर में बुःकुष कें द में बिवाया बुः विक् भ्रुवा वाबव बिवा बेद से पर्दे द माधेव प्यर श्रेद से वार्ष में वे से स देवाचन्त्रीयाची चेदेरिषी नगमार्ख्याक्ष्म वटानमून र्केमास्यामार्थी रक्त देवाची नमेवामास्यामार्थिया <u> ब्रे</u>न्'भेब'म'न्न्। दर्शे'न'र्थेन्य'ग्रे'माब्य'भूनय'न्न्यवर्ष, श्रुवा'वी'र्नेब'द्युव'ब्रेन्'भेब'म'न्न्। केंश'गाब्द्'दे *ऄॸॱॸॕॖढ़ॱ*ॺॺॖढ़ॱय़ढ़॓ॱख़॔ढ़ॱॸ॓ॻॱॷढ़ॱय़ॱॸॸॱऻॗॎॕॸॱॻॏॴऄॴज़ॱय़ढ़ॱख़॔ढ़ॱॸ॓ॻॱॻॏॱऄॣॴॹॖॱख़ॵॱक़॓ॱढ़ॸॱक़ॕॴॹॖऀॱॿॖॸॱ सक्रवःकृःतुःभेवःमःन्दः। देशःवःक्वःदेगावेःवदःनश्रूवःकेषःसुग्रवःश्रुःगश्रूवःश्रुदःकृःतुःभेवःमःन्दः। सदशः क्रुशःग्रीशःवेर्ष्यं शुंशः क्रेंद्रानु ग्वाशुरश्यानवे खुरानक्ष्रवाक्ष्यशानुशान्दाक्ष्याना गुवानु क्रेंद्रिवाके देशाना नि র্ষ্ট্র ভেদ্ 'বারম' দীবা' নার্ক্টর 'বট্টর' বা মরব 'র্ম্মি দেম ক্রিদ্র দ্বানা গ্রম দেশ দুর্ভেদ মর্ষির 'র্মির 'বারম' দীবা' कुरःसर्वेरःमे र्स्नेनर्यः क्रेर्यःसेन्-नु-निहरःसे। व्हेन्।हेदःवःसुःसेन्-चर-नुर्यःस्यःनेतेःकःद्रयःस्यःस्यःकुर्यः ૹ૾ૼૼૼ૱ૡૢ૽ૹૄૹૹ૽૽ૡ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૾૽ૢ૽૱ઌઌ૽૽૱ઌૡ૽૽ૺ૱ઌૡ૽૽૱ઌ૽ૼઌ૱ઌ૽૽ૼ૱ૡ૽૽૱ઌ૾૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽ૼઌ त्रुर्भः चेत्रः प्रदे वात्रुर्भः नेत्रान् स्तृतः कर्भः ने 'न्याः यो 'क्रेन्' ने स्थानः क्रिमः स्थेनः स्थानः स् मिलेग्रास्य स्वा सिन्सान्तरः दुतुः केसा नः क्षः क्रंतः रेगाः सिन्सः सः क्रेंत्रः सामाने । मुन्दे नामाने सामाने र्सेन्। नःस्र रहेत्रः नेपाः पः र्हेशः वपाः पठनः पदेः युवः र्नेदः प्रयः हेनः पद्युनः पदिदः पिनः पर्याः नः रहें शनः व्रावाः वरुद्रानिक्षात्रावद्दे देशा श्री अपवश्च रहे। अवरा बुवा वेद्राव सुद्रावदा वस्त्र वसाव स्वापनिका वर्षा मंदे-तुम्भनेवार्देन:सूम्राज्यानेम:वैन:तृण्याके नदे वासुन:स्वापने जुनावावायार्वे सेत्

धर। द्वेर्यक्षाक्षे देश्व द्वे प्रविद्वे द्वे क्षाव्यक्ष र्या विद्या वि

y called a land

यद् नर्भ-द्रियः हैं स्याण्ये न्ने स्यां हैं स्याण्ये न्यं स्याण्यं स्याणं स्याणं

र्वि'द'रे। हे'र् अ'ग्री'अपिश'राकेद'र्वे'के'र्द्व'विषय विद्यान्त्र वार्चे हे वार्वे हेर्या विद्या विद्या हेत्रप्रदेषे र हिन्या अर्देत् यात्रयान्य प्राप्त स्थान्य स्थाने स्याने स्थाने स र्झेट १ १ तुः विना ग्राट न क्षेट्र प्रेट्र है। क्षु : अर्कें दे : सबद : यः है। दें दा से न से साम सुद : साम सि वर्ते त्यान्यस्य ह्यें विहेर हु व्यान् सुरसार्थे र स्नूर वर्त्व हु सर्वें सम्बद्ध यह वेर्ते से विवास र निवर सम शःगवि:रेवःवे:सरःवन्दंपवे:वें:र्केंद्वा सर्देवःवःवशःग्रदःशःगवि:रेवःवे:सरःवन्द्वःवेंद्वःदी विरःध्वारेः र्ने 'द्वी 'दब्बरान्दा। क्वीट नर क्वी 'क्वार सर्के 'हे 'देंदा से दायदे 'सुदादवा 'ह नयदार स्था हो । विश्वाने साम है। अर्देव मर क्रेंट मशुअ मी देवा मिलिट क्रुट वे प्युमा महिमा हु पद वाक मश्यर प्रमेश वर्ष महिना है दे क्षेटःक्केटःनविदेःदेवाःवविरःक्क्यूरःनदेःकुःन्दःवोक्षेरःवःकन्नःनक्ष्रुतःनःधितःव। क्षेट्रःवाशुक्रःनेःनवाःवोःनरःक्रम्यतः क्षेरावराम् भित्राया स्वार्थिता वार्षिता वार्षित का वार्षिता के वार्षित वार्षित वार्षित वार्षित वार्षित वार्षित ने निवित्रभूर्यात्रा । कुं भूराळें नियां के के ताता । मिर्ग्यां के प्रतिता के प्रति । कुं भूराळें स्था मार्था ठ८.शेष.सर.५८'चे । १९४..चेशेटश.स.इ..चेंडी चिय.शे। ह्येंट.चोशेश.झी.५९ ची.धेष.५५ र.५५.५५ त्यर.शक्तश्वा.शंशाकी. <u> ५८.वाश्रेर.की.रकी.तकुत्र.की.विर.ली.विर.ली.वर.कर.२ी. श्रीर.चलुकु.धी.वर.श्रेर.की.क्रूचाश्रक्त.क्रेय.सी.वर.ली.</u> मायदी प्रमामान के प्रमास कुमासे सार्मी व्यापनि सार्मि सार् नवि न परिते सुत्र म परिन न सुर्य म भीत हुना यय नि से हो । सर नी मीन य सर से ह हुन हुने ना सर सुय ग्रह *য়े.पर्ने, न्यदे.हीम् वर्षे.भ्रुभःक्वा,यन्तर.ग्री,यःक्श*लयःलयःयम्यक्तरम्भरम्भे,य*श्री,यश्रीयभावे*य देशसः कें अयरें व प्यत्र वित्र त्युवा वी ते वे देश त्य्य अत्र । ब्रीट वर्ष की क्षा अर्कें त्र है वें द्र अर्थे वा पत्र सुव ववा हु व वद y (of intailsofu

र्थेन् नेर नवर हुव गान्य विं वर्षे ।

स्त्राचा वर्त्ता निक्ता के स्त्राचा के स्त्राच के स्त

शक्ष्मां कार्यक्ष स्वयं स्वयं क्ष्मां क्षमां क्षमा

y white March

श्चित्रभाग्वर्रभाषीत्रायमान्दिरभार्श्वाविषाश्चीर्यामविषामाने साम्राज्ञीतान्य विष्ठात्रम् दित्राने सर्वेदानवितानु ह्रुताङ्क्ष्या रा.लुची योट.क्षेर.ब्रिट.क्रुमी श्रीयमार्टेषु.बियो.ब्री.लीक.ट्रे.क्षेषु.श्रीयमायोयमाश्रुच.सर.क्यमायी.श्रीयमायोय षीत्रः वेरः क्रें व्यानाः व्याप्ति दे। वे अः वेरः नः वर्दे अः क्रें व्यायम् अः वर्षः वर्षः वर्षः वरः न्यायाः न श्चराशीकित्रात्रात्रात्राच्यायार्वे प्रत्या वालवाया द्वा द्वारीकेत्वयास्तरायमा द्वारीकार्ये वार्वे वार्वे के त युगाप्तक्तार्जा । विशामशुर्शामधे ने सुभेग्रामाया कु सुनशन्दापत्र सामुनशा ग्री में नावन से पोदा कु प्रेन नर-बैट-ब्री जन-टेट-त्र.चन्र-ध्रेयनानर-टेयापूरी विकाय्येश्वरमानः क्षेत्र-व्रिट-श्रीमाध्याकाः व्रुप्त-व्रुपानाः क्षाः व्री: यप्रयानः केत्र में दे माशुराया में त्र ही मात्र प्ययायहँ माना हुरा बदा ग्राम्यो नाया प्रयास्या के नायदी प्रया ऍन्ने येग्रयान्त्रम्यार्थराष्ट्रम्यया याद्ये विरामी केन्नु कुरद्वेदायाया विराया कुरद्वेदा देया याद्या विरा *चुेत्र:ची:केन्-नु:चुना:पर्काय:न:प:ने:प:चुना:पर्काय:वेश:नर्ने[श:केन्:ची:नवे:नर्ने[|वेश:नाशुरश:प| हे:नन्ना: ৡ৾ঀ*ॱळेत[्]रॅं ॱॸ८ॱৡ৾ঀॱয়ঢ়য়ॱড়য়য়ঢ়য়৽য়৺ড়৾ঢ়য়৺ড়৾য়৽য়ৢ৽য়ড়ৢঢ়য়ড়য়৽ঀৢ৽য়ৢয়য়ড়য়৽ঀৢয়৽ড়য়৽ড়য়৽য়ড়ঀ৽য় योः श्रेवः प्रम् । श्रुम् अन्तः मुः सक्वं प्यमः प्रमात्यः प्रहेवः वशः भ्रम् वशः प्रमात्यः विष्यः प्रमात्यः । श्रुम् अन्यः प्रमात्यः । वनाना इत्दे में निर्मा वेनाय नभन मये राखेर खया ने याया थे ज्यानी ने याना मी के कुरि भेया राजा ग्री.स.र्रेल.पे.स्रीय.त.ताची.य.पु.त.सी.त्य.स.ल्यय.पु. । योट.सी.क्र.त्यंश.यी.ताची.य.पु.य.पु.य.पु.य.पु. सायाचे नात्रा कुः सळ्ताचे पन्तु तात्रा लेखाया है भी नाची के नानु हुः एडे हाया था भी नाया हुः एडे हा लेखाया हूर केन्धितया हैं सयाहिन्ता ध्रयाही निर्वा क्षयाही निर्वालियाहि स्वित्तयाही महिष्याहित्याहि स्वित्ताहित्या मशुरश्रामान्ते त्येमाश्रामभूत् सासेन् हेट में ना बन हिन् हेमा यन्ना स्ट्री सुमा पळ या नवे रेन् व हत् ही या प्यम मिडेमा'हेन'श्चान'र्नेदे'मिहेन'सर्नेन'न्रान्यसार्नेद'मी'न्यर'मीस'इस'न्री'चित्र'न'न्त्र' महिस'स'न्रा' मनुद्रास' र्शेषाश्रायायह्यायरास्र्वेतास्रे। होन्यार्शेयातायीश्रायतास्रुत्यायन्त्रश्चित्रस्त्रम्यावस्यावर्शेतायर्नेनास्रीत्वा र्श्चेरान्ने निर्मेराममार्डे के नरमनिर्मेराकेन नुष्टे हो नेसनित्र ने सामक्षेत्र से म्हानी के प्रमान्य स्त्राम वर्ते कुः यळ्वः क्रीः नत्वः मध्येवर्ते । विशन्दः। वर्षेयः नः भूयः यूवः भेदः क्रीः वर्त्ते दिन् पर्वः श्रूदः नदे यहें द्रायश चरळॅंद ले चेदे द्वीं शर्म क्रूँद पर्दे द दशाधु त्या सुना प्रकंश लेश नाईंद परे भूनश शु द्वीं शकेद दु प्रसूर दें -स्रुस-५-१त्रुस्स-र्स् । विस-पासुन्स। विन-ग्रीस-ग्रम्। स्रुस-ह्यास-र्स्स-स-स-त-स्म-र्स-र-सन्-सम-र-सम-म्रीत्रायाः स्वीत्रायीः केन् प्तुः स्वर्याः सुत्रायाः सुन्याः सुन्याः स्वीत्रायाः स्वीत्रायाः स्वीत्रायाः स्वीत्रायः स्वत्रायः स्वीत्रायः स्वीत्रायः स्वीत्रायः स्वीत्रायः स्वीत रु: शे. पर्दे दः प्रवितः दुः । प्रवास्त्रा विष्या के प्रवित्या श्वेदः विष्या विष्या विष्या श्वेद्रः श्वेत्रः वि त्रुवार्थः क्रुन्-तु-ते-पद्वि-नर्वेश्व-त्रेश्व-त्रुत्य-तुर्थः ग्री-नर्वेत्व-केवा-केवा-केवा-केव-नर्वेश-नर्वे। विश्व-वेन-वश्व ৾য়৾৾য়৾য়৾য়৾য়ৣয়য়৽য়ৠয়৽য়৽য়৾য়৾ঢ়৽য়৾ৼৢ৾ঢ়৽য়ৼ৾ঀ৽ঀৣয়৽ৼৼ_{য়ৣ}ঢ়৽য়৽য়৾য়৽য়ৣঢ়৽য়৾য়৽য়য়৾য়৽য়য়৽য়য়৽ भ्रुनर्भाग्री:नर्गे भर्ने दानभ्रुनाभ्रे:तुभः बेरःनरःभ्रूनः स्रेन्। ने दे त्वार्भःभ्रुनर्भःशुःवहें दायवे खुवावा क्वें।वाउंभाषा अः स्चित्राश्चारात्रश्चेत्रात्रश्चा स्टः क्रुट् त्यः स्वान्त्रत्येत्र स्वेता स्वेता स्वेत् प्रत्येत्र स्वान्त्य सः स्वित्राश्चारात्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र शुन्यीर्ययार् खुवायवियाम् । व्याप्त्राप्त्राप्त खुवायवियाम् । व्याप्त्राप्त खुवायवियाम् । व्याप्त्राप्त खुवायवियाम् । व्याप्त्राप्त खुवायवियाम् । व्याप्त्राप्त खुवायवियाम् । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम् । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम् । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम् । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम । व्याप्त खुवायाय्त खुवायवियाम । व्याप्त खुवायाय्त खुव्य खुवायाय्त खुव्य खु

(अट्रा) अर्ट्रे. इत्र केट्रा के त्त्वा वावतः अन्य व्याप्त किट्र के त्त्र के त्र के त्र के त्र के त्र के त्र (अट्रा) अर्ट्रे इत्र केट्रा के त्त्वा वावतः अन्य व्याप्त के त्र क <u>ॾ</u>ॖॱॻऻॿढ़ॱढ़ॾॆऀढ़ऄॖॱॷॱऄढ़ॱॸ॒ॻॱॻऻढ़ढ़ॱक़ॖऀॱख़ॻॱय़ॺॱॸॷॗऀॸॱॸॱऒढ़ॱढ़ॖ॔ख़ॱॸ॔ॸॱऻॺॱढ़ग़॔ख़ॱढ़॓ॱय़ॣॖॱॻऻॸ॔ॖॻॱय़ॱढ़ढ़ॱॸ॔ॻॱ वीश्रासी त्या हो त्रवा द्वारा सार्देवा वी रहा नृत्युवा सदी क्री साधी साधी सह त्या नृता हो साह साम स्थान स्थान र्शेन्यश्वे से त्यासु प्येया कर्मा नवर्मा प्येवा व्हाया निर्मा सुराया निर्माय स्वाय हिना प्येया स्वाया स्वाया स नग्रीयानुषाने मार्ने प्रार्टिन प्रार्टिन से से रानाधीन खुंयान्ता स्नूरासन्यने स्थाप्यान वर्षासु प्रायायान निरान देश हैं। खुः सुनाः र्ळे : धोवः र्ळ्यां निरा अन्यायः नुः नः अहनाः ने रावे नः श्चे वावनाः में देः। नः क्रत्यः धोवः र्ळ्यान् रा वहं यातुः नुन्सेन नुन्मिन मिन्न विष्येत सदि से निमा नुर्ने हिया सह उत्ता कर हाथी मिन्न प्राप्त का से निमान मिना मार्चिम <u> রুস্'বাউবা'শ্রুস্'র্জির্'রর'র্র রিস্</u>রার্ভির্'শ্রীঝ'ঝ'রর'র'ঝेর'রঝ'রির'র'বিঝ'ঐর'রবঝ'ঐর'বা অ'ঝঌরে' ठत'रे'लश'ग्रर'सर'र्''तर्शूर'रवश'दळर्'सर'दशूर'र्से ।लेग्रश'त्विर'सेत'र्से'ळे'ग्रहेर'लश् *ह्*त'ग्रीश'स' र्रेल नक्षुक कें विका । सूर्य दक रूर हेर नक्षुक राजीवा । यद गडिगा हुद र् क्रें क रारे का । नरेद रार क्षुक ग्रह ઌ੶ૡઽ૽ૺ૽૱૽ઽ૽ૣૼૹૼ૱ૡઌ૱૽૽૱ઌ૽૽૱૽ૹૼઽૡ૽૱ૹૼઽૢ૽૽૾ૡૼ૱ૹૄઽ૽ૡ૽ૢૼઽ૱ૹ૱ઙ૱૱ૡ૽ૻ૱૱ૹ૱ૹ૽૽ૹ૽ૢૼ૱ यमः दुरः वर् र ह्य र त्रा क्रुयः के दः रे मः चिते दे ख्राह्मसम् दे गावयः प्यमापरः यात्रमः प्येदः यम। ख्रुदः रे दि छेर दे'गहरक्षेर'वहें त्री'न्तु'हे'न्र'सहस्राम् हु'सहस्राध्यापत्र'हर्नमार्क्रनम् नहुन्दिरे हुर्नमे में विदेशहर्मा हैं ह्यानवरः भ्रमः क्री पिरः नवरः क्षेरः नुः निव्यान याः या निर्देन क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः के ना नरः ये नाया स्थानित । दिः y white March

व'हे' त्रु 'म्नावत'भूर'क्सर्था थु'स'पीव'वस्य देवे' श्रीर'देवे स्ट्रेट'त् 'म्नावर्थ' विश्व हो हेव'प्य'वहेव'रावे सेट'पीर्थ यन्त्रायायायीत्राययायीः र्स्तुत्। वेंद्राग्चे पुत्याञ्चास्त्रे याञ्चेत्राप्तेत्राप्तात्रेत्राप्तात्रेत्राप्तात्व वयायर्वेन्यायराष्ट्री ल्यायायायाया वाष्ट्रवाळेवाचराया साम्चलार्स्यया र्वेन्यावराष्ट्रीयारा गशुस्रामञ्जून यात्राया वहेगा हेन पार्टि । इंता हेन पार्टि मा हेन प्राप्त का महिन न प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त वर्देन्'स'ने'त्रे'रश्राग्रद'र्षेन्'सर'नबेन्'र्ने । बेश'म'सून्'रग्रश'पवे'र्नेत्र'वहेग'हेत्र'स्त्रस्थाया सुर'सूर'म्यायश यः इसम्या दे 'दरः क्षेत्रं सः वश्चवर्तं द्वावा शुक्ते बिदः वश्चवर्तं निष्यं सः के विदे देवा सः विदे वा हे वर् श्वावा सः सः [৽]धूर-ऄॅर-१२हें वा-स-दे-'हेन्'डवा-दर-त-१५वा-विडेवा-वी-'बुवार्थ-हे-बनर्थ-सविश-पीद-स-विश-प्रते थानदे-वादर-महिमास्री न्यामी में में में मान्यान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् व्हेना हेत समुत्र सम्भे व्ह्नावा । यह यम् अर्के या छे न नाहा धेत दहा । यह या मुर्या सुर्या ग्रह्म ये या से विद्या |बेशन्दा इसेशायमा मञ्जूनायाते सामहेतामा | द्रामदे र्नेवाते हें वार्षा से वशूमा | द्रामदे रेनेवाते सा र्<u>ह</u>्यायात्रम् । श्चीत्र्यात्रत्यात्राह्यात्रीतवीत्रा । वियादता ह्याह्मीयात्वया वासूदावयात्रे यात्रात्रम् । देदा वयात्रकर्म्स्य होर्न् । विश्वान्ता वयवाश्वासाक्ष्य। हेर्ष्ट्राक्षार्वेदेर्भूत्वविदाहीश । वाह्यस्य स्थात्र्या दे निवेद न् । विदेवा हेद माधिक समार्हे वाका माने वाका विदेवा हेद वा हेद वा हित वा हिता है का साथित। विकास सुर वहिनाहेदादाधिरमासुः न्नान्यायदे द्वायाया सेवायम् स्रीते न्याया स्रीता स्रीता स्रीता स्रीता स्रीता स्रीता स्रीत व्ह्रॅंग'मी'गु:ह्यें नहें नर्राक्ष्यान्सून'सर गुनानदे रहेल'ही तर महिसामान्नान ने मुक्त हो महिसामान स्थार्थ हो स सब्दार्श्वर र्वे प्राचीय प्राचीत रहे। वितायह्वा मी यह्वा प्राच इत्र । देवा बेट र्व्यूस केंद्र वार्क्व रवार्क्व रवारक्व रवारक र नमानर्षेत्रपुरनङ्गायाप्ता इरार्खेटाहानुसाने स्थेपानिसानी सासेपाना इरार्खेटासुक्दे सुर्केपास विशःक्तुःसर्वेः नितृदःदशःभ्रेसः सरः होदः तुषः सरः निष्टः संग्रीयाशः दृदः सः सृदः सरा रदः रेशः गृतुदः स्यशः ग्रदः । ख्र-दरः ख्रुः शेवः नाधुत्यः तम्रवस्यः के । ब्रुः शें दिनः ग्रीः क्षेः वः त्या । ब्रुः क्षेयः गुतः ग्रीवः ग्रीयः क्षेयः क्षेयः क्षेयः वि गणुलर्टे नर्हेन | दे से र दूरद्वार हें र अर म्यायाया । विशर्र र देवे च अल न हम अर में हें रें र वर्षे वर हे नक्ष नवे दुन के व र्रे र नहें न सक्षु तुर श्वर प्यर । नमय ख्व ख़ र्रे वे तु य र य प्यन्य व वे वे व ह पक्ष य य न र । मालवरप्परा नक्कु हो वर्षो के नका मासूर में माहे मार्से का ग्राम्य अपने क्षमा खेर हुन प्राम्य प्राप्त नहें स ृथ्व प्दन्य यन्त्र पदने प्रूर प्रूर अप्येव प्दन्य प्रूर्य प्रिय प्रूर्य प्रूर्य प्रेष्ट स्त्र प्रूर्य प्रमाणिक प्रूर्य प्रमाणिक प्रूर्य प्रमाणिक प र्यः हुः यस्रे शुस्रः दुः इः वश्चिरायदे खुः इस्र यः ग्रुटः यस र्यः हुः यस द्वा विसः स्वाया राष्ट्रः स्वरः स्वाया स्वायः स्त्रेत्राच्या क्षेत्राच्या व्याप्त्रे व्याप्त्र क्षेत्र क <u>न्ना वहेनाहेत्रः क्री ख्रां अर्थे विते के न्नानी क्षेत्रन्य क्रिंत् वहें न्र्येना क्षारा क्री वित्र के न्या क</u> ञ्चरकारान्त्रभूगान्ता ने सेन नर्रेकार्यदे गानकार्सनायन स्थान स्यान स्थान त्रुतःश्रुव्यायां वे ज्ञाराबेराक् उदारें वा प्याना वा प्याना वेरात्वा केता देवा प्रवासिक के सान्दा त्रु विद्या क्षेर'नक्षेनर्थ'म्थ'त्व'दिंद'र्दा हे'स'र्दायदंश'क्षेर'नर'र्नुत्व'न'नक्षेन्थ'म्थ'हे'व्दित'तुर'नर'कुर'नेव' यशरवर्द्धिन प्येन्यश्रुम् विषयः विषयः विषयः अर्द्धिन वश्ये विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय बे 'न्वें राया वहं राक्तेन'न्न का नक्षेत्र राष्ट्र के प्राप्त के का नक्षेत्र राष्ट्र का के कि प्राप्त के कि प्र July 2 march 4

*য়ৢয়*ॱয়য়ৼৢॱয়য়৾ॱয়৾৽য়৽য়ৼৢৼৢ৽ৼয়য়ৼয়৽ৼয়ৼয়ৢয়৽য়৾৽য়ৼয়৽য়ৢ৽য়৽য়৾য়৽য়য়৽য়য়৽য়৽য়৽য়ড়য়ড়৾৽ঀ৾৽য়৽ नार्वे र हो र छे र वि इस र न नहे न र वि र र ने हें र र सूर सूर सूर से स न कर हो स है । ज्ञान स न स नश्चेन'तुष'म'भ्रूनष'ने'नुष'ग्री'से'इसष'य'र्षेद्रष'सु'ग्र्यावाष'मर्-नर्वेद्रिष'त्र्ष'स'नह्याष'हसष'दयाद'नदे' र्देर-प्रहेपाःहेतः श्रम्थाः पर्दरः र्क्षेप्य सूत्रः हे गासुरसः प्राप्ताः क्वां भीतः हुः के स्त्री प्रहेपाःहेतः त पहतः वेदः बेरः त्रुपाः हुः यात्र भाषा याचे यहे द ग्राम के के में देवम प्रवेश है। स्पन्न हि त्या प्रवेश के प्रवेश मार्थ प्रवेश स्थाप 去न'न्र'अर्वे 'रुन'ग्रेश'दळें 'नविद'र्षे न'मदे 'कृशक्वि, मृ'न्शद'नदे 'नन्ना'क्ना'ने 'खुश'दर्ने 'द्युद'र्न् 'म्र रादे भ्रान्य रहर श्री न त्या वे याह्या वहें व व्हें वा के न ग्यान प्री के के मार्स वा वा या वि या वि मार्स मार् वर द्युर षर श्रेन् । रे रव सर्वे वदे हे से र दु दर्वे श्रेन् । हे ह्यू भूर दें वाय याय स्टूर द्युर श्रेन् । हे या ग्रर नशुरश्या भ्रमःसन्यते भ्रमःसन्यते भ्रमःस्याप्यायायाय विषया स्याप्यायाय स्थाप्याया स्थाप्याया स्थाप्याया स्थाप्य के'न्वें भ हे 'हू'रावू 'बशासहंन्'नवे 'ब्रेंन'न्वें व केव'र्ये 'मह्मायहुराम्बर्थ'र्ये 'ह्मसामराबर'राम्बर्धानरान्वन माधी मो धी दाके भागा शुक्षा खूदा विकासमा श्रुषा मदि कुषा में निव्देत में विश्वेद खे नव्द मुर्ग भारे दाया प्राप क्रॅंशन्रन्तर्विन्त्रम् धूर्यं इ.व्.वे.हे.म.दे.बुम.वी.च.वी.व.वी.व.चबुद्यं हुर्यावर्षा नङ्गिहेश निस्रसम्बर्धन्तकुन्र्यम्भायसम्बर्धस्य हेर्स्स्रसम्बर्धस्य विष्यम्भावे । स्वर्धस्य विष्यस्य विष्यस्य व त्यर. बर. क्रेंश डिंग रेशर. सू. पुर. क्र्या. पश्चित्रशी लीका विश्व प्रश्न श्री. श्री. प्री. प्री. पर. पर. श्री राया <u> च</u>ूरःतर्थ। तेंर्'द्रवर्थःत्रस्थःठर्'ग्रेथःकेंशःग्रुथःप्रथःयदः बेर्'वशःकेंशःग्रुर'सःवतुनःपरःस्वदः सें'दे'विगः न्यार्नेदिः सुयार् सेन्या हे नत्वायार्वे या त्रूर द्वाया यावत केत् त्रीयार्ने र त्री वर्षेत्र वार्वा यायत् स्यया वर्षा द्वीरा स्वामायावर पर्यः भारता वेमाया मार्थः से दारा स्वास्त्र वास्त्र स्वास्त्र विद्याने वास्त्र विद्यान <u>२८४७:२:अ८:वें:ऍ८:२४:श्रेट:हेर्द:बेश:वेवश हु:ढंद:५ग:५</u>विंव:वेदे:५नुश:द:श्रॅग:ढगश:ऍ८:५:इसश:व: र्स्रेन'न्रेंद'में अ'न्र्वेन्य'मं सहन्प्य संदुन्त्य संदुन्त्य स्थानीय सेंट स्वाप ने स्वेदे वार्यन्य न्यान प्रहे वाया द्या सेंया ऀवेटॱ। दःदेः बटः ञ्चः वर्त् वः दाँ वः वाशुरवः द्वयः श्चें वावः शुः कवः वरा बटः ञ्चः विवः वेः वारवः वः शुवाः के वः शुटः। श्चेत्रत्वापित्रवार्या श्चे भे भे भे भे भारत्या वर्षा वर्षेत्र प्रमान्य वर्षे प्रस्तुवा श्चान्य श्चेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षा वरवर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्या वर्षा वर्षा वर्या वर्षा वर्षा भ्रातकर्त्याच्चरात्रम् भ्रूनार्न्यम् चीशान्यार्भार्भात्यार्भेन्यशास्त्रात्मस्त्रात्मशाके केरावु नशा हेर्न्या त्र बुट : ब्रट : ख्रु: प्यतः (बृ: बे अ: ब्रावाय अ: र्स्ट्रवा) स्थ्रीट : बुट : कुट : ब्रिट : ब्रिट : ब्रिट : ब् त्र्यानर:न्वेंदश:यायायु:ने:धेवे:कु:अर्ळें र:वेंश| स्वायावेवा:तुन्यःवेवायवेंराधःववेदश:हे। ववावास्या न्वींत्रासायह्नास्यायात्रात्री मुवाकें रावे वित्युवायत्रात्र स्वास्य मुन्ति सुन्ताया है से वात्रात्रात्र यः र्शेन्। त्रान्यः श्रेत्रः त्रमाः तुः सेतः विनाः तेः भूत्रसः तृत्यः दुः याः विनाः त्रमः त्रमः त्रमः त्राः त् व्यः र्शेन्। त्रमः श्रेत्रः त्रमाः तुः सेतः विनाः तेः भूत्रसः तृत्यः दुः याः विनाः त्रमः त्रमः त्रमः त्रमः त् न'भु'खुर'सर्ळे'म्विर'मिक्र'सेम्बर'दीन'स्यादाहेर'दीका भु'सें'देर'डेर'रुद'सदे'दाके'द'सन'सका नेंर्'दी'भु'सु क्षे श्रेत'राम्ययारुट्'ग्रे केट'श्रूयाहे। ययटामटाट्'कु'र्मेगायनेनयारात्वयारी द्यर'र्मे से यार्मेगायनेनयारी बराञ्चा बेर्वराञ्च्यायावरामहिरावरवह्वरयावञ्चाहेया यरायेरामहिरावर्चेराग्चेरञ्चाह्वरावह्वरावेया y white Marison

भूचेशःभ्रमःभ्रमःभ्रमःभ्रमः भ्रीमःभाषयीकाकायमानुभाषाद्वाष्ट्रभाभ्यःभीनीमःभर्षःभाभ्यःभाष्ट्रभाभ्यः। न'ते'र्श्चेन'कन्यायायी'निर्देन'रा'ठ'यानु'याचन'नने'द्रस्य स्रेराया ने'य्ययार्थेन'स्रे'से'र्तेर स्रुन्ययास्र्याय यार्के न प्रति स्थान स्य मुक्तां सामित्र स्वतः द्वारा न्या विष्टे कार्य स्वर्थ र स्वर्ध र स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं कुंवाहिंदाग्रीमानादमासर्वेदार्सेदा ग्रुटानी भूरासाउसासान्ति। स्रियाहिंसाकुराईवार्ने वरासूटाकुटानी में षदे न्वा क के द रेंदि दर न या वा न भ्रे वा हु राज्य र रेंदि खु वा सूर न विर हो । वह सा तु भ्रे र वी र राज्य वी सेन निर्माने निर्माण के स्वाप्त क योष्ट्र-योच्य-प्रमायतः त्रात्रसुर-प्रमायम् भाषाचे भाषाचे भाषाचे भाषाचे भाषाचे भाषाच । हिंद्रान्त्रायम्भानिदार्हेद्रार्हेद्रार्हेद्रार्थाः द्वीं भाने। देसामानविद्यानायो रामाने मामान्याने मामान्याने यर्सेवात्रः क्रुंकेत्रः भूमात्र वात्रात्रः वनवार्षेता । सः स्मेराविष्ठ्यावारं वित्रः तृत्वर्सेतात्रावायेत्रः व बीटाने :बान्दर्गे :नान्दर्गे अप्तुर्दे । दे :बान्दरम्बान्दर्गान्नुरक्वें नाबान्दरा नार्देटानुबानान्नुरक्वें नाबानार्धे दिने। * भूग'न्दा अेदानो'न्दा न्तुर'न्दा नःक्षर'न्दा श्रेख'न्दा ने'नर्ड'न्दा मुन्दा अेदे'नर्देरन्य'य'र्अग्रायायी। वेशःगशुरशःमःभूरःगर्देवःश्चः नरःश्चेरःदे। १·५८:मीः५द्वीतशः उद्या १·४:चुदेः५द्वीतशः उदा १·४:धेः अर्मे :उदा ४ स्रुपानी सके न उत्ता ४ मु प्ये प्यक्ष उत्ता ४ मु प्युमामी निम्न राज्या १ से में पाम्स मासूर्य प्राप्त स्रुप् र्हेनानी न्योय नुःश्वरस्य ननस्य वनायन्नस्य सुर्य स्थावना यह्नस्य विष्य परस्ये हेनानी न्योय नुः यस्य श्वर ववःसःचनःवद्वःसःस्यः स्कुःनिर्देरःदयःनिर्दः पर्येन्। सःस्वायः वङ्गदः दक्षेदः स्यायः सर्वेदः द्वः स्विदः स्याये क्ष्यं के द्वीं भा यस द्वर देश से समुद्र प्रदेश या गुद्र हीं द्वे वा सहे भा द्वर में हैं चुवा हैं द्वे या से क रेट बट्ट र्श्वायायायुन्दर दुन तर्वे सुन्तु दे विद्यो प्राप्त स्था बद्या द रहे दिर यथ प्राप्त स्था सुद्या प्राप्त स्था लप्टर में र क्रें र न वे वे हिन पर मवस र से न से प्र र स स हर है र से मुन्य स पर पर मवस से न र से र स नन्दः बुनःयवे स्रो नर्द्रभासाम्बन्दर्भानन्दि सामवे स्रो कुषाद्वरान्य विष्यास्य स्रो स्राप्त स्रो दः स्राप्त स्रो भ्रम्या व्यास्थ्रास्थ्रास्थ्रास्य स्वापान्य स्वाप्तान्त्रास्य स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्र स्वाप्त त्तुः अटें प्रेशः हे : यदः तुत्राश्चा त्तुः अदे : अत्यादः तुत्राश्चे दः दे तुत्राः वेदः दे तुत्राः देवदः वेदः अदे : अदे ऀॿ॓ढ़ॱढ़ॺॱढ़ॸॖऀॱॸॱख़ॱॺॗ॓ॸॱॸॕॻऻॺॱॻऻॺॖॸॺऻ*ॱॿॖ*ॱॺॺॱक़ॕॸॱॸॹॾॏॖॸॱॸॱॸॕॱऄॺॱढ़ॱख़ॖख़ॱक़ॕॻॱॿॖॺॱॺॸऻ*ॱॿॖ*ॱग़ॖॺॱॸ॓ॱ स.वया.मु.रहु.ल.या.मुट्रयोशिटमा हूर्य.हरु.श्र.मुट्र.खिमानमा लासरूरभेषायवरामुट्रयोशिटमा यटमानमः र्विटः इस्रयायेनयः हेया हो दः भूनया सुग्त्याया यादायहस्य दुः येनया सुग्याटाया सुद्या हो देः नहता दु। दूर्या ग्रिते अप्रमास्त्र व्याप्त प्रमास्त्र स्वापास्त्र प्रमास्त्र प्रमा याहेश क्रियान्तरार्वोदास्यश्रासन्तराम्सस्यशायानदायाहेटाचेन्तरासानुः क्रिरानायाचेयान्ता तासानुः केता कुरुक्ष अहे अ सर्भु अ स मुर्वे म में द अदे सुमा हेर मिर्च म दे में दे से से स्टर्म के मान स्टर्म में से से

y with the Marison

नविदासर्देरानरास्त्रमासेरार्देसमाहिकामासस्विदासरानसूस्रकाहे। सुमासेरार्देश्वरामहिकायास्मार्वेषाकार्देमा लर.म.चीर्या १ प्रा.में किराया मिर्या से मार्था विष्या तर्ते व स्त्री मार्था मिर्या से मार्था से मार्था से मार्थिय । इशासन्यान्तरावकरावसान्तराज्यामावरावसार्देशाने ख्रान्यात्त्व ध्यानेत्र हसासाने न्तराज्यामावरायां वे र्स्ट्रें कुषान्वरावे रास्रमाकुतारे रावसूस्रम् ने वसाङ्गासाम्बदाविषायाम्बर्। ने साग्रमाने दुः संदारे वर्षे स्टे स् नावरः नःश्रेनाशः नक्कुर्ः रेश्राकः कंदः नः विनाः यः नर्वेदश्यः मरः नवेदश्रेने व्यूरः स्टः क्राः नुः नश्या हे यदः है : भूत्तु। अप्यृहःव्यूषाश्चेषा देवापाद्यत्यापरायके प्यत्यक्षया । के प्यतेरास्यायका परासा शूरा । भूते पादी । सर नर्डे या ना थी। विराया र दा हे ना से ना यहा। विशास दे में ना में ना में ना में ना में ना साम स्थान मुख्या न भूतर्भाभूतः कः सम्भेतः विश्वाची कार्मे शाम्याया । द्वी विश्वाची श्री शामा केत्रः केत्रः में अपि शास्त्रः विश्व मदे चैशमार्थे महिशस्य माशु अञ्चर विवामी श्रा क्षेत्रा सम्बन्ध में मिस्स महिल्य स्टाम विवासी अप्योपि स्वर स्वर र्म्भेन' श्रुन'हेर'। र्थे्न'ग्री'ग्रुट'न'इसस'ग्रायय'शेट'बेट'यन'श्रुन'सर'र्वेश। ८'क'ग्रेन'र्ख्य'दे'र्स्थे'र्छेनस्रेट' <u>५२ वितः के तर्भे त्यों त्यों त्यों त्र वितः वर्षा ने अर्द्धर अरोद रज्ञायाओं त्यने के तर्मों तर्भे स्थे के त्या विश</u> त्रुनःसरःचन्नि श्रेअःवें ःधःतुनाःभ्रम्ययः यद्याःवीयः दर्देयःशुः स्त्रें दः यम्यायः सर् देः द्यावेंदः वीयः धोःवीयः याराने नार्यार्थित नार्थे विराधम्यात्राचित्राच्यात्राचित्राच्या नार्थे क्षेत्राच्या नार्थे ना र्षेद्रअत्रअष्टर्न्दर्भेदेः नुःन्वादर्भेन। नेदेःह्रेअः श्रूः अर्हेन् हेन् अर्देन् हेवा अः मुन्य कः कंदर र्हेवा अः मुन्य अः शुः सुवायन्त्र ने श्वात्यात्र सुनाप्त्राप्त्यात्र शायात्र विषयात्र स्वात्र श्वात्र विषया स्वात्र स्वात्र स्वात्र स सदतः संदेशः विवादारमः वक्काः भ्रूषाः वहीतः सुवः सदः हे भः शुः दर्भेषाः तुषा देः दवाः वः प्राः सस्ति व सः सस्ति उतः सरतार् वावसारं सावसारी नार्या नरं सामावसारी नवर हैं वासासवर से दावा र सें दे सुन् मुल्या याठेया'यश्रासेन्'सदे'से'न्देयाश्राप्टन्'त्राखंत्र'नेया'यीश्रासर्वेन्द्र्यांश्रास्त्रेत्र'सूस्रासंते हिंन्'यत्रव दीया'यीश्रेताहेंया'सून र्क्षेत्रअः धोत्रः सः स्या क्रंतः रेगः सम्याः केतः इस्ययः यः रे त्यर्वे स्ट्रीरः स्ट्रीत्यः रः स्वरः सः तुरः । ग्राश्रुरः रवाययः ग्रारः सर्देव ने अप्तरहासुया ही क्रिंत्र अर्धेन या अर्थेन प्रते क्रिंत्रे या जात्र या ने प्रताप्तर से अया उत्र में प्रताप्तरें या अर्थेन की त्रुन हे अ'प्यर प्यर मा शुरु अ'स्था भूना हुना अ'अ'सुन हिना हे 'न अ'र हिं 'त्रुव हों र 'य' द हिना 'न र 'न हुव 'यही व 'यथ' ऀॾ॔ॺॱॾॗॣॕज़ॱॸॖ<u>ॖ</u>॓ॸॱॸढ़ऀढ़ॱय़ढ़ऀॱॺज़ॕऀॱक़ॕॹज़ॹॶॺॱॶड़ॱक़ॕॸॱक़ॕ॒ॸॱॻॖज़ॱय़ढ़॓ॱॺ॓ऻॖख़ॖॺॱय़ऀॱज़ढ़ऀज़ॱॺऒ॔ॱक़ॕॱज़ढ़ऀॺॱ ठवा भेदेः निर्दे दिश्यारुवा भेखुयायनानी यना पारुवा भेखुया हैं नुदेनिर्दे पार्टे प्राप्त सना सुया भेषी यना यः उदी खेशर्स्स्रेन् से न्दर्स्य स्त्रून्स् से स्त्रेर्ध्य खेशरायः नुनः वर्षेत्रः सह्याः सः उदी खेशराहेन् से स नग्रदासूनःषासात्तुरः। ग्रुसारीं सेरागेसाने दुःसुगानहे सेससाग्रीसागर्से क्रूराह्येरासार्सेग्रसार्धराससापा য়ড়ঀ৻ঀ৻৻য়ড়ঀ৻য়ৣ৽ঢ়৾৻ৼয়৻ড়৾ঢ়৻য়৻য়৻ড়ঀ৻ঀয়ঢ়

यद्दिन्द्राचे अर्दे त्यमासासासास्य त्वतु स्वेमासवदार्थेत्। कुत्यास्य त्वतु स्वेमासवदार्थेत्। वसासविदाया

y white March

यरत्तुः भेषायत्र र्षेत्। ने नयात्र देशाया यो नायते श्विरावादा सूराया सूराया धेत्र ते । विशायते शुरायदे । उंशा यानहेत्रत्र्यादहेगाहेत्रायेनात्त्र्यानारानु प्रमासार्केनायाओयी वे त्रायात्काले के त्रुनावस्था उनायमाधेतात्त्र्या धेव क्षेत्रक्ष वात्र वात्र वात्र वात्र क्षेत्र इस्राम्बनास्री नर्गे सार्यात्र्वा विदासदे स्वरास्त्रम् सुनास्तर्भसायाः सुना ग्राम्ये न हेत्रसे न से देशसे सा न्सॅग्रांसवे हे अन्तर्मा धेत क्रून ने क्रॅन ने नशाग्रामधेत हें तारे मत्राया वे अ हे मा खुम वर्ष हिम्स संवे बम वी हैं ब्लुट्र प्रश्नात्र अप्ती कें प्लूट्र बेर प्रवे द्वी प्लूट्र वें वा हैं वा श्लेट्र श्लें प्रश्ने को अवें कें द्वार वार्केट्र प्रवे श्लूकी क्षे:रेअ:म्रीअ:वेअ:पर:प्यूर[े]र्से |विं:वॅअ:क्रॅव:वेअ:पदे:क्ष्:पन्दःसे:स्वा:बेट:पदे:क्रॅद:कदे:क्र:प्यन:सॅव्यूशः ग्री:देवाश्वर्थानञ्चन:रुट:च:बेशपदे:श्लेनशर्देव:ददेदे:दवावाप्य:क्षृ:तुर:श्रॅट:दर्वापश्य:देशःशदश्रुशःयावारः षरः सेन् सेन्। कुं केवे 'र्सेन्'न' सं 'त्रस्य सं 'ग्रीस'न्निन्य सने 'केन 'सून'षर 'दुर' वन 'न्धुन'त्र। वर्शे 'त' त्रस्य सं 'ग्रीस' ष्यभःदेशःसत्रुद्वःश्रॅःश्रॅदःत्रम्यम्थःद्धंषःग्रीःद्वदःग्रीशःद्युषःवःद्वः। दुदःवर्ग्रेःद्वः। धेःद्वाशःद्वः। शेःद्वा <u>ख्र'न्र'ख्र</u>'क्षेव'हे'नेग्र'नुग्'नु'न्ग्र'न'न्र' नुश्चायायायावर'ग्रेश'श्चे'न्द्वे'नर्थ'नर्वे'न्नुन्। नुन्दर्वे'द्वेर्थ' व'गवर्ष'स'न्राव'र्वेर'न'गठेष। धे'न्याष'द्वेदे'श्चेन'स'न्रावर'गे'श्चेन'स'न्रावर'श्चेर'श्चेर'श्चेर'वार्यस्य श्च.ता.भुट्र-प्रवृ.भुट्र-स्वर् प्रकृट्य प्रवश्य प्रवेश्य मुन् । स्वर् त्राप्तिश्चर प्रविश्व स्वर् प्रवश्य स्वर दर्वे नदे नियम निर्मे अकुर विराधन सम्बाधियाची यान्त्री सक्तर्य या ही नाय या विषय स्थित है। दे स्कृति या द्राय नन्य। कु:केव:न्द::न्वय:पदे:नठन:अळंसय। सघद:सळंसय:शु:शुद:न्वया:लॅन:सेन्। हेॅन:पिया:सर:कुटा। न्नरानश्चरळे छर। भूररेनाश्रस्त्रस्त्रा भूरायेन मुल्येन पाइनशर्मे नाइनशर्मेर अर्थे प्रस्ति प्रस्ति प्रस्ति स्था लूश्राश्चित्राचित्राचरात्राटालटार्येटायालायोषुत्रमूलायपुरम्भिताययार्यःभिवाययार्यस्ट्रीस्टार्यर्ट्र्स्येशः नवनायाः भृतुः सेदायायदे हिन्यायात् से हिन्दा हिन्याया स्वास्त्र स्वासीनायाः स्वासीनायाः स्वासीनायाः स्वासीनाया B्तर डे अर्B्तर अवदर्य उद्दर्भ दे च्चे अरवदे र्से वर हेदर्धे दर्भ अरक्षा वहेवा हेदर्मे र में दर्भ वर्ष दर्भ वर्ष <u>न</u>्सःबन्दर्स्यःक्ष्र्र्वयःग्रीयःग्रन्ह्ग्ययःश्चेःन्ययःश्चेन्छ्यःग्रीःखन्यःवश्चेतःन्त्र्यायःवियःश्वनःश्वन्यः। ळॅट्रा हिंद्रख्रायाधेद्रकेशसेद्रप्रभारे विवार्येद्रप्राथशर्रेशसेट्रा दें द्रप्रदेवा हेदर्दे प्रवासर्वेद हिंद्र ग्री:वार:बवा:वाठेवा:ग्रुट:सेन:न्स:बे:स्। वा:वःषोद:हे। सरस:मुस:न्देंस:ग्री:वार्व:ह्:द्र्युव:न्दःह्र्य:वङ्गुव:नहु ढ़ॆऀ८ॱढ़ॾॆढ़ॱऄ॔ॻऻॺॱख़ॱॸॖऺॺॸॱॾॕॸॱय़ढ़ॆॱढ़ॺॻऻॺॱय़ॱॸॖॻॱॸॗॕॕॺॱॺॖॖॱॺ॓ॻॺ*ॱ*ऄ॒ऀॸॱॻॿॖॻॺॱॹॖॕॸॱॺॸॱॺॱॿॸऻ*ॗ*ॸॖॺॱॿॖऀॺॱ શું 'ત્રું ત્ર પ્રવે' અવિશ્વ પ્રવે 'સિંદ્ર' દુવદ : શ્વદશ કું શ્વર કું ત્રુદ : શ્વે સ્ટાને સ્થય કું ક્ષાર્કે 'વો ત્રે વો શ્વર પ્વેદ' देर-८र्देश-शुः सेवश्र-प्र-८१ दे.चित्रेव-तुः ग्रुट-श्चिंग्रश्य भ्राः मृत्य-दः। देः मुत्य-वेर्ग्रे-र्रा-सर्देव-शुंश-तुः ग्रुवेग्रशः यःश्रेषाश्चान्यःमःनुःस्रदेःस्वन्द्वेःमुःहिषाश्चान्द्वेनःस्यशःष्यमःचुमःस्याष्यसःभ्वेत्रःश्चेन्द्वेत्रःस्वन्यमः यगु नर नुर्भ थॅव र मुदे वर्ष पर भेर से वर्षे र से प्रमानक न वर्ष से र वर्ष से र वर्ष में प्रमान के न यानियः इत्या सुरह्मा स्थानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया सुनानिया y charles for

नर्गे दःसरः म्वानाया वसनायः सर्वे नायः से दः ग्रीयः ग्रीयः स्वयः सर्वे दः वे उत्तर्वे ता विषयः स्वयः स् विषासर्दिन सुसानु निसूत है नियाद सूत नु सिन्। से स्वसासर्वे दिन से माने वा माने के दिने के सामुदाने निर्मा सुन न्नेरः द्वेतः क्वे प्रदेश प्रमूतः भूर हित्पर भ्रमार्देतः स्वाया क्षेत्रः क्वे प्रमूतः स्वाया विषयः विषयः विषयः र्चेन व्रस्थार्क्स्थार्थे व्यान्यम्बन्ध्यास्थरास्थार्थायान् स्वेनस्य हिर्ने न्यस्य स्थित्तर्ते स्थान्य व्यास्य सह्र-दे। ह्र. हे. च्र. क्र्यं प्रधानवातात्वत्तात्वत्तात्वि संबोध त्या कृषाया यह तात्र त्या या सामा त्या प्रधान ने र्डेंद्र ग्रीशनक्रुनशनश्रा ने रूपायार्थेवादशा ने रूपाळवाचरावालवाशदशा ने रूपा ग्रीरेंवा वाशे र ग्रीरिश गिविदे गिहेट मुग्न सर सळस्य से है। यर वेंगि कु सळें छेत में विद्याय स्था हिना है। विवास स्था है। विवास स्था है। दे-दुश्रामान्ग्रम् स्वर्था ग्रीश्वर्सेद्रानदे सेद्राया विश्वर्से ग्रथन्द्रा कुषाने हुन्दर ग्रीश्वर्मे स्वास्रदे सुसानु सःम्रासर्ग्वेत्रभःत्वुत्रःसःवित्रात्यःभ्रसःङ्गःयदेःससःधेत्राःद्रदेतेःकुत्यःर्तेःसःदत्यःकुदेःस्रताःदेशःतरसःद्रेशःहेः नभून। गुरुःसिहेरः त्रः स्ट्रान्द्रान्य निर्मानविष्यः भूषे स्वाधिसः स्वाधिसः स्वाधिसः स्वाधिसः स्वाधिसः स्वाधिस ग्री.ग्रायर इस यथा स्रायय वित्र हर्म प्रदेश प्रदेश प्रायय प्रित्य हिर्म श्री विश्वर के स्त्रीय प्रदेश विर सके वा ग्रायः चदी विर्मेर्नायः प्रत्यः ह्रेवायः विवायः यद्भः व्ययः श्रेया विराध्यः भ्रयः वायः विराध्यः स्वा वियः प्रा दे·अद्धृदशःदसम्बर्भाशः देंद्रः व्येद्रः भ्रुम्बरः शुः दृदः तुः शः वित्रशः सः दृदः क्रुः म्यूः स्थितः देंद्रः देंद्रः देंद्रः वेद्रः स्थितः स्यातः स्थितः स्याः स्थितः स्थ चुन-५-सम-५ना-बेद-५स-इ-सर-बनम-ग्रीम-नग्रम्भ-वेद। बेद-नर्गेद-५देस-सु-म्रोचम्भ-सर-वेर्-कुम-धेना क्टरनु न्याययान्य सार्श्वेया ने व्हरावहं सान्नी टायदे वे क्याया सुरा सुरा म्याया विषय है। या प्राया विषय है। य <u>चित्रःक्रू अत्रभ्रम्भान्यस्य नात्मा ग्राह्म क्रम् स्वामी भ्रू त्याया भ्रम्भा त्रम्भा स्वामा स्वामा स्वामा स्व</u> त्यवार्था श्रु से सूर्व दर श्रु से सूर्व श्री ह्या वार्षे भ्रूर दर त्यस सर्के वा त्यों कुष के दर्भ पति दर्भ सर् यशिषा तह्यनः चेत्रः देयोदः केषी वहीतः देयोदः प्रमादः प्रमाद्भाग्ने प्रमा ययाने निया सेन में लिया सूर्या सूर्त में माना या में दासेन में। गुदास हिदार हिया या हेदा ही या है प्रस्था या वदा यहेदा सम्मिन्ना । ने न्यामिन्य सम्मिन्ना स्थानि । देश म्यास्य स्थानि । देश म्यास्य स्थानि । स्थानि । स्थानि । स्थानि । यासानहेत्रामरादेवासाहस्यावीटासरावर्षेन्यान्दासर्वेदानासेन्यास्यान्दे सेन् वर्षेत्रासर्वेदासर्वे नेयान्त्रहुषाञ्ची मनेतायिषानाने सामित्रामान्या स्वाप्ताना ह्रास्त्राची हुँ निष्णुयायसायन्या स्वाप्ता लट्याश्चरश्चर्यत्रभाद्याच्यात्रभावत्रभावत्रभावते । भुष्यं व्यान्यः । भुष्यः भूष्यः भूष्यः भूष्यः भूष्यः भूष्यः म्बर्भाने प्रमान्य वर्षे वर्षे पर्दे न के न क्री भारत ने प्रमान्य प्रमान्य के प्रमान्य प्रमान्य के प्रमानिक क्र देरःभ्रे त्यूरःग्रे यश्चर्याप्तीं या दे से दारासेंद्र लेशन्तरहा त्युवाग्रे सेंत्र वेदान्तीं यापे यापराग्रेया পিশ

y white March

· १२:र्सेन्। स्रोत्त्राक्षेत्रः स्रायाक्षेत्रः स्रायाक्षेत्रः स्रायाक्षेत्रः स्रायाक्षेत्रः स्रायाक्षेत्रः स्र र्टायदी भराम्नेटायादे हेशायक्यात्रायक्ष्यायशाह्यायक्या यायटार्म्ये रायायाद्वयशाह्यायक्ष्य व्यास्थ्रास्थ য়ৢत'रवि'ख़्रश'ळ'न'व्रु'शें'गिहेश कें'ळ'न'दी बें'ब्रीन'वने'नवि'कें'ळ'न'य'नेश'रा'सेनी सु'से'सूत'कें'सेंन'से'वने' यः त्रुषः भेदः पक्के पः भेत्। विषः भ्रीतः पदे के कित् विष्युः पक्का विष्युः पदे के कित् के कित् के कित् विष्यु श्चाः भ्रेत्रायाः यार्ते वाकाः यदेः श्चीरः वाश्च आदाः करः कुः तुषाः शुः वननः यः तृरः तुषाः भ्रेतः वननः यः विदाय <u>५८.श.चे.स.५४.त.५५८.त.५१ श्र.भ.संघ.संघ.५८.५८.५५८.च.५८.च.५८.च.५८.च.५८.च.५८.५५८.</u> सःबन्दे त्रःशुरुष्यः त्यः व्यानः वी वार्वे नः प्रासे नः प्रमः वाशुन्य। प्यानः सर्वे न्त्रतः हे नः वार्याः क्षेत्र नशुस्रायान्ता सेनानेसाङ्गार्वेसानेदादे वहें ता बुनायमासाबनामे वा सेन्यायसायमानम् केंद्राया वेनासायान सर्वेट मुन। निर्धु रादसम्राय देवि से इसरा ग्री से मानी या सक्द से सुद पदे दर मी मा मुन्य स्सरा ग्राट हेद र्थे दिरहि क्षेत्र यच्चित्र अर्चे र विदा अरद क्चिर वार इंस क्ची सु र्से स त्या ग्रार हे स्वत कर ग्री सु से र्से स र मश्रम्भान्ता व्यासीत्रेत्रात्रके नदे लगानत्त्रा की में त्रित्रके दे लेश मदे सुर्वा स्राप्त स्राप्त स्राप्त स् यशः र्वेशः सः नृतः । देवः सेत्रारुवः की स्रोधारा सामा स्रोधारा स्र यथ। श्री-त्रो नाम श्रीक्षेत्र मानाम अर्दे त्र श्री नाम अर्दे नाम अर्थ नाम अर्थ नाम नाम अर्थ नाम नाम अर्थ नाम अर निवेदे से क्ष्रमायमा ग्री देश से समुद्रासमायदा सुद्रम् के दुर्ग से दानिव प्राम्यया भ्रीत देश सम्माय स्वाप्त स्व ন্ব্ৰাভ্ৰানীঝঝর্ইনেব্রীঝঝৣঝবাভঝের ট্রীঝবার্লীঐব্রেজিঝগুন্নেমঝেতাডার্লির প্রান্থনগুন্র স্থানির প্র <u>दे क्रिं त्य दे श्रु</u>द्रशत्र दे प्रेंद्र ह्य दे प्रेंद्र श्रीद द्या क्रिंद्य माश्चर प्रयास माश्चर शत्र दे पहिता हेद की क्रिंद्र ह <u>५ त्र</u>ीत्रशःळंत्रःदेगःगश्रात्रभृदःळ्यः५८:श्रे अष्रुत्रःगरःशः व५ःगशुरःस्वःद्वरःषदःक्तःषदःश्रे अष्रुतःगशःहेः त्रूर प्रमाय र्श्वेर हो रहे ता वहे त्य कंतर मेगा विंत प्रमेत सम्तित प्रमेत हिंगा गो प्रमाय समाय र्श्वेर सी त्रू र्सेन् देव ग्रम् नश्रम्म वाश्रम्म वार्षे नम् कर्ने । महात्रस्य वाया विश्वास्य होमान वाया होमान विवास मान्य विश्वास . बुन। क्रॅब्रन्य बुन्य अः हे रुव्य क्रेय क्रेंन् क्रेय क्षेत्र क् यायर्गे निर्धार्थ में महित्यत्वे प्रत्याची साधिव यार्मे मायळ साथि प्रति साधिस या हिया यो या निर्धार से में या या साधी । नर्भे भावराभे पर्यानामें दे सूरा द्वारा पर्याप्त ने निष्या पर्या प्राप्त के त्या सूर्य के त्या सूर्य प्राप्त के विकास के स्वाप्त के विचःषा भ्रे.र्चेदुःषश्रर्धः दर्म्दुः हेदःषः श्चेदः द्वंषः षरः चश्चशः मुश्रः श्चे विचः वश्चरः सः श्चेरः श्चे वचनः यः र् र्ह्में राह्मे पिटान विवापो त्राह्में वा दे अद्धंद्रा वाटा ववा देश अन्तुत अटार्ने शाक्षे अनुत ही वारा राह्म राह्में वर्षेरःधुनाःन्डेनाःवः बुदःसॅटः रुःवेंदशः श्रें रुःयः सर्देदः शुस्रः श्रे सः श्रुवः यात्र सं ना बुरः वें रः नाद सः यादेवाः धेदः ब्रेव'ग्राट'बग्'रेश'सब्रुव'सट'र्वेश'श्चे'सब्रुव'ग्ची'यश'नेग्'नशग्रश'द्वश'त्वश्चात्र'बुव'र्सेट'र्नु'र्येटश'र्श्चेट'कुवे' र्विराधुवाविवार्षेत्रपर्वेशयवसार्षेत्रस्य स्वरायेत्रस्य स्वरायका स्वरायक्षेत्र स्वर्था से स्वर्भात्र स्वर्था स है 'क्ष्र-रवर' प'व' न'या । क्षुव प्रथा क्षुव वि रहेर न'क्ष्र । दे 'नविव स्थर साम्र अस्थ क्ष्र या। हि 'र्डस' नर्वे र त्तुर निते श्रुव मः अविश्व मिश्व की श्री श्री में शिश्ववा अट में त्यः श्रुव में वाश्व अधुव मिश्वे स्वा अधुव से से श्री में की स्वा अध्या से स्वा अध्या अध्य नहरन्याया वर्षायाचेनानीया देरानहेयाची रात्रात्रका हो नहरा हुदे द्वावा वे देनाया सबुवाया धेवायया हो सुदाबेया दरा y chartentarison

यम्याब्द्रम्याम्या देन्याहेशः श्चीः नहुम् श्चितः श्चद्रायः मेयाश्चारा श्चितः स्थान्यः स्वायः स्वायः स्वायः स्व यःयः सुत्रः गः से व्ह्वायः धूर् अद्यः क्रुयः ग्रीयः वशुद्यः स्वद्यः वृद्यः चृदेः द्वदः वीयः धीतः ययः भूवयः द्वि <u> २व</u>ॅरअ:८वॅ्अ:क्रु:अळंद:ॲव्यअ:व्य:अ:व्रॅ्अ:सर:वाशुट:बेद:श्रे:अ.बुद:स:ठंश:व:कॅ्व:न:वे:वालुट:खुव्यअ:श्रुे: वर्वे अन्द्रअप्पर्अं भेशन्यर वर्दी । वे द्रा र्बेर्ग्यी वहिया हेद ग्री हो त्र्या सूर्वे या अन्य रे द्या से स्था उदा रे द्रा देवे भूट देन माश्रुट या राज्य प्येत पायय। दे दिर्दे या शुः हैं मया प्रवे स्व दाया दार मात्र या होता प्रो शे शे दा द्वार वे त यान्द्रासाधिदाने। यसाग्री:न्वरायीसासूरावेसामादी:र्देदान्देसाम्बसामावहेदामवे:रून्सायासूरानवे:र्देदाधिदा यायशायत्त्र्वायार्टे विवाप्तेशाखा हो दावा दिवा हेता हेता हेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता स्वेता य.बुवा.धे.दर्शीय.राश्रा.दर्शी भर्ते.ताश्री श.ता.श्रय.तर्थे.श्रश्चरःलूरी की.ता.श्रय.तर्थे.श्रयातरःलूरी वेशा यावतःयः सर्वदः देशः चवरः विष्यः विषयः विषय हिंद्राग्रीमा स्वेरभ्रेमात्मसादुरमात्मराभूमानादमा तुवेरभ्रेमात्मसादुरकुत्मासमाभूमानादमा स्वेरभ्रेमात्मसादुर वसासिवतायासमञ्जूदानार्थेदान्नेसानान्ध्रातुमार्वे नाञ्चदसायत्वार्थेद्। देःवाह्नवार्थेदानमार्थेदान्तर्भेदान्तर्भे यः सूर रेशः समुद्रार्के वायायार्थे र्थे यार्थे । समुद्राययाययाया सुवानी । द्वारा प्रमायाया वर्षे दाद्वस्य द्वार वीया नन्नार्यदे वज्र भारत देना भारत हुत सार्वि स्थाना चिना व्या हुत से दार्त के दिन स्थान हुत स्थान है। हेना नसूर्यायय। धीर्वायर्तुरायर्थे से इसयर्त्रा । ख्रु इसयर् हे ख्रूर् रेवायर्ये वायासा । दिर्देयाविवाधिर् देशः <u>न्ने भी</u> । दिन्या मुनायर पर्ने नाया थीन । बिनाया शुर्याया देवे प्रायन भूर पर्द्व पर्या देवे प्रायस्य । म्बर्स्यायायम् इत्युत्तमे न्देर्यासे त्यास्तास्ताना म्बर्धा स्याधि स्याध ऄॕॻऻॺॱय़ॺॱॻऻॸॱय़ॸॕऄॕॸॱय़ॱॸॣॸॱऻॗॸ॓ॱऄॗॸॱख़ॱॸॣॸॱख़क़ॕॖॱॺॱऄॕॻऻॺॱय़ॺॱॻऻढ़ॺॱॻॖऀॱक़ॣॕॺॱॻऻढ़ॺॱय़ॸॱॿॖॆॸॱय़ॱॸॣॸॱॗ भे द्वयम ग्री प्रदर्भ पान्यमे वापित द्वर हिंगा के राष्ट्रिम ग्री प्रमुद हैं। विमुद हैं। विमुद हैं। विमुद हैं। सबयःत्राम्भें सक्रुटे त्याः द्रेष्ट्रम्भान्य त्वामान्य देश्वाम्भान्य त्यामान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य यर निवार्य ते श्री निवार्य श्री विवार्य श्री स्वार्थ निवार्य के वार्षेत्र श्री वार्ष के वार के वार्ष क অমা জ্ঞ'র্কর'র্না'দ্'বিঅ'নই'ন্র্ম'র'র্র্বা'ক্রন্ম'র্মর'র্ম্বর্মর'ন্র্রিন'ন্র্রিম'ন্তম'শ্রীম'ন্রিনাম'র্জ্অ'ন্ন' क्रवास्त्राम्यान्त्रीयाः वीशा न्युवायस्यान्यास्यास्यान्याः वित्यायवित्यवे स्वे स्वे प्रवित्यस्य स्वता स्वास्य स्वे दशक्त.य.प्रे.व.भाग्नीभासह्यात्रप्तयां प्रविधा सार्ध्रप्तशक्तियां स्थानस्य विश्वास्त्रप्ति स्वरास्त्रप्ति स्वरास बित्र दे त्यशक्तं क्रंत्र वक्कुं दक्कुं राष्ट्रेत्र सदे स्वे त्याशा क्रीशाचा से त्या श्रीता से त्या सामित्र वा ৾ঀ৽য়৽য়য়৽৸ঀ৾৽ড়৽য়য়ঢ়৽য়য়৾ৼ৽য়৽য়য়৽য়ৢ৽য়৾ৼয়৽ঢ়৽৻য়৾য়৽ঢ়৽৻য়৾য়৽ঢ়৽য়য়৽ঢ়৽য়য়য়৽য়ঢ়৽য়য়য়৽ড়ঢ়৽য়ৣয়৽য়য়৾য়৽ঢ়৽ लर.क्वीयाः भर्मियाः वेदान्तरं विदान्यः भूयाशाः वर्षे शादाः। क्वालाः श्रान्यः वर्षे शादाः वर्षे श्रान्यः वर्षे श्रान्यः खे.पर्व यरः क्रेंबः बिरः मिनेरः नः बिमा अ:बिरः प्रम्यः मार्गः। कं बिरः खेमा मा बिमा अ:बिरः प्रम्यः मिरं में रः पर् न्वेशनार्श्रेष्यश्चारार्षेत्रकेषार्श्वेत्। समयापाडेषानुष्यत्तुराववेदेशसस्व देत्रेत्रसराधेवरस्य स्थितन्तुत्वर्वार्श्वेतः अः त्रेन् 'ठेग गयः हे 'यत्रुर प्रविदे अळव 'हेन् सर्धेव 'ढुंर'धेव'र् 'प्रयूर रें 'बेर'व'दे। र्न 'प्र्ये 'श्रम्भ रहन ग्रेम शःकुः से :क्रुटः त्रसः स्वायः र्से वाशः श्रीः सक्षेत्रः क्षेत्रः वहिषाः विश्वः वाशुटः दर्वो शःतः दे विः से : देवाशः से । दिनः वहेतः y white Marison

यायमान्त्रीयन् भेषामेनामा प्रत्याकष्मभाग्नायाने स्वर्मामान्त्रम् स्वर्मामान्त्रम् स्वर्मामान्त्रम् स्वर्मा दे प्रविदास्त क्षत्र प्रत्म क्षत्र हो एके के राजा क्षेत्र के सुन्त का स्वर्भ के प्रति सुन्न क्षत्र के स्वर्भ स ळेर.टे.ज.चोवश.मी.भू.वश.लट.भु. वयश.भट.मूटी ट्र्येटी ट्र्येटी प्रेय.मी भिय.चीयश.सूचा.कचीश.स्थश.ज.चीयश.सूर ૡૹૡૹ૽૽૱ૹ૾ૢૺૡૼૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૡ૽ૼૢ૽૱ૡ૽૽ૼ૱ૹ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡ૽૽ૡૡૹૹૹઌ૽૽૱૱૱૽૽ૢૼઌૹૡ૽૽ૡ૽૽૱ૹ૽ૼ૱ૹ૽૽ૼ૱૱૱૱ त्यन्यः कवार्यः मुद्रेः मुद्रान्त्यम् अपनयः वयाः वित्यन्यः हिवार्यः वयेः क्षन् । अपने व्यवित्यः वित्यन्यः वित्य धेव है। विराधनानिक निका के ना के ना के ना के ना के का के का के का निका निका निका के ना के ना के ना के ना के ना ळेत्रायमा सेसमाउत्राहेत् सेंद्रमासे नवदायूत्राय द्वा । यस द्वाहेत् सेंद्रमाद्वा प्रमानसे त्रसमा । <u> दे द्वा चर्रा सामित्र के अर्के क्ष्या । गुरु द्वार्य के केंद्र के द्वार सामित्र के विष्य दिया पर दे के द</u> लमा श्रद्धाः क्षेत्रः भ्रम्भाद्धाः निष्याद्वाः निर्मात्वाः निष्याद्वाः निष्याद क्रियान इसमाने भ्रे त्युरान्। विराइसमाक्तर क्रीमाने निराइसमा क्रियान स्वार्मा विमान्ता वायाने क्रियान स्रा ढ़ॊटॱज़ॊॱक़ॖॖॱॺऄॕॱॸॆॱॴटॱऄॕॖढ़ॱऒॕॸॺॱॻॣॺऻ_ऻढ़ॏॎॺॱऒ॔ज़ऻॺॱॺॺढ़ॱॴॴॱड़ॊॸॱॹॱॿॸऻॱॴॺॱॸ॔ॸॱॸऒॕॸॱढ़ॺॺॱॻॖऀॱॿॎॖॸॱ यर प्रशाह्य नावि रें से विसाय प्रमाय विमामार बमा क्रू र घर र प्रार्थ से त्या क्रू साम सरें विसाय सरें मासूस सुसार । हे सार्हे रे त्र्या हु सर्हे व सुसा क्री सार्हे या साम प्राप्त हो है दे या सुरास्य क्री या साम स्वार क्षिया हु श्चीशः हैं वाश्वारा नुश्वार वा तुः वश्चार वाश्वार वाश्वार वाश्वार वाश्वार वाश्वार वाश्वार वाश्वार वाश्वार वाश्व <u>र्दा देवे वदः भुः पेंद्र शः हें ग्रायप्य कः वठरा हे विदः वाया श्रावेदः स्रियाया स्रावेदः स्रियं विद्यारे ग्री</u> भ्रे.जयाः भ्रूच्यम् भ्रेवः भ्रुच्यायदः वस्त्रम् भ्रे.व्यायदः दे द्वेदः भ्रेतः भ्रेतः भ्रयम् भ्रूचः वर्षेदः या कुः सूरः वस्य ना वन्या भून नहीं ना ना न वर्ने न नु ने नु रा सा से विषया ने सान विषया न से सर्वे हैं न सा सु न विषया र्रे.भ्र.७भारार्र्,भक्र्याःबैटा । ७५४.८८। र्जूयःबै.भवतुःकैतार्यःभ्रभाग्नेयःकी ये.की ये.की येर्याः ठना नी र्स्ट्रेन स परिस्ति र दिर नवरुष स्था दिन्न स्था ना शुस्ति दुष्य स्था ना से प्यान से प्राप्त है । ना न्य गुरु-दर्गाद र्वेश र्द्भेर प्रश्न ग्राट रहा रुवा न महिर में श्रा दुर सुरा दु प्रो र सुरा पर सुरा पर सहिर है। ৾*ঊ*য়য়৽য়ৼৢয়৸ৢয়য়৽য়ৢৢ৽য়ৢৢঀ৸৽য়ৢয়৽ৼয়৽য়ৼৼ৽য়য়৽য়য়৽য়ৄৼ৽য়য়৽য়ৢঢ়৽য়ৢঢ়য়য়৽য়ৣঢ়৽য়৾৻ৼ৾য় सक्र्या.².कैंट.यपुर्वैंट.य.टेट.। भैज.टेयट.क्ट्य.टेवेंट्य.भै.सक्र्युट.क्य.वर.टी ट्रेपु.सैयय.टपु.सक्र्ट.कैंट.ज. तुःर्केन् सुनःर्वेदेःने नःस्यः क्रीःने कृत्वेदेःसःमें त्रवाःश्रेवासःयसः <u>ब</u>ुनःसःसःथिनःसन्यकृदेःसे ने सुनसःसःदनदः विना हु अर्बेट व्या दे हे व वर्षे अध्व व्यव या ही व व ना हो खें द या दे र अह्या व वा बट में हिर वर्षे अपाय व्हेग्राराने सार्थेन। ग्राव्यासहयासम्बन्धसार्वे मेंग्रासामानायाना याना सेनासनामें हिया स्रेनान् वर्षे साम्यास स्रे। नत्नामः विरःसहयः दमः स्वाः र्सेरः हो ८ ग्रीकः यर् ना हे सः २८ । हे से । यदे : इसः सन् रः यथा हं नः रहें नः सः सरः रशःम्बारान्यतः। वि.सः १८ स्वरुधः व वायवा दि वरः दुः विवा विवयः वरः वरे त्यः यरशः यायवा दि वरः वः y charles dans 64m

यथा लट्यत्वर्ष्याच्या विश्वर्ष्याच्या स्वित्वर्ष्याच्या स्वित्वर्ष्या स्वित्वर्ष्या स्वित्वर्ष्या स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्षयः स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वय्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वित्वर्ष्य स्वत्वर्ष्य स्वत्वर्ष्य स्वत्वर्ष्य स्वत्वर्ष्य स्वत्वर्षयः स्वत्वर्ष्य स्वत्वर्ष्य स्वत्वर्ष्य स्वत्वयः स्वत्वयः स्वत्वर्ष्य स्वत्वयः स्वत्य

क्वं देवा वित्र विवादित विवास क्षेत्र अर्थे र अर्थे विवास क्षेत्र क्षेत्र विवास क्षेत्र विवास क्षेत्र विवास क्षेत्र र्रेयानुः विन्यवे से ने रासे विन्य द्वी सर्वी सह्वा विहेश यानु रास हसानु है विन्येव पर सर्वेद वा निर्मा है वा ૾ઌ૽ૼૹૻૻ૱ૡઌ૽૽ૺઌૻૹ૾ૢ૽ૺૼ૾ૢૢ૽ૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૽ૢ૽ૼઌ૽૽ૡ૽ૺઌ૽૽ૺઌ૽ૺ૱ઌ૽૽ૺઌૡ૽ૼ૱ૹૄ૽ૺઌૡઌ૽૾ૺઌ૽ૼ૱ૡ૽ૼઌૢઌઌ૽ૺ૱ઌ૽૱ઌૡ૽ૼઌ૱ઌૡ૽ૺ૱ૺ सर्वे ता है दें न से वा तम सर्वे न तम निष्य स्थान है साथ निष्य निष्य है साथ है साथ है साथ है साथ है साथ स्थान देवायदेः मुरुष्युः ने अप्वाञ्चवारुष्ट्र देवेट् ग्री: इप्यदेः मुद्राह्य प्रवृत्यः क्रिट् ग्री: इस्रायः द्वायः इत्यायहान हे । से द क्रुनशःक्रुवः न्दः व्हः न। यदः वः ने विष्ठेशः गाः येवः यः न्दः। ने विष्ठेशः गाः ग्वादः यदः येवः वदः येवः के गाः यदेः वर्दे दः रहें वा श्रूदः विदा र्थे दः रहे वा समिश के दः हे र्थे सः श्रेदः श्रीशः (J.J. Thomson) श्रेवा दुवा दे र्वा स्वर् मी क्रिंट्र रहे वा प्रेव प्रस्पाय मार्ग्य हैं दिन हैं दिन हैं दिन प्रम्य क्रिय स्वित्य हैं विद्या से विद्या हैं वित्य हैं दिन प्रवित्य हैं विद्या है विद्या वंश र्हें चें त्र वो ने स्वार कें वा ने स्वित क्षेत्र कें कें त्र प्राप्त कें स्वार प्रति का कि George Thomson য়ৢ৾ঀ৾৽ৼড়৻৴ৢঢ়৽ৠৣ৾৾৴৽ড়ড়৽ৼড়৽য়ঀয়ৣ৾৽ৠৣ৾৾৴৽ড়ড়৽য়৽ড়য়৽য়ৼৼড়য়য়৽ড়ৢয়৽৴ৼ৽ড়য়৽ড়য়৽ড়য়ৼড়য়৽ড়ৼ৽ঢ়৾৽ড়য়৾৽ द्ये सर्कें त्राय्व्या से द्राये वस्त्र त्र स्त्र प्रस्त दे त्याय हिला में विष्य हिला से विष्य हिला है विषय हिला है विषय है विषय है दिला है विषय है वि हुषा: स्वर न्युका सवस्य धरावाक्षवर्षा कुवाची भ्रीता खंषा नुः स्वर वाचे विवायह्या याने वे न्युने स्वर सान्य क्रिये नर्गेन् क्षेता नित्रे नरुष त्या स्वाप्यका सर्वे निहेषा गाणित केंना सान्ता प्रसान ने निहेषा नित्री प्रसान निवास <u>५८.भु.५२.७ ४.भघतःक्रूभःभह्रे, सद्भः स्वाक्षःक्ष्यः स्वाकः क्षूयः स्वतः स्वाक्ष्यः स्व</u> *ॸ*॔ॱऄॱढ़ॾॱॸॸॱक़ॗॸॴक़ॗढ़ॱढ़ॗॸॱॻॖ॓ॸॱॴॸॱॻऻॺॸॱॸॖॱढ़ॖ॓ॸॱॺॺॱढ़ॎऀॸऻॱढ़॓ढ़ॱॿॺॺॱढ़ॸॱॳढ़ॱख़ऀॸॱऄढ़ॱक़ॖऀॱॿॎॱ ळंत्र देवा तसुवा ळ या व्यया अर्वेट ळंट स्टा ठवा व्हातु द्वाट की या वा वर्षे या सार्येट वया अर्वेट द्वीं या वेट त सुत् यातृसार्वि तः धोत्रायायित्र त्या वितात् । यद्या क्राया भेत्रा श्री या यो या वियायायाय विताय विताय वितायायायाय ययर हुत्र निष्यापाद सर्वे ना है। निर्मादी कुर भेषा केदार्थ मित्र हिंगा हुता हुता हा सर्वे रासे से वा स्वर हैना वी विश्व वे क्रिया करा व्या निहेत देश स्टा हो देशी की वा वी प्रवाद में देश क्रिया क्रिया क्रिया के देश क्रिया के प्रवाद के देश क्रिया के प्रवाद के देश क्रिया के प्रवाद के देश के देश कर करा करा के देश कर के देश कर के देश y called a land

लट. व्रि.च. में र.मे. टेगू प. प्रकूर्या क्रि. प्रयामा ग्रीमा क्रिया पर प्राची प *ॱ*ढ़ॣॸॱॺॱॻऻढ़ॏॱऄ॓॓॓ॻॱऄॕॸॱॻऻॶॖॸॺॱॻॖॸॱऻॱज़ॖॺॱय़ऻॺॕॸॱऄ॔ॻऻॺॱॻऻॶॖॸॱॸक़ॱढ़ॹॱॹॱॺॱॺऻढ़ॏॱॿॣॖॺॱऄ॔ॸॱॻॶॸॱ ऍट्रा डेशन्त्रश्रूट्यन्तः हुत्रः क्षेत्रात्रयः यावरः से र्वेट्र चः विताः स्ट्री त्यायविरः वया देवाः द्याः द्या <u>२ॻॖऀख़ॱॸय़ॴॱख़॔ॸॱॸढ़ॎऀॱढ़ज़ॖॺऻॎऄॱॸॻॖऀख़ॱॶॖॺॱढ़ॹऻॎक़ॖॱॸॻॖऀख़ॱढ़॓ॺॱढ़ज़ॖॺऻॎॺॱॸॻॖऀख़ॱक़ॆॴॱढ़ज़ॖॺऻॎॸॆढ़ॆॱऄॗॸॱ</u> ॔ॷॖॺॱऄ॔ॱढ़ॺॸॱॸॖॖॱॸॖॺॻॱख़ॕॸॖॱक़ऀॻॱढ़ज़ॖॖॖॖॖॺॱॸॸॱऻॗॿ॓ॸॱॸॖॖॱॾॸॸॱऄॗ॔ॸॱख़ॻॱॸड़ॖॱज़ॖऀॸॱ ॗॖॖॺॖॸॱऄ॔ॱढ़ॺॸॱॸॖॖॱॸॖॺॻॱख़॔ॸॖॱक़ऀॻॱढ़ज़ॖॺॱॸड़ॱऒढ़ॱऄ॔ॸॱऄॗ॔ॸॱॿॻॱॿ॒ॱॸड़ॗॱऒऀॸॱ ૱ૺૼ*ૹ*ૻ૱ૹ૱૽૽ૼૼૣૹૢઌૣૹૻ૽૾ૢૺ૱ૹ૽ૼૢૼૢ૽ૺ૱ૹ૽૽ૺૹૢૢૢૢૢૢૢૢઌૻૹ૽૾૱૽ૣૺૼૢૼ૽૽ૢ૽૱ઌૣૢૢૢૢૢૢૢૹ૱ૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૱ઌ૽૽ૢૹ૽૽૱ઌૢ૽ૺૢઌૢઌૢઌ૽૽૱૱૱૽ૺ <u>हे भ्रे</u>न ७ ना ने निर्माण स्वास्त्र के लिन हिंद की स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र है स र्येदे में कें न देते। सरें द पदे खें मुरा हो पहें मा हे द ने पद हु सारें पिद कें मा हो। ने र सा कुदे न ही पा पिर माहिसा ब्रुअर्थिरावल्दायदे द्वेराने। विराध्यायो रेटाळदाबेटाळ्टायी शुअरद्युरानु वल्दायदे द्वेरा ब्रुअर्थिरा ब्रु र्भूर-ग्री-रेट-ळ्ट्-ट्रे-बेट-ळ्ट्-ग्री-शुस्र-व्युर-पीद-दें-बेश-स-व्टी-ट्रेंद-वा-सुट-बट्-सी-वादस-ग्री-सूर्व-ग्री-सावस-स-इसरायाधितरासुम्मवारायधेत्र्वे विरावेर केंश्रासद्यापरायद्यात्र्यात्रेत्राच्यान्त्रेत्राचा रनः इतः वित्रः ध्रमानी देः स्वारा स्वादि स्वारा स्वादि स्वाद्य स्वादि स्वादी स् त्रुगाः अन्यम् सम्पर्तेत्रा नः कः समाविः ह्युसार्येः सम्पेतः यस्य सुनः द्युमा ह्युमा ह्युमा स्वरम्याः कन्यविः यनुसा सेः र्ग्भेषाशुरुष्यत्त्र्या कुर्न्ग्भेषाक्षेत्रावत्र्या यान्ग्भेषाक्षेत्रावत्त्र्या वेत्रायनात्र्याययान्त्रात्रान्तानारायरा शःगविदेः ग्रशःशुः अः नहेशः सन्। हें हो भ्रोतः ११ मा गो ख़ुतः वें भिंतः राषावि धोतः क्रुनः ग्रुशः तशः ने ब्रुअः वें अधितः प्रशासन्ति हुसारी साधित प्रमानसूत्र पार्ति तह्र संघत्र प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति । श्री माधितारी प्राप्ति । येव प्रथा येव प्रवेश्वीं केंद्र देव है। यद। अवव क्रेंद्र प्रदेश या क्षेंद्र क्षे कृतानी'न् हीत्रकाने'कान्तिवेदे में किंन्नें केंन् कें अर्देक मान्न न्युक्त के किंन्य के किंन्य के का ॖॿॣॖॺॱय़ॺॱॿॖॣॺॱय़ॕढ़ऀॱॺॊ॔ॱऄॱक़ॕ॔ॸॱॺऻ*ॱॼऺॺॱ*ॸॖऀॻॺॱॻॖऀॱक़ॖॱॸॻॖऀ॓ख़ॱॸॸॱॻॖऀख़ॱॻऻढ़॓ॺॱॿॣॖॺॱय़ॺॱॿॣॖॺॱय़ॕढ़ऀॱॺॊ॔ॱ ૹ૾ૼૼૼૼઽ૽ૼૼ૱૽૾ૢ૽ૺ૾ૢ૱ઌૣ૽ૺૡૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૢૹ૾૽૱૽ૻ૱ઌ૽૽૱ઌઌ૽૽૱ઌ૱૽૽૱૽ૺઌ૽ૼ૱૽ૺૹ૾ૼ૱ૢૺ*૽૽ૹ૾૽*૱ઌ૽ૼ૱૽ૺઌ૽૱૽ૺઌ য়৻৴য়ৢঀ৻য়ৢয়৻ঀয়৻ৼঀ৻ঀৢ৻য়৾ঀ৾৽য়৾ৼৼ৾ৢয়৻ঽৢ৾৸য়ৼ৾য়৻৸৻৴ৼ৻ঀয়৻ঀয়ৼ৻ঀৢয়য়৻য়ৢ৻ড়ৢ৻৴য়ৢঀ৻ৼয়৻৴য়ৢয়৻ড়ৢয়৻ y charles dans 64m

यान्वराग्नी ने स्क्रीं स्वरायं विताया महिताया स्वराया स्वराय स्वरा

लर्। र.र्ज्ञ.पूर्य.रंज्ञ.र.यदुःशरशःभ्रिशःयदुःवश्चिरःरयः व्रवायः क्रेःक्ष्टः क्र्वाशःर्रः यदशःयायः वीः वरः नु:प्परः। रःक्रें प्रक्रें र्श्वें न्त्रुं अदे प्रहेवा हेद प्रदेवे न्त्री नशन् स्थार क्रें शासर्वे र नु प्रें न प्रते सूर र सा परादः वरी प्रसर्धियास वर्ष उत्तर होया मुग्यासुरस प्रवेषी यो त्राया हैया ग्राम्से प्रस्ति सम्बेस प्रवेश स्थि। विसादा प्रमा याश्वरःश्चीःयरः। द्वायाश्चीःयानुसान्नेरःयःयविदायाद्वायस्यायस्यायस्योद्विरःयदेःश्वरःश्चरःश्चेयायश्चयाश्चर्या सर्रे हे. तथा चू. कु. तथा कु. किया यह स्था हे. ता तह या हेया हो। तस्य मित्र सकू. में स्थान ही यस सी स्थान है। क्र्यायात्री तह्याहेराम्यावस्याम् सक्र्यायम्यायायायायात्री गुरादयास्यात्री विह्याहेराम्या क़ॖॱॺळॅॱढ़ॻॖॺॺॱय़ॣॺॱॸॱॺॱॺॱढ़ऀऻ_ॎग़ॖढ़ॱढ़ॺॱॻॖॱॸढ़॓ढ़ॕॱढ़॓ॺॱऄ॔ॻॺॱॻऻॶॖॸॺॱॻ॓ॺऻॱग़ॖढ़ॱढ़ॺॱॿॣॖॺॱॸॕढ़ऀॱॸॕॗढ़ॱक़ॗॱ र्देवःशेवःवःहेःक्ष्ररःधेव। यटःहेःश्मदःतु। र्धेग्रयःक्षय्यःगुवःवःवेटःक्षयःक्षःयर्केःश्वदः। याःयःह्मुयःदेःयायायुः मशुस्रक्षे दे:द्याःयःयः द्वित्रायः द्याः चित्रः यादया । गुदः ग्यूदः ययः इययः क्युः यद्वेयः यदः वेया । वियः ग्यूदः गशुरश्यश्यश्यदेवे ह्युयर्गे दे गुद्रद्वश्यह्य संस्थे क्वें प्रद्या दे खुः सदे प्रदेवश्य में प्रवेश सम्पेद पे द्वा न'यर र्श्वे द ह्युस र्से प्रे द प्रदे ह्युन हो द द तु नहे माया परिस हैं प्रया न यर हीं द वे र द द प्रमा कर द गु र्बेटा मक्र-प्यटन्त्राः बेट्टमार्थेटमारायदे नर्गेट्रन्यने नविवन्त महिट्यमा नःश्चेट्र्येट्सीट हुमार्थे क्षे र्केंद्रासमास्त्रेन्द्रान्त्रम् न्योत्रार्वे । ने न्त्रुयाः सेंद्रासमास्त्रेन्द्रामास्त्रम् । वियासम्बद्धें न्द्रान्यमास्त्रेन्वन्त्र र्क्रेट:यू:नक्कु:या न्यर्थ:न्ट:बेट:ळंट्:रे:रेटा स्वय:क्र्रेट:ग्री:शुस्र:ळवे:गठिग:स्रे। न्यग:ळंट्:हेश:स्रेट:यू:नक्कु: रे'म्|शुर्स्थ'स्थ'रेथ'रेथ'र्वेर'सुन| दे'नवित'य्हेम्'हेत्र'नवम्'यदे'ळेम्थ'न्रु'महिश'स'य्या त्न्न'न'यर' र्श्वे दःगुरु दशः ह्युर्यः स्वार्यः स्वार्यः देवे शः स्वेदः वृष्यः स्वार्यः स्वार्यः यदिवार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वरं स् <u>५८१ व्हेंत्र:वेर:वे: नवेत्रशःश्रेंग्रशः नवेत्रशः क्षे:वे: व्याः श्वः व्हेंग्रश्चेंग्रशः शुः वहुगः वार्षः व्यादेतः से:</u> खुः अदे 'न् ब्रेन अं उत् 'नु 'अं ना शुर्य पदे 'कु 'अळद' के 'थें ना न् नु र अर्ने 'ने 'यथा वहे ना हे द की 'नियय की 'यळें' दनुस्रशः मुर्भः सः सः सः से। देः दनः ग्रीः दन्नि नशः उदार्दे विश्वः स्थाः सर्दे दः स्थित। स्थाः स्थाः स्थितः हेत नश्रूदाया वहेनाहेदान्ती। निस्नानी सर्के विस्नाना सामाना वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा विस्तान वार्षा विस् y called a land

योध्याग्री अस्ती च्रास्त् देन्द्र त्त्रीं आत्मायाग्राचार।

क्षित्र त्रिक्ष स्त्री च्रास्त् देन्द्र त्र्यीं आत्मायाग्राचार।

क्षित्र त्रिक्ष स्त्री च्रास्त स्त्री स्त्र त्र्यीं स्त्र त्राम्य त्राम्य स्त्री विक्ष स्त्र त्राम्य स्त्र विक्ष स्त्र त्राम्य स्त्र स्त्र

स्थान्त्र न्त्रीन् सुन्न न्यों न्यों न्यों न्यों स्थान स्था

च्रीन् च्रीत्र प्यानित्र स्थानित्र स्थानित् स्थानित्र स्थानित्य स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित्र स्थानित् स्थानित्र स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्र स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्

दशत्त्रश्चर्क्षर्ट्यः सेर.स.चड्डे.कै.स.तर्ये के.येचा.ची.सप्टर्त्या.ट्रे.यु.स्टर्म्यः स्वर्धः सेन्यः क्री.की.ली.ड्रेश्वः त्यार्गेट बेर पर देया के तरके क्या के प्राचित पर के के प्राचित के या माने कि प्राची की का के पर के का के या की वीं मात्रन मार्थन अनः वे निक्षुन्य सन्ते निवा धीत सदी निर्वा पर्या निवा स्थाने त्र निवासी मार्थि निवास है ते धीत सम् नेयान्वींया ने सेव न्यायेर्मर रराया विरयान रेया वया न्या सें मास संस्था प्रायेर्म या निया प्रायेर्म या निया प्र ढ़ोशराःश्ली क्रेंशःग्रीःहेशःशुःदब्दशःसःद्याःगीशःयविषश्चःश्लेदःहेःद्वदःशेदःतुःनेंदःवःद्दः। द्दःसदेःहेशः व्यर्भ कें अन्त्रेषा व ले से र लेट स्रुग र्वे प्रदे प्रत्य वित्र स्थापित र लें अप्तर वित्र के व प्रत्य के वित्र र्शेन्यरः क्री. क्री. अ. वट. क्री. बुचा. चर्मूट. वट्टेच टेनका. टी. क्री. क्षी. वर्षामाशुर्वार्यते प्रदेशाहेव कमार्या न ही नर्या प्रदेश परित्र ही न हो न हिंदा है न हिंदा है न हिंदा है न हिंद यः पृदेः भेगाययाना र्वं भाषा अरमा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा विद्या नुभावित् । स्वा विद्या निष्य क्षा क्षा क याह्रवायान्यवासी सुवा हे या या सुद्या प्रेत् द्वा सुवा हे या विदायी हिया दस्या पर स्थापा स्थित हिता सुवाहिता <u>र्</u>भःक्टॅर्ग्नश्रयः।वःठ्रावेगःर्वेर् मुनःयःयर्दे दे कुःद्रगःयशः सुरशःयदे अदःरगः नगदः नकुः सः यनयः वेगःगेः नगाय देव त्यमा वावव र्भायविर व्योधान व्योधा हो न्दर नहमाय । त्या त्या त्या वर्ष वर्ष ने व्याप के निर्धा सुन ग्रम्सास्याया स्वापार्यम् विकालका स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप ॱॳऀ८ॱऄॣ॔ॳॱॺॖॱऄॣॸॱॾ॓ॳॱख़ॱढ़८ॱॻॖढ़ॱक़ॗढ़ॱॹढ़ॕॱॾऻऒक़ॕॱॴॹॖॺॱॸ॔ॱॼॴॴॴॱॴढ़॔ॸॱॻख़॔ॴॼॴॴॹॖॱॺख़ॕऻ यप्रश्चितः र्वे रःच बरः क्वः सर्वे। स्वाप्यः क्षुत्रः चुतः सर्वेः स्रे। क्वः सर्वेः द्वराप्यः विश्वः श्वेरः तः श्लेरः ते श्र रेग्'सदे'ॡ्र्य'य'द्य्वर्'सदे'ह्युर्द्र्यय'र्द्र्ये'र्द्र्या'र्यो'र्द्र्येर्द्र्या'र्द्र्येद्र्यं स्वाप्त्र्यं याने निया यो अरगुम है ह्वा या बदा वहीं का नु अरकें निया अवराय उक्त विया कें निष्ठ वा खेन के आया अवराय आ निष्ठ वे सूक्त *৾ৼ*ॱॸ॔ॸॱऻॱॷज़ॺॱॻॖऀॱॺॱॺॖॖॸॱॸढ़ॖॱज़ॺॖय़ॱॾॕ॒ज़ॺॱय़ॸॱॿॸॱय़ॸॱज़ढ़ॸॱॸ॔ढ़ॱज़ॖॱॺॣॕढ़ॱॸ॓ढ़ॱऴ॓ढ़ॱज़ॗॸॱग़ॱऄ॔ज़ॺॱॻॖऀॱॸॶॸॱ ૹૣૼૼૼૼૼૹૻૹૻૹૹૹઌૻૻ૱ૹૢ૽ૼઌૻૹૢઌૻ૱ઌઌ૽૽ૺઌ૽૽૱ઌ૱ૹૹઌઌ૽૽૽૽ૹ૾૽ૹઌ૽ૡૢ૽ઌઌ૽ૢ૽૱ૢ૿૱ૡ૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱ઌ૽૽ૺઌૢ૱ૹ૽ૼૺઌ याश्यापारुव में शायद्वेत श्रेषाशे प्रत्या हेशायल्या प्राथित्वया कु अळंत कु अळंत हे स्थापत ळ श्रूराय हिंदा <u>ॸॱक़ऀॱक़ॗॱॺख़॔ढ़ॱख़ॱॻऻऄ॔ख़ॱढ़ॺॱॺॱढ़ॸॖज़ॱढ़॓ॻऻॱढ़ॸऀॱख़ॱख़ढ़ॱॺॱॼॗऀॸॱॺ॓ॱख़ढ़ॱॺॱॿ॓ऀॸॺॱय़ॱख़ॺॱॺॱॸॸॸॱय़ढ़ऀॱॻ॒ॺॱॶॱ</u> नहैं कुं सेत्रा वेशानर्से न्वस्य राज्य नदे हिंद् छै न्वह्म दे है र नहूँ न्याय पेत्र प्रश्रेस द्यासे देवाय स्था ૄ૽ૢૼૺૼૼૼઽ૽૾ૢ૽ૺૺૼૼૼૼૹૻ૾ૣ૾૱ઌ૽ૺ*૾*ઌૢૺ૽ઽૣઽૺૡ૽ૹ૾૽૽ૺૹ૽ૼૹઌ૽૱ૹ૱૱ૹ૽ૢૼૼૼૼ૽ૡૢૺૹઌઌઽ૽ઽૣઌ૽૽૱૾ૢ૽૱૱ૹ૽ૼૢૼ૾ षर्यात्रम्यात्रात्रुर्यात्रात्रा दाळाणे.वृत्दावाळेदेळेर्यात्राचयास्रवत्त्राळे त्यास्नुत्रयासुत्रहेत् सुरात्रवृत्या वटःवयायः सःधेवः वसा

विन्न्न्नित्रान्त्रेत्रात्त्रेयात्रान्त्रत्त्रेत्रात्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र विन्नुत्रात्त्रात्रेत्रात्यायात्रेयाव्यात्त्रात्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् विन्नुत्रात्त्र्यात्रेयात्र्यात्रेयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् y with the relaisofu

हिरमारे निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर् बेर्ग्यी यन्। ग्रुर क्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रभाषे रेस्सा स्कृत्ययर पेत्रियम्। दार्स्व से मेन्याया सर्से क्रम्यायमा यदी हित् ढेग कु'दग'सेट'कुष'र्नरूभ'सूनरू'से'त'सेदे'पे'-(वृदे'कॅर्अ'सेष'स्वित'वेव'वेर्य'सेर्य'मेर'केर'में'वद'ग्रास्ट'स्ट'र्ने' नभूनसम्मान्द्रम् न्राष्ट्रदेश्वेन्श्चे भूत्रक्ष्यावर्षो स्थानस्य । येत्रवसूर्यत्वेत्रव्येन् स्थानस्य निर्माहत्य दनदःवेगायसःसे दन्गासे। नुसरमस्य नड्रनुगायदे नुसःसु वृनःसुमासाधे र्मनःसून्य स्थानः स्थानः स्थितः स्थितः स्थानः क्रॅंश ख़नाश श्वेत्य सानव नंवस देना सानश्य प्राप्त सम्मान सन्तर होत्र विद्या है दिना ने दिना ने शानवस देना द्विद क्रश त्रबुव्यः रेगाःगी अःव्ययः त्रअः त्रश्रुतः प्रअः हुः भेटः क्रेंत्रः केतः तृतुः गेंदः केः शेंग्रयः वाः श्रुः क्षेदः कुः तृताः गात्रयः । रेगायमाञ्चनायदे प्रवाहित स्वर्थे रायदे स्वर्थे है अ'धेवा' है अ'स' न इस अ' बेद 'ददर है 'वा बर' द्वर वी अ'यवा' न हुर 'तु अ' त्व ये 'वेर'। ही 'वें '१६८५ वें र' सर्दि:मूर्यरास्त्रात्रपुरात्रपुरात्रपुरात्रपुरात्रप्राप्तराम्यात्रपुर्वात्रपुरात्रपुरात्रपुरात्रपुरात्रपुरात्र *ब्रेट*ॱदशःश्वटःदर्वेशःसरःचगवःसनःवर्तुगःर्थेत्। धेदःदवटःचनशःवेदःहःर्श्वेःनःवेगःष। क्वेशःग्वटःदेरःदेशः यं रास्रोवें विते मात्र मात्र मात्र मात्र अप्ते मात्र कार्यो मात्र के मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र रे दुः भेवाः भे समुद्रान्यः भेवायः ग्रीः भ्रीद्राक्षवायः सारवादः सुरादर्गायदरः स्रोतेयः स्रोतः म्रीदा भी वृतः भ्रीरः स्रोतः ग्रथरःश्चीःत्रो र्श्चेत्राचरः प्रदासम्बद्धारः व्यादेत्राच्यतः प्रदाप्ताः व्याप्ताः विद्याप्ताः विद्यापत्ताः विद्या याया बुवाबा लेव के प्रकार्विट हेट्। ग्रीबा श्रुट्या वर्डेव प्टट प्रवेषा वावव प्यवट प्रकट ह्व श्रेया वरि प्रव्या त्यःक्षेरःयशः विषाः हुः तुशःपदेः त्यः क्षेरः हेशः षाश्यरः क्षेत्रे विषेते । द्यारे स्रोतः प्रकेरः प्रविष्तः विष्यदेः यगादः ष्ट्ररक्तुः श्रेवाः क्रेश्यरस्थाः सम्बर्धः दुनः श्रेशः वे पन्तुनः देरः यननः सः क्रेत्रः वे शाग्ये १०वे रः वे दः सः यन्यः वर्षः स यः श्चेत्राष्पत्रः श्चान्यः श्चेत्रः श्चोः श्चेत्रः यातुरः देः देवः तुनः तुनः रहेः श्चेत्रः यातुरः श्चेः स्वानश्चेत्रः स्वानश्वे नकुः झन्। नुः सः तः नहेत्र त्र सः कनः यनद्र सः विद्यायः विद्यायाः विद्यायाः सूर्या कुः नवे खू। क्वाने विद्यारे यासूनार्सेनायाने सान इत्निन्ना निस्नान इति कु स्नाम हेरान कुत्र सेनाया हेता रहेता न इत्नियान इत्निन्ना ह्यान ऄ॔ॱऄ॔देॱॾॣॖॱॸॸॖॺॱॸॸॱॸॖॺॱॺऻॿ॓ॸॱॺऻॸॱढ़ळॸॱॸॖॺ^ॱऴॕॸॱख़ॱऄ॔ॺऻॺॱय़ॱॺऻॺख़ॱऄॣ॔ढ़ॱॺॾऺॸॱय़ढ़॓ॱख़ॕॱॿॕॱॸॿॖॎॺऻॺॱय़ॸॱ सिव्यास्यान्यस्य स्थितः क्षेत्राच्यया सुदान्य हिंदा स्थिता दे प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते स्थित स्थित स्था सिव्या स्था स्था स्था स्था सिव्या स्था सिव्या स्था सिव्या स्था सिव्या े के अर्थेट। वर्दे रार्दे भ्रूट दर्वे अर्कुरा कु दवा धुवा दुवा है अवाबुट बेच हेट साच वे र्वे दिरावह अर्था कंवा अर्ह्द त्तुर-नवेःर्वेनाः अते : श्वे : वॅं :१२१२ वॅं र-र्वेन:र्वे अ:रअअ:य: श्वेतः अतः त्रु:त्वः नअ:र्वेटः अ।वटः विवे: के अःवाबुटः देः हे विन निरं ने दे दे पेतरण में दियी है अन्ति विदर्भना सार्थी के १००० दे प्रमास स्टर्स है अन्त हरा सारी र हैशःग्वरःगुत्रःयशःनहुशःम। नुःर्द्वेतःनेतःमें केशःश्चे ःयें १२३६ हेशःग्वरःस्वरःसन्गवः नेतः नेतःस्वरःयगः र्टानरुश्यान्त्रस्थाने। स्निन्ध्यां हे ह्या है त्या है त्या हिटा ह्या विवासी स्वासी स्वासी है स्वासी है स्वासी स्व द्धवार्सिन्य के यान्यवान्य स्वरं विदासे दाया है त्या है । देव विदासी है विदास है । विदास विदास है । *ॸ*८ॱॼॖॣॸॱॾॕॱॾ॓ऄॱॾॖ॓ॴॶॖॱय़ॿ॒ॸॴॸॖ॓ॱॺख़ॖ॔ॸॱॶॖॱय़ॾॴॸऻॖॿॖॸॴॸॕॖढ़ॱॼॖॗॸॱढ़ॕॸॱॿ॓ॸॱॺऴॕॴॵ॔ॴख़ढ़॔ॸॱॶॴॴॸऄॱ y with the Marison

ब्रॅल.चर्ट्रेट.टे.सर्क्ट्र.संदु.ज्.ब्रॅ.संघे.चयाया.२४.टे.संट.सय.टेचेय.या.इट.या.देय.शं.टेट.क्वेय.वीट.। यूट.ब्रॅय. मु:अर्ळे द्रयायाम्बुयाययायाययाम्यामुयार्देरायबरामु:अर्ळे याञ्चे व्याग्र≈्य ८ व्याराप्तेराञ्चे १ देवादे स्रोत् कुत्रप्रस्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थे स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स् यम् नग्रथ हे 'र्नेन्'ग्रे अपन्य अप्यान् अपन्य त्रान्य त्रान्य विषय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्व नर्जन्यान्ते। श्चेत्रःश्चेरःवर्षः भूनः ज्ञन्यान्यः ठतः ने निर्मेत्रः समान्यः सुनन्त्रः स्वान्यः सुनन्त्रः स्वान्यः स्वान र्नेर्द्रित वेश ग्राह्र्य धेतर्दर्य श्राह्म होत्र द्वेय द्वेय द्वेय हो रहे राम होत्र व्योग विषय साम हिस्स हो र विवाः धेतः भूतर्य। श्रुः व्यः १६६० नरः भूतर्यः शुः दत्यः वार्डरः व्ययः दुः वाद्यः देवाः भूरः है यः वाद्यरः श्रेवाः से विवाः क्षर्यात्यम् अः र्योद्रा त्याद्वीयायह् स्रोप्यस्य यहस्य त्वात्रम्य स्राक्त्याक्तः सर्वे याद्वे यात्रायाः वात्री पातृदः स्रोदे सर-तु-तहसमा भूर-हेरा-देवा-पःहसमाधार्यर-छु-तवदः। से हसमार्वेद-तु-सेवा ह्ये-वेर १८१६ वेर-खू-सः रेग'भूर'हेश'य'सम्भ'पदे'रूर्', नहेश भ्रेद'भ्रेर'र्र्र पर्दर्स'म्हेश'महेश'महेग'सूर'र्र' होर्'सूर'महेश' द्धंतार्वो नसून। नटावी अप्यासटान्यमानस्याम्यानस्य १३ समार्श्वेटानस्य एया नहेत्रात्रसायहेतास्य साम्यास्य द्वार्सिना *ॸ*॔ॱॷॸॱॺॱॗॗॣय़ॱख़ॱऄ॔ॻऻॺॱॸ॔ॸॱॶॺॱॻॖऀॱॺॱॸॻॺॱॸ॔ॸॱॺड़ॖढ़ॱय़ॸॱढ़ॆ॔ॸॱॻॱऄॸ॔ॱय़ॸॱऄॗ॔ढ़ॱॿॖॸॱय़ॱॗॗॗॾॱढ़॓ॺॱऄ॔ॱक़ॗॺॱ शु:च्याया र्थे व:८-५६दे:चे:डेव:५२:ॐ५:५२:५५:व;याठव:दनेनय:४८:पविव:ध्व:पदे:पडिवा:क्यूर:ची:५४:ॐ५: ढेवाः सेनः सूनमा धुवः खुनः र्से र्सेनः हेः सः वकनः तुनः होनः प्रेतः तुमः र्क्षेनः नृनः सूनः समुतः सेतः विष्यः व म्बर्भायम्बर्भाद्रम् अर्व्हेन् व्यावश्चरम्भेषा प्रेन् प्राह्मुद्रासे बर्गायम् विषयम् अर्थान् र्रेष्ट्रायम् विषयम् बेदाक्ष्मा यम् स्वत्मा वम् वेस्प्रियान्य विद्या विद्या विद्या के वार्षी हे श्रासु विद्या स्वापी श्री हिन्द्व निवेश विंद्रभाष्ट्रेन्यान्त्रेभानान्ते सुदार्थे सुर्वेन्यान्वायानान्त्रान्याने हो ने व्यासीतान्त्री हिंद्रा ही भाषान्या सुर्वा स्वासी ठन्'अब्रिक'रा'अ'भेक'रा'न्न' नेअ'गशुन्याळ'न्'ग्री'गल्न'शुग्याक'र्केन'न्य'न'शूग'न्न' नेॅन्'ग्री'अवियायदे'ब्रिन्' ग्रम्स ग्रुम्स द्वार द्वार के वार्ष के वार्ष वार्ष के जिस्स कार्य के कि स्ट्रिय महाम वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष नश्चनः ग्रुःयः देशः वेशः वद्देवः से व्यायः सुदः नः धेवः स्वायः भीत्रः भीत्रः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः नःश्रूयोशालूटाट्राङ्ग्याऱ्राङ्ग्यातिरायशास्यास्याह्रायात्रीत्राधावरासीम्पाद्यास्यान्त्रास्यान्त्रास्यान्त्रास्य न'वेग'भेद'सुगर्भ। सरस'क्वरार्ळेस'सुग्रास'न्यार्ने'द्रस्यस'वेग'तु'नक्वेस'ने'भ'र'श्वेर'हे'सेट्'सेट्'सेद'र्स्ने'द्रस' <u> न्यायाः क्वाप्तर्र्यतः क्वेत्रः व्याद्यों श्राचेत्रः वाष्ट्रस्थाः यात्र्याः श्राद्यत्रः व्याद्याः क्वाप्तरः श्राद्य</u> न्वे रायरम्बर्ण रेवाराययार्ववार्ववायरार्वेवा मन्तरकेवाः भूतः स्वरं प्यतः स्वरं प्यतः स्वरं प्रवासारे प्रवासी वात्र रहेवाः ઌ૱:ઽ૱:ૠ૽ઌૺ.ક્ષેયો.ઌૢૢૢૢૢૢઌ૽૱૱ૡૢ૱ૹૢ૽ૺૠૺ

यह्नराक्तात्वा क्र.स्टानाक्त्रिराक्तीयात्वेच व्यव्यक्तित्वा स्वाव्यक्तियात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व्यात्व स्वाव्यक्तियात्वा क्र.स्टानाक्तियात्वेच स्वाव्यक्तियात्वेच वेटानुस्यात्वेच स्वाव्यक्तियात्वयात्वयात्वयात्वयात्व y white March

लर्स्यान्त्री वरम्भुभभः वर्त्तम् वर्षाः विवालान्यः निर्देशः विवालक्षेत्रम् वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः याठेयादी वर्चे नः रेयायादुया ठेयाये न्दर्नु वर्चे पाठेयाची प्राची क्याने प्राची क्याने स्वार्थ क्याने स्वार्थ भेप्दर्भन्मत्वे नहें कुः हेर्पिर्भपदे सेत्। प्देप्पर्द्धर्मा अद्यास्य कुर्यमें विष्य हेर्प्य भेद्राप्त प्रस्पा कूशासियोशासासता. कुरावायोश्चयामधियास श्वेष्टासी सीरावरीयो भीरावरारी अटशामी शाक्ष्रासीयोशासार राजूरा वश्राक्षां तीया निर्माति वा प्रति होता क्षेत्रा मुक्ता मुक न्ह्युत्यानाम्वे हेन्। सान्ते न्ह्या निक्षा निक्ष यायवार्क्षे के न्दरवर्के नाक्षे हित्यानकु क न्तु नडु व्यव के नाम निष्य हुत व्हु नुसर्वे नाम निहास है। <u> हे : क्ष्र्र : प्रॅन् : प्रॅन : क्रॅन्य अप्तर्भें न : प्रेन्य : वेन : प्रेन्य : वेन : व</u> तुःचन्द्रन्त्रभःचह्नन्नःत्युन्दिः अपरःसेन्यमःङ्कः धूनःर्नेन्यन्ते। नदःकेन्युं नशःसेशःसेनः सेनः सेन्यः सेन्यः सेन र्वेदःचःबेनाः हुः भ्रेः नेवस्य कें अः सुनायः वदः भ्रेवः देः दनाः नेः सुनायः ग्रेः नातृ द स्वेदः कः वयः हेः चनाः नायः हदः वसः ऍं ५ : यः रुं सः तस्य प्रत्ये : नः से दे : ने वा सः त्या स्व : या स्व : या स्व : या से वा स्व : या से : या से : देवाया दुःठवाःवाहेयःगःक्षःत् भ्रेयःश्चरयःवेयः द्वः छः क्षयःवन्द्वः क्ष्यः सुवायः ददः स्रेदः श्चेतः वर्हेदः सः र्रे दे द्वाची न श्रुदे तु वा बेवा यदद नश्चर वर्ष वा य प्रेंद्रा हवा श्चान दु विदेश तु वा वा वा वा वा वर्ष वर् |तःके:न| थे:न्वु:न:शॅन|शःसर:सुर| कर्:पंदे:क्ष्मंचुनःश्चाःनःकुर:सत्र:पःत्यदर:क्ष्मःश्चेंनशःवर्चे:न:रेन|शःदुन।दरःश्चे: नःशृष्टीः विभागेत्रः संवित्राः ग्राटः पेरिः सरः त्रायायः है। यदिशाह्य स्थानहे व्यायादे सः नवे स्त्रुतः स्वाया ख़ॖॱय़ॖॸॱतॖॺॱॻॖॺॱय़ढ़॓ॱॻऻढ़ॖॸॱॺॖॕज़ॱख़ॖॱॸ॔ॸॱख़ॗॱऄढ़ॱॻऻॶॺॱय़ॺॸॱय़ढ़॓ॱक़ॆॱॺॗॱॻऻॶॺॱॺॺॱक़ॖॺॱॸढ़॓ॱक़॓॔ॸॱॸॖॱख़ॗॱऄढ़ॱ श्चान्तेर-त्रक्र-प्रमःश्चानवे माल्र-प्रकाश पाने केराधेताया नेवे हेश शुखन्य स्थान स्थित पावहेगा हेत सेवा July 2 march 4

ॻॖॱॸॱॸॣॕॻॱॻ॓ॱॺॱॳॖढ़ॱऄऀ॔॓ॾॕऀ॓॓॔ॾग़ख़ॿॖॻॱक़ॣ॔ऺक़ॱॸॖऺॹॻऻॿऀ॔॓ॱॹऀॻऻॹढ़ॎऄ॔ॹख़ॻऻॻऻड़ॖॻऻॱॻॾॹॹक़ॸॱॻ॔ॻऻॴ*॓*ॖड़ॖॱ र्स्सेन'स'र्स्सेन'न्सेन'ळें स'नामास'न्र'नुस'सहसामित्र'न्र'सेन'स्सेनस'स्नेन'में स'तम्सेन'नेस' ने'सेनास' क्तरम्बरमदे भ्रेंबरमम्बर्धम्यक्तिम्यरम्बन्यम्यन्ति क्रियम्यद्यस्य स्वर्थम्यस्य स्वर्थम्यस्य ्चे ।प्रश्राचेत्र प्राप्ते प्रश्राचात्रत्र पात्र प्राप्त प्राप्ते व्याप्ते व सर्देव कियान सुनया है हिन पान सर है न न्वान हैं सार्वेन पते पर्ने का सुन्य किया सार्वे स्थान सार्वे प्राची सार्वे का स्थान सार्वे का सार नेशःश्रीशःनष्ट्रेशःसःतःस्टःवळे नदेःळे नश्रसःगान्तःयश्राश्रस्यात्रशःदेवाःसरःश्लीः नरःसेवाःश्ले। क्रुःक्रेतःनेदेः ननर नी अप्यहे ना हे बाद नहा नहें अप्यासे दारे अपाय निर्मा अदान हे ना विद्या में निर्मा हिना है ना है न यानहरानायायाळे धे समान्त्रयार्वे सार्व्यू सान्दा। से साक्षा उत्तावाले वा वेदा से दार्थे सामित्र से स षराष्ट्री सरार्थे दशार्श्वे दाष्ट्री प्रवादा वा प्रवादा प्रवादा करा स्वादा करा के स्वादा करा के स्वादा करा के स दे देशपाउद, रे. अर्डूट है। कु. कु. दे. रे. हैं या प्राप्त की कार्य की कार्य की कि कि कि कि कि कि की कि कि कि क नदे कु नश्चनमान स्वामान देवा मेरा पर पर्देत्। मेसमा उदा खु न्या मेरी से दे से नामान स्वामान पर पर पर पर पर पर प वे र्श्वेग र संप्रहें व पर दर्ग थे द्वारावे प्रतुर वे रहे से से सूर विरेश्वेग कवारा वेरा वहें द पर ग्रावाराया हे सूर क्तरम्बरम्बरम्बरम्बर्मेष्वर्थः अञ्चरमञ्जूष्यः मञ्जूष्यः मञ्जूषः मञ्जूष्यः मञञ्जूष्यः मञञ्जूष्यः मञ्जूष्यः मञ्जूषः मञ्जूष्यः मञ्जूष्यः मञ्जूष्यः मञञ्जूष्यः मञञ्जूषः मञ्जूष्यः मञञ्जूष्यः मञञ्जूषः मञञ्जूष्यः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूष्यः मञञ्जूषः मञ्जूषः मञञ्यः मञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञञ्जूषः मञ्जूषः मञञ्जूषः म नःरेषायः इषाः हेया से स्टार्ट्यायाँ विदेशा में स्वार्ट्या में स्वार्ट्या में स्वार्ट्या से प्राप्त से स्वार्था स्वार्थी न्द्रे कुः ह्रेन र्षेन संदर्भने ने न बेन प्यान वित्य न स्वत्य प्रश्नेत स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं के न लयोश्रो मि.योर.री.शरश्रमिश्रक्ष्रासीयोश्राध्यरम्यूरत्यश्रासीतातायः रिटारीकातीलायोधेश्रास्य भिरानीयाश यन्ता वह्राम्चित्वी के शासुवारायाया केराम्ची याते व्यूरावर्षा सास्या स्वाप्ता व्यूरावर्षा साम्या स्वाप्ता व्यूरा यरयामुयाक्षेत्रासुन्यायायासुःसुत्याप्ताप्ताप्तासुन्यास्यायास्यायास्यायास्यायास्त्राप्तायस्यायास्त्राप्तायास्या ययर सळव र् स्था ही स्था स्नूर वि वर्षे ।

 y calification as the

यर्ट्स हैं दिन्ने क्रियो अपि हिंदि प्रतिव स्तर है। ययो अप्यास हैं देश प्रयोग प्रति श्रेष्ठ श्रेष्ठ स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्व ब्रेन्सन्द्र। क्षःश्रेवाशावाद्ववायाश्रेवःश्रेवाःब्रुशकेःवेष्यायाश्रेवःब्रीःतृश्वःशुः बन्दर। श्रेदुःश्रेवाशयवादःविवाः सःवि'गर्सेद'र्सेदे'त्यून्'र्वे'कं'र्ने'से'सर'र्ने'न्'ने'र्नेदे'ररर'तुन'नक्कुन'स्रे'ब'स'न्र'। दनु'र्सेद'र्सेग्र'ग्विद'न्ग् ब्रेरः अदे वरः तुः धरः क्रुवा अरः क्रुवा छेत्। त्रविवाया हेवा हेवा तुः श्रेया श्रेवा यो श्रेवा यो राज्ञा वा दिया हु। श्रेया श्रा অঅ'বিস্'ট্রীঝ'ঊ'বস্'ব্যুস্'বর্বি'ৠবাঝ'র্স্'বর্ত্তবা'রঝ'স্স'স্ট্র'স্ম'র্ট্রস্ট্র'স্ম'র্স্ট্রবাঝ'ইঝ'বার্ষর্ র<u>্</u>রাবা चुरुष्रचरुषः चःचः च्राः च्रिः श्रें वारुष्यवादः वेवाः वीः विरुष्ठः विवः च्रुवारुषे ने वार्शेनः चः च्राः च यात्रयात्मराद्वरात्रव्यात्रव्या श्रासरायसाञ्चर्द्वराष्ट्रियात्रश्चरमाने भूरक्ष्या हेर्रात्रव्या हिंग्या गढ़िश्चर्यंत्रस्त्रम् में दिः क्रियाश्चर्यादिशः श्चिश्चर्याश्चरः स्त्रात्रम् स्त्रमें त्यात्रसूत्वरायार्थितः स ५.चङ्गाः श्रेः नार्शेदः सः न्राः नः ५.५८ः क्षेत्रः भूनोत्रः ५५.५वर्षे : न्याः तः स्रेनः स्रेनः स्रेनः स्रेनः त्येतः स्रोनः स् ब्राम्या ग्रीया से किंदा पात्री हैं स्वादित। वर्षे पासे दे स्वादा स्वादा विवास विवास मुख्य है सा स्वादा स्वादा नन्ग्रभायत्या में में राष्ट्रेन्यपदे न्वरमे अया स्त्रम् हुर्ने हुर्गानस्य स्वाकेरने या हुर्या स्वाकेर स्वाकेर नन्ना मुन्त बुर नदे नुन दर्वे दम्द दिया दे निमाल अर्थे का स्री निम्त की मार से मानी अर के रहे द दिर मुद्दी के नर्भाक्षे निर्मानम् । विष्युत्र कर्मा क्षेत्र द्वार्य विष्य हि । द्वेर विषय हि । विषय विषय हि । क्षेत्र विषय हि सेन्। हे·सर्रे रेर्न्स्वहेशद्यार्म्युत्यपर बन्दुर्न् सेन्यिर मेंत्र्या क्रिया सेन्युत्र मेंत्र्या न्युत्र में सर्विः भ्रीतः श्रीतः श्रीत्रायः सर्वितः श्रीकार्सेयः विद्यः प्रेतिः सर्वितः स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स ळं र न परे हैं 'हे 'धेव वसा परे 'धर समर महुमार्थ व परे मा हेव हो र हें परे र परे प्रमार धेव वसा है 'ह्रा सेव व अः ईवा प्रदे प्रतः तु पु द प्रवे प्रतः से प्रश्ना प्रवास्त से प्रायम से प्रवास के प्रतः प्रवास के प्रवास के प्रवास के प्रायम प्रवास के प्रवास र्श्वे भ्री न राष्ट्री में न राष्ट्रीय र में विकास के स्थान कि न स्थान स्यान स्थान स यावरायदे क्षेत्रिताया रेवायविवायवे व्याप्तवाया विवायो दावे राया क्षेत्र वार्षेत्र प्रदेश राया विवाय वि द्यः क्षेत्रः अवत्रः श्रेष्ट्रः वार्षेतः अवे विस्रकारः द्वा । क्षे प्रतः तुन् वर्षे वर्षेत्रः श्रेष्टः श्रेष्टः वर्षेतः श्रेष्टः वर्षेत्रः वर्षेत्र बेन् चेन् कु भेव व्या ग्रास्ट्र हिन्द्र हिन्द्र हिन् हो स्वाय मिन्य के या किया यह से व्याय से विकास से र्श्चेयःत्र्वं ल्या भ्राणुषान्त्रीः र्श्चेटः न्यान्त्राह्ये स्वायान्त्रे स्वायान्त्रे स्वायान्त्रे स्वायान्त्र <u>न्दः बद्यार्थे के ने न्या भ्रान्य प्याप्ता वर्गे न भ्र</u>या श्रुया श्रुया या श्रीया वर्षा व्याप्ता वर्षा श्रुप्त वर्षा श्री ने स्थित । षयाची सञ्चाया हेतात्र या स्टान्त्वाया शुः चुनाय स्टान्ट्रिन्दाने वात्र या निर्माय स्वान्तरा शुः निर्दे स्वान्य प्यान व्यंभ्रे प्युत्पः श्री । प्रमान्य निष्टा निष्टा निष्टा निष्टा निष्टा निष्टा क्षा प्रमानि । विष्टा प्रमानि । विष्टा निष्टा लुयाया भुभ्यमातालात्म्यातीत्वित्त्र्याचीत्र्य्याचीत्र्य्याचीत्र्याचीत्र्याचीत्र्याचीत्र्याचीत्र्याचीत्र्याचीत्र न्दः म्र्रिटः द्विरः स्वाद्यान्त्रम् प्रमाद्यान्यो नदे त्यान्यो नदे त्यान्त्रम् नहास्य नहास्य नहास्य नहास्य नहास्य नवे धुष्य क्री खूषा याया स्ट्री से ८ ५८ वट्ट से क्रि. हे ५ वण ग्रह से ५ वो नवे प्यय की दा हु सूँ ने या के दावी वा वी या नभूत'स'स्रे। रह हैन'ग्री सेंग'य'रह हैन'हे सूर सहरा राष्ट्रर नावत ग्री सेंग'यावत यह से स्रेर पेत सर पर्नु y chartentarison

नेयात्रयानययानवितानु प्रतु श्रेताद्यार्थे सुंदा स्टन् ग्रामार्थे मार्थे निश्वयानवे निशेषयान्य स्वाप्य स्वाप्य $\mathsf{AL}(\mathcal{A}) = \mathsf{AL}(\mathcal{A}) + \mathsf{AL}(\mathcal{A}) +$ वेदःहे। मुःदर्द्वनानर्देशःनाशुंशःन्तुःनेनाशः ५८। तुःवेदः ५८:वर्देवः नःवःवावेरः नुशःदशःश्रेनः नःवेनाशः ५८। र्वेनानाधेस्राङ्गी स्टानीसान्दा र्वेन्द्रसानक्षेत्रसानदेन्त्रम्भेन्दा नावन्त्रीसानन्त्रान्त्रस्य स्टान्स् સેન્ ભાર્ભ્નેના નાબે સાન્દા મના ફુદા સાન્દા સુન્ સેન્ નાબુકા ભાવક લાન કેનું નાબે સાફોન્ માર્સેના સાફે ભ્રુસ છો 'સે 'નનો' न'नाशुस'न्न्। नुना'नाशुस'न्न्'नार्थे स्रुभ'गुरु'रुभ'नक्षुरुभ'हे। नाल्रु'नक्षु'सेसस'ग्रीस'दन्'लेस'नस्रुर'रुभ' श्चानवे ह्वा स्थाउदायहंद बेट समुद्रामान हो नमादर्दा मान्या के समुद्रामाय समाम स्थापने प्राप्त वर्षानञ्चर्याने। ननेवाह्वानारास्तराची क्षेत्वास्य स्वराधना द्वार्या सार्वेत्याची नामेवाने सार्वे नामेवाने सार्वे प्ट्रॅन्'सप्यास्त्रम्'सेस्याण्चेया वनेत्रह्तुयाम्'तुर्'मे स्याः र्स्नेत्रः सूर्वेतायायया नइस्रभः हे 'रवा' से 'सूर्व' सं 'सूर्व' केंवा' द्वा विद्वासे स्थान्य विद्यापा स्थान स बेर्'ग्री'ग्रुय'नदे'र्स्से'क्य'भूनय'र्देव'कुर्'यहंद'नर'त्रेर्'रव्'र्पदे'रवा'ग्रुय'स्रे। रवा'वी'क्य'प'नदी। रर'वी'र्सेर्य र्श्वे ५ रुट वर ग्रम् पहिंद से पर्दे ५ पर से र सूस कवास निया वावत श्री पिर स र्श्वे ५ पवर में ५ पवार राज विवा <u> बॅ'स्रूब्र'चित्र'चेत्र'केस्र राद्य राद्य राद्य राद्य से द्य से द्ये का द्ये वाद्य से से राद्य राद्य</u> वर पर्दे द पदि से समाज्य पा दसे वा भावस्या पर्दे वा पा द र वा के द पर पर्दे द पा के वा भादर । दे प्या ले खूर वी सेसस-५८। से नर्वेद्-पदे सेसस। विंद-५, वहेंद्र-पदे सेसस। नर्स-पहेना सेन्स हो ५ द से सम्दर्भ सप्ते विष्युः से सम्या निर्दे न् से सम्यापदाय निर्मे निर्माण हैं कि सम्यापता निर्मे निर्माण है निर्माण सम्यापता निर्मे निर्माण सम्यापता निर्मे निर्माण सम्यापता निर्मे निर्मे निर्माण सम्यापता सम्यापता निर्मे निर् न'क्रा'पर से न'र्ने 'बे श क्रु' प्रज्ञ शपा न सुरान प्रदेन शरा नरा । या सार्शे मा शरा नगाय है के के न क्रा शाया देव'यव'नर्वे 'नर्गे अ'सेन'र्ने 'वे अ'सून'य'नेन। स्रु'न'स्'री 'सेन'र्ने । नर्गेव'सर्केन'नासुस'सेन'र्ने 'वे अ'र्सेन अ'री लॅन्। सर्भः नः स्रे। ने प्रनासे चेन् पेते प्रने पान कर्मिया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व धुव्यः क्री वित्रः धुन् वित्रः ·ॳॖॻऻॺॱॹॖॱॻॖॖॖॖॖॖॸॱय़ॸॱय़ॸॣॕॸॱॸॖ॓ॱॻऻढ़ॺॱॸऄॣॕॺॱय़ॺॱॸॖॺॸॱॾॗॖॱॸढ़॓ॱख़ॖॴॺॱऄढ़ऻॱढ़ऻ॓ॺॱय़ढ़ॸॱॸॸॱक़ॗ॓॔ॴॱॺ॒ॱॾॖऀॱढ़ॴय़ॱ न'पीत'हे। होन'र्से'न्न'यस'महिस'यत'र्स्क्र'स्र्रेस'श्चुन'पीत'यस'होन'र्से सेन्'यर'यस'श्चुन'र्स्क्य'सेन्'यस। यस' *ऄॸॱ*ॺॱॿॖ॓ॸॱॺॕॱॾ॓ॱॺॢॸॱॼॖॸऻॱॸ॓ॱॸॿऀॺॱॿॖ॓ॸॱय़ॱॺॕ॔ॺॱॺॺॱॿॖॺॱय़ढ़॓ॱॺॿॖॱख़ॱॸढ़॓ॺॱय़ॸॾॿॖ॓ॸॱॺॕॱऄॸॱय़ॸॱॸॸॱ नुग्रामः मुःगुनः हेमः सः त्याया यमः ग्रीः दनरः दुः शुरः सः दरः भ्रुनमः ग्राम्यः ग्राम्यः ग्रीमः नर्भेमः सः त्याया देः म भें 'खुत्य' क्री 'विराव' न्दा विराव दे त्रा की 'विहें ता कर्य 'विदे 'क्रिं 'विन्दा से दासूत' सुत सुत सुत स्त्री विदा सक्ते के 'खेत' वया भे दसमायापार भे त्याची पर्के नारे या कुटे यम प्यें नार सेव दसा हेरा नरी नरे वारे ने से दसमा वाश्ची:लियाची:विराधिया:र्नारवर्ष्क् यार्च्याकृदे:वाश्चार्यान्या तुर्नादर्बे क्वांत्यान्यान्याः दर्कें न रेवा कुरे वका पेंदा मार्च में वार्च में दिन प्रता में व के कि ता मार्च व सुवा प्रता में व सुवा मुक्त में वार्च में व स्वीत कि ता मार्च व से वार्च में विकास म y with the relaisofu

(वें.य.र) अञ्चराञ्चरानुश्वापायेः श्रुरासाम्मस्यापाये पार्टा क्यून्याये स्थित स्थेत्र स्थापाये । स्थापाये स्थाप धिश्राम्य । विराह्म विश्वास निष्य विष्य विश्वास निष्य विष्य विषय विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विष्य विष्य विष्य विष्य विषय व त्दाने न्या म्रस्य उत् ग्रामा । भ्रिया सेस्य प्येत प्रमा सुन प्रमा विष्य प्राप्त प्रमा विष्य प्राप्त प्रमा स्था नर्भें त्रसूर्यस्थास्य त्राविकार्येत्। त्राचे त्री ते त्या होत् ते वात्वा वात्वत त्वेया यो व्यक्तेत् तु वे क्षिया हाया स भेव मर् के र्षेव भरायशाद्य नश्याशायि द्वा श्लीव क्या प्रेव विश्व प्राप्त विश्व विश्व प्राप्त विश्व . ॴॖॱॿॖॖॱढ़ॱॺॱॺॖॺॱॸॱढ़ॏॺॱॸ॔ॱऻज़ॗॺॱॶॺॱढ़ॏॺॱय़ढ़॓ॱॿॕ॒ॸॱढ़ॎॏ॒ॸॱढ़ॎॏज़ॴॶॱॶॱॸॖॸॱॸ॓ॱढ़ड़ॱऄ॔ॺऻॺॱॶॱऄॸऻॱॺॺॱ न्यात्रः भूनः स्रायदी क्षेत्रः द्वेताः भ्रेत्रः भ्रूवाः स्रायते । त्येत्रः स्रायत्यात्रः न्युत्यः नः में स्रायत्यः नि लट. पट्टी. पट. लुपी बु.र्म. म. दे. वाबिट. खेवा मान्या ही. म. वाटम म. ट्या. स. क्रु. म. पट पट. स. ही. स. पट. म. सन् त्यायम् स्वाप्तम् व्याप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्वाप्तम् स्रोत्रात्त्रीतः क्र्यात्रा त्यारात्र्यात्रदेशः सामस्यायात्रात्रे स्राध्यात्रे स्राध्यात्रे स्राध्यात्रे स्राध्या मञ्जाका मो के प्राप्त नक्षे नदे चया दक्षुर दे या यद चेन रायदे रे ना से द्वा ही सा दे दिसायदे साथे दार स्टिंग की दार हो दार दिया श्चर्यात्र व्याप्तियाः व्यवस्य मुक्षाः द्वार्षः भ्वेष्ट स्वार्धितः विष्यः विषयः विषय चदिःश्रुदःसःसेससःउदःधेदःसेदःसदःसदःसदःसदःसदःसदःसदःस्वःस्यःस्यः। विदेःवद्देःहेसःस्र्रेदःस्यः वर्दे से में द्वो खूद सदे सुन अवव वहें द सदे द्वो न ने श अर्वो अविषय दे कें श हुर द्वों श ने द्वों अ वर्दे श न्वार्थाक्केरावाशुर्याक्की विन्तु र्पेन्यित स्वानाके वाक्रिया राज्य के साहिरान् विष्याया से विष्याया से विष्या नवे न्द्रीर्यात्र्यान्त्रेत्यायार्थ्यायार्थे सेन्यवे नार्नेर्यास्त्रेत्यार्थे त्यान्यम् न्यान्यम् विष्यार्थे नर्नेद्र'नदे'स'र्ने के मार्चमानस्त्राधी प्रमाणाया श्रेन्यह्मायया सेस्रय उद्ग्राख्यानदे सर्वेद का इस्या ૄાશુઃલેવાઃવી&ઃકેઃક્રેનઃનુઃગુ&ાૄંૄાૹુવા&ઃશ્રેવાઃ&ઃવાલેઃશુઃધી&ઃગુ&ાૄ ઑઃક્રેંવા&ઃનેઃનવાઃકેઃવ્ય&ઃગ્રુદઃ[|નેઃવકઃને यां वे सर्वे सर्वे व संस्था व से स्वार्थ के स्वार्थ के स्वार्थ में स्वार्थ के सक्र्य कर हो ज्ञा श्रुक्त वारा प्राप्त । श्रुवारा श्रेवा वो वित्र स्थुवा नरा। तथा सक्षेत्र क्रिया नरा। तथा सारी स्था वननःवहेषाः होनःचवेः तुनःसेनःसेषासः स्वानः स्वानःसेस्याः स्वानः स्वानः स्वानः त्वानः विदानः सेनः स्वानः स्वानः विरक्ष्याने निया शुः विया यो या के नातुः निश्च सान्ता ने निविदाधी न्याया शिस्या सम्या श्रीतान स्वासी स्वासी स् इया विया उदार्टा विविय सेवार्टा ही राजवार्से वियार्ज्या खुरारे वार्ते से उद्यार्टा महासवार्ड शुरार्ज्या चबदःचहुरःक्रेन:नगदःच:न्रा क्रेन:नु:बेक्:ग्रुन:श्रुन:श्रुन:श्रेन:श्रेन:य:न्रन: चक्कःय:र्सेय:हुःकुवाशःग्रन:विन्नः हीद्रायात्रवाक्षात्राच्यात्राच्यात्राद्ध्यात्राक्षात्राच्याद्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या विट-तु-र्शेट-स-घनाःसे-दनर-त-तट-। *चर्य-*र्स्नेस-विर-तङ्गाःस-घनाःम्वर-मङिर-दशुर-स-र्शेग्।स-तटः। दे-विदे

y white Marison

र्द्रायर्वेदिःस्वानस्यार्श्वेदान्तेर्द्रा क्षेत्रविदासुवानस्यावर्षेद्रस्य विदासद्दर्वासास्य विदासदेः विर्यम् इस्यापर से ने सम्प्राप्त । यद छुद वाडिवा या वाडिवा अवि सूवा वस्या प्रमा हसा छ्रा स्राप्त । र्ब्रेन्यक्ते नायाह्ना हुर्ने न्या बेंदान्य केंन्य के या प्राप्त । क्रेन्य के यय ग्राम्य प्राप्त पर्देन हुये। केंन्य के खेंगा सरर्वे अः ब्रेंग्र अः सदेः दरः यात्र अः दर्वे अः सः दरः। सदेः ब्रुट् सदेः केट् र्टुः के याटः वे रः वर्षे तः दुः ब्रेंट् र्ट्वे अः सः दरः। नर्गेलःश्चें दान्नेदासूदराषादानासूर्वेवायाददा वार्येदाख्वायाषादानासूर्वेवाया सेयाहेदार्येदे केदादुःसूवा लशः श्रुः क्वें नाशः नाहें दः नवे । हादा नदा दे । नविव सवे : श्रुना नश्वः हीं दः नवें दिरा श्रु : मात्रः वक्वे वे : श्रुना । नर्थकार्या वयायकुःकार्यकाराभ्येत्राचारा भरकाव्याव्यायकुः न्रात्रा वद्याद्याव्यावकात्रकः नार्या के सर्वरः याद्वीत्रायमायके नाम्मा ह्वान्त्रा विषान्त्र दुवे मेमायस्यान्वित्र सम्यानु स्वेन म्यान्यान्य विष्यान्य स्वानित यः इस्रश्रःश्चेतः तुत्रेः रेषाश्रः वक्कुन् विः विः विः श्वेन्त्रो वात्र्ये शुः शुः शुः सः न्दः। वनः रेषाश्रः वविः वकुः इः ववितेः हेतः न्दः। यमेग्राश्चित्राश्चितः स्वाप्तक्कितः द्वेदेः याद्यशः शुः शुःसः दिनः। वदः श्रीशः याद्वेदः सरः देवाशः द्वशः व सदः यहः यादः व्देन नुःश्चेन भ्रे कें नाम न्मा वन ग्रेन्य निया ने अनुना मेल श्रेना अनुना भ्रेना चिवा निवस ग्रेम श्रुन निर्मा अन्य द्रा भे नर्द्रमाहर भ्रेमाम्बना नर्हे अर्थे म्यान्युर भ्रेमामी अर्म्युर भे नर्हे द्रारम् मान्युर प्रमेता प्रमान दर्वी बन द्वा में राबेद के वारा नु से दर्वि र से से न सर दक्के न वे राय न मा से वा बर न स्वा के र वे न बिन से न यर-द्रमुना-प्रथा-प्रकार्यक्षान्याः द्रमी याय-द्रम् महायमा (बान्याः क्रिमाहः में साम्याः व्याप्ताः स्वाप्ताः स दक्षे क्रें व स्वराया में व क्रें व क्रिया प्राया में व क्रें अःह्रेन्पन्न। हेन्न्वेन्यून्श्चन्यन्त्वन्यन्न। ५७८८ःध्वाळे वाह्यस्यस्नामःविःशेः श्वन्यन्न। ह्येन् सर:र्रेवामा ने:नवा:बसमा:उन:क्रें:र्बेन:ग्री:सूवा:सेसमा:वस:ग्रुट:व:सेन'नवार:वस:ग्रुट:व:पीना क्रु:सेन:क्रेन: येर्ज्यश्चारित्वरायश्ची विश्वासाष्ट्रमायवेषान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयात्रमात्त्रमात्त्रमा स्वा ८८.श्रट.म्).धरःकुथ.ट्रेटी ।श्रैक.८८.ट्य.४स्थतःवस्थ.१८८.८। ।श्रुप्रश्च.१५८.वेशक.यदुःश्रैटःस.८८। । घटिः य. ट्रे. चर्षुवे. ब्रुवे. क्रुवे. क्रुवे । क्रुवे अर्थे. वर्टे. वर्ट्ट वर्षे वर्षे अर्थे. वर्षे सेससायदे मंद्रमासाम्बर्धा में द्रमायसस्य उदासुयानर द्रमुद्रा विसामासुदसाय स्री स्रमासेट देर श्रुवाःवानुवाःयः ठतः नृहः। वीदःश्रुवाः भूतः श्रेवेः नृवाः श्रवाः यहाः नृश्चाः श्रुवः सुदः नृहः श्रेवः से विवायः गॅर्केन्यान्यान्य मुद्राम्बर्ध्य अर्थेन्य में स्वार्थे स्वयाया स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः यायाद्वरायसायहणासायायहेगासायायससाउदासे त्युदाबेटा रदासेससायहेगासु यहतावार्वेदायाहे न्ह्यायानार्वित्याक्ष्र्वे सामन्ते द्वीत्राचे विष्याने विषया विषया कर्ने । न्ह्यायाना सम्प्राची विषया कर्ने । देरःभूरःनःतेःभूतःययःदतःमवेःक्यःभ्रेतःदनरःमीयःभूरःनःधेतःमी देतःदर्ययःमतयःयःदुरःबदःग्रदःसेदः दे। ऍन्द्रां अत्रास्त्राचित्रास्त्रुस्यामाद्वे मुस्यामाद्वे स्त्रुम्यादे सुन्यादे सुन्यादे सुन्यासे अत्रास् y calification as the

्र्या-प्रा-प्रमित्नित्वित् वित्ति वित्ति क्षेत्र क्ष

यदश्रद्रशास्त्र्याश्चर्रश्चाम् त्यूर्यस्य स्ट्रियः स्ट्रिस्यः स्ट्रीः स्ट्रियः स्ट्रीः स्ट्रियः स्ट्र

y charles for

वित्राचे डेशाग्राम् से प्रतासायाळन्या महन्यते प्रह्माया प्रतान हो। यह स्थान से प्रवास स्थान से प्रवास स्थान से ढ़॓ॴॹॸ॓ॱढ़ड़ॱॲ॔ॸॖॱढ़ॱऄॱॶॖॴॸॸॸॖॸॱढ़ॸॖॸॴढ़ॿॖ॓ॴॸॖॱॲॸॱढ़ॕॴॴॴॴऒॕॱॸ॓ऀॻऻऒॾॕॸॱॾॕॴॹॖॸॿॸॱॻऀॸऄॱ त्रुनःसंदेःधुत्यः त्रुः विवाः तुः कवाशः दर्वोशः देवः वेः धेद्या वा विवः हेः केशः क्रुत्यः क्रीः श्रवे दिवनः सदे विश्वशापनः इतः नदेवः ठत'देवर'से''सुत्य'स्र''त्'चईवाश'त्रश'सेवा'र्सेत'र्सेश'र्सेत'र्सेस्'स्र'त्हंस'स्र'त्तुश'तुश'हे'वार्देर'वालेस'वक्कव' र्सेन्द्रंस्रिन्द्राक्तीः स्वर्थां मार्येद्रक्ती अर्देवाची वहेवा हेद्रावीया हुमाना द्रश्रम् भूवा होन्द्रा देशम्य स्वाची ह्या न हे नत्नामाना है वनमाना में मानमानदे सह्दाना सेता नहना नहना नहन है उसाय से नहिंद सेनामानमाना मदे के शासुना अपने अपनदर ने जिसान् वान में । त्यार हेत कें नि शो तही ना हेत तही र देना हु नि ह्या नि ही तथा नी न्म मुन्दुःश्वःषीःसुन्धन्दिःसेन्यम् वर्षाक्षेत्रःसम् वर्षेत्रःस्य वहेत्यःश्वन्यवरुषः सन्देत्रः स्वान्येतः मदे ने से सूर सर पर वर्ते न त्या के के प्येन ने सूर न यय साम से सरें त पदे पहे वा हे त ने सें है ने पह दे न हुन धे नर्डेन् पः विवादम्। से अर्थे स्टिंश नशसः र्हेन् प्वादे पे प्रदेश पूर्वे प्रतिवासे प्रवासिक स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप षरः हे र्देरः वरः वर्ष वेरा क्रें रायः षा अदार वर्षा र क्रें के क्षेत्र क् षवरेरः सुन् सेन् हें वर्ष्ट्रः विवादम। त्यारेरः नमवर्षेन् षासेन् हेवादम। सक्स्यारेर से वेश वेवाह्न <u>२८। भ्रे.चबर.ज.रमु.ज्यमश्रम्भरम्भर्यः वाष्ट्रभःभ्रातीजात्रमः स्त्रात्त्रमः क्षात्रमः भ्रात्मभ्रम्भः स्त्रम्भ</u> त् वित्वमायेनमाहेमायी त्यमा वेत्रामा सुमायात्मा स्वापा क्षामा नामा स्वापा माये स्वापा है। से <u>८४.स.ज.कर.स.च.१२.अषु.२श्चेल.य.२८.१</u> शु.च बर.ज.८सु.ज्येचाश्च श्चेर.श्च.त्रेज.च.धे.त्र.त्य.च. y calification as the

चल्या स्वास्त्र स्वास्त्

नेवे विष्याप्ती भूत बेर है। डेश ग्राम्य नित्र विषय विषय के प्रियों सेवे के विषय में स्वर्थ परियों मुर्ग प्रियों देरः अरः वेदः ग्रीः नश्यार्क्के नरः वान्यायायः स्टिश्चा रः स्टिशः नद्मायो नः विद्वान्यः विद्वान्यः विदान्यः विदान <u>इ</u>.पश्चॅ्रस्यस्य पश्चर्यामुर्यस्य चित्राञ्चरति वाष्ट्रस्य चित्रस्य स्टान्त्रस्य स् देवायःचहेदःशॅटा वेयःशॅवायःबेदःहेःयदयःकुयःळॅयःखुवायःयःदेःक्त्यःकुवाःचवेदःवदुवाःशॅदा विःर्वयःदेः ८.क्र.चिट.सह.स.च.टर.। अरश.क्रिश.क्र्याका.ग्रीश.चववा.सह.चवा.कवाका.र्वेवा.व्याची श्री.क्रेट.हर. खुन्यायां ग्री देवान सुन्याया वदी रेदा सुर्या मीता व्यविष्या । सर्वे सीदायवे से से व्यवस्थान स्वाप्त स्वापत स्व म्ची.पहेच.हेब.त्वूर.च.पहे.लूटश.ह्वाश.कैच.चर्जा.मैंजा.चक्त.मी.में.अष्टू.टेट.। मु.म.भी.तूचना मुब.सू.चे.वाचय. यदुःश्चिर्। २वाःश्चित्रःवार्वाःत्रदुःक्र्रः। श्चिःश्चे र्युद्रःश्चा कःश्चेदःश्चित्रःत्रदुः।वःलुवःत्रश्चेदःश्चवः व्यत्रः र्बेदिः विहित् ग्रीटः बे द्वर्यं र द्वो विश्व मार्गः दे विद्या भूतः के विद्या मार्ग्य र दिवा स्वा विद्या के सम्भितः स्व देर प्रज्ञान्त्री शरान्ता प्रवेर नदे सुव र्क्षण शराबद न्या प्रापी न र्श्वेव रहत व न र व सापत हो हो न र सर्वे प्रा मॅं राया से पें रावा सूरवि हो या वर्ळवा ही ह्यें वर्षा बरायदे हिंग्या सु हुना दर्गे राया दरा । किंदा दरा से वसा য়৾ঀৗ৵৻ৼৄ৾ঀ৻ড়৾৾৾৻ৼঢ়ৣ৻ৼঢ়ৢ৾ঢ়৻৸৵৻৸য়য়ৣ৻ঢ়ৢ৾য়ৄয়৾৴৻য়ৠয়৻৸৵৻য়৾ৼ৻য়ঢ়ৢ৻য়৾য়৸য়ৼৼ৻ঢ়ৢঀ৻য়৻৸৻ৼৼ৻৸ড়য়৻য়৻ঢ়ৼ৻৸ড়য়৻য়৻ঢ়ঢ়৻৸ড়য়ড়৻ च्ची भ्हें 'वें अर्ड अ'वे 'तुन' पर्वे अ'ग्रन' हेन' प्रवेद' पें न' प्रअ' प्रदेश हेन' पर्वे 'वर्क 'वर्क 'वें वें न' यदे में इत्वित्युत्सी केंत्रप्ति निर्मेश यी सी स्वित्य वित्युत्ति सम्बद्धाः सी स्वित्य स्वित्य सी स्वित्य स्वित र्वि'द'भेद'मश्रादिमा हेद'पविरानवे प्रतुदासार्भे र क्वं र के प्रतिमा कुरान क्षुरा ग्रुश हे । वर्ष स्विमा पर्के प्रा ॱॷज़ॺॱऄॗॣ॔ज़ॱॹऺॺॱढ़ॏज़ॱॸॺॢ॓ढ़ॱढ़ॺॱॸॖॴढ़ॱॿॖज़ॱॸॣॸॱक़ॣॕॺॱॸॿॣॺॱॺॎ॔ॱढ़ॸॱज़ॾॕढ़ॱॸज़ॕॺॱय़ॱॸॸॱऻ*ढ़*क़ऀॱक़ॖऀढ़ॱॺॸॱढ़ॏॸॱ पर्ळे मुेव कुर नवे से के पर्ने वे द्वा कुर बिंद ग्री सर से क्षूर द प्येंद प्र से द प्येव प्र स्था सर के व स्वत कर गार्से व y villig it intarison

र्धे र र्श्ट्रेन क्वे राजकुन क्षे रहरान दरा हेर राजर है रक्षा निष्ठ नामा करा है जो सामा का सामा के सामा क्षेत्र म्रीःश्चेतायायार्थेतायाःश्चेतायायायायायार्थे स्वाद्धाःहियाद्दान्दाःहिताःश्चिताःश्चेत्रायदेःतृयाये तृयाद्वाःवदेःवदः विवायार्यर रे से सुवायरे र से नाया है सून या या विवाय विवाय । यस वर्षे सा सुवाया विवाय विवाय विवाय विवाय । नीया वेरित्यसुव्य विया कवार्यार्से विया संग्राम विया मुँदि स्तुद्धाराय रहेत स्त्रुद्धार प्यदासु उसाप्य सेदास <u>५८१ वेश श्रेमश्रान्द्रात्र्रम्यत्रायत्रात्रात्रात्रात्रात्र्याः वेशायत्रम्याः स्वर्थाः ५८५ व्योत्रायः वेषाश्र</u>ाक्षा र्वेषा नेन कुर प्देवे में र देवा गुव फु श्रुव मलुर में र्नेव भ्रें र के मार्भे र प्रूर र्नेव से र र्के मान अप के मानी कुरा र्ह्मेश्रानुश्रायान्त्र हिं कुषाश्रात्रसायाने भूरासाया नुषायदे प्रोति द्वरादेशायश्रा हिराने विश्वायहरा वर्षा है यदः क्ट्रीं न्युं क्ट्रीं क्ट् रेश उं य विवा धोवा । हे र र गोय प्रहे वा श्वावयाय विवा में वार्य प्रहे वा प्रहे वा प्रहे वा हे व हा वा गुवा श्चिव यावध्य याविव र हिंग्या शुरावया विवायक्व गुव ह श्चेर येव यादिया वियाय ये देव स्था য়ৼয়৻য়ৢয়৻ড়ৄয়৻ঀ৾য়য়৻য়ৢয়৻ৼৢয়৻য়য়ৣয়য়৻য়ৢয়৻য়৾য়৾য়ৢয়য়য়৻য়৻য়ৢ৻য়য়য়৻য়৻য়য়য়য়য়য়য়ৼয়৻ यःविनानवनाःवेदा ननाःकनाशःदेशःर्वेद्रःश्चेःरेनाशःवदेशःश्चेःरेनाशःनवदःश्चेःर्वेदःशुद्रःनःनश्चुनशःहेःरदःर्वेदः नक्ष्माश्चर्रात्राच्दा विष्वे मिष्ठेशसे द्या श्वरासे में माश्याविद्याय प्रदेशन मुमानस्याद्या देशसा सुरासुसा यानर्भ्रे स्रयायदे प्रत्याया सुरक्षे से प्रयापाल्य श्री नहंद पार्वे या प्रति प्रति स्ति मान्या से से प्रयापाल्य श्री में व र्वि: द: नश्चनरु: नश्चनरु: नश्चन्द्रेन् : सेन्। रु. न्तर्नेन् : सेन्द्रेन् : सेन्द्रेन् सेन्द्रेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन् सेन्द्रेन् *घर*ॱब्रेटॱब्रेटॱवर्षः स्टःवीॱक्षेॱदेवार्षः वहेट्-क्षॅटःवः दृटः।

याः स्वराधाः वर्षः स्वराधाः स

y with the relaisofu

यः सर में सर में न्याय न दे कें न मेन ने से दासर के न का भ्रुन का माशु का मी में में निर्मा भी नाम र सर ना हो। हिन्यम् द्वित्रन्ते। शुन्यवर्ष्क्षान्यते। हिन्यम् अर्वोद्गन्ने। नदेः न ने शः वाहेदः श्वीः अळद् हिन्। हेदः होन् ह्वे सक्य-र्गी.वया.पवर.त्रामशिषामी.भू.प्रात्पक्ष.पाष्ठा.भू.प्रात्म, स्वात्मासूषाक्षा स्वापारीया.भू.प्रात्मात्रात्मा इवाः श्रॅं श्रेविः सूवाः नस्यः श्र्रें शः कृषा नन्वाः श्रेनः सः स्वाशः नन्दः क्रेशः श्रेः नन्वाः श्रेनः श्रेवाशः श्रेः । श्रुनः स्वाः स्वाः मुः वहिना हेत पर्वेर नास्त्र स्वाप्य सूना नस्य मुः अर्थे न्दा से सुर मुः वि देनसा सेत सेंदे से हा द्वा सूया म्रीक्टा शुमीदेशी कुश्चेत्रम्भीत्यस्थित्यराष्ट्रम्यदेशे देटाम्बन्यस्थेत्यस्थान्। दायाने स्वासी न इते मार्य पर्ने त प्राप्त है ते स्वर्रे द हैं न्या ग्रार मर मिर के प्रेय के या के या ग्री में ना ने स्वय प्यर से न पर ৻ঀ৾ঀ৾৾৽৻৽৻ড়য়য়৽ঢ়৻৽৻য়য়ৣয়য়৽ঢ়ৢয়৽য়য়৽ঢ়য়ড়৾য়য়য়৽ঢ়ৼ৻য়ড়৾য়য়য়৽য়ড়ঢ়৽য়ঢ়৻য়৾৽য়য়ৼয়ৼ৽ঢ়ঢ়ঀঢ়৾ঢ়য় म्ची:मु:म। भ्रे:केंद्रे:पर्तुद:भ। सर्दुद:भ्रेंद्र:मी:मी प्रमुद:प्रमु: मि:मुंग्र परवर्गःप:म्भारमक्रम्यः प्रवा: म्रे। वस्था उत् ग्री मिर्दे दिवा रेवा मे । से स्था में दिवा प्रति में प्रति से तर्वे से तर्वे से तर्वे में स्थ য়ৢঢ়৻য়ঢ়৻ড়য়৻৸ঢ়৻য়৻য়ৣ৾৾৻য়য়৻য়ঀৄ৾৻য়য়ঀৄয়৻য়৻য়৻য়৻ড়ৢয়৻ড়ৢয়৻ড়ৢয়৻য়ৢ৻য়ৢয়৻য়য়য়৻য়ঢ়৻য়ৣ৾ঀৢয়৻য়ৢ৻য়ৣৢয়ৢ৻ मदे नना कना राजन के निवा र्यो निवा राजन के निवा के निवा के निवास के निवा के नि ग्री:सह्वास:बुट:बेर:पदे:द्वेर:स:र्सेट:द्या र्वेद:सेदे:वि:द्वेरा अ:सदे:तु:य:वर्हेद:बट:पॅट्रादा द्वाद:ध्दर बि'यानन्यामें सेन् बेरामाक्षराधेवाममा हिन् उयायावहें व त्याधेन वायसायायाय स्वाप्तायाय विवाप क्रिंशः सः क्रिंशः नगानाः दर्गोनाः से हो नानिः वनाः धेना नानिनः यः निनाः नृगेशः दशः सेनः सेन् वनशः हुनाः नीः यशः गाः देन बराष्ट्रियःसुन्नग्रुवाःसन्यन्तग्रुवाःग्रेन्।मुःयशःकेःयम हिन्ग्ग्रेशःग्रहःरेवाःम् शर्माम्यः स्थान्यायः से । यविदःस्वराक्तायास्त्रीःश्चीःस्वीःस्वीःस्वित्वरायां विद्यास्त्रीः विद्यासे विद्यास्त्री विद्यास्त्री विद्यास्त्र विषाः धेदः वेरः सः भूरा द्वें रेवः सः भ्रेषा सः सदेः भ्रायदेः शुष्ता सः क्रेदः प्रायः क्रेयः क्रेयः संविष्णः स ढ़ॊज़ॱज़ॊॱढ़ॕज़ॱॠॕढ़ॱय़ॱॿॖज़ॺॱॾॆॱॼढ़ॱॹॖॆॴॱ*ख़ॖ*ॱॸॱढ़ज़ॱॎख़ॸॱॹॖऀॱॺॺढ़ॱॸ॔ॱॼ॓॔ख़ॱॴॱऄॣॕॺॱय़ॱऄॖॸॱॷॣज़ॱज़ॊॱॶढ़ॱय़ॱॺॸॺॱ म र्शेन्यम् वार्म्यम् स्वारम् र्थेन-न्गुः द्वीः र्रेयः नःयः नगयः नशः ने रहा सेनः शुवः नुः गृहनः नर्गे सः सदेः नगदः सनः संहीन। सुः क्षुनः र्वे ग्रस्येनः महिराक्षी मुनासवदान्यान्यान्यान्ति नहिराक्षेत्रान्याया स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास *न्वो नगवः* ह्रेन्यो र्स्सेन न्यें त्रें र्शे शंस्र स्र स्र स्वी ग्रुन सबदे र्स्से व्यानि ने न्या व्याप्त स्वाप्त व्यानहरः भ्रूष्यया शुः नत्वाया स्वया से १८५ वा हे १ नति वा से १ ते थे थे संस्था में १ थे थे था नवर सुरानु १ वि यान्नृष्ट्वीरःक्तरःवेयाक्वेदार्शेषायरान्ने नुयानयान्वयारेगानुगाययेयाक्त्रयानुरान्दा भूवनयादेवुर्हेदा श्री अप्यत्रेत : भ्वा अप्या श्री अप्या ने हें न प्या प्राप्त के स्वेत : श्री अप्या माने अप्या माने हैं न श्री अप्या में न स्वीत । स्वीत अप्या माने स्वीत स्वीत अप्या माने स्वीत स्वी <u> ब्रि</u>नःक्वें अःग्रहः ने 'क्षु'तुः बिवा'वा अरः वर्ने न 'र्बे अ'न्दरः क्वें अ'न्या वः वर्षः ग्रेन् 'रे अ| ने 'वबिव' क्षे' ने वा अ'वाबवः यदे ज्ञार्था शुः नुर्देश विस्रकारे वा या भी नुर्देश रेवा या या केस्रका विस्रकारे वा या भी भी भूत रेवा या वा विद

y plate Marison

वनः क्री दिर्देशः देवाः यात्राचा स्वातः प्रदेश हत्यः स्वीः चर्ते द्वायः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः वि नर्गे द स्वे देवा विवास तर विदेव स्वा क्षे व्यव देवा सवे ह्या क्षे द की देवा विवास के वा सव विवास के देवा विवास के तर विवास के रेगामानार्भेग्रामार्केनायार्केनायुरायेनुम् विनार्केशस्यायात्रामास्यम् । विनार्केशस्य स्वामास्य स सब्दाराचेर्कुःषमाचेर्न्नु । से भुक्तिमा से भुक्तिमाचे साम्याने सार्यस्य सम्बन्धि । सुसाद्वारम् स्रीतार्भे दानुसाग्रदा यमः इयः न्रः कुंशः भुम्। विः केन क्षेत्रः क्षेत्रः कुंशः के न्येत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत् त्तर्भाश्चा त्रम्भाश्ची त्रम्भाश्ची द्वाप्याञ्च वा तर्क्ष श्ची द्वाप्याञ्च विष्य स्वाप्य स्वाप विनर्भः व् निमा केंद्रिन् विद्रार्धित्। विद्रार्कें नेंद्रा भी में निमा निमा निमा निमा निमानि के निमानि निमानि क्रॅंशक्ष्र-पर्ट्र तुर्व्याप्र-तिन्वप्यवर्द्धि-र्त्ती क्रॅंबिट्यान्वे ग्री क्रूंविया क्रेंबिया क्रंबिट्या क्रिया नर्वे निश्चुन विराहे क्विन अपेर के विनाप्ता के अपेर्वि अर्चे निर्मुन के अप्तर्भित के निर्मेश के प्राप्त प्रमा क्रिंशः मंत्र्यः अर्क्षे अष्टिन् उपाय्यः क्रुनः श्रुरः होन् यायश्यानग्यायम् वर्षे वात्रस्य स्त्रः होन् से स्वा हेन्यः स्वा होन्यः स्व होन्यः स्वा होन्यः स्व होन् सन्दर्भस्या बुरावयना कुः यया द्यार्या र्स्नेराना स्वापन किराये निवा वर्षाया वर्षाय द्रायनर बुद्रायमें भी भाउं संप्यायमें दिसे भाषा शुरा देरास्त्र भाषा शुपा भाषी । विराय में पार्श का यन्ता मित्रावर्षेयार्केताम्यत्रुत्तास्य अवनार्षमायार्षेत्राचित्राच्यायार्थेत्यायार्थेत्यायार्थेत्यायार्थेता यावरिक्ष्यान्तर्भवात्रात्वक्षात्वक्षात्वक्षात्वाक्षात्रात्वे विषयात्रात्वे विषयात्रात्वे विषयात्रात्वे विषयात्र ञ्च-दर्भव-अदः के नः क्षेत्रां वित्र अर्थे न्या अर्थे द्या विदः निर्देश विदेश चरमामराष्ट्ररा मर्वेद.क्र्या.कु.क्ररा धरमात्र्य्रामामुयमान्या श्रीव.यर्या.भर.क्ररा रू.म्.क्र.क्ररा ररा कुर-रु-पार्नेपार्यायेरिनु-स्वि'यर्तुत्रसानरुर्यायान्हेंत्रायेत्रन्ते-तिनुःयय। तेर्न्सि रेपार्यार्श्वे यापत्ररेर्याणे यया ग्रेनेर्भेफ्रक्र्रित्र रूप्त्रीया र्रे सेवार्थे के रार्ट्स्वावात्र्रित्र में क्रिय्य विद्वार्थे से विद्वार्थे য়ৢৣৼ৻ঀ৾৾৻৸ৼ৾য়ঀ৾৻ঀৼঀ৾৾৻ড়৾ৼ৻য়ৼ৻য়ৣৼ৻৸ঽ৾৻ৼৼ৾ৡ৾৾ঀ৻ঀয়য়৻য়ৣ৾৾৻ঀৼ৻য়ৣ৾য়৻ৼ৻ঊৄয়৻য়৾য়৸৻য়৻য়৾ঀ৻য়ড়য়৸৻য়ঀ৾৻৽য়ঀ नर्वयःद्ध्या अम्भः गुनः न्यः अर्गेदः अर्देशः वेदः श्चेः यः श्चवः नवेः ग्चः नवः नवः वदः यद्वः वदः यदः वदः वदः य र्विटः क्षेत्रा सुत्र प्रदे विटावस्य विवाय दसेवाया वात्र दस्य उटा सेटा हेवा या सुवाया से वात्र सूर्या वेटा ही क्रॅशन्दर्भगाम्बुद्दि सम्मित्रस्त्रियम्बुर्याची सुद्दर्भे बिमाधिद खुमार्या वर्देश्व से मिश्रायम् स्कुर्यास्य वर्षे न'य'मोमार्थ'तुर्थ'ॡंय। ॲन्'कंन्'कॅश'न्ट'कॅश'सुम्थ'र्स'कॅश'नक्कमश'डेन्'त्रश'न्द्र'निम्''त्रसथ'उन्'माब्द यायनेयाना है। ने नर्भार्मेन से ही में नाद्यानसूद र्हेना से नस्य उद् रहें या सुन्य रहेवा न होना नहीं निवाय है द देवादेव-भूद्राज्ञकान्द्र-सक्तव-भूद्रु-विदेन-क्री-इव-तन् श्रेस्य-भूद-स्री-स्री-विद्यान्त्र्यान्त्री वार्य्य-प्री ৻ঀৢয়৾৻য়৾ঀয়৻য়য়য়৻ঀয়৻ড়৸ড়ৗৼয়ৣ৾য়৻ড়ৢঢ়৻য়ঀ৻ড়য়৻ড়ঢ়৻য়৸ঢ়৻য়৾৻ৠৢ৾৻য়ৼ৻য়য়৾ঢ়য়৻য়৾য়৻য়৻য়৾য়৻য়৻য়ড়য়৻ ग्रे:क्वॅंब्रअ:इर:संदे:स्वेंग्रथ:सु:मु:ग'नवेद:५५,ग'सश:देन:४ग'स्य:ग्रु:इनश:त्रस:नेर:वेट:। प्वेंद्र:५हेंद्र:ग्री:सर्दर |वःसर्-ावःर्षेन्:रून्:व्र-द्र-प्नेन्न्द्रव्य हिंन्:र्र्कें:यःर्केशःख्वाशःद्रेयःवश्चवशःश्चेःश्वाशःस्रेवःश्चेवशःसेन्यः न्द्रभावत्रेषाधितामभार्कनामभार्यमानावर्षमा नेष्यमाद्देशभूनान्। देनाभार्क्तनार्थमात्रभ्रमान्भाराहेन y calification as the

नर्देरशत्रश्चात्र्वे । निर्द्धात्रात्वे विष्यात्रे विष्यात्रे । विष्यात्रे विषयात्रे व

यहिषा न्तुःसदेःस्यायःश्चेःचनेत्रःसःयहिषःश्चेःह्रसःयावयाःसःन्धनःसःवेशःसदेःस्र्वया

र्वित्राचे न्द्रियावर्ष्ट न्द्रा सेस्रयावर्षे कुःवित्रेयाञ्चाचास्याक्षेत्राक्रेते अःग्रेवि'दशःॲन्'सःविग्रासेद'सर^{*}र्वेग्'सर-'न्टेंश'र्येदे'व्देग्'हेद'हे 'रट' हुट'विस्रशः केद'र्येदे'हेर'येद'यः वहेव वश्यन्य वित्याश्यम् नुयाय प्रम्य वस्तु स्ट मुन्य श्रीव प्रम्य दिश्य वित्य वहेव वश्य वहेव वश्य ग्वर्यान्वें यायान्ता अवराक्तुवाळग्यासान्धेनाधीन्त्रीनायराहेवान्तेयार्येदीःव्याळन् हेंग्याळे प्यायावर्षे ना नठमान्नि कें भाने माश्रुमाळ दान दे निर्देश मार्च क्षाना निरमाश्रुम कें भ्रुप्त दे से समाम में क्षाना निर्देश शेसशमिहेशयार्दे नेदि स्ट्रेट्य शर्चेषा समय नरमा सुसारु विद्येषा सेट्र स्ट्रिंट्य म्यूट्य विद्या सेट्र स्ट्रेट् यां ते कु निहेश श्रुप्त दे खुना शाधिता वेश हुट। विं र्वेश दे र्देश निर्देश निर्देश स्थान हु निहेश ्राचार्वेश्वरायदि द्वापी वृत्त्रयाश्वराश्चर्या स्वर्धेत्य सार्वे द्वापी स्वर्था सार्वे हिंवा साद्वर त्वित्र साव ये दर्भेत् देव ग्राट र्सेन देव देव से या नावव प्यट हे या यह ना के या प्राया में व ग्री र्सेन्ट या या यह दाया प र्नेव-५८-अ.बुव-चरे-क्र्रेर-च-वेश विशनाशुरशनाः सूर-धेव-चशन्हें ५-चः र्नेव-च्री-ळ-५८-। हें ५-च्रे५-ळेगानी: *ਜ਼*ॱয়ৼॱয়ৼ৻য়য়৻য়ৼয়য়৻ড়য়য়৻ৼয়ড়৻য়ড়৻য়৻য়ৢয়৻য়য়ৢ৻ৼয়য়ৢৼ৻য়ঢ়ৼ৻ড়ৄ৻য়৻ড়ৄ৻য়৻ৼয়য়৻ড়ৄ৻য়৻ড়ৄ৻য়৻ড়ৢ৻য়৻য় यः प्रेंन्। कंनः चेनाः न्याः विस्रकः र्सेयः न्दः ध्वः पवेः नावृदः स्वन्यः निनः विनाः प्रकनः पर्देनः ग्रामः नेय र्बेल'वर्हेट्'स'र्सेदे'हेब'सु'वर्बर'ट्वेंब'स'र्डस'ट्र'स'बट्ट| र्क्वेव'स'र्से'क्कब'व्य'पेट्'केब'वर्सेर'टेब'ग्री'सिट्ब' त्रुनःखुरःवर्देवःतुःससःरःक्षेत्रःग्रेतःस्यावसःयःश्चेवेःखुनासःधेवःववरः। हित्रःग्रेसःन्देसःसेससःह्यःनासुसःश्चः नदे खुन्य अप्तकन भून अपने प्रमाधी मार्थ सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध स्थान हेन्'डेन्।'नव्ना'नव्न' नव्ने'न्थिं' श्रु'विस'म्<mark>र</mark>ाह्यसम्बर्धस्य स्वायस्य सदि 'न्द्र'ह्न्यसः भिना'यस्य सप्य स्वर्थन् देव् ग्राटाह्यिन् वया नर्देशयाईदिः श्चानदेः सळ्दादेन् भी बुरः वस्याउन्ने याळ्टादन्यायदे ही रहे। हिन् वेरान सूरादने नया ग्रम्भेस्यान्यस्य वर्षे स्वत्रे स्वत्य स्वत्रे विस्रकाळेवारींदीकेरायेवायावहेवावकारायार्वेदायाक्षरातुः युवायार्यात्रा वरातुः स्टाकुः सुवादेकासेवायरात्रेकाः र्वेदे पहिना हेत्र या नहेत्र त्रा मात्रा न्वे या मान्या वा सम्मा स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्व वुषाळं न देवाषाळे प्यायाय वित्राचिताळे वा वित्राचे वा बुषाळे त्या प्राया प्राया हो ने वा विवर्ण वा वित्रा वित्र र्रा वुर वी पहेवा हेद है। प्रवृत पति हेर प्रेद वुर्य प्रायम हेर प्रवर्थ हमाने मामा प्रायम हिता वि यव गुव पर्दे न य जान लेग वर नु नर्दे अ विवे प्रहेग हेव हे प्रवृत वि प्य अ पहेव पर जाव अ परे विवस्त अ न यर पर्दे न य प्राप्त । अवतः अर प्यतः हेत न देश देशि तु शक्त हिं वाशके कुत वात शक्षे तु शपर हेवा य प्रदेश पर July 2 march 4

त्रुचीश्रासपुं प्रेचाचिरियंश्येश्री प्रमुचीय्यं सक्ष्यं क्षेर्ट्या स्वेचार्यं स्वायं स्वेद्वा स्वेद्वा स्वायं स्वेचायं स्वित्यं स्वेद्वा स्वयं स्वेद्वा स्वयं स्व

५.५८.५ अ.चा.ल.क्.५.५। ल्या.च.न५.५८.त्याल.तर् अ.क्रू.ची.अ.च.क्.ह. क्.रची.अ.च.ह्.ल.च.के.च.हे.च.हे.व. ৾ঽ[੶]য়৾৽ঽৢয়৽ৢ৾য়৽৻ঽঀৢয়৽য়৽ঽঀ৽ৠয়৸ড়ৢ৾ঢ়৽ড়ৢয়৽য়ৢ৾ঢ়৽ঢ়৾৽য়৽য়য়৸ঢ়৽ড়ঢ়৽ড়৽ড়ৢয়৽ৠৢ৾ঢ়৽ৠয়ঢ়ৣ৽ড়য়৽ঢ়ৣ৽ড়য়৽ र्क्ट्रेन्, यन्तुयामुः यर्केंदे नुमल्य्यायार्थे में नार्क्ट्रेयदे प्युत्या युन्ते मेन् से मुन्ते से लेया निया निया दर्भागर्रिः श्राप्तिः श्राप्ति देवसार्थे प्रमुख्यार्यस्य । इसार्था प्रमुख्यार्थसार्थीः हिसार्था प्रमुख्यात्र स्थानित । क्ची:पाक्यार्थें त्यार्थे त्वे यायया ये यय यार्थे द्वार्य त्ये ये या वार्ते द्वार्य त्या त्या त्या विष्य त्या विषय त्या विष्य त्या विषय त्या यः शः क्तुः यारः तसयाशः सदेः ए। यायः शक्कें द्वा भ्रात्रशः देरः श्रद्शः क्तु शः कें शः विषा श्रदेः स्त्रितः स् यर्हेन्स्य चर्ना सः रहेसाधी दःस्य स्थाना स्वदः सदिः सेवा सदिः वाब्दः सुवायः स्ववायः सुवः सेन्। स्रसः सेदे स्विवायः <u>५२.७८.भैश.सदुःसटल</u>्याता यह्नाहेष्ठःक्षतावर्त्रेट्टाङ्ग्रह्मान्त्रेष्ठःस्त्रेत्रःस्त्रेत्रःस्त्रेत्रःस्त्रेत्रःस् यस्यस्य व्यास्य विष्य स्थाप्य विषय स्थाप्य विषय स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य नम्भभागविनांनी र्श्रेयान्न्त्र स्वामासेन्यायम् नेमान्यने नेमान्ये हेन्स्याने स्वामान्यस्य स्वामान्यस्य हिन् रेगाना होते त्वत् मिरमा शुन्न विद्या स्वाप्त स्था हो सम्मा वित्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत यदे से 'देश'देश'वर्षे 'श्ला'वदे 'श्लेष'वर्षे प्रा'वदे 'भूवश'देर'श्लेष'या 'वृण् श्रुव'यश श्लेष'वाहें द्वाव'स्वयदो र्ट्स्अअअअअक्तुः निहेशः श्चानः निहानः निह्नि । विद्र्यः शुः निहेन्यः अअअअअः वाहेनिया हे निहानुहाने विद्र्यः য়ৢॱয়ঢ়৾ঀ৸৽৾৾^ৼ৾য়৾৽য়৽৻ৼয়৻৾ঀৢ৾৾৾ঢ়৾ঀ৽য়ৄ৾য়৽য়৽ঀৄয়ৣ৽য়ৢয়৽য়য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়৾য়৽য়য়ৼ৽য়ৣ৾য়৽য়ঢ়৾৾ঢ়৽য়৽ वनापीत्र रामासामास्तर नातिनास्त्र मार्मास्तर से दार्थ होता हिनामास्तर ने निस्तर से सामासामासामा यक्तिम्बार्यस्थान्याद्वेत्रः से स्वार्यः है। हिंद्रः श्रीकारदे : भ्रद्रः द्वार्यः हेवः स्वार्यः स्वरं स्वार्यः स्वार्यः स्वरं लाने नाशुस्रान् सावन् सावानी विवासी नासी नासी नासी क्षान्ता क्षान्ता क्षान्ता क्षान्ता क्षान्ता क्षान्ता क्षान्ता क्षान्त्रा क्षान्ता क्षान्त्रा कष्टिक्ष क्षान्त्रा क्षान्त्रा क्षान्त्रा क्षान्त्रा क्षान्त्रा कष्टिक्ष क्षान्त्रा क्षान्त्रा क्षान्त्रा क्षान्त्रा क्षान्त्रा कष्टिक्ष क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र क्षान्त्र क्षान्त्र क्षान्त्र क्षान्त्र क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र क्षान्त्र क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र क्षान्त्र कष्या कष्णिक क्षान्त्र क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र कष्टिक्ष क्षान्त्र क y calification as the

मदिःसायमान्द्रा वहेमाहेदाक्षुत्रादिः अप्यानुनासम्याने मासुसामान्तुरायसासायद्रभाससामान्येदानुसुन् वा वेशनायदी दर्भ में रात्रे ने माशुका की सक्व हैन नवमाया नवश है र र हैन है । यर की भी का भी का कर्मिया र्क्षेत्र परि चें वा पि किं पा तुः सर्वेद रहे। विंद री या दे या शुस की सम्बन्ध केंद्र पत्र वा केंद्र रहे पत्र व नवि र्चे मार प्यर ने न्या सेव है। नर्रे अ या है ते सूर नर सेव मार स्योग मार्ने अ सुराय से स्था यो से सूर नरे र यळंत्रंहेन्'ग्रे' बुर-त्'सेसस्'सस्य सम्भेस'मर्'नेस'म्'देने'र्रा चुर-प्देन्।हेत्'ग्रे'विसस्य छेत्'रेंदे'हेर-पेत्'न्। रर बुर प्रहेग हेव श्री प्रथम छेव से वे श्वेम प्रवे हम श्रुव र श्रुव र श्रुव र प्रवे र प्रवे व र वे व र वे व र वे यशिरमात्रीयात्रमा हे.वर्यात्र्वायिरायद्ययीयास्यवःश्चीयास्यवःश्चीयात्रमात्रात्रमात्रमात्रात्रमात्रात्रमात्रात्र ८८। ब्रिट्-ग्रीशःक्तुःमिहेशःश्चानदेःसळ्दःहे८ः८। ८६्राःश्रेसशःमिहेशःयःहःन्द्रिःश्वेटःदशःव्र्याःसवदःसरःमाशुसः 5.तम्बाराष्ट्रीय.स्रेन.स्र-स्यान्त्रमास्यमान्ध्रमः विनामस्यम् स्यान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् विकामेत्रः स्यान्य म्बुम्बर्भस्यस्य महिक्यः विवासम्बर्धन्य मासुस्य दुः देः विवास प्रदाप्त देः भूत्रः भिवः ग्राटः मृबुम्बरः विवासहिका र्बेनाः सेन्द्रस्य न्द्रस्य निर्मान्त्रम् निर्मान्त्रम् निर्मास्त्रस्य मिन्द्रम् निर्मानिनः मुद्रित्य स्ट्रान् नवे खुन्य अरु, नाशुर्य नामा विना ने व्यून नु वर्षे न निष्य स्तर निष्य स्तर सामा का नामा निष्य स्तर हो निष्य स् भ्रे प्वर्रे द्राया द्वस्था श्री श्राप्याया द्वराया है शार्दे से प्वारे व्यापत है प्वर्ते द्राया देव स्थाया है शार्दे द्राया है शार्दे द्रा <u> न्रॅशसॅ न्र सुवा उद्येश मानीहेश क्रु व्यवश्रु निवेर सूनशरे निहेश नुश्रासहस्र मिन निवासित स्</u>र मदियात्रमास्यात्रेन् मदिन् ग्रीमान्त्रेन् स्थान्य महिन् ग्रीमान्त्रे मही मही स्थान स नर्भन्यायाः कुष्यासः हुन्याप्तम् हिन्दे त्यापायन् दे त्यावे नर्भे नर्भावनयः विवाः क्रेन्यायायम् विवा

यम् विंत्रं ते से यम् विं से दे रम् ख्राम्य पं क्षिया यो पुरी के सं ख्राम्य से म्या से त्रा से त्र राम्य र मि है त राम्य र मि है र

y charles for

श्चानायने निर्देशमार्के सेदामये क्राद्यास्था स्थान नमःसेसमःगुर्दे त्यमःगुरःक्ष्रनःन्यमःमध्येमः वेस्। सेसमःगुर्दे त्यमःगुरःन्यमःमध्येमःसेसमःगुर्दे नरः व्हें गान्वें शर्ने दायेन सेना यह गरा कि रान्धित कर से सरा मार्डे हा यदे सक्त होन कर वित्या है। ने वित्र सर्के गा वे पहेना हेव नर्गेन म में निर्मा विर्मान अर्देव पर्देन वे नर्देश में गुव की प्रकृत हिर्मा शुः श्वान वे छी म में देशक्ष द्वी देवा व्याप्त क्षा वे प्राप्त प्रमान प्रमान क्षा कार्य के विकास क्षा कार्य का कार्य के विकास के वितास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विका <u>५ ने जिल्ला कर वा त्र के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्य के वा कि स्वर्ध के प्रत्य के प्रत</u> **ૄ** भ्रेअप्यर्श्यावित्। र्वेदायहेवाहेदार्वेदायदेळे या द्धारो हुत्या या स्वास्ता ह्या या या या या स्वास्ता सु म्बर्भारात्या वळम्भारादे छे द्वर धुमानी र्ह्नेदे वसे दारा चत्र विदेश सुभा देश चति हुर मी सुर में प्यर द्र षर-नृःवार्षे नःस्याः कुर-नृष्टीयः नृरः। कुर-नृष्टीयः नृते स्रेर-नृः कुते सुर-र्ने के दर्गे गुदाद्वयः वृत्तियः नते कुर-नृष्टीया कु'न् ग्रेल'ने ते 'श्रेन'नु 'अ'न् ग्रेल'के व 'से 'भीव' हु' अहिवा अ'भीन 'श्रुव' वा हेवा 'हु' श्रून' संते 'अ'न् ग्रेला ने 'व अ' ओते 'सुन' र्वे के दः वे त्वर प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त क न्नान्त्रभुक् सरम्वेन सम्यास्य सावस्य संदे न्वर के हिन् ही न्वे रम्भे के निस्य के निम्ने सम्यास्य स्वित स्वित स ग्वाची प्रचूर विरुष्ण सुः श्वान्तरे द्वीर र्ही । ह्वायाप्य सुर्याया सेंटा। यर चुन सबद रे र्ना सेस्या पर्टे श्वान धेव सम्बन्ध की श्राप्त वेदें हो में स्वर्ण हो। देशवाश सुवाश सुवाश हो हो हो हो हो हो हो हो है। है स्वर्ण श्राप्त स्वर्ण स्वर्य स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स् षरादे न्याश्चाराद्य स्थान स्था ন'ড'ঝ'ন্,'ল্লন'র্ন্নী।

यामित्रभाभेसभामित्रभाभेसभामित्रभाभामित्रभामित्यभामित्रभाम

y white Marison

र्श्रेणश्रःश्चीत्रायानः धेत्रन्धन् भूनशः कं श्वनः नार्धिन् श्वायान् श्वीयः स्रोतः यानसः नर्गेयानः स्रोतः स्रो कं - अट.च.चूँ.चूँ अ.ट्रांका.कंप. बीया अ.ट्रांकी.चीट.टी.कंपीट.वीट.वीच.श्वांचा. अवत.टी.टीट्रांका.चूं.चा.च्यांचा.ची.चीट.वी ळं सूर न हिन् त्रुग्य न् हो न न स्यायुर न सुन सम्य ने हिन् हो से सय से र नु में या के या न्यम सदी से सय ૡૢૻૣૣૻૻૹ૽૽ૢૺ૾ૢૻૢ૽૽ૣૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૻૹ૾ૹૹૻ૽ૢૢ૽૾ૢૢૢ૽ૢૹ૽ૢૺૹ૽૽ૹૢ૽ૹૹ૽ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૺઌ૽ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૢ૽૽ૢ૽ૡ૽ૺૡ૽ૺ૱ૡ૽ૢ૽ૺઌ૽ૹૺ૱ૡ૽ૢ૽ૺઌ૽ૹ૽૽ૺૹ૽૽ૡ૽ૺ૱ૡ૽૽ૺઌૺ૱ૡ૽ૢ૽ૺઌૺ૱૽૽ૺઌ૽૽ૼૺૹ यःष्ट्र-चन्द्र-प्राप्ट्र-प्राप्ट्र-प्राप्ट्र-वाश्वाद्याः । वाद्याः वित्याः वित्याः वित्याः वित्याः वित्याः वित्य दे'षट्'सकेवासदे'म्बान्तवेद'र्'दर्देर'र्दोस्यासेद्राह्म देदे'स्चेर्ट्ह्येर'क्रेसद्रान्यस्यास्यास्या सवयः वारः परः नर्देशः वार्षे वे : वार्शः वार्ते वार्शः सरः विरुधः से दः सरः सर्वे दः सरः सर्वे दः हो नः दे । व याश्रयास्त्रीत्। देवःग्रदः। नर्देशःगर्डेदेःस्टास्यग्रथःवहेवःस्वितःधेवःवःवेवःतुन्त्रादःवेगःनदः। श्रेस्रशः यार्डे दे र्राप्तिया अपदे व स्थापन प्येन न सक्त के या मुन्ति अपना के श्वर पा के श्वर पा विन यो विन या श्वर के न ल्लेब्र.की। ट्र.प्रू.क्र्या.बंबर.ट्र.ट्या.सक्र्या.ट्रेंस्वर.की.लंबर.कीट.कीट.सबंबर.बैंट.य.खेया.शंबर.श्रं.य.थेया रंबर.हीया. ૹ૽૾ૺ[ૢ]ૡૻૡૹૢ૽ૣૠ૾ૢૢ૽ૺૢ૾ઌૹ૽૽૾ઌૹૢ૱ઌ૽૽૾ઌૹઌ૽૽ૢ૽ૺૢઌ૽૽૱ૡ૽ૺૼ૽૽૽ૣ૾ઌ૽૽૾ઌૹ૽૽૾ૢઌૢ૱ઌ૽૽ૼઌૹઌઌઌ૽૽૱ૢૹૺ*ૡ*ૡૼૹૹ૽ૢ૽ૺઌૡૻ कुर्न् ग्री वर्न्प्रमुन्न सेवा यन्त्री प्यर्न्प्रवा प्रवे प्रिक्ष वार्षि स्ट्रिन् श्रुनः श्रुनः सम्बन्धः वर्षे स्थानित स्थानित्र स्थानित स्थान ें अःरेवाःत्रअःवारःवाशुरअःत्रस्रअःउर्-दर्रेअःॲर्-ग्रीःवात्रअं स्वःप्र-रास्र श्रुतःसरःवाशुरअःॲर्-त्रःते। दर्रेअः गर्डे श्चानवे कृष्टिंग्या श्ची ग्वन् गर्डे ने त्यान् में र्यायान वेया महर्या वर्षा हुन् के गार्थेन रेया यथान् हुन् वा न् हुन् हेदेॱॺॣॱॼॖज़ॱॾॣॖॱज़ढ़॓ॱॺॺॎॺॱॺॱक़ॆढ़ॱय़ॕॱॾॕॣढ़ॱख़ॕॱॻॏॱJohn Lockeतॄ। ॾॗॱॸढ़ॱॺ॓ढ़॓ॱख़ॗॱज़ॗज़ॱॾॗॗॱज़ॱॸ॓ॱढ़ॆॱढ़ॆॱऄॱॴॸॱ ह्रेRene' Descarte५८७ अञ्चलक्ष्या कें भ्राप्त कें रामे प्राप्त कें Berkeleyय हिला की प्राप्त के स्वाप्त कें स्वाप्त के स्वाप्त कें स्वाप्त कें स्वाप्त कें स्वाप्त कें स्वाप्त कें स्वाप्त कें स्वाप्त के स्वाप्त कें स्वाप्त के स्वाप्त कें स्वाप्त के स् विवा-तुःश्रवायश्विदा विदःवीश्वःक्केत्वादःवीश्वःग्यदःवञ्चूद्रःश्चर्धदःवदेःश्चेत्वःव्यद्रःश्चरःवात्रवःश्चेतःवदिदः नेयामदे प्रिंत पृत्र वस्य उर् १९ स्य स्ट्रिंट प्रदेश स्तु त्य वा त्येत विष् वा त्य में वा प्रता विद यार्बेटान्नुनःश्चानावेशमदीःसळ्तासूत्रापटादर्नेन्। सृरद्धयाने ते नर्देशमविःश्चानदेःद्धयान्टासमुत्रामशन्त्राः ब्रेन्स्प्रन् देवः ग्रम्प्रन्देशः मर्डिः सृः ग्रुनः क्षुः नः न्याः मी शः क्षुः न्यः स्वीः क्षुः दश्यः ग्रीः मेशः सः नर्देशः क्ष्र्न्यशः रेवाशमदे त्यस्त्रम् श्रास्त्रम् स्वाप्तराप्तर्भम् वर्षे त्याप्तर्भम् वर्षाम् स्वाप्तर्भम् स्वापत्रस्व देवा-हु-दे-र्थेद-र्र्ट्-राज्य-दर्देश-र्थेद-वादशाद्धेय-दर-र्वेद-वाहुवाश-र्थेद-रश्य-प्य-द्वा-परेव-देश-वार्ट-श्ली दर्दश मिर्दे अप्यम् स्ट्रान्त विमानु सुन व्येत् रहेश या है सुन शहे न्या या ने दिन में शहे न से प्राप्त के ता से प्रा षटान्नामवे न्देशन्रे अपार्षे के न्यूना श्वाना वेशषटान्ना श्वान निष्या की त्रुश्रामवटा अक्ति विश्वाम स्वान हो।

देर्रश्यें द्राप्त हिंदा होता हुत्या से स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार

y charles dans 64m

नःद्वे : दः नवे :क्वें मिहें अ: दृदः धृवः धवे : माव्यः तु अ: धवे : तु : माद्वः तु : तु : दुः तु : वु : वु : वे स्रवाःसरः में अप्पेर्ट्याः सुरवारः वा वा वेदः सुवाः सेवायः से वा वंदः विदे सिवायः स्रीः वृदः वेदे व व व व विदे व व गदिः भ्रेटः द्वा विः भ्रवः क्षेत्रायः वस्त्रदः हो ब्रावः रेटेरः व्यायक्षदः वयुद्धः वया देव वहा स्वयः विवासे रावध्यः दे श्चेर्यदे।प्रकुरानर्श्वेरायःश्चेत्रायःप्रदायम् विष्याया ध्वरायनाःहेरायनाः वस्रायर्भेराये स्रोत्राहेरा न्ग्रेश भेगाउँ र न दे र न स्वस्थान भेग्न न न स्वर्थान स्वर्था स्वर्थान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्थान स्वर्थान स्वर्थान स्वर्थान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर मितृत्या मिर्ये होत् से मिर्ड निवेशसुना र्से मानी निवन में से मह्मा सदे सुया ही महाने से यामुन निवान ळ.य.रेटा जुवा.कुट.र्जेवा.वर्जल.बी.कूर्य.य.कु.यचर.य.लुट.रे.कु.कूट.या वा.बी.वा.कुटा.कुट्यकूट.य.वा.जूवाया.यहा. भूनशःनडेटःनः<u>क</u>्षान्तेहेटशःसन्दर्भेःसःसुरःग्रीःर्नेटन्,नङ्गानाःकृतुरःसृगःनस्याग्रीःस्ट्रन्तःकेन्देःद्वाःसः धेन्-नु-से-विन्न-न्ना ने-क्षु-तुवे-त्रीयानाने निर्वास्त्र भूनमा व्ययः ग्री-सुन्-वीयासर्वे सहवानश्चरः है। सनवा र्झेर-(वृषायाण्चीयाद्वर्यायदे के। से स्वियाकेत से टाई से टाया विषा पीया विषा से प्रया सुवा त्युरापाद्या स्वाप्य मुकानहरमानवमा सदारुकानदे वसुवायिक्राहेन देवार्स्य प्राम्य विकासी विकास क्षान्य विकास विकास विकास विकास विकास व नमृत्यः न्दा नर्दश्यः समासे सासुरामी न्दार्तुः सूरानद्या केरानुरानुः सूराना सूर्या द्यादा विवास र्वाया सि त्रायर दे केट्र दुष्टके य द्रा य व्यायुष्य केंद्र प्यार अभी य द्रा प्याय अपना के अध्याय कि व्यवस्था वक्का व्य न्भाष्ट्रायात्रुमान्भाषायक्के नाया श्रुमानवे स्वानस्य स्तुमानस्य विद्यास्त्रीत्र निर्मेश्व स्वानस्य प्रिमानस्य म् यदु र्रिया यज्ञ व यदु र्रिया यज्ञ व दक्ष युदु र्रिया यज्ञ व भ्र र्रिया य र्रिया यज्ञ र्रिया यज्ञ व र्रिया य चलायहु,र्जयायर्जा पर्ट्रायायह्या श्रीतायह्या श्रीतायह्या हुरायराचेता हुरायराचेता स्वीतायह्या स्वीतायह्या स्वीत ञ्चना'नञ्चर्यं'नक्कुन्'र्से'रे'रे'व्य'न्देर्य'र्षेन्'नात्रयाःकुंव्य'न्देर्'र्झेन्'नातुन्ययायुर्यायाः भाश्वना'र्धेव'र्धेव'र्धेव'

स्यान्त्री प्रमान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्रम् द्वान्त्राच्यान्त्रम् वित्यान्त्राच्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्रम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम् वित्यान्त्यम्यम् वित्यान्त्यम्य

y callette Marison

देशक्षित्रं ग्रीशर्मे दिन्। सर्विः शेदेः रेदः सुम्यायायः स्टिश् सस्त्वः हित्यायः दिशमि स्टार्थस्य महिः यिष्ट्रभाष्यभास्तरायाशुक्रासी स्थेर् छिटा। कु यिष्ठ्रभासू नाया स्थान स्थित्रभासी स्थित्रभासी यहिष्य स्थान स्थान नन्द्रमु से त्रुवारम्य भेट्र के या गुर्ने गाय न विवारे द्रा हे या ने र न हे भें वा या वेद ग्री या प्रयोद सं पर्दे द याड्याययाचेराक्त्र्याचेराक्ष्रियाचेरा हिंदाश्चियाग्यराचेरात् अध्ययाचे द्वापित्यक्ष्यक्षेत्रक्षरावर्षायदे स्थान <u></u>ॸॖॱॸऒ॔॔ॸॱय़ॱऄढ़ॱढ़ॺऻॱॸ॓ॱढ़ॣॸॱढ़ॱढ़ॸॱॸढ़॓ॱॼॖॸॱॺॿढ़ॱॻऻढ़ढ़ॱॻऻॶॖय़ॱढ़ॕ॔ॺॱऄॸॱॻॖ॓ॱॸ॓ऀॻऻॺॱय़ॺॱॸऻॸॕॺॱ॓ॻऻड़ॕॱॾॣॗॗॱ नदे न्यूयाशु वर्त्ते भ्री वियानाने सार्वेदे हेराये दुन्त्या साञ्चरया मार्थे स्थान प्रति सार्वेद्या वे प्रदेगा हेत नर्गों न पर में प्रता ने ज्ञान में अग्रुव की खेन में माने प्रता के प्रता की वार्षित की र्वेटर्'लट्लट्लट्लट्लट्लेक्ट्रिंग्क्रें अख्याकार्वेट्रिंग्जी अळंब्रिंग्डेट्रिंग्यंते अल्पार्ट्ट्रिंग्ट्रिंग्हेंब्रुंब्रिंग्यंदे लट्ल नुनःसबदःदेःग्रासुसःमारःसुरःससःसप्दारायन्यः। प्रदेशः वित्राःस्य स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः ર્શ્વેનશ્ચાસત્તંત્ર કેન્ મેના મહેરત્તું ભાવા હિંદ્ર હો સર્વો મેં સનાવા સે ભૂમ વર્ષે માવદ્રના પાસફ નાર્સે મેશ સૂંત જંસા ખેત र्बेन्। देवःग्रम्प्रहेनाःहेवःकृषःग्रीःसंप्यमाःसस्व हेन्सेमामदेःसस्व स्थितःमदेःमाबुम्प्रवे मान्ये धुवा ने माश्रुअमार रुट रुप्तसु नर नवेट वर्षी धु र्हेव पर्हेट परे हेट ग्री मुन अवतम्बावन माश्रुअप्पट ह्या यदे निर्देश महिं हिंद श्रुम श्रुम निर्देश के अअश इस यदे मुन अवदि अपर निमान दे से अस महिंशुम पीदा है। देस निवन निर्देश महिं निर्मा में अप्तर्भे निर्मेश के देश में मुक्त की अपनि प्रिंत कि महिं महामा की अपने की महिंदा शुःयनायेद र्वेनाद्य र्वेन दर्गेय पर प्रवेद प्रदेश्वेद । देद र्श्वे मुन्य सम्बा क्षे प्रवः से दिन प्रवेश से प्र देशःयः द्रिंशः श्रेंवशः देवाशः यदेः यश्रवशः वश्चवशः विदः व्यदः स्वदः स्त्रादः द्रिंशः व्यद्भवशः स्वतः व्यदः विदः वातुवाशः र्षेत्-भूतर्य-दिर्यान्ति : पद:द्वा-सदयः याया : क्दः चः विवा : तुः शुनः चे या : सूनः स्वतः सः सूनः दि । विदः तुः चिदः तुः चि ૽૽ૺ૱ૡૢઽૄૢૢૢૢૢ૱ૹ૽૽ૡ૾ૺૡૢઌૣૢૻઌ૽ૹૣૻઌ૽૽૽૽ૺ૽૽ઌ૽ૺ૾ૹ૽૽ઌૣૻઌ૽ૢ૾ૢૹRene' Descarteౙૢૹૹઌઌઌઌ૽ૡ૽૽૾ૺ*ૡ*ૹૢઌ इसन्नेयाग्री ह्या में यादित परे ह्या है। ह्या माश्याग्री इसामान्य मान्य पायन पायमा सेस्या में स्थान y charles for

৾ঽৼ৾৽ঀ৾৾৽ঀ৾ঌ৽Berkeleyৡৼ৽ঀ৾৾য়ৢঌ৽ঢ়৾৽য়ৢ৽য়য়ঀ৽ড়ঌ৽ঀ৾ঀ৾৽ৼৢঌ৽ৼ৻ৢয়য়৽ঀ৾ঌ৽ৠৢ৽ৼৄঌ৽ঀ৾ঢ়৾ঌ৽ৼ৾য়৽য়ৣ৾৽ৢয়য়৽ मालमा महिंदा हे १ १ १ मान माने प्राप्त महिंदा महिंद <u>७८.वी.८रूभाकायम्बर्धस्याचीरायतुरायतुरायतुरायी.तयसायरायरायात्रम्यायरा वी.क्रास्याम्यायरा</u> भे पर्देन्। महम्भः भ्रां म्याया प्रदायम् व स्वाप्ते न स्वाप्ते न स्वाप्ते न स्वाप्ते न स्वाप्ते न स्वाप्ते साथा ब्रूट-दर्गेश-यर-नन्ता देन्ध्रमा देन्द्राध्रेश-ध्रेग-ग्रीश-सम्ब्रीट-नदेन्द्रश-देन्यान-प्यट-रुट-न-विग-ग्रावि-सेट-रु शुरायाधिवाव। यामावीवयादियादियादि शुराधिदाद्यावियादि व। हेरामेरायेयाधिदाहेयायवादिवया दे शुंशरीया हे ता वहेया हेत हो न से न में तार्थिय सके वायी शरीया हो साथित हो न से साथ में तार्थ न हो न से साथ है न्य स्था प्रदेश मुंदि में वास के ना नी का हो दायर प्रदेश दे प्यूर वा नुवास मदा देर दे दे रही हो को सका रहे साम दे निवेदार्द्धवाद्यात्र स्वेदार्यात्र स्वाद्यात्र स्वाद्यात्र स्वाद्यात्र स्वाद्यात्र स्वाद्यात्र स्वाद्यात्र स्व यारायानहेत्रात्रशाह्यरावे त्रा रूराहेरायामारावेगाञ्चराता मस्याचरागुत्रामावेदे सेरामी नमाळम् स्याराहेत्र ૹ૾૽૱ૹૣૻઽ૽૱૱ઌૹૢઽ૱ૢૹઌૡ૽૽ૢૼ૱૱ૠૢૹ૱ૹ૽ૢ૱ૹ૽ૢૼ૱૱ઌ૱ઌ૱ૢૢ૿ૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ઌ૽ૹૢઽ૱૱ૡ૽ૺૹ૾ઌ૽ૹૡૡઌ नॱयशकेशकेशॱध्रवाॱसरःवाशयः सरःधूरःनः ५६ँशःवादशःयः त्युरःनः ५,शशःहीँरः ५८ः क्षुरःदशः देवाशःसः नक्तुः स्रवाः वीशनञ्चनरार्धेन् नश्य श्रेस्रशनार्डे ः श्चानायम् नामान्त्रीयार्धेन् न्वीश्वान्त्रस्य नेवायि मुनासवर्षे त्रस्यस्य मार्डे पर्दे ना पर्दे निष्या सामा स्टर्म ने से समा महिल्या है हैं ने सम्प्रमा से स्टर्म ने समा स्टर्म ने समा स ॕॗॷॱॸढ़ॴॴज़ॻऻॱॻऻॴक़ॱऄ॔ॸ॔ॴॶॖॴक़ॕॸॱॸऻढ़॓ॱऄॴॴऄॕॱॷॗढ़ॕॱढ़ॏॴऒॏढ़ॱॴॻॏॾ॓ॸॴॶॱॸढ़॓ॻऻॴढ़ॴॷॗढ़<u>ऀॎ</u>ॗ र्धेम्थाम्हेम्थान्दान्यक्थामाशुः विमामीशामार्वेदान्तेन्महत्त्वादेणायम्यायदान्तेशास्त्रान्तेया

इसामें। इसामेंशिस टी.वर्ट स्वरास्ता में सेवृ. क्रुसासी सामेंश्वे स्थान स्थान सामें सामें सामेंशिस स्थान सामें साम सामें साम सामें साम सामे साम सामें साम साम सामें साम सामें साम साम सामें साम सामें साम साम सामें साम साम

y white Marison

ल्लयस्यर्श्चीयत् क्ष्रीयस् क्ष्रीयायाची स्वास्त्र स्वास

विंदारी क्रेंव्याक्षेर्यम्भार्भेयाक्षेत्राक्षेत्राचीर्भेयान्वेदाळेदार्थे त्युर्यास्त्रम्थायम् विष्णाण्या हिन्सूया सक्दाकेन्द्रिनामित्रे निर्मानेनाकेनानु। सरमाक्त्रुमामित्रे सुनासम्यामित्रे स्तराह्ये स्त्रामित्रे स्त्रे स्त्रे न्रें अपार्डे श्रुप्तरेत् वेशन्त्रे अपन्त्रार्थेन् स्ट पी श्रुप्त न्रें द की प्रक्षित्र के स्वर्थ के स्वर्थ के यःसेसस्यान्द्रिः श्चानः धितः बेरः नः वर्देवरः हिन् उनाः वः नहत्वस्य से रुटः स्रे। श्चेरः सेसस्य उसारवे गुनः सबवः देॱयः इसः नदेवः इतः ग्रेषे सः दरः। इसः नदेवः सः यः न बुदः यद्देवः ग्रद्धारः सङ्ग्रं यः दरः। क्वें दः खेदः खंयाय। क्वः ळॅं ग्रथा गढ़े था से दाया सुस्र। इसा इतायाया दे। यह शादी सो दाया है शायह था ग्री। दादी। या पि दारे दे विया यह ग स्रे। Àस्रशः उसः बेशः पदेः उसः सुः देदेः ऋपदेः वीं 'देवः स्टः यः नश्रसः तः पटः वेंदः यदे सः वर्षेयः नश्रदः सुन द्यत्ते भे त्या ना का का का का का का का का की ता की की का की की की का की का की का क <u>ठ८,४८.ची.भुभभःधु८,८६ूभःलुष्ट्रभःलुष्ट्रभःतर्द्रभःकी २वामःधु८.ची.भावमःसःसकाःष्ट्रम्</u>ष्ट्रभःतर्द्र्रमःखेराद्रस् यर है। इत्रवाची स्रावसाय कें रस्य प्रस्था सेस्य हैन विवास समिता विवास कें सेर सेवास दें सुर सासुस यन्त्रधन्त्रमान्त्रसेन्त्रपर्देन्त्य। सास्मार्थायद्वेन्यस्यस्यार्थे केन्द्रेत्रहेसास्यस्यस्य स्वार्थस्य ॻॖऀॳॱॻऻऄॕॳॱय़ढ़ॆॱॸॖॺॊॱऄॖॖॕॻऻॳॱग़ॖढ़ॱढ़ॎख़ॱॻऻॸॆॻॱॻॺऻॱॺॏॴ॒ॱॻऻॿॖॻऻॳॱऄ॓ॳॳॱॻऻढ़ॆॳॱॸॕॱऄ॔ॱॻऻॸॆॻॱख़ॱॸॸॱऄॗॕॻॱॿॱ <u>५५.सद.५ूप.२.श्री ५.कें.स्थाक्ष्रात्मकाष्ट्रीत.क्या.त्या.कंय.सद.यीयःश्रीत.त्या.क्या.याचीयाका.स्थाया</u> मिहेशःग्रे:नर्द्रमिर्दे:सयःद्राधरःदेशःहे:विमाः मुःयदुमाःनश्वः र्ह्वेर्द्रश्वेम श्रेयशः द्यावेशःसदेः स्वारं सः यारे व्यक्षः र्हेन् नर्वे या साहिन् ठवा सवियासदे <u>चार्यं न् त्यक्ता गा क</u>ुवा सादने हे साये वायास हिवा वी विस्। ना शुर्वाशुर्वि सेवा ५ उरा क्षेत्र वाक्षेत्र पार्थेता वेरापदे प्रेरा हिंदा फ उरा क्षेत्र पार्वि पारा वे प वहेग्रयं नङ्गवाद्याद्या हो द्वंया दुः श्रे र से समाउंसाय दे । या समाय दे । या समाय दे वा स्वापित हे सामित्र पा नदेव'स'त्य'न तुर'वहेव'ग्रम्थ'सहसाँग'र्ना क्वें'र हो न'क्व्य'स। क्वें'क्वें नश्चाहेश से न'रानश्चा क्वाह्व इन्दर्भे में द्वार्यात्यादर्ये कुन्दर्भ्यात्रयाञ्चराध्यात्राच्यात्राच्यात्रे व्याप्ते हासरादह्यात्राचे स्वराद्य नन्द्रम् म्यून्यः स्ट्रिन् से व्यानासुस प्रिन् हे य क्रिन् में ना सुद्र सुद्र से में के स्त्राना से न हा विस्टर म्रा.चाया.चाया.र्टा अपू.पू.स.ची.हेश.हेश.वीश.वीरा विष्यवा.सर्या.सर्या.सस्या.स्ट्रा.सरा सायश.स.ट्रा.याशेश.वी. ऄ॓ॺॺॱฮ॔ॺॱइॺॱॸॸॆ॓ढ़ॱय़॔ढ़॓ॱख़ॖॻऻॺॱॸॻ॒ॺॱख़ॖ॔ॺॱॻऻॶॖॺॱढ़ॸॆ॒ॸॱॸऒ॔॔ॸॱय़ॱढ़ॆॱख़ॣॺॱॸढ़ॱॸॖॖॺॱॸॖॱॸड़ॗॻ*ॱॾ*ॱॾॗॣॕॱॺख़ढ़ॱ वर्षातुन् हेर्षान्यते निर्मे वित्र हे। यम सेस्रान्य बेर्षान्यते वित्रेषान्य वर्षान्य स्टान्य सून वित्र होन्यते विष्य हा ৼ৽ঀ৾ঽ৽য়ৄ৾য়৽ঀ৾৾ঀ৾৴৽ড়৾য়৽য়য়য়৽ঽঀ৾ঀৼ৾য়য়য়৽ৠ৽ঀঀঀ৽ৡঀ৽ড়য়৻ঀ৽য়ৢ৻ঀ৽ড়৾য়৽য়৾ড়ৼয়ৢ৾য়৽ঀ৾ড়য়৽য়৽য়ড়য়৽য়৽ दे '५'७८' क्रोद'रा सेद'रिय वार्को | दिवा 'हु'र्वेद'स्' सदे खुवाव 'ग्री केसव उस रादे | क्री रावेसवा वार्षे 'श्लाव ८८। ४ममाश्चिरम्भममार्थः श्चापीदायदे श्चापीदायदे श्चापीदायम्भीयायस्थियायः स्थापीदायस्थायः स्थापीदायस्थायः चुन'स'न्र'। र्नेत'नु'बूर'न'बस्थर'ठन्'वार'बवा'र्थे'र्थेदे'शेस्थर'ग्रेश'नश्वाय'र्थदे'नवा'ळवाथ'ग्रे'न्नर'वीथ' . ब्रूट-न-अ-वार्त्रेनामा . असमायमार्थेनामा शु:र्खनामा शुनः तुनः से दिनः । . असमार्गः नवा रूनामा स्वापास स्वापा रदःष्ययः तृःवर्त्ते वरःवर्दे दःय। श्रेश्रश्चार्वे श्चायरःवर्देवाःयःवादे वर्षाः वर्षाः वर्षे कः क्रेत्वः वर्षे क्रुःश्चे वर्षः वेरः त्यंश्राभिशक्षात्राक्षेत्रकाताः विवासद्गान्तराम्। कार्याक्षात्राक्षेत्रकात्री स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व दंशरारी श्रेश्रश्चार्वे श्चानरक्षे दिर्यत्रे श्चिताचे र.टे. वा बिवाया श्रेश्याची स्वराय है स्वराय स्वराय स्वराय सर्देशकी । श्रेसर्थं दसाबेशपदेशक्यासुन्देशस्यायस्य त्रिश्चेषाक्ष्यायात्र । द्वार्यस्य स्वर्थः ब्रेट प्रतेत्र अस्त मुत्र प्रतः वार्षे वित्र अर्थी सुरक्षेत्र प्रताद प्रतेत्र म्या द वार्वेद रहे से ख्रुस प्रतः से स्र संस्वेश सदि क्विना र साया ने त्र सार्थे न न ने सारा हिन र स्वासान सारा है। माया न स्वासान स्वासान सारा है न में विराधकारी खेराद्रास्त्रीकारादे अर्क्षेत्रकायायहै वाकाया से दारादे देशात्रवा क्षेत्राया सुन्य सर्वेदा वा नुवाका शेसरामहिराष्ट्री नरत्मार्के प्रवाद्याप्ताकरारे साचे प्याप्त की क्षु से प्रवासे समावस्था में स्टिन्स स्थाप्ता शेसशःगर्डे द्यानिते माश्राहे सूर वर्हेण हिन्दिर में निस्ति माहित कर मी निस्ति में निस्ति में मिन्दिर में स्थान શ્રેન્-ત્રાતું-વાષ્ટ્રસ-લેશ-લેવા-ધે-ત્રાના થન-ત્રવાતા-ગ્રી-તર્ધ્વ-ત્ર્યા-શ્રન-ર્યુ--શ્રૂન-શ્રૂન-શ્રુન-શ્રન-શ્ર્ન-શ્ર્ય--શ્ર दे दिर धेव स्थानवमार्गे।

श्रुळॅग्राम्याद्यां दिनेग्राप्यां श्रुप्तात्वो न्याप्तां श्रुप्तात्वो न्याप्तात्वे न्यापत्वे न्

y callette Marison

ब्रेट्संट्रेट्संट्रेस्ट्रेस्स्रिं स्वाद्यात्र क्षेत्र क्षेत

देवे सुम् द्येम् त्याकोम हास्यावद में स्वाधिस्य हिस्य हिस्य प्याप्य मित्र हिस्य विस्था स्वाध्य स्वाध्य स्वाध्य · स्राप्तर्थः स्र्याः स्राप्तः प्राप्तरः । द्वे प्रतर्थः द्वे याचर्यः क्षाः न्वा नेतः प्रत्यः क्षाः नेतः प्रवि मदि खुनार्या नाशुस प्येन् मान्या न्रामें ही ही हूं दे नुन सबदे क न्या हमाने सामें महिराम ही समें हो मदि नुन सम्दे क निमान मा निमान के से समान सम्दे मुन सम्दे क निमान सम्दे क निमान सम्दे क निमान सम्देश के स्वीत के स्वीत ढ़ॏॸॱढ़ड़ॖॖॖॖॖॹॱॸॣॸॱढ़ॸॖऀॱॾॸॖॱॻॖॖॖॖॖॺॱय़ॱख़ॺॱऄॗॺॱॸॗॕज़ॺॱॻॗड़ॱॸॱॺॊॗॱॱऴ॔क़ॱॸऀॻॱय़ॱॸॖ॓ॱॾॕॕॺॱॻऻॺॸॱॺऻॸॕॖॸ॔ॱॸॣॸॱॻऻॺॸॱॾॗ॓ॸॱ न् द्वें अन्तर्ने न्वार्ट्स देर्देर्न् वृत्रायदे वियाचार्ट्स विवायमान्तर्य सर्देर्न्य न्द्रा यासस्य न्वें सामानुर बन् ग्राट्स सेन् मा प्रदेश सेन्। के सार्शे वा साम्मा प्रवासी मा स्था मा मा स्था प्रदेश के स्था प्रदेश प्रदे र्वे विवायाश्चर्यास्पर्दायादि त्यादेन विदेशिक्षात्री स्वाप्ति हो स्वापिति हो स्वाप्ति हो स्वापिति हो स्वाप्ति हो स्वाप्ति हो स्वाप्ति हो स्वाप्ति हो स्वाप्ति हो स *ৼ*्याञ्चत्रातेशायदेग्रीमाज्ञत्रात्तेषा श्रुत्रार्थेमान्या श्रुपार्या क्षेत्रायतित व्योपार्या सामित्रात्रा स्वरा दशन्त्रभः तथ्यः देवाशन्दः द्वशः पदेः श्चें वाशः शुः वश्यः श्चें द्वितः श्चेतः श्चेतः । हेशं देः वादिनः स्वापाद दंशायशर्देत् क्रीशक्ताया अर्थान्दावरुषाया यानाया क्राया यह नवा वी भ्रें सार्वे प्रथा र्थेत व्हान वह बे कृषा बेट नर वेश बेद परे पदेवे पदर् देश स्वर्ष का प्रायम् स्वर्ष प्रायम् स्वर्ष प्रायम स्वर्ष स्वर्ध स्वर्ष स्वरं स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वरं स्वर्ष स्वर्ष स्वरं स्वर्ष स्वरं ग्रेविष्यान्ते के न भूत्र भूत्र भूत्र शुर्वे क्रिंत हुन वन ने न्याने वर्षे न प्रमान हिन् क्रिया में प्रमान कर ्र्यु:च:५८:२८:क्रे:ब्रे:ब्रग:क्रु:च:पाढ़ेश:गदे:ह्व:ब्रह्म:क्रेंच:क्रुंव:पाढ़व:पातृत:के:वर:पात्रश:श:व्रे:व्रे:न्वे:नग र्वेर-वर-वन्द-वन्दे-द्रसुष-वेद-वीषासेग्-ध्र-व्यासर्वे वर्द्गेर-वार्देद-श्री-द्रसे-व्यवास-स्वत्राहे। दे-वादेशः ॻॖऀॱॺॿॖढ़ॱॿॖॕॻऻॺॱढ़ॻऻढ़ॱॿ॓ॻॱॾॖॱॸॕॸॱॸऄॗॣख़ॱॸ॓ॱॸॖॖॾॖॸॱढ़ॸॱॿॖॱॷॣॺॱॸॖख़ॱॾॸॸॱढ़ॖॱज़ॖॱॻऻॿॖॻऻॺॱढ़ढ़ॱड़ॱॿ॓ॎॻॱ ययर प्रमुद नविदे ह्र अन्दरम् बुवा अन्ते र्रे रेवा ग्रुनवि है। ह्या ह्र अन्म नु र खूद छेवा यर ह्री नर पर्दे द अपी व नायाने नार्ये र निर्वाचर्या भ्रुनायार्थे नायायारी नाया ह्या विया प्रदेश मधूर निर्देश सुराया मुहारा निर्वा का

July 2 march 4

न्देशःशुःअःगशुम्यःमःन्म। कःनठयःकःसेन्ःसँग्यःशुःर्श्वेयःतःमुयःख्वःतमःमेग्यःन्मःतुयःयःपिन्।पदेः मुंग्रायायश्वराष्ट्रीतिहर्मराश्चरायदे श्रुवाचे ८.५.६ त्यावर्षे धेरायापार १ त्यावार १ त सन्धेर्म्यास्त्री न्याके कुराउं सायसा मससा उत्तर्दान रार्धे दाने । द्रोत्रात्वी के विना देवा या श्रेता सा र्से अन्ते चे अन्ते : सः रें वः वेरं वः वर्ष वा वस्तु न् हो न : भूव अन्ववः हो : रेवा हा हो हो न वा वर्ष को सूत नदे।वात्तर्भात्रभावर्भावर्भावर्भावर्भावर्भावर्भाव्यः क्ष्यः स्टिश्चर्मा । क्रिवाप्तः स्वत्यः स्टिश्चर्भावर्भाः सःश्रॅन्यशः खेटः स्रित्यायः सम्मयः सुरदः क्रुवः विटः चलेटः चलेटः। कः विटः स्रेनाः य। यटः विटः नार्येः नः श्रॅन्यशः सर्देव'शुस'न् श्रूम'नम'गशुम्या नेते'लुग्यानस्रव'न्। क्रेव'नम्स्रम'व'त्वुम'न'याः स्रुःसे'क्रूम'गे'ह्यानवे'नम ह्यानिवास्य प्रमुद्दारम् स्वासे स्वत्य स्वास्य स्थान्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य न्रेष्ट्रतः वेशः भ्रुन्यशः सदेः शुः र्र्ह्यनशः ने रदेन रक्षे सहदः यम् शाने र दिरः सञ्जतः सन् रक्षेत्रः सन् राज्यायाः श्रेतः *८*२.ॳऀ॔ॻऻॴॴॴॴॖॶॱ८॔ॴ॔ऄख़ॎॖऺॻऻढ़ऻॎऄ॔ऄॎऒ॔ऄ॔॔ऄॎॴॶढ़ॱॳॴऄऀॱऄॕॎड़ऻॶॴॶढ़ऄ॔ऄ॔ য়ৢয়য়ৼয়য়য়ৼৢঀ৾৽ড়৾য়য়য়ৢয়য়ড়ৼঢ়ৼয়ড়য়ড়৾৽ড়ৼ৽য়ঢ়য়ড়ৢ৾৽ড়য়৸য়৾য়ৢয়য়ড়ৼয়ড়ৢৼ৽য়ড়ৢৼ৽য়ড়ৢৼ৽য়ড়ৢৼ৽ঢ়ড়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৼ৽য়ড়ঀ<u>ৢ</u> षटा हो : श्रुषा वे ति : नु : प्रति : प्रति : स्वाह्य : प्रति नन्द्रायायादे हे सूराद्रें वा डे शायरायशायशाद्रें वा यरावाशुर्या व्यशायशहें वाशा ख्यादे खुः या अर्केंद्रादा विदर्शिवासायदेवासायम् होत्रायाद्वा द्धवे क्वत्रस्वयाद्वीदावार्थे वस्तरहोत् पर्शेवासार्थेदायस् देसावविदरस्य *য়ेॱ*ॸ॔ॸॱक़ॖॖॖॖॖॸॱढ़ॺॴक़ॖढ़॓ॱॺॎॺॴॸ॔ॸॱख़ॖक़ॱऄॴॸॸॱढ़ड़ॖॴॱॴऄऻॗॱॸ॓ॱॸढ़ॏक़ॱऄख़ॸॸऄॱऄॗॱढ़ॸ॓ॴॴज़ॖॴॱॻॖऀॱॻॖ॓ॸ॔ॱ ययः खॅर्नः सयः यः नृतः। व्यवायः सुः स्रो सः स्टर्यः स्टर्यः स्टेन् स्ययः खॅनः स्याः सुः नृतः। वार्षे खेनः विद्वा विद्वा बेर्प्सदे बेर्प्स स्पूर्ण मार्था स्वर्म मार्थित स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ में स्वर्भ स्वर्ध स्वर्भ स्वर्य स्वय्येष्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयं स्व <u> ५८:भ्रे:प्रमुक्षःय:५८:में कार्यम्बर्भय:भ्रम्भयःयर:में ५:यां ५:यक्षः व्यः क्रुःभ्रे: इस्य अः व्यं ५:यन् व्यं ५:यन् व्यं ५:यन् व्यं ५:यन्</u> विस्रशः क्षेत्र देवा व्रदः कुः क्षद्रशः यदः वश्चुदः वः यः कः देव दिवेश भीता कुः क्ष्वद्रशः यदे देवेदः वश्चुदः सुवः सरस्य वर् इत्य द्रश्रभ्रम् पुरम्ह्ना शुन् छेर। सुरम्य भ्रम् स्त्रें व्यक्ति ग्रे वे व्यक्ति स्त्र विषय भ्रम् व षरः से र्हेन् केत्र र्वे अप्तत्व अप्तुन केट क्रूट ह्यां शे र्हे र्वे रात्र सुन त्या विष्ट्र से रायक ने प्रवेश क्रिके के विष्ट्र से स्व विवास्यक्र्यास्यक्रियानक्रुन्थ्नान्त्र्यस्यकेत्र्याकेत्र्यस्याकेत्र्यस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात् यर में अर्बेर मुन कुर्नर कुर में प्रकृश ह्र अर्बेन प्रहेन कुर प्रमा गरे में वित्र मुन में किया किया केरा गर-वेंद्र-दे :अबिग्राया बुग्रार केंद्र : बुर्ग्य केंद्र दे : बुग्राया दे ग्राया व हे दय है : हे : य : य अ : येद : युर्ग्य केंद्र है : ये : य अ : येद : युर्ग्य केंद्र है : ये : य अ : येद : युर्ग्य केंद्र है : ये : य अ : येद : युर्ग्य केंद्र है : ये : ये : युर्ग्य केंद्र है : युर्ग केंद्र है नर-नन्त्र दर-नदे केंश्रान्त्र र ज्ञाने र श्रेन्य श्राम्य विषय अवस्ति। से तर्वे के दे से न्या स्त्रान्त्र हे खूनाया र्श्रेयाश्रश्चात्वेद्राश्चित्राश्चार्यः दूर्देश्वार्यः द्वारायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः व लूरी हुंश्चरटा मैंर.ग्रुश के अंश बेंश्वरारा रेटा भैंटा जवरा अंश तुरार्थ हिंदे संद्या हिंदी संद्या हिंदी संद्या क्रुरःगी वरःध्रुवार्यः रेवार्यः वर्षेत्रः पर्दर्। क्रुरःगी वर्दः क्षः सर्वेदः व्युर्वार्यः दरः। दः दुरः हरः श्रुरे रःग्री क्रियं स्थितः য়৾৾ঀ৾৽ঀয়ৢয়ৼঢ়ৼ৽ঀৼ৽ঀৼড়৾য়ড়য়ড়য়৾৽য়ৄ৾ৼ৽য়ৣ৾৽য়য়য়৽য়য়৾৽য়ৼৼৢ৾ৼ৽য়৾য়৽ড়ৼ৽ঀৼ৾৽য়য়ৼঢ়য়৾৽য়ৼ৽য়৾ঀয়ড়য়৽ विषाधितःमश्राभेरःश्रेषाःषार्हेरःतुश्राभेरः। इशःश्रेष्टिः चौःपर्गेरःश्लेषाः वरःत्श्राभुषाश्राभेतः तुःर्येतः केतःर्यः वश्रवः y callette Marison

त्रवास्त्रम् द्रम् स्वास्त्रम् व्यक्तम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्यस्य स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम

यद्यान्त्रम् अर्थः विवाद्यः अर्थः अ

y charles dans 64m

द्यीर्यः वृत्त्वीयः वृत्त्वाविकः स्तृत्वाविकः स्तृत्वविकः स्तृत्वविकः स्तृत्वविकः स्तृत्वविकः स्तृत्वविकः स्तृत्वविकः सत्

देवे सुरः स्वाया स्वाया प्राया विष्या है। तुषा ग्री सुरासवय से गिया ग्री सुवा सुवे का विवाधिया ने साम है। र्वो निर्म निर्म के न र्ह्में प्याभी प्रत्यत्रा भ्रे द्वारा ग्री सुदासबय मादाधित दिन्दा प्रति के दिन्दा स्थापित माना स्थापित नदेर गुरुप्य का के वो के दा। बुर अबदे कंद दे बुर अबद विवाधिद विकास विवाधित के विवाधित द्वार्वी । दर्देश [য়য়য়৾৽ড়৾৾য়ৢ৽য়য়৽ঢ়৾ৼয়৽য়ৢয়ৢয়য়৽ড়৾৾ঢ়৽ড়৾ঢ়৽য়ৼ৽য়ৢৼ৽য়ৄ৾ৼ৽য়ৼ৽য়য়ৢৼ৽য়ৣ৾ঢ়৽য়ৢ৾ঢ়৽য়৾ঀ৾য়৽ড়৾ঢ়৽য়ৼ৽য়৵ঢ়৽য়৽ यथ। र्वे नर्थान्वर्ष्यात्र र्वे नर्वे निवे क्वायात्र क्वायात्र क्वायात्र क्वायात्र क्वायात्र क्वायात्र क्वायात्र विकास क्वायात्र क्वाय ૹૼૼૼૼૼૼૹૹ૾૽૾ૹ૽૽૾ૹ૽૽ૡ૽ૼૹ૾ૢૺ૾૽૽૽ૺૺૠ૽૽૱ૹ૽ૼઽ૽ૣ૽ૼ૱૱ૹઌઌ૱૱ૣૢ૽ઌ૽૾ૢૼઌ૱૱ૡૢ૱ૹૢ૽ૼૺૢ૽૱૽૽ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૹ૽૽૱ૹ૽ૺઌ यर नभ्द प्रदे द्रिशावस्था क्षेत्र देवा प्राविवा सुश्रा ग्रुट विविद्यो विविद्यो विवासी वर्षेरःश्चेन् चेन् नवेन् नर्मन्यस्य वर्षे नवेन्सर्मा वर्षे । हेन् चेन् छै श्चर्या सेन्या परे नह श्चेन्या वर्ष ह्ना पर्वे देव रूट अळव र विमार्चि द श्री ह्न यर शुश्राय हु। या या हे वुश्राय वे श्री वेश यहें द पाय दे में ळॅं न भी : इ.च. व्यवस्था उत् : वर्षे वा : यत्र : द्या दि: च्या वि : च्या चि वा : ये वा : ये वा : ये वा : ये वि मी कु क्रेन मान्न त्या दे अपने प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर के प्राप्त नर्यायानर्डेयान् से प्रहेगापान्ता में नर्यान्यून्य न्यायाया में प्रत्ये प्रते स्वाप्त न्याया स्वाप्त प्रते प्र बेर'सदर'र्क्के'ननगरादनद'वेग'यर्थास्त्र्यं। दर'नर्थादर्था तुर्धातुर्धात्र्यस्थर्थादेगामास्त्रेते'देतुर'गे।कु:क्रेद याववरायार्ब्ह्रेश्वासी दर्वो श्वास्य स्टर् क्षेत्रे संसादि द्वासी क्षेत्र स्वासिय स्वा रवार्यायास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र *ऀ*ॶॖॹॺॱॸॆॹॱय़ॸॱॸॶॸॱय़ढ़॓ॱक़ॣॖॕॹॱड़ॣख़ॱख़ॺॱॻॖॸॱक़॓ॺॱक़॓ॸॱॹॗॗॸॱय़ढ़॓ॱॾॣॕॱढ़ॺॱढ़ॹॗॗॸॱॸढ़ॏढ़ॱय़ढ़॓ॱॸॕॗढ़ॱॸॖॱॸॻख़ॱ कॅनाः ह्री नेरहे ह्ररावन्द हेवा कंदरियायमा के भाई त्या हुत्य त्युत्य कमा हेरा में दावीयायी मार्सेया ह्या ऀवेनाः अः न्देर्यः शुः न्द्यनः भ्रम्यया भ्रेमः ह्यः नेः धुयः नामः विनाः कृष्यः हेः यूमः मानस्य सः निनः निवेः वन् याः भ्रेमः श्रीः y calification as the

लेव, धे.सट, त्राट्ट्री । विच्निक्ष, विक्राचाड़ को, त्राट्ट्री सावका ट्रेट्ट्रिक्ष, विक्राच्या के स्वाट्ट्रिक्ष, विक्राची हें प्रत्यी का क्षेट्रिक्ष, विक्राची हें प्रत्यी का क्षेट्रिक्ष, विच्या के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्य

र्वि:द:रे। नवेर:द:न्य:प्रि::ह्य:प्रिव:प्रि::ह्य:प्रिश:पठश:अ:ह्य:प्राशुअ:यर्,श:क्रे:न:प्रॉर्वेन:क्रु:धेद: यन्ता न्व्रात्र्यामिक्रात्त्र्याकेन्त्राकेन्त्रम्यित्रायाक्ष्यास्य के क्रित्मी के क्रित्मी क्रियान्त्रात्रास्य ग्वित्रश्वास्त्रेश्चेश्वास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्राच्यास्त्र नदे क्वें दश्यत्वस्य क्वें दाने दाने वित्र वित्र वित्र वित्र के कि के कि के कि कि के कि के कि के कि कि कि कि कि इसप्त्यूराग्चीप्त्य्वायार्भेर्ट्रायार्सेवासप्तादीप्पेरस्याद्वताग्चीस्रीह्नाप्तिरेट्र्र्द्राट्रीसेप्टर् वेस् विश्लेसप्तादेवाकः र्दः सुर-त्रित्रेषः नवेः कःन्यानाशुभः स्रे। सः ह्यानाशुभः यत्भानः सुः न्दः। न्द्यः ह्यानाहेभः यत्भः सः सुरः धीवःसरःचन्नदःसःदेःधरः। ढ्वंदःदेवाःसंशः सह्यं वे से वारः चश्चवःन्नरः दुः दे दे दः सवे : सूवः दूरः वि इस्र'ग्विग'ग्नर'भेत'रेग्नस'स'सर'प्र'न्न'न्र'र्न्स्स'स्नि'ग्वत्स'र्ख्य'स'र्सेर्न्'ग्न्त्न'सवै'रेग्नस'सवे'हेस'य<u>ब</u>्दस्स' देन्ॱठगान्यः से रनुतः स्रे। ने गिर्हे अर्देस निवेद सुर्नि सुन्नि सार्वेद पीदा ही। सुर्नि सुन्यस्व हिन्या दसापार सप्पेदाने। दे पादेशाग्रीशासुन्दासुन्दाने देवा होतासे तुर्शासदे ही मार्चे पदेनासे हिना सदे देवा स्वास्त्र मस्या वसेवावश्वराद्या ह्यावश्वराशी वित्रावा क्षेत्र वा स्वापा के वित्रा श्वराशी से ह्या प्रवे देव दे से स्वाप्त के स नन्द्रभाष्ट्रभाष ब्रेन्-नबिद्यःसःनबनाःसदरःदरःदनायःक्रेदःस्रे। स्रेःनेसःदःसःनन्नःग्रहःदन्नेनसःससःब्रिन्यःपानावयःनेःस्रुसः नगाया भे ह्या मदे में तथा ह्या झ्रा इस्र इस्र १ वित हि ह्यू मानदे क्षे त्र भावस्म क्षे माने वित पे माने स ऀॿ॓ॴॱॻॿॴॱॻॱॺॖ॓ॱॺॖॖॕॎॸॱॸॣॕॴॱॻऻ॓ॱख़_ॱॹऻॻॺॱय़य़ॖॱॾ॓ॻऻॺॱख़ॸॱॸॴॱॸॖॱॴ॓ॱॿॏॱज़ढ़ॴढ़ॻॏ॔ॗॸः <u>५८१ इसप्तश्चरश्चे त्रम्याञ्चे ५ प्रसंस्य ४५ या प्रस्य १९५७ स्याधित श्चे स्याधित स्वाधित स</u> वॅगॱहॅगॱश्वेटॱश्वेंनरूर्द्रात्यः दर्वेयः नवे विख्यामहर्षा वेदि त्या विदे विद्यान व्यापाय स्त्रेत्र के के के कि र्बेद'रा'स'धेद'दस्य

यद्देन्य क्षेत्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्ष्य क्

y chartentar sou

पहीरी विश्वामिरायक्त्यायेथात्रार्ट्यां सुर्वः क्यं संविश्वादे स्वीश्वायात्र स्वीति । विश्वाम्य स्वित् । विश्वाम्य स्वाप्त्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्य स्वाप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्त्य स्वाप्य

दें त हिंद त्य पदे सूर पदे स्री ग त्या रा ही हर समय विग पेंद रा पीत तमा से द रा पीता वे ता हिंद ही रा ल्रिन्ते। ब्रिन्त्रीया द्याद्यास्याने मात्रुम्याग्री स्ट्रायम्याभ्येत्र स्वेत्र्युन होन्त्र। न्त्याद्यामा विमायाद्यास्य तुमामीशमञ्जूरिको हुमाकातुमानुप्रमुद्राप्तशकात्रकाणीतातुम् श[े]ळात्रकाणीतातुन्तर्भाकात्रमान्तरा ने से प्रम्त हे या नर्गे ने पाना दिना पान ने स्कृत समय पीता पिता मुना हो नाता है पान या सुना मिन या वित्राह्येन्रह्मान् स्वान्याकेषाः तुः त्रव्याक्ये द्वाः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वान्याः स्वा यान्याकः नरुषाशुः विषाञ्चर्यात् ने कुरायवदायाधीतान्य राष्ट्री मानदे विष्याना व्यवस्थाना याधीतात्र्या विषयः यार्चेनास्तरमाने पर्वे हेशामशास्तानी प्राप्त स्वर्गाने वित्रायमा वित्रायमा वित्रायमा वित्रायमा वित्रायमा वित्र सेन्'रावे'सम्म, मुन्न'राने'न्ना'सम्'र्ख्न'से'यन्नम्'नवे'कु'नान'नीभ'न्नेन्'रुभ'रदे'म् ने भे'स्क्रेम्'रेम'रान्यस्'वेना वर्नेनर्यात्र्या ह्रा भ्री तुर्याया के वसुर भुग्या भ्री याची स्वीत्र निवित्त में भ्री ती स्वा दे'द्वा'भ्रे'दर्भेर'वदे'कु'व्यद्वीय'वेद्रेर'हेय'द्रयाया *ह्*य'ग्रे'यबुद्य'तुंय'प्रयायेकेपदेंय'सुर्वासुद्य' यथा क्षेत्राः नावतः क्षेत्रेयः नत्न न्द्रः ह्याः क्षेत्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः नद् कु: होत्। यदः इशः शे: तुरुषः पः स्ट्री वहेत् : शुन्यां राशे यं से वहें र नवे: क्रेत्रः हारु से संदेश होता वायः हैं 'ॲं र : बे र : व : वोर्व र : वें र : खंद : खंद : खंद : वें वा : वें वा : अंद : दें व : व : व : व : व : व व द : व व : व व र : र्श्वे न श्री क्रियानविषात्र से दाने। अन् के वासादे ने वासा मुदार्से न वासून दार्से के लिया विवा इंस्रामित्रम्भात्रम्। द्वास्य र्वामे स्वाप्त्रम्भावर्षे प्रविष्णुदायाक्षारे ख्रम् स्वे प्रविष्ण प्रविष्ण स्वाप y called a land

यीयः श्रवरः मुन्द्रः स्वात्तः स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः स्वातः स्व

षटार्वि'त'रो हें अ'नडश'ळंत'रेग'अर्दे'शे'नदे'गुन'अबर'दर् अ'बेश'र'प'व'ते'रे'नश'श्वेट'र्वे' अेट्'रो अर्दे' <u> के</u>'सदे'<u>ब</u>ुन'सबदे'त्रर'न्'र्सेन्'सदे'स्रेक्त'सत्'न्त्र'की'व्हेंस'नडस'ळंत'रेग'ने| ग्रापस'गर्सेत'रेर'सुर'र्सेग्रस' ॻॖऀॱ_ॱॱॹढ़ॖॱज़ढ़ॖ॔ढ़ॱढ़ॣऀ॔ॺॱढ़ॺॱढ़ॾॣॕॻऻॱऺॻॣ॔ॹॱॸ॔ॾॱॻॳऺऺ॑॔ड़ढ़ढ़ॶॱॶढ़ऻऀॱॹॖड़ॴड़ऻ॔ॱॹढ़ऄ॔ॿऻॶढ़ऻ स्रेनाःविद्युत्यःनरः त्रदित् । विदे :ध्येत्रः त्राध्यसः याध्यसः यसः विद्यादाः व्यावधितः यः वित्यः विद्याद्यादा भ्रे.यक्षित्रत्रः हो टे.यो.त्तरा हो टे.तह् साधीरः तहे र.ह्या बटो विराया त्रीया हो हे. हु सूर्य साधीयः विराया व सूर् दें भाव भावहें ना परे हिरासर उसाधर से होरासदे हें भाव उसा हूं। ना हैं रावे हूं भाव भाव हो हो रावे ग्रीभाषित्वासवात्वामी हें सावर्था कंवा देवा पदी प्राप्त वेता हुव प्रवा केंद्र से द्वा वेदाया से वास्य केंवा प्रवाद प र्मेलामहर्मास्य स्वार्केन् हेमानम्न वर्मार्सेन्। सर्ने नेवापराध्वेताक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्ष रेगा अर्रे हे निवे गुन अवर वर् निराम गुर्या प्रतान । अयम र्रेर विषा हेत वर्षे वा ग्री हे ना निराहें अप करा हू नवे सुन न निहेश देव निहेन है सम्बेश निहार के सम्बेश निहार के निहार के निहार सम्बेश कि साम स्थान का स्थापित शे ते व (Einstein) ग्री क्षें श्वाप्ता ग्री क्षाप्ता के क्षाप्ता के किया है। विकास के कार्या के किया के कार्या नेयानयाञ्चात्वेषायाष्ट्रात्वेषा अप्यवेदार्थात्वेदान्धे हियानुना निर्मात्व प्रवेदान् प्रवेदान् विषा सुर्वेदा म्हेमार्चस्राष्ट्रीः सुद्रायाये नरानि निक्कायस्य क्षेत्राक्षेत्र सुन् हेर्। यस्य क्षेत्र हेर्नानिद्यायाये महास्याया हेरी महिना देंग'गे'से'शुगरु'दसुर'सद्दर्रुं सेंद'ग्रेग'गे'दद'श्चर'संद'से'नर'दुग'नक्कर'नर्भेंद'श्चर'संसेद'द| दसुर' स्तराचारायसाञ्चरानवेशानुसाञ्चेते श्वराळंतात्रात्रे साम्येसस्याते। से स्वासायस्य स्वरास्य स्वराखंता स्वराखंता स र्ळें न महिमायाये न मक्रिमा क्रें न मुर्जे न मुन्न मन्त्र न भन्न मन्त्र में मिल्य मन्त्र मिल्य मन्त्र मिल्य षरः सञ्ज्ञतः वा ने :षरः वच्चरः विरशः नवसः मुदेः श्वरः रूनः नवरः ने श से : वृन् वशः वसुरः सन्देः श्वरः स्वरः वा ·ॶॖवाशः क्रोद्रः वर्षे सः संस्थिदः पुः वाश्या विद्यः प्रे। वाद्यः युदेः सर्क्येवाशः स्वरः देः विदः ग्रीः स्वरः स्वरः स्वरः याः स्वरः देः होः म्क्रीयाश्वास्त्रात्त्रम् वस्त्रस्यन्देरस्य मुद्देन् भ्री त्रेत्रस्य स्वत्य विवायस्य सः स्वत्य श्री स्वर्त्त स्वर् ৠৢয়ৼড়৾৽য়ৢ৾ঽয়৽য়৻৸eterয়৾৽৻য়ৼ৻ঀৼয়ৣয়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৢ৾ঀ৽য়য়৽য়য়৽য়ঀঢ়৽য়৽য়ৄয়৸৾য়৾ঢ়৽য়ৢয়৽য়য়ৣয়৽ July 2 marsoqu

ळॅ८.८४८.ची ४.पूर्ट. मी. ब्रेर. भरेष. श्री.र.क्र. क. क्री.व. क. क्री. क्र Meterभे तर त्र दूर वाश्वाप वर्षेत् श्वाप हे शाक्ष अप्याप हो अप्याप हो अप्याप हो अप्याप हो अप्याप हो अप्याप हो अ भ्रेटात्र अप्याप्त वर्षे त्र प्याप्त प्राप्त वित्र (Einstein) वित्र मी अप्यम्म प्रमुप्त प्राप्त प्राप्त वित्र वित् रें अ'ठत'विमामी'र्झेम'यज्ञूर'नवित'र्थेर'य। ॲर'मुदे'अघय'रमार्खर'विर'रेअ'ठत'विमाय'र्बे्सअ'हे। स्'र्सेय'यसा ष्परादाने त्यार्क्षे भाने हि भार्यक्षा अदादाने प्रताह मान्यक्षा मारा दुरावे ना मुस्या के अपने वा का की ना म्वा देवःग्रम् । अप्यादेवः भे तेवः में वेद्रम् ग्रुवः स्वादे वहना न्युनः नु। नुभः नाशुभः वेद्रन्य म्यास्य स्थः स् मुन'मदे'र्भ्भे'त्र थ'त्र थ'म्रुअ'र्से'दे थ'ठत'सेत'यर मतेत्। देवे र्स्य हे 'सूर'पेत'ते ता में र'त्'न अत्र'यरे देवे । सर्कें दाहे। से प्रवेद तिवासर्के वाया स्वत् प्रवास करा करा सर्वे प्रवेद प्रवेद स्वत् प्रवेद स्वत् प्रवेद स्वता है स <u>नुःर्षेन् प्रदेश्वे विवाप्तरः। बे प्रदेश सुवे प्रचीयानुःर्षेन् प्रदेश्वे विविश्व के प्रोक्ष वे प्रदेश के दिन्दे वाप्तरः नुका</u> सक्रसानुःक्षुःनवि क्वे। ब्वेःर्रेवानुःविन्यवे से ने सारो विन्यक्वे सर्वा सह्या यहि सावा न्यानु सारा सहसानु हि विन्ये वा यर अर्बेट य दर्ग के न र्वे अवर दिये वा अर्बे दुर दुर्भेट य वे औ दे अ ओ विषेट की अहु न वा के वेंट में ना य दर र्सेन्सर्वेट्यं क्रान्यार्वेन्सर्वे त्यार्वे स्वाधित्र सर्वेट्यं वित्तर र्ब्रुसासान्त्रीं सार्सेन्। देव ग्रामा। से में माहेसाग्री सेन्यावसामह्यामधिर हिन्यमाल सेंसाहे। विस्ताहेसाग्री हिं र्देर प्रत्याय वित्यामित्र में वित्यान के मानि का मानि का मानि का मानि के मानि के मानि के मानि के मानि के मानि नगःविशानिशःसकें प्रेतःविदा नगःविशास्त्रवादाः भूतानाप्रेतः प्रेतः प्रेतः न्वतः नुसाना विष्ट्रसः भूतः त्राप्ते र नडुवे नर्द्व ग्विम संदे में या विवाय क्षेत्रें र हो र र हो वा दे वम सूर दें र के नडु म पह साम्री र या पहें र नर मदे दें त्युन दे त्यश क्षें ना श्रे मह त्ये है त्र सें त लेश मदे युन दें त दे ह दे त खेत से नाम पें हश यान श की श विश्वासेत्र द्वाराने नियान् श्रेशासीता सम्भेशानात्र सर्वे क्वारा कर्ता है वार्त के स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्व द्ये क्लिंक् अप्यमायमें द्यापा क्षेत्रा स्वापादीय स्वाप हेत'यहुर'वी'रेवार्य'य'र्रा ध्वापर्यं सर्वेत'र्ये सुन्ये प्रेन्ये या स्वाप्यं स्वाप्यं स्वाप्यं स्वाप्यं स्वाप्यं <u>८८.सू. भट्ट. कृ.चन्ना त्यमायी.समायास्याष्ट्रयामायादु । विटासमायास्यमायासम्यमास्यम् भ्रि.स्रेन्यम्। विटासमायाङ्यास्य</u> न् हेंग्रथ होन् हो स्वन्य प्रेन्य विवान् वेषा वन्य यादेन्य विष्य प्रेन्य होन् होने से स्वन्य होने होन्य से प्र म्बर विमास्रे अविर विमायदे करे था वर्षाया वेशस्र हिमामे अवन्य सम्बाध स्थानिमाय अवेर केरा दिसारी ग्वन्दिन्ते ग्रांन्द्रभेत् चेत्र्ये कुर्वेत्र स्वाद्यात् विष्यात् विषयात् विष्यात् विषयात् नन्नार्यास्तरम् ने न्दास्त हिन्दानहेत् यद्यास विद्यानहेश हिंश निवेदे न स्वान विदेश हैं सहेश हैं यह ना सास

y calification as the

वर्चरःश्चेन् माने। वरामा अर्था कुषामा श्चेति व्यक्षावर्ष्य साने राष्ट्रा मिने सामित्र स्वापित सामित्र . युन'यर'से'निबेर'री दे'गिहेस'ह्स'सु'युन'ति वेरि'ग्रेस्य'दिने'सर्केत'गिहेस'यदे'से'पेर्वर'त्रर'द्र्या से स्वित् <u>નુ : બૅન્ડ્ર સે : ને : ન્રદ્યા</u> એ : વર્ષે સ્: ક્રેલે : નૃજી ત્યાનુ : બૅન્ડ્ર સે : ને : વર્ષે સ : સે સ્ટ્રેન્ડ : ફેન્ડ્ર : ફેન્ડ : ફેન્ડ્ર : ફેન્ડ : ફેન્ડ્ર : ફેન્ડ सर्वेट रहेल महिना पार्ट्य राज्य मिन्य मिन्य मिन्य सर्वेट सर्वेट सर्वेट सर्वेट मिन्य सर्वेट सर्वेट मिन्य सर्वेट सर् महिकार्थे सहस्राधीत प्रति काराधीत। कुं क्रेत स्वत्यु से तर्पति प्रति प्रति स्वत्य स्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य र्विराचा अप्यवेदाशे तेदान्ती भूपवेर सर्गावि धेदामा श्रें या से नामिया या स्वर्गेदार्थे सुन स्वर्गेत र्बेट हें द ग्री क्ष न दिन देवे व के के व्हाय है। देद दुर्भ ग्री कंद देवा मादिर के शख़्वा मादि न वह वा क्ष न म सरीय.री.कीर.लूरी सम्यूर.मी.मी.मीय.की.रहूरायक्षेय.कूर.केर.की.की.यायाध्यरायधारी क्रूरायरायीय.याया.हेय. द्युदःसःभेतःपदेःर्केशःस्दःमुःचदंसःस्दःसळंतःयःवेग द्येग्।राधेःगान्दःसँसःच बुदःत्रशःभेदःहेतःग्रेदःतः र्भुंद्र-५-७८-छन्य अके स्री वियान रामु के दे के या दे दे रहार विदाय सामाय या विया या विवास विया विवास विवास वि क्रेव.य.चू.यर.स.चरी लेज.२४.टूस.यंश.संस.री.ट्री.रा.तु.हु.सैट.ट्रूर.स.हूंस.तरी लेज.मी.ट्रूस.यंश.रट.मी. नरः गुनः नरः भेरः के यः ग्रेता देयः नग्रामहेदः यः देयः नविदा सूरः नः नरः कग्रयः विद्यासिं विदः नगर्यः वर्क्न् न्यर्प्तर्वृहःवदेः नवहःवीय। विःवहे। क्वेवाःश्चेवा यद्ययः वादया वक्यः यत्रुदा श्चेः क्वेंवायःश्चेदेः प्यरः क्वयः वरुषायायम्यान्त्रम् त्रेत्रचेत्रपदे मुँग्यानेत्रची स्वाप्ताने हिंद्रकेंद्रिः से देग्यान्दर द केंद्रे से देग्या क्रॅंश खुनाश न्दर द क्रेंदे क्रेंश खुनाश हिंद क्रेंदे नाया देश द्दर द क्रेंदे नाया देश वेश दे नशस उद सद क्रंद यार्वयात्यायार्ववयायहेत्राची हेत्र वहोत्याची यात्र अख्याश्चारायां वित्र स्मानित्र सुद्राची त्रद्राची वात्र व्या यात्र व्यापी स्मानित्र स्मानित्र सुद्राची त्र प्राची यात्र व्यापी स्मानित्र स्मानित्र सुद्राची स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र सुद्राची स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र सुद्राची स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र सुद्राची स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र स्मानित्र सुद्राची सुद नहेत्रपर:रट:ॡ्वाश:ब्रुन:पदे:दें:चेंर:ब्रुन:पदे:खेंवा:हेंवा:खश:ब्रुट:नर:अविश:पदे:वाशुट:क्वेंश:शु:वाशवा सर्वेदःर्रे सुन्तु कुनः कुन्ते राम्य हो दाने दाया वाराय हिन्द निक्र मान्य हिन्द निक्ष वाराय हिन्द निक् त्युम् । नार यः क्रेंद के द से 'तुर ना । दे त्यः बसमा उद 'तुर से 'त्युम् । विमा द से द से से से सामा धुवान्तीः देशाविष्वसारम् मुनरम् मुनर्भवे प्रदेशमें द्वार्षसाधम् स्थेप्रमानसावसाये वर्षमान्त्रा वर्षमा देवा हेवा য়ৢ८ॱ५ॱक़ॗॱ८८ॱढ़ॼॴॹॖ। ॼॱॿॖ॓८ॱॺॴॴॶॴ ॴॿॺॱ॓ॼॱढ़ॾॺॱॿॖ॓८ॱऄ॔ॴॴॿॳॴढ़८ॱॻऄॣ॔ढ़ॱऄ८ॱ५ॱढ़ॎॾॕॴॱॶॴ सदसामिद्रिन्साद्रशास्त्रम्। रदामी मिहुमासदे क्रुं क्रुंदास्या हुंग्रस्य मुत्रानु न सुन्नि न दे सूराविश जुर्यत्त्र्यात्मीया क्रि.दर्यस्तर्टा ये.युर्तात्मरायाश्चिता याचलायी.दर्यत्तायुर्तास्यस्यस्य वर्तात्मेश्चरस्य अ व्हेंगाः भ्रे नुभायम् सं वत् दे वस्य अरु न व्यास्ति व्यास्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय विषय निव नुःश्रास्त्र अप्तर्भावस्था स्व देना याना ने दुः तें व र्या व ता व र स्व देन प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्र रेपार्थाः ग्री-ग्रुवाकः यवाकेर विशुरावाके प्रायदे प्रदानिका किया हो विश्व मित्र विषय माना विश्व प्रायस्य स्वर् र्ट्स्यात्रयाञ्चनायदेःग्रययाञ्चेत्रः चुर्या देवे दर्चे दर्यादेवे क्वें त्यायार्थे यायरार्थे दायावे वार्ये वार्ये वा y charles dans 64m

द्रान्त्रान्त्रिक्षान्त्रिक्षान्त्रिक्षान्त्रम् विवाक्षिक्षान्त्रम् विवाकष्टिक्षान्त्रम् विवाक्षिक्षान्त्रम् विवाक्षिक्ष्यम् विवाक्षिक्षम् विवाक्षिक्षम् विवाक्षिक्षम् विवाक्षिक्षम् विवाक्षिक्षम् विवाक्षिक्षम् विवाक्षम् विवाक्षम् विवाक्षम् विवाक्षम्यविवाक्षम् विवाक्षम् विवाक्

षटार्थे है शानकु दे र्श्वे दात्। षटाकरानर्थे से 'त्राधे ह्याधदात्री सबरा श्रुवा पदे 'तहवा शहें दार्वा । द्यान्द्रेन्यरः क्वें यापवे को तें या (Atom) देया प्रति चुन देव की विस्था खेला न इन्या दिव का । (१६१६) वॅर्ने दे दे हैं 'बेन क्वी 'कंन रेग' प'र 'र 'वर क्वेंर तथा (Rutherford) भे तें अ' शेवा नर निर्देश अंदिर अ' यर खे र्हें अ'(Atom) बे अ'यदे 'यदे 'ह्य' ख्रु 'अर 'क 'यर्चे 'खेर 'खेर 'खेर 'य्ये 'खेर 'या खेर 'यर्चे प्राप्त ' য়ৼয়ৼ৾ঀয়৽ৼয়৽য়ৢ৽য়ৣ৾৽য়য়৽য়ৢৼড়৽য়৾ড়য়৽য়ৢ৽ঢ়য়৽য়৾ঀৼয়ৣৼৼ৾য়৽ঀৼ৽৽ঢ়য়ৢঀয়৽ · शुनाश देनाश प्राप्त प्रहेत त्र श दा खूदे : कंत देना पा यय के रहे शा वहना दश्च दश्च दि । प्राप्त प्राप्त का के या श नह्रवःसः न्दः वार्षे विदेशवात्रवार्द्धवार्देवा नव्यः शुक्र सेंदः नवि से विदेशवादि वा वी सर्वे सिंह् वा विदेश वा न् म्बिन्दर्भे नुद्रम्बर्भार्द्वेश्वर्भात्रम् । व्यानिक्ष्यम् व्यानिक्ष्यम् वित्रान्त्रम् वित्रानिक्षयम् वित्रानिक्षयम्यम् वित्रानिक्षयम् वित्रा सकें सर शुर परे दें व शुन दर नग की भागित भागित महिला न विदास मा शिक्ष मा है। वर सें व के कुट रस परकें र खुना थ से प्यत् नर न भना ने र नहे व सर्गे व में सु सुन से हैं य सुन हो से सामित से सामित से प्र नबेर्-र्सेन्। देव्-ग्रम्। ने-इसस्यस्यम्-नम्बन्यस्येन्-रस्यम्भिस्यस्यस्यम्-नेवास्यस्य-न्यस्यस्य र्भ्भे त्रशानन्ग्रशर्ने तान्यान्यान् स्वान्यान्या प्याप्यान्य स्वाप्यान्य स्वाप्य स्वाप्यान्य स्वाप्या न्यायार। ट्रेंशना बुन्यास्यंया धुन्या क्यों देश विं द्या खूरा क्षेत्र स्था खुन स्था खुरा सदे खूरा ना स्था करा धुष्यःधुष्यःठवःग्रहेशःयवःद्धंवःहेवःप्रवेषःद्धंग्रथःयदेःस्टःप्रवेवःतुःप्रवेदःवेदः। देःष्यदःवेतःवेदःवःश्वःशःश्वरःग्रु येग्रथःपदेः<u>न्धुनःक्रथःन्</u>यया वनश्ययःभ्रःक्वेंग्रथःग्रेःश्चेंत्रश्चेःक्ष्यःहेःक्ष्रःन्धुनःपःग्रुशःपःनेदेःकेन्ग्रीश ग्वाह्न नाञ्चा स्वरे स्टाह्म या हे माया हे समुवा हु त्वे स्वरे स्वर सहें नाया न न स्वर् स्वर स्वर् न स्वर् स्वर y called a larcount

यायर्थः मुंद्रियः यायः यायः स्वादः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वादः स्वाद्यः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वाद स्वादः स्वाद स्वादः स्वाद स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वतः स्वादः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वादः स्वतः स्वतः

षर वि.य. में अपकाशी प्रयास हूं य. प्राप्त होता है। ये स्थान बचा कार विस्तर में विस्तर की कार की कार की कार की क गशुरःर्नः ऍर्शः ग्रेः सबरः बुगानी 'दननः र्से 'र्नः । दरः नदेः ज्ञुनः सबदः नदीः करः ग्रेः क्लानासः ग्राहरः देरः ृष्ट्यात्रे ते देव द्वार स्ट्रेंट हो देव प्राचन विषय की स्ट्रेंट हो देव की स्ट्रेंट हो हो स्ट्रेंट हो स्ट्रेंट के देव की स्ट्रेंट की स्ट्रेंट के देव की स्ट्रेंट के देव की स्ट्रेंट के देव की स्ट्रेंट के स्ट्रेंट के देव की स्ट्रेंट के ૡૢ૽ઌૣૹૻ૽૾૽ૢૹૼઌૢૹૡૹૡૢઽૹૹૢૢ૾ૹૡઌૢૻૹ૽૽ૼૡ૽ઌૢ૽૱ૢ૱૱ઌ૿૱ૹ૽ૺ૾ૹૣ૱ઌઌ૱ઌૢ૱૽ૺ૱૱ઌૡઌ૽૽ૡૹ૾ઌ त्यः र्वे र त्विष्यः त्वावः रे प्लें र व प्यान्यवर त्वावाः रे स्वायो र स्वायो र रे स्वायो । तर प्यान्य र व व व यार बया यो प्यत्या से द ग्री से द उस विया सदस कु स द र है। त्या सर्वे स खुद से द र पूर्वे प्याद दें द सह द से वह वार्यास्य विदेश के स्वतः हिन सेन प्यान्य स्वया संविधा है। वेन प्यान स्वया स्या स्वया स् <u> न्यांची नन न्यांची नन न्यांची व्याचित्र व्याचित्र म्यांची कर मुक्ति म्यांची कर मुक्ति म्यांची मार्थिया विश्व</u> *ज़ॖॱ*ॻॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॻॱय़ढ़ऀॱॾॖऺॖॖॖॖय़ॱॴढ़ॗॱज़ॖॗॱज़ॖॱॿॖऀॴॱॻॶॸॱढ़ॸॖॖॴॱॻॖॸॱऻॎॸ॓ऄॱढ़ऴख़ॱॴॸॖॴढ़ॊ॔ॱक़॔ॱख़ॴॴढ़ॸॣॴ हे। रटःक्रेःब्रेःक्ष्र्या द्रव्यःब्रवःब्रिंग्याःक्षेःकःसेट्रट्रम्याःभ्रट्रवेगःकःसेट्रक्षःवुःवःदेवःदस्यानदेवःवदेःक्षयः ॱॹॖॱज़ज़ॸॱॻॾॱॸॣॾॕॴऄ॔ॱॸॣॾऄॕॣॾॱऄॖॸॱॸॣॕॿॱॺऻड़ॺऻॱॹख़ॺॱॴॾॱॺॱॼॴॸॱॸॣॕऻॱॿॕॎॖॾॱॹॖऀॱॹॗॱॾॹॾॹॱॿऄ॔ॸॱॺख़॓ॱॿॕॗॱ भूरःग्रीःक्षःतःसवरःव्यापारे भ्रेसःवेदःहरः। र्भेःगशुस्राग्रीःग्रुप्तःग्युदःवःनेदःशुम्यःमेदासःवेदस्यास्येदःपस्या क्रैंदर्भन्दरम्बद्धदर्भन्यः प्रत्राचित्रम्बद्धर्भन्त्रमञ्जीत्वरुष्ठः श्रीत्यात्रम्बद्धम्बद्धिन्त्रम्बद्धम् नह्रम्यार्श्विरान्ध्रन्त्राचेरायादी। भैमार्थेराउदार्ळेश हे स्रवे देन चेराक्ची ह्यन्यरायादसायरान्ध्रन्थे नर्चेन यःक्ष्रराधेवःस्रशङ्क्ष्वःसदेःवानुस्रादिःषःसुःविवाःधेनःहेव। दिरःवारः चवाःवीः वन्वासेनःग्रीःर्नेवः स्रम्यः क्रुसःसः ૹૄ૾ૢૺ[੶]ૡ੶ຆ**ૢૼ**૱ૹ૾ૼ*੶*ૡૢૼ૽૽ૢૻઌૻૹ૾ૡ૽૽ઽ૽ૺૡ૽ૼૹૡ૽૽૾૽ૹ૽૽ૼૢૹ૽૽૱ૡ૽ૺ૱ૹ૽૽૱ઌ૽૽ૺઌૢૹ૽૽ૢ૽૱૽ૼૢઌ૽૽૱ૢૡ૽૽૱૱ૹ૾ૢૺ૱૱ૺ वैंटा देंगाने सम्बनाने दे सून हो न तु वाय वाय सम्बन्ध न स्वाय स्वाय स्वाय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स , सु: भ्रेन् अ: त्रेन् : नरु अ: ग्रें अ: न्याः न्याः न्याः विनाः अ: देशः विनः क्षः यः न्याः न्याः न्याः विनः क्षेत्रः क्षेत्रः विन्याः विन्यः विन्य धेव-संदे-दर्नेन्-स-र्श्रेन्थ-स-स्नुन्-स-१५:हुन्-माठेना-तु-नश्रेय-दन्ना-स-दे-इव-स-इत्य-तु-श्रे-मावय-संदे-हन्यय-हे। कं'विश्वयाद्रमार्सेदे'र्से'वर्कयाम्की शांचेदायवे'से'सून्। हमा'तु'विन'कदे'माद्रन'स'कंनायवे'वर्केयामात्रसावनवः विवाः भ्राप्तरः हो ८ दे। । वारः ववाः वीः वर्षाः ५८ । वारः ववाः वीः वर्षाः से ८ दरः । वारः ववाः वरुषः छीः देशः वहे दास्वाः ग्रेग्'तृ'तुश'मदे'सुर'र्रे । वक्कु'य'सदश'कुश'म'सुश्राद्युद'र्सेट'त्'दर्देर'मदे'ग्न्'वग'गे'न्न्ग्'सेर्'द्ख्य' <u>२८१ मट बन ने अळं र मों १ ५६ मा र्ख्या से मार्था सुर्थ मार्थन । यह ने मार्थ सामित्र से स्थान सुर्थ । यह से स</u>्थान वह्रवारायायायायायायाव्यक्तार्वे वियानेराववरा ने यरार्ह्मे प्वतायास्त्रेन परास्ति है। ने वि निये रावा यास्त्रेन वी से वस्र राज्य के प्रति प्रति व के वा क्षु मान्य प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति व विष्य प्रति प y charles dans 64m

यटार्वि:रे। वेंट्रश्र्र्रेन्यश्याद्याद्याद्ये पर्वेद्याया के श्राया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या इसराग्रीरादी ८२.५९६ व.मी.लीय.रे.मी.र.सह.८८स.चटवा.टे.स.चस्वारात्विता.ट्रा.सूट.च.५च८.खेवा.तस्य रेवाशम्बर्गस्वाश्वरदि विशर्रेशम्बर्गस्व प्राप्त विश्वर्षेत्रम्य विश्वर्षः विश्वर्षः विश्वर्षः विश्वर्षः विश्वर न् प्रदेशियाने पार विषयित विषयित विषयित । स्तर प्रत्या के या वा प्रत्या स्वर्थ स्वर क्राय या में विषय स्वर्थ स र्दे सूस्रात् भेराया होता मारा वर्षा की मारा वर्षा से पार के स्वार ळ८.स.ट्रे.चीट.चचा.ची.चटचा.भूट.ट्रेचीश.दश.चीट.चचा.ची.चटचा.वट्टंच.श्रेटश.स.ट्र.ट्र्यं.लूच.चुंचीश. स्वे वर्देन सम्बर्गेन केटा ने नवावा भ्रवस्य विं दरो वावा श्रेन सेवास सवे वर्शे सूरसावसा वे दर्श विवा धिद ळे। यट बया यट्या सेट ट्रेंस यहें दारे यह दीया हु र्सेय या या पेट्री यट्या ट्रायट बया पेट्र सेट यह या ट्रायट योर्नेट.र्भःक्रेट्रक्तःस्रेट्रक्तःस्यान्त्रः यान्त्रः त्रमास्यान्तः। स्यान्तः दक्षेत्यःसः विस्यान्यः हेत्। हेःस्र स्रेव'व'योवे'योर'र्'प्रेंद'स'दर्' द्धय'हे'यूर-पेंद'स'वर्षय'व'रे'य'से'ह्नेत्। दर्वे'वद्यायों'सूस'सदे'वस्राह्नें दे'विद्युत्य'न'न्द्र-न्वन्य'वहें त'धेत'त्। द'सेन्'न्वन्य'सेन्'स्रूस'यदे'न्यस्य'र्ह्हें ने'स्रन्'स'न्द्र-वन्य'सेन्'र्ह्झेस'यदे' र्ह्वे 'भेव'न्वे मा ने 'क्षून'व'न'न्न्यन्या सेन'न्वे मानेना ने 'य'यर्नेन'व'न'सेन' हेन्याप्र हिन्ना रूप् भेव ह्य न्वीं अर्थे । विश्वर्थेवाश श्रुम् । क्षेत्राची न्वर्श्वर्था स्तुं वरकम् निष्यां वर्षा श्रुवर वर्मे वाश्वर्या स्वर्या स्वयं स्वर्या स्व सद्यः दर्श्वेत् अद्यः ५ क्रिं रामवितः मान् ५ क्षिः छ। प्रमार्थः प्रमारा । द्रमारा विकास वि वन्यासेन् वर्क्षेयाक्षेत्रामार्हिन्या यानावयायो वन्यासेन्ने यानायार्देश वर्द्धेत्त्वसा बेश वर्दे त्या नन्यो।वस न्नरः भूरः हो र क्वें वारः वना की वर्ना प्यें र प्रायः देश यहें त वेरः कुः यश वें श्रेता वारः वना की वर्ना से र कुया नङ्खःनङ्खःनवे अवरःग्रारः वर्षाः मे 'नर्षाः धेर्'र्यरः ह्रेर् 'वेद'वे प्रारः वर्षाः मे 'नर्षाः भेर'र्दे 'सूस्राधिः नर्षाः स्रेर देॱबहुवःचःदरःचद्वाःब्हेंद्रःधेदःद्वेंश। व्यरःच्याःवोःचद्याःधेंदःश्रुधःबदेःचश्रधःक्वेंदेःखदःधःदरःचद्याःधेदः र्झें अप्यति र्झें प्षेत्र प्रते वा ने १ क्षुत्र वार वाया वी वित्वाया या स्टर वहीं त्र श्री प्रत्य तु श्री स्व नीटा देख्यदायर्देन्चेराम् हिंद्रश्रीशाद्यादारम्यायागुनामुम्बर्ध्यायायार्देवाकेन्द्रश्रीयादेख्याचेययासु स्रेग्रयायायी खुग्रयाया ने प्रमाया न कामनयासेन खुः मुग्रामीया स्रुन्य सुः वहीं मानवायायाया हिन् सुः प्रोमीया स वर्द्भे नर वर्दे द दे | विदे द्वा के महत्व क्षा से द सवे महा नवा मी नदमा दहा। देश सर द प्रेंद द में शास वे नहेंद

ड्रोट्स स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्य

क्रिंश-तहिं क्रिंक्ट्रिक्ट क्रिंग् क्रिंग् विचान्न अर्ट्री चालम् अर्ट्ट स्थान्त क्रिंग स्थित क्रिंग स्थित क्रिंग स्थित क्रिंग क्रिंग स्थित क्रिंग स

चन्द्रात्मा क्षेष्ट्रात्मा विकास क्षेष्ट्रात्मा विक्रात्मा विक्रात्मा विकास क्षेप्ता विकास क्षेप्ता विक्रा क्ष विक्रा क्षेप्त विक्रम्म क्षेप्त क्षेप y colling to Marco 4m

न्याः प्राचित्रः याद्वेयाः यस्। विकारिते अपाने स्ति याववाः यस्याः प्राचित्रः यस्याः स्ति विकारितः स्ति स्ति स विरासक्र रहताने क्रिंग्या सरायर असे रायदे प्राचा पारा विचा प्रत्यास सुन्त स्वा क्रिंग प्राचित र विकास से साम क र्केना सम्प्रत्ना समाने छेन प्रेन स्वीम नर्गोन स्वा नाया है समा कुन की प्रवेश में स्वीस केन साधित स्वा हिन सुन सप्पेदार्दे लेशनहें दाळे दर्दे सूस्रायदे ह्वें स्ट्रेश रायदे दिया कर्ते प्राप्त क्वें दा स्ट्रेश के दिया के स् नर्हेन्के। श्रुनशन्त्रवशन्तात्यासेदासूस्रायदे र्ह्वे श्रुशायानेदरायनेदादहेदा हेदे से मासेदा ने प्रविदादने तुसा यः भेतः बेराना हेन् स्वा नुसाया भेतः त्याबदा है बिना पीता नुसाया पीतः यमा स्वा स्विनः भूसाय है हैं हो प्यमः नुस चदेःचनेतःवहेंतःधेतःक्रीःळन्।सःगायःधेत। नेशन्वित्रंचन्यांगीःख्याश्यःद्वन्तःक्रेंत्वाशःद्वन्यःक्रान्यः ८८। क्वॅ.टे.व.४८२७वाराक्षे.२.स्ट.क्वॅ.क्वॅट.क्वॅवारायविवायदेवादहेव.२.५क्वॅ.वरायदेवायसायासस्य वेशा श्री विदे प्यर यह राजे द्वावा राखे वाजे वाजे वाजे हो हो हो है वाजा से वाजे राजे वाजे वाजे वाजे वाजे वाजे वाजे व र्रे दशन बुर है। देर शर मी में मा ह्यू दे कर किर हो में पदे खुर दे मुश हैं हे दे हो कर ही नर दु विन दु हों में <u> ५८.२.चू.चर.५ची विश्वाच्या पर्न.२वा.चूश्वास्त्रास्त्राच्यास्त्राच्याच्याचात्राच्याः च्याः पर्वे विश्वाच्याः च</u> श्चर्र्यश्विष्यश्चर्यः स्रुयः पदेः श्चेश्वर्यः स्रेट्रिन् देश्वर्यः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स्रुवः ૄ૽ૼૼૺૢઌૢ૱૱ઌ૿૱૱ૼૡૺ૱૱ૣૼઌૹૢ૽૱ઌૢ૱૱૱૱૱૱ૢૺઌૣઌ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱ઌ૱ૺૺૺૺૺ नायाने मुत्रासासाधीत पार्विन याद्विन मुत्रासर्दे विश्वासी पार्दे दानसार्दे या श्रुवासा सुरार्श्वेत पेत्रार्श्वे पत्रासासा विं त्यः से 'चर्चे द्राप्ते 'विं ह्यें से अ' स्वते 'क्रें द्राची अ' स्वंद 'सं 'तु वा अ' से 'र र र पे द 'द्रापत 'ये द विं त्यः से 'चर्चे द्रापत 'वें देशें के अ' स्वते 'क्रें द्राची अ' स्वंद 'सं 'तु वा अ' से से द्रापत 'ये देशें द ळेर'व्यूर्र'न'त्र'। हेंदर्शेरशश्चरश'चंदे'त्य्'नर्हेश'च'दर'सरश'क्वाश'सेंपश'ग्री'ळंद'स'वेद'हुसे'पाशव'न' श्चाक्त्राचार्यात्रम् । यद्भावत्र मुद्रास्य स्वित्रस्य विवादाहित् मुद्रास्य विवादाहित् । वहें तुः क्षे क्षें अर्देत् नु क्षु र है। द व्यानि से नु क्षें वर्देना क्षेत्र से में शामिश लेखाना व्यवदार्देश से नु नु नु नि से वि ८[.] त्योदादे प्राप्ते वा प्रक्रमः विदाने 'ॲप्रायमायद्देव' स्वेद 'स्वेद য়ঢ়য়ৼ৾৻ড়ৢ৾ৼয়ৡ৵৻য়ৢ৸৾ৡ৾য়ৼয়ৼ৸৻ঀ৾য়৻য়৾য়৸য়ৼৼ৾য়ৼ৻য়ৼ৻৸য়৻য়ৢ৻য়য়৻৸য়ৼয়ৼয়৻য়ৼঀ৻ঀ৾য়য়ৼ৸য়ৢ৻ भूतकाः में प्रेकाः तम्मकाः विद्यायाः से न्याये स्वत्या से स्यायः से त्याये से तका से तका से तका से तका से तका स क्रुअप्ययम्बर्भार्यते क्रुन्द्राळन्याम्बर्द्रव्यायोन्यययार्षेन्युम्ने अप्ययाने उद्यन्त्रम् मुक्यायेन् हेन्यु র্ম'নম'র্মেপীযা

धरविंद्रभे हे नद्वंद्रक्ष्य स्त्रम्था स्वर्थका स्त्रम्था विषय स्वर्थित स्त्रम्था स्टास्य विषय स्वर्थका स्त्रम् स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्वर्थका स्त्रम्था स्टास्य स्वर्थका स्त्रम्था स्त्रम्य स्त्रम्था स्त्रम्य स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्य स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्था स्त्रम्य स्त्रम्यस् y colonial and soft

यायदी र्दे राजा बस्य या उदा श्री इराजा धीता धीं दा श्रादा ने दा प्रस्ते दे प्रदेश दिस्य भी विवास के या श्रादा है दा कुर से दा र्षे द्रायहार त्रायहार विवादहेवा हेत्र शुराया प्रत्या प्रत्या प्रत्या के का से द्राया प्रत्या प्रत्य प्रत्या प्रत्य प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प् ने र्रायम् वर्षेत्र ने व्यक्ते वर्षेत्र मुनाने से नामराहें गुना मुनानि सातु सासु उसासे नाने विकासे नामि स्थाने नवे क्वें डुर डं अप्पर भे विवाय पवे हो न वेन वेव हैं वा क्वें क्वें नय हैं नय हैं अविव में विवेश वार इव हुर हुय हैं सरदःरेशक्षात्रभः भ्रूनः वर्षेवाः ववाशः शुः वश्चुवः पदेः खुवः चुवेः वरः नरः विवः चुदः व। नः क्षानरः श्रेः भेः वशः वृवः वर्षः र्रेन या बुना यदे नर अ विन नव्याविन हैं पर्वे नविन यदे नर्रे अ र्षे न नव्याविन से विन से स्रीति য়ঀঢ়৾ঀ৾৽ঀ৾৽ঀ৾৽ঀ৾য়ড়৵৻য়ৣ৾৵৻ঀৼড়ৣয়ৼ৾ৼয়ৢৼ৻ড়৾ৼ৽য়৽ঀয়ঀ৽য়৻য়ৣ৾ঀ৽য়ৢ৽ড়ঀৼ৻য়৾য়৽য়৻য়ৢয়৽য়ৢৼ৽ঀ৾৽য়৽য়৻য়ড়৾য়৽য় के प्यर से द दे। है : भ्रद द्वा येवार वितर देव दें के वाहेर यथा येवार वितर स्वर संवर हैं हैं राधिरा वित्ये ह्मुक में राने 'क्षु' सेवा कि 'सदे 'देंन 'बेर 'पर 'वा विद्यूत में दि हैं । सुराने कि सार कि स यंथा ल्या स्त्राप्त में स्त्राप्त है। में म्यापा स्त्राप्त प्रमा स्त्राप्त स्त्र स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्र स्त ढ़ॕज़ॱय़ॺॱॸढ़ॱॵढ़ॱढ़ॏॴॴ॒ढ़ॏॎॺॱॻऻॶॸॺॱॸऻढ़॓ॱॸॕढ़ऻॎॕॱढ़ॸॱॷॸॱॸॺॱॾॗॕॱॻॖॱढ़ॸॱॸॕॱऻ<u>ॾ</u>॓ॱॸॸज़ॱढ़ऀॸॱक़ढ़ॸॱय़ॕॺॱ र्षेद्रायाद्रायदेवानुवानाहेशायान्त्रियायान्त्रायान्त्र्यायदेशे देवानावस्यात्र्यान्त्रायान्त्रयान्त्रयान्त्रयान हिंद्र^भीर पेंद्र प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के साथ हिंद्र प्राप्त के साथ प्राप्त के स्वाप्त र्रेशःदशःबुदाःपदेःळेंशःदुशःश्वयःब्रीःश्वःडेःठंशःदिवाःवादवाःवुशःदःवदेदावःळःळंदःब्रिंदःवःश्वेरःदेशःपदेःश्वेदः ग्निनः र्हेग देःग्नव्याः सरसः तुरुषः दः प्रेन्यः द्रान्यदेवः ग्रुवः ग्रिष्यः ग्रीः श्रुवः सरदेशः स्रेन्यः प्रेवः सर्वाः सः गर्भेन्।पर्वे कें र ने भरे धर में अकेंन्ने । धेंन्यन्य न्यान्य हमान्य भे हम ने ब होन् व्यान्य भे व्या ही ८८. में में यो में में प्रत्या पर अर्क्ष पर हैं। अर्क्ष में में प्रत्या अर्थ पर से में प्रत्या से प्रत्या से प न्हें अप्पेन् किन् क्वें निर्मेन क्वेन क्वें अन्यविष्ठ अप्पेन अन्य है। पेन्न क्वें अन्य क्वें अन्य क्वें निर्मेन क नवे न्नर्यो अन्नव्या दं अअधि नम्म धुया सरायी केंन्य खुया अधी में अवश्राया नम्म नमे नमे नम्म खुया खुया धेव। हिंद्रशोश तुस्रमः कृतुः र्त्ते वार्वेद्रसेद्रादेश्यासः कृत्यासः स्मान्त्रमः उत्तर्त्तः स्वान्यासे द्वाया से विष्या से स्वान्यासे स्वान्यास षरः सः सुर्याश्चरः सः सन्। देः र्ह्वे विर्देत् सेत् ग्रीशः नविषा उसासम्। कृतः समा ग्रीयः संस्था स्वरः स्वरः समा मुँचार्याक्षात्तर्यात्त्र्यात्तर्यात्रम्यम् भूष्यायायात्त्रम्यात्तर्यात्यस्यायात्त्रम्यात्रम्यात्रास्यात्रा ૹ૽ૼૹૹૢઽૢૢૢૢૢૢઌૹૹ૽૾ૢ૽૽ૼૹ૱ઌ૽ૼૼ૱ઽૣૹઽૢૢૹૢ૱ૹઌ૽ૺઽૹઌૹૹૺઽૢઌ૽૽૾૽*૾*ૢઌૹ૱ૡૺઌૢૹૹઌઌ૽૽૽ૼઌ૱૱૱૱૱ नर-वर्षर-इरा ज्यानर-विव-र्रेश-वर्षाय-विवाश-र्रेश-विश्वशःश्चान-त्रित-त्रवाशःश्चेश अर्वेद-र्राः शुः श्चन ॻॖऀॱॸॣय़ॖॱॺढ़॓ॱॿॢॱॸॱॸॣॸॱऻॕॎॺॱॸॖॕॺॱढ़ॴॣॺॱॶऀॴॺॱॸॆॴॱॸॱॴढ़॓ॴॱॻॖऀॴॱॺॿॖढ़ॱज़ॸऻ*ॖ*ॶऀॴॱॸढ़ॎॱॸॕॴॹॗॸॱॸऻढ़ॱक़ॕॴ॔ॵ <u> २</u>६ॅश:ऍ२:वाद्रशःशुवाशःथःवातुवाद्रशावशःखेद्र:चु:घवशःसे२'सःव5्सद्धंदशःसु:वाद्रशःसरःवासुदशःसशा व-रने-भूग-भूग-भूग-र-अर्बर-वर-वशुर-र्स्।

y vigligitz Marco4n

यश्चमायाश्चरात्वर्यात्वाच्याः विद्यात्वाच्याः विद्यायाः स्वान्त्रात्वाच्याः विद्यायाः स्वान्त्रात्वाच्याः विद्यायाः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्याः स्वान्त्रात्वाच्याः स्वान्त्याः स्वान्त्यः स्वान्यः स्वान्त्यः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्यः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्तः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स

देवे सुर वें वा हें वा स्वेद सें वका समिद सें दारी दार्दा का सावीं दाले स्टा उद सी से विवास हिंदा रूटा द्या यार्वेरश्राप्ताः क्वेंप्राध्ये प्राधित प्रवेश्यव प्रवेश क्वेंप्रोधे स्वाधित क्वेंप्राधे प्रवेश के प्रवेश क व्ह्यायदे:न्ब्रुट्यां क्री:यत्राद्मायाविद्यामातुम्यायात्रम्यात्रम्य व्याप्तात्रम्य विद्यायात्रम्य विद्यायात्रम् ळं ५ चें ४ १९५ वा प्रस्पान १ वि ५ के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ त्रुवासवे द्वरासे त्रुवाद्वर विश्वावका शुवार्षे दार्दे के वा वा द्वावा साथे वा सुदावी खुवा दु द्वावा स्वरासे व ह्नायम् वर्देन्रक्रम्थाते सूरामि सुमादमार्थे उत्तर्शी से निर्म वक्रवार्थे वक्रवार्थे विमासर ह्यान विस्वावा वर्दे महुनामी अम्बर्भ नुभाने। क्षुमुन क्षुभ वर्तुमाम दे ने नश्चार हन श्रम्भ न्दर हेद वर्त्रे वर्षे न स्टर्ने र से वर्तानामा श्री र ले स्ट उद मी से लेगाया मिंद रर द्या में र्षेना हु ले स्ट वर्म र पेद समा पर दाना वद मी र्वेनाः तुः लेः सूरः यर यः यो द्या ले यः द्वेः दान् ना तें र्वेनाः तुः लेः सूरः यर यः यो दाः वेरः देयः से द्या भे त्युम् नायाश्चेन न्यां वे अप्तरायानार्देन या श्वर्याया ने वर्षा नार्देन श्वराया के प्राया ने अप्याया के अप्याय देगा-दूर। र्क्ट्रेव-दरावस्या-मुदायका-सुरावदेशकायन्नेवा-क्रियाका-सुनुदान्वदायाः अविकास्या-स्वा-स्वा-स्वा-स्वा-स नविव मुक्ति सम्बन्ध निष्य स्टर्स हिन त्य द्वर बन ग्रह्म ने मार्थ सुरुष सदि मान्त्र साधिव स्रुद्ध साविमान स्र स र्बेर पर्वर मुन व वे स्ट रहर दुर दुर वर्षे न र्हेर चुन प्येता दे भूत दु। स्व स्व म् र स्ट पर्वे प्येता साम स्व म्बेरखेट सक्त प्रमेण हें र नदे हैं ज़ियायय। देश द म्बर्ग यह देश ख़ुश दर मुर्बेद स केंद्र हम देश दूर देश <u>ॺ॒</u>ॸॱॻॖॖॺॱॻॖऀॱख़ॺॱॸढ़ॱख़ॱढ़॓ॱढ़ॺॱढ़ॶॕॖ॔ॸॱय़ॱॸॸॱॺॖऀढ़ॱळॸॱॸॖऀॱढ़ॖॺॱॻॖऀॺॱॷॸॱॸढ़॓ॱॺॕॗॺॱॺ॓ॺॺ॓॔ॸॸॱॸ॓ॱफ़ऀॱॻऻढ़॓ढ़ॱय़ऀॱख़ॱ त्यर सः श्रॅम् अः ग्रें हे तः दर्शे यः क्रॅम् अः इं अः श्रे अः यशः हे । यर्मा सरः दश्चरः श्रें ने । दम् । यो अ विकास स्वास्त्र स्वास

र्वि:द:रे। म्राञ्चम्य:ग्री:द्धर:समय:५८। श्रिम्य:ग्री:क:नठय:महिय:धेद:वेम:वर्देर:रावे:देमय:संस्वेय: व। वेशन्यदे केंगशन्य न्याचे मानाशुरशन्द्रमाना देन सुमाशन्य स्यानवेशन्दर में कु के दार्ने पेंदा माया श्चेन ह्या इत इता सेन तु वय की नवेश हेश धेत त्वी नव सार्क में मार्के महत्व से में नवेता हु नव सार्के देवार्यं सप्ते कु.त्य वाधुवा दर्वो र्या क्रु सर्वद दे द्वा स्वद हे क्षेत्र चलीवा ग्राट र स्वा से प्रदे र प्रशास से प्रदे द यदः कुः सळ्द्र न निर्कुः से दः से दः रेत् । हेर् हेर्न । हिंद् ग्री श्री स्वार्मेद र ही ना नहेद ही ना नहेद ही ना मीर्थामंद्रिमाळ्यास्त्रुप्तंत्र्या विश्वास्यास्यास्यास्य । स्वित्रास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य ग्री खुर समय दर्ग मुँग्रा ग्री क नरुरा गृहेश पीत विगा से नविन मा पीत तथा से त त ने प्यते स दर्ग स्था से र विवायम्ही व्होवासेन् ग्रीसासुन व्होन् होन् यावन् ग्री वामसासाधेन म्सा क्रिन न्येन ग्रीसा स्वाधेन म्हार लार्सिटा वर्षिटाम्स्या मान्याम्यान्यान्याः हिन् हीया मानुम्या ही हिन्यास्य हिन्यास्य ॻॖऀॱळॱनठरूरभे 'नबेन्'रा'धेर्वा धर्यन्रे 'गहेरू'धेर्याक्षेत्र'मेर्ययर'म्बेन्'त्'सेन्'हेरू'सुग'वनरू' बन्द्र' श्चानाधीत्। न्दार्भे से प्रमन्ते। माने से नार्कसानु सामुनामित स्वास्त्र ने मानुमारा मुलास्त्र से स्वास्त्र से स महिरासदरसे प्रम्ति। मिलेसे दर्स, दुसम्बुर, सदे, दुसम्बद्धे देव सुमारा कर्तुमार्स सिमारा कर्मा हेमा हु से द शे. येट. य. यायया. हु स. याट. पुंस. यदु. हु मं यावय. लटा हु मारा हि ट. कट. यो स. हु स. खर. खया से ट. ट्रांवया ही स. निवेश के शाधित द्वारा भेता नाय हे ब्राना से दार दावेद दा हो दार मी शामित है , मावे से दार सामुर हं सामी ह्याचारा विवास्त्रवा विद्यास्त्र स्वार्था स्वार्था स्वार्था विद्याते स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स र्वेर्वर्न् हीना निहेत् ही स् इना नीस निहेना कर स्थूर न दा विसाय दे के नास नहर नहिना नासुरस पर्नुनाया देर बुग्राययययवियद्र में कुं के दार्ग प्रेंना पर दा हुय ख्रु की कम्राहे सूर वर्षण ग्राट कर्ने या थे वर्देर नदे क्रु अळव क्री अळ उव द्वा श्वर मुंचे मा सुरी दु सर नदेव मर मुन द्वी अव। हिंद वा सर्वे कें दु स ऀवेग'नदेव'य^{*}र:ग्रुन'यदे'ॡंय'ग्रे'पॅर'वय। हिंद'ग्रे'सर्वे'र्वेदे'ळ५४४'हे'क्ष्र्र'न्नेग'ग्रह'ळ'तु'स'से'परें बुरा लर. खे. बिया वर्गायर गर्र र विया पासे विराक र र का की क्या र हो से खेर हो र बेर कु से वा वया हो। हे स्था वःत्तुवःर्वे ।वःनद्वंस्रशः हे नसून्व नसूव पायायव वे निशुम्यायासून प्येव स्वेन्। वेव ग्रुम्पियान्व स्वेन् स देशं र्देरशः प्रशः के न्तुरः व्येत्। देशं दः वादी स्रेतः तुः वत्तुरः विषयः स्रेदिः तृषः स्रदः ने वा तुवाशः ग्रीः कुरः स्रवदः विदेशा यादी सेन्-न् साक्षुर्य प्रेन्-न् सेन्-न् सेन्-न् सेंग्रास्क नर्याय न् पर्यन् पर्याय सेन्न्य सेन्य सेन्न्य सेन्न्य सेन्न्य सेन्न्य सेन्य सेन्न्य सेन्न्य सेन्न्य सेन्न्य सेन्य सेन्न्य सेन्य y charles dans 64m

सुन्ध्वा । स्वास्त्राच्याः स्वास्त्राचः स्वस्त्राचः स्वस्त्राच्याः स्वस्त्राच्याः स्वस्त्राचः स्वस्त्राच्याः स्वस्त्राचः स्वस

वित्राचे। क्रिंव कर्र नुषाक्षें निवे खेर वर्गा शासु नु नर्दा क्री प्रह्मा उत् की नर्दे शासे क्रिक्स के निवास कर देर'वक्कुश'सदे'बेट'र्हेन'क्षु'तुदे'र्देश'व्हेत'र्षेट्श'द्वित'ग्रीश'ग्रीद'र्षेत्र'र्षेत्र। नातव'र्ते'कु'नार'की'र्स्क्षेत'द्वेत' इस्रायस्याग्राटाः भुः दुः त्यादीरायद्यायो वित्यात्रस्य दुः स्यायस्य स्वयः स् चरःविवीयात्रयात्रेयात्राः श्रीः यो द्वाप्त्रतात्र विवादात्र स्त्री के अः वेस् श्रुवाः ह्वारके दश्चेवाः या या व दर्भाश्चायमायम् वार्थाः विवास्तर्भाश्चारम् अत्त्वा अत्यवायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स्यायाः स च्ची प्रदेश में भू कें नाम प्राप्त के महमा मार्थ के नाम के नाम के नाम प्राप्त मार्थ के नाम प्राप्त के मार्थ प्राप्त के मार्थ के नाम प्राप्त के मार्थ के नाम प्राप्त के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य यर विश्वासी इशायित र विश्वासी देवायाही वियानाभी वहिवा हो दारा गाना भी वहिवा हो दारा वहिंया से प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप्त हो से स्वाप्त हो न र्भात्यः व्हें श्रासे प्रते श्रास्य त्यूराम् शर्मे व्हासु प्षेत्र स्वाह्म राष्ट्र श्री स्वाह्म स्वाह्म स्वाह्म ૹ૾ૼૼૼૼઽ૽૾૽ૢૺ૾ૹ૽ૺઽઃૹઌૢૹૻ૽૾૽ૼૹ૱ૢૢ૽ૺૺ૾ૡ૽૾ઌ૽ૺ૽૽ૢ૽ૺઽૢ૽ઌ૽ૡૢ૱ૹ૽ૺઽ૽૽૾ૼઌ૽ૻઌ૽૽ૺ૾ઽૣ૽ૺૼૹઌ૽ૼૡૹૹઌ૽૽ૢઽ૽૱ૹઌ૱ૡ૽ૼઌ૽ૼ ्यूर्र्स्स उत्रावें त्र शः क्रें प्रहे वा हो द दर्वों शः द दे दर से रेवा शः हे। सहसर दुः क्रें खेटा सहसर द दहे वा पर दुः साया য়ৢ৾৾৾য়৽ঀ৾ঀৼয়৾৽য়ৢয়৽য়৾৻ৢৢৢৢঢ়৾য়৽য়৽য়য়ড়৽য়৾৽য়ৣ৽য়ৼ৽ৠৣ৾য়৽ঢ়য়য়৽য়য়য়য়য়৽য়ঢ়৽ৠ৻ড়৽য়৽ঢ়৽ড়৸য়৸য়য়৽য়ঀয়৽য়৽ र्वेगात्रयाचेरायां सुगा ह्रवाधीवारावर्वे नायरा क्रीयाया क्राग्यरा क्री स्वार्यवाद्वरात्रयायाः विश्वरायां स्वार र्देवःसेन् छन् कःसेन् पोवःवः क्ववः र्हेसःसे मुनःसनः ग्रिंगस्यः विस्यः स्थ्रे सेन् नुःग्रिवः यामनः सन् विस्यः ययर भ्रुण ह्व वित्व भ्रेष्ट्री विश्व या भ्रेष्ट्री से दाया भ्रेष्ट्री स्वर मा भ्रुष्ट्री विश्व से का स या वित्रवेश के नदे के नद्दे त्रम्य प्रमाण विषय थी के त्र देव सम्मान स्वर्ण स्वर्ण के नदे हैं तुन विर्णे कर ही हैं **बुदिः कः दब्चे ८**-५ स्थे ८ न्यः विवाश्यः वर्दे ८ न्य थः कः से ८ न्ये दुन्यः के स्थान्य स्थान्य विवाशः वर्षः व्या <u>५तुःशेसशःग्रिशःग्रीशःग्रिशःग्रातःसःस्वरूपःभितःमशाद्यतःसरःमितःस्यःस्वरःभित्रःभितःस्वरःमितःसे</u> डेश'नान्द्र'य'दनेनश'सानद'दे' ह्द्रानान्स'सानद'र्से हेन्'यश'नाब्द्र'न् से शेस्रश'र्से ।

देन्यं श्रुन्ने त्यने अन्ति विषयं श्रेन् भ्रूनं भ्रूनं श्रेन् भ्रूनं श्रेन् भ्रूनं श्रेन् भ्रूनं भ्

र्ह्वे 'धेद'यर'र'वर्धेर्'य'रेर् । बेर'य'दे 'फ्'ठर'र्दर्गेर्'र्चे 'व'यर्थ'क्व्य'य्थ'य्थ'य्यर्रा'हर्मावर्थ'बेर'य'देवा'वी'र्देश' व्यानम् न्याः स्त्रीताः स्त्राः स्त्री प्राप्तः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्रा यशक्तं नदे देवाशयश्चाहें द्यापद दे शुर्दे दिवाशयश्चे भेशस्व मुं सावश्व मुं सावश्व पहिंद सावहिंवाशयावद व्हिना हेत विदेश विद्या निविष्ट्रीय विदेशीय हिंदा श्री कारी निवास करते विदेश के विदेश कर विदेश |नायःश्चेनःहें्र्यःनडयःळंतःसेनाःवनेःतुनःश्चेनःतन्तुःश्वेःसेनायःसःवनेःवःवतन्त्रयःशुयःग्रमःतुयः बेर-प्रथा ५नुःसप्रस्पे प्रानिहेर्ने के बिगानर्गे प्रस्थित प्रस्था हेर्स प्रस्था स्वरं के प्रानिह के विगामी स्व (वयः ज्ञानाः सेन्: नुः नर्वे अः यः सेन्। विअः यः भ्रान् । हेनाः सः नाहे अः सत्रुनः हेनः क्षेत्रः भ्रान्यः नरः सूनः सेनः हेनः त्रुनाः व्यन् ग्रम् सेन् पार्च प्रेत्र वेश देशपात्र वेश्वाप्तरुष स्थाप्तरुष प्रेत्र से से से से देश विष्य से प्राप्त स ळॅं ८ २८ : कु. वर : ये ८ । डे य : व ये दि य : दे ये : दे ये : ये दे : दे व : दे ये द र्वे नाया ने प्येन न ने। नन्य सन्दे र्सेन न में न स्थान में माने स्थान में माने स्थान में माने स्थान स र्क्केन्-रम्-क्रु-नवस्यः र्क्क् नार्यः सुनः तुः नुनः विनाः विवाः विवाः नुस्यः क्षेत्रः विनाः क्षेत्रः विनाः विवा क्का न्रें अन्ते नामाने वाप्ये तर्मा प्रमानिका हो अन्य हुमाने कु क्रे त्यान्त्र त्या है अन्य मन्त्र स्या है अन्य ৾ৡ৴৻ৢৢৢৢয়য়৽ৠৢ৴৻ৡয়৽য়ৣ৴৻ৠৄ৾৴৻৸য়ৼ৻য়য়ৣ৴৻৸৾য়৽ৼৼ৻ড়য়৾৽ৢ৾৻য়ৢৢৢয়৽য়ৼ৻য়ৢ৻ৠৼয়৻য়৻য়৾ঀ৾৽ঢ়ৼ৻৸৾ড়ৄ৾য়৻য়ড়য়<u>৻</u>ৠৣ नयानेयामें इययान्यम् व्यापेत्रं व्यापेत्रं व्याप्ताया क्रीत् प्रवापा क्रीत् प्रवाप्ता व्याप्त व्याप्त व्याप्त व वर्षाद्यन्ति । व्यत्तिषान् स्वार्थान् । व्यत्तिषान् । व्यत्तिष्यान् वर्षान् । व्यत्ति । व्यत्तिष्यान् । व्यत्तिष्यान्यत्तिष्यत्तिष्यान्यत्तिष्यान् । व्यत्तिष्यत्तिष्यान् । व्यत्तिष्यत्तिष्यत केन्'कु'र्क्केन्'वाडेवा'य'श्मर्राय'डुवा'ड्य ने'य'श्मर'क'डुवा'ड्य ने'ययर'क'य्य'परम्थ'र्यवाय'वर्ययाद्यन् ह्यःशॅवाशःग्रे:वर्ग्यःश्चेंद्रःयःवितःवह्वाःग्रद्धःशेद्वेदःधरःश्चेंशःविव द्वुःशःवशःवद्याःशेदःवाह्रदःयःववेवशः भूनशःरेगशःगन्तः । वर्षाः वीः भ्रें वर्षाः गिः भ्रें वर्षाः गित्रः वर्षे नशः हो दःषः वर्षाः छे । छुटः विः वर्षाः गित्रः वादः वर्षाः वर्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्याः वर्षाः वर्षाः वर्ष त्रवाशुह्रसः त्र्व

देन अहा महिन्द्रा महिन स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत

y charles dans 64m

स्वान्यस्य विवान्य स्वान्त्र स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्त्र स्वान्य स्वान्

स्व.योचयो.ज.रशेर.स.चेश. भूष.योचयो.ज.रशेर.त.चेश. व्य.योचयो.ज.रशेर.याचेश.

लट.प्रिमी भविम.चीय.ट्यां.ज्याम.ट्यायायवट.स्यामा.भविम.स.वि.श्र्या.यांमा सर्ट्र.खेट.व.वी.स.च.वे.ट्रस दशःकंत्रःशःत्रेवाःमदेग्वित्शःश्रदशःक्तुशःश्चेःवाशुदःवःवातृवाःवेःश्चवःश्चरंतःवेत्रःश्चरः। वाशुदःत्रवादःतुःष्यदः ळॅ८.स.२८.क्.२.स.४.ची.४स.चाबचा.२८.१ ६चा४.ल८.२चा.२८.५४८.स.५५.ची.४स.८ची.चा४त.चूर.स.चाश्र८४. नीटा अळव गावि रं अवे पहे गाहे व पळें प्रवे हिंद प्रवर पेंद प्रथा हिर्या शु से प्रवें। वे या पर सूर गार प्रर ॻॖऀ*ঌ*ॱॸॖॺॱॸॶॸॱॷॖज़ॱक़ॖॕॱॸॱढ़ॊज़ॱॺॗॕॳॱढ़ॸॖज़ॱय़ॸऻॱज़ॸॺऒ॔ॱॺॗॆक़ॱॺॱॿॖज़ॱय़ॸॱऄॗॕॺॱय़ॺॱख़ॖॱॺऒ॔ॱज़ॸॺॱख़ॱॿॖज़ॱ यायामार्देन होनान् व्याप्त प्रदेश हेना हेना हेना वित्र प्रदेश हिना होना या वित्र या वित्र या वित्र या धे'दर्जे'नश'ग्रद'स'हिन'स्रे। हमाश'रेस'नवित्र। हिंद'दहेम'हेत'ग्रमशर्केंद'प'स्रेंद'पदे'हेश'दग्रदश'दमे'र्ख्य' र्क्षेट्राचाटा सुद्राची र्क्षेट्रा स्थ्रेट्रा सुद्रा सुद्रा स्थ्रेट्रा सुद्रा स व्हें दर्न वर्ष माया वर्षे दा भ्रेषा स्रावदा की द्वा वर्षो वाषा वही वाषा शुः सुर वा बिवा प्येद प्येट ही स्पत्रा वा बदाया वळें नः र्ह्येट न ने वहिया हेत्र न ने नवे इस्तर वहेया हेत्र वर्ष म्याम्य अर्केट वहर श्रम् विरस्य नर्हे वर्ष के प्राप्त होत्र के न देवा'सदे'बिट्रस'सट्स'क्चैस'ग्री'वाशुट'स्व'द'वाडेवा'ग्रट'सेट्'स'चटेद'द्य| क्वेंद्र'स'स्ट'केट्'ग्रीस'स्ट'वी'ळेट्'र् त्तुःनदेःगर्णः तुरुष्यः अरुषः क्तुरुषः ग्रीःगश्चरः रुपः वहेवः वरुषः वरुषः तुरुः वर्षः क्तुः शेःवरुषः वर्षः ग्री यम् वर्षा अर्दे व्यथा चुर कुन से सम्दार मेना परे दिर्देश में वृः व्यास नक्ष्म स्वाद के तस दुः व्याद स्वाद से द षर:द्वा:चर:र्हेवाश:पदे:बुर:कुन:तु:बशश:ठद:अब्रिक:पदे:षो:वेश:र्वेश:र्वेन:पर:शे:वुशःर्शे ।दे:वशद:ब्रुव:शेद: यदे नुरः कुन वर्षेन प्रमः नुः नदे नुरे ने नायदे प्रमे वायदे प्रमे वायदे व। यर्थःक्रुयःग्रेःमाश्चरःस्वःवरःवयःव्ययःव्ययःव्यव्यद्वेः। ह्यद्यःस्तरः। वद्याःसेर्म्ञुवः ह्येदःग्रेःसेष्ययः स नःसृः भ्रुः श्रुनः ग्रेन् ग्रेः नेषायायाविषाः ग्राटः याश्रुट्या स्रोतः स्रमः । स्रावसः या स्रियः सर्दे । स्राटः व स्राटः । अःगर्हेग्^र अःकंन्ःअःन्रःकंन्ःभेवःग्रीःक्यःग्विगःन्रः। हग्रअःधरःन्गःन्रःक्ष्रःभूरःगेःक्रःन्त्रेःग्रथःने y charles for

योशीरश्रात्तराष्ट्रीम् स्वार्शावन् वर्ट्र्याची न्यात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र व्यात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र

देवे⁻सुर-विंत्र-रे। भूनसप्देवे-दग्च-ग्रु-प्य-स्क्-स्य-रेवा-य-दर्श-ने-सेव-य-स्क्-स्य-ग्रुन-यवे-सेवु-देवे-वर देंब हे केंब खुन्य रूप मर वर्ष या रावे यावर देंब वर्ष वी में वर्ष में या सर द्वार देंब पर वे क्षे केंद ग्री: क्रॅं र प्यते 'प्येत है। क्रें प्राय्य द्वी 'प्यें र प्यां की शाक्षेत्र प्राया की की प्राया की प्राय की प्राया मदे न्वर न्वर न्वर के वहेवा हेत से र वी के अख़वाय सवा से के वादी उदे का क्या संस से र वा से ना से ना र्यः द्वीः लूट्र श्रेट्र त्यक्त्यः या व्यवस्त्र त्या क्ष्या त्या स्त्रेट्र त्या व्यवस्त्र त्या स्त्रे त्या क्षय ऍ॔॔॔ॱॻ॔॔ॸॱक़ॖऀॱॸ॔ॺॕ॔ॺॱॸॣॕढ़ॱॹॖढ़ॻॕॗॻऻॱॸॖ॓ॱॻॺॱऄॗॱॻॱक़ॕॹॖऀॱॹ॔ॱय़ॹॱढ़ॿ॔ॴख़ॕॖॸॱफ़ॗऀ॔ॸॱफ़ॗॕॸॱफ़ॗ॔ढ़ऻॹज़ॾॕ॔॔ॸ॔ॱक़ॣ॔ॻ त्यस्य तु. संघतः चारु ची. में हे प्रायः है ये. से संचार प्रायः सुनी हिंदे. की सामी प्रायः में सामी सामिता है स वेशर्च्याञ्चदे त्रदाची वार्थे विषादेशरहे । पदा श्री सद्या स्याः कुः दत्यश्राचे रामादी वश्याः पत्याः वादाः त्रा र्भू भःगाव्य स्वर् न्यू नभाव देवे रव्य भारी क्रियाव्य विषय हो भारा नर्रे भारा ख्रियां भारा हो स्वर् स्वर् स्वर यटार्चराह्मेयात्याञ्चेर्द्रारार्चरा यदा वर्षारायात्र्वात्रार्थात्रायात्रायात्रात्रात्रायात्र्यात्रात्रात्रात्र हुनःग्रीअःग्रादाद्रशानक्षुर्वाते 'द्रिशानकुर्वे 'सेवायःग्रीयावदायःवर्वे द्रायये यया ग्राव्या । भ्लेत्रायम् नासुम्रायाः ते के साम्री स्वायाया के त्या में त्याया हो नासे मान्या मुल्या नाम्या प्राया स्वाया स्व यर ग्रेन् ग्राम् त्या व्यापार स्वाप्य का मिया वर्षे या वर्षा या वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे या वर्षे व ग्री खुनार पोत्र प्रस्ता के रासीत ग्री नसस हैं समें त लेत हुना में है पूर्त हुन एवं से सी निवा नी राग्य से सरा ड्यः अटः वेदिः चरे :चः दर्श्चे वाः वा वायः श्रेरः श्रेरः श्रेरः श्रवाः अटः वे वाः पेरः प्रदेः नवटः नुः चहरः वः श्रः छे : नवे शाः दळें सेन्'बे'नदे'न्ननस'यस'य'नहेन्नस्यदिनाहेन्'धुनानिनेना'हु'बे'दहस'नु'नहन्मुन'न्'ने केंस'सुन्स'ग्री' यस्तान न्या ह्या तुः यहिँ न से सर्या क्षेत्र स्था से स्वाहिया साहे पहिया हे दिया निया प्राया या प्राया क्षेत्र क्रूबाश्चरम् मान्या हिन्दी हिन्सून ही विषय सम्बन्ध वर्ष वर्ष वर्ष स्थाप શ્રુે અ: કેમ્પ્રામ્પ્રમેના ને અત્ર ર્દ્ધ અ: ભુવા અ: શ્રે: ક્રું વ્યાપાર તે : શ્રું કે વા અ: શ્રે: ક્રું વ્યાપાય માને વિષ શ્રું :ૹ૾ૼવાયા:ગ્રી:ત્વરાવિ:મદ:ભુવ:ત્રેવતા શ્રું:વાર્ચ:શે:ભૂર.વ.વાંચાગ્રીય:જૂય:શુવ:ત્વરાવન:તર્ગમ:વાંમ:વાંચાયા याः मुखानायर्द्धनः मुः र्श्वेर्यायान् वीयाः यायाः श्रेन् स्रोन् सदोन् नन् नुनन् नुनन् स्रोत् स्राधान्य स्राधान त्वरःक्षयायेःश्रेरें

है अपन्ति न्योत्य ब्रम् क्षेत्र नवार श्री वाय्य नश्री वाय व्यक्ष क्षेत्र नवार विषय क्षेत्र क्षेत्

July 2 march 4

र्थे विवानाश्चरमार्थेट श्रुसामदे र्देव प्रयुक्त मी ने स्टेंस श्रुट व्यूम विवान एट मिया से ट्रास्टर से दिन देन दिन स्व खेशत्वराश्राश्राभाश्री,य.वीशालूरशार्ड्च्याशत्वराश्रीप्या कलशार्ना,याश्री लूरशार्ड्च्याशत्वराश्री,य.यहंचा र्बे किन्यंदे से या रोब्र रासे भ्रे निरम्या का प्रांते में या राभी का प्रांते में या रामी मार्थ में मार्थ नरम्या वेशसःभ्रम् न्यस्याविषाःगवदःयःधेः सःदर्हेरः संदर्गे सुशःश्रेश्रशःषः क्रुः दर्श्यः येशयः नः<u>च</u>ुनःतःसुश्रःहेःदंशःकुण्यायःतःसेस्रायःस्टेर्नःदंशःनुःण्यायःविदःकुशःसरःत्रया वेशःसंसूःतुःरेण्यायसः सूनर्भानदे मन् केंद्राय द्वा सुर्भासेस्था ही हेरायेदाद्या धरादास्था सेस्था नद्वा हेदावहेना धेदादानी यदुःर्रे तालटःश्रेश्वश्वावेश्वःत्र्यूश्वःत्रम् विश्वःताः क्षेत्रः ते द्वेश्वः त्राचाः विश्वः त्राचाः विश्वः श्रेश्वशः महिभारी पिंदान्दर्रात्र न्दर्भव न्दर्भव द्वर्भव स्थाय हो पिंदर्ग न्दर्भ से मान्य स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय तुःह्वितःदबेलःदेशःसःसेन् सःन्दः। क्रुःर्ळेगशःग्रदशःर्ळनःगोः खुंलःनुःदबेलःतःनुगागोशःभेः नदेः रेजःनुगःशेलः च्रिमाळे प्रामाया देवा स्निम् स्ने विद्यान स्माया विद्यामा स्माया र्वेशपदे दिरपदे पर भारता है पा के हैं दिया है असी कारी कार है रायन के मान के माने किया है कारी कार है पा है पर *য়े'द्रवें शर्याचित्र कु'द्रायद्रशर्द्धे पद्रेयाचा जुना क्षेत्र कर् सबदा ग्रहे गा हु पदेया पद्रोत्र हे शा शुपदें* विवा ऍन्से न्वें मा सुर्यं से समानन्वा हेन् वाडेवा पेता परे न्वरानु वहरा सुरादनु प्रतेषा सेन् समासाह्य परितास है। हर्तर्र प्रतिहरू कर की विदेश नवर इस मान्यस्थ कर दि ना की कुः र्ळेग्रथः म्यार्थः रूटः भेतः श्रेन् ग्रारः नृतुग्रथः नृरः हेन्। श्रेंग् न्वर्थः भेनः रूटः सेनः हेनः सेटः हेन्। हुः न्यथः ह्वेः र्ट वहवाराशुर्वेट नवे टेरायवायार्थेत्। श्रु द्रेर रचित्र प्रमान हो से विवायी श्रु वियय वास्त सुरा स्वर तु र्ये मदे से 'देर में 'कंद'रे मा म 'बेमा पेद द में र में 'रेमार म देवे मारा मरासा हैं महिंद रेद सुद र से प्यान से द वेदा ग्वित्रसुःविग्वां मेशने प्रदेशे प्रदेशे पर्वे क्षेत्र प्रदानुस्य विकेति से सस्य ग्वित् स्थाप्ते प्रकृष्णे दारेस वनरःश्रेत्रः र्क्षेनः भूनः वनुषाः यन्ते निरंशेतः हुः वन्नः वर्षेत्रः कुः वे वाश्रे विरंशे हो सः विरंशे श्री राषेत्र गुन फु:रेग्र अप्यान्य न्युर विषय ग्रुर खूर प्यार प्याय सारेश सामुन किं त्र या ग्रुन परे कें वा खूरे केंद्र केंद्र विग तुःदेशःमश्। देःवर्षेत्राःमरःळेत्राश्रःळे व्यार्देद्रःकुटःचःकेदःधेदःधेदःश्रेद्। छुटः बदःशःद्युदःदःवेत्राःहेताःश्लेदःश्लेदशः सिवर र्.ज. श्रम् त्या स्वाप्त वर्षेत्र अप वर्षेत्र स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् वर्षाक्षर्षारावे विषावन्षात्रम्। स्टानी महर्षा स्वाप्तात्र स्वाप्ता । माञ्चेते सुषानी क्वाप्ताया । स भ्रे.य.तीय.लूट्याक्र.तम्, विषा क्र.तया.मु.प्राया.भ्रे। लूट्याक्र्यायात्वया.भेर्याया.भेर्याया सेसरास्त्री सु: नर मण्या क प्वरारे रे प्यरा भ्री त ह्या दी ज्ञारस नवित दुः सेसस ग्राट सद दुः भ्री नर मण्या विस र्रायर्शे त्रवाद विवार्श्वे वार्ष स्वेर र्ख्या न् वर्गे न त्र्न्वा स्वेन स्वाया वार्ष राष्ट्र स्वेर विवार विवास वि y callette Marison

त्रां म्याया स्वीत्राच्या हेन् क्रीया मार्चे प्राप्त स्वात्त स्वात् स्वात्त स

वीरायपुरि स्वास्त्र स्वास

ब्रियाची ब्रियाश्रेशयाचिहेराह्मा लाना श्रूचन्द्र्य श्रूचाचित्रायाचे स्वाहेन व्याहेन स्वाह्न स्वाह्न स्वाह्न स्वाह्न स्वाह्न स्वाह्न स्वाह्न स्वाह्म स्वाहम स्वाह्म स्वाहम स्वाह्म स्वाहम स्

यर विंत्र दे। न्रीत हेरे भ्रे न्रें अरेग या नाम हर सुत मी भ्रे न्रें अर ये या यम् नाय ने या वह गा हेत गहुम्बराद्यान्य स्वराद्यात्र स्वराद्यात्र स्वराद्यात्र स्वराद्यात्र स्वराद्यात्र स्वराद्य स्वर स्वराद्य स्वराद्य स्वराद्य स्वराद्य स्वराद्य स्वराद्य स्वराद् र्वेर[्]यूर्-प्पेर् बेर् कं:क्षर-वर्:ब्रेंर्-ग्री:वन्पर-कुंव्यःवःवस्थान्न-दिंशः स्ट्रेरःवर्देर-वर्देनाः हेन वाश्वरः वर्हेर्-श्चानान्ता वर्ष्युन्त्रभेनान्त्रभावार्षे श्चानवे स्वानासम्बद्धानम् स्वानम् स्वानम्यम् स्वानम् स्वानम् स्वानम्य वशुरःश्चीःक्षःनशःने न्वाः इत्यो द्वार्था सेन्नु वासेन्द्रः वहनः वेदः वन्यन् विष्ट्रे यन्ते अपन्यार्ह्से अपने वाप्या अर्कें तात्र पेता पुराये वाया है। वीं मान्या पुरी कें या खात्र या या या या या य योर्ने निश्चा यम् निर्मा के अर्थिन। ने निर्मा में अपीर्ध श्चायते स्थायते स्थायते स्थायता अर्थेन स्थीन रेग'रा'रा'रा'र्दर'सुत'ग्री'से र्देश'दर्ययादग्रुर'ग्री'स्'रा'वरी'दग्रुर'से र'र्देश'गर्रे' सू'र्वदे'ग्रुर'सवदर्र'स्र'रे' क्वनायनायाधीवाववार्वे हे। यदेशपे प्राया के प्राय के प्राया के प्रा <u>ব্,'নগ্রী ঝ'ব'রী। এগ্রুম'ঐব'বের্টঝ'বার্ট'ৠ'নঝ'ৠ</u>'বের্টঝ'ঽবা'ঝ'ন'রম্ম'স্তুর'গ্রী'গ্রুন'য়য়য়য়'য়ৢঢ়'য়ঢ়'ঢ়য়৸ भ्रे त्ये द द वो का दा दे प्यदः विद कु भ्रे देवा का है। विद र श्रे का वोद र द्वा के बे का का व्यव की का विद का व्यव की विद का वि याविवा सेवायर केवा सर प्रेंश ये दे प्रदेश हेवा हेवा हे रात हुर विस्था केवा से दे हेरा खेवा या पहेवा वर्षा प्रवि याश्चर-तृःश्चर-पार्नरः। यर-तृःसर-कुःश्चर-देश-भेदःधर-प्रदेश-भेदेःधःदेश-हेदःधःयान्हेदःदशःयादशः प्रवीशःधः ८८। अवरःक्वितःळपायःशुःनश्चेरःश्चेःश्वनःपरःहेतः८र्देयःयेदैःत्याळं८ःहेवायःळेःप्ययःवर्त्वेःनःनठयःह्विटःळेयः देॱनश्रुअःळ^दंनःदेॱन्द्रअःन्द्रिःश्चःनदेःर्देदःनुःनलनाःमःन्निन देःह्रःभुदःग्चीःग्चुनःअववःन्दःनिदःहुःअवुदः यदे धेन वर्षेर गशुम नेर मान देवा हुत्र । हेन सून नर्रे मान हैं सून हैं मान हैं सून हैं मान हैं से वर्षे माने प यहेना हेत 'धुत' मेर 'यसेया नवे 'यन्त्रामानु 'धेत' लेमान 'पुर्नु 'भेमाने 'धुं 'क्षेन् मान स्यार्क्टिया ग्री 'गुनायन्य माधेत' वेशमन्दा वर्षेशन्ते स्तर्केर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्त्र स्तर्भेशन्दा वर्षे स्तर्भेशन्ते स्तर्भे स्तर्भे स्तर यः पदे 'द्रवा'र्षे दः स्कृ'तिरशः द्रदः वी 'वः ष्यदः प्रवेषः प्रशुः द्रवे 'कृ'वः पदे 'स्दः षो वः बेशः ग्रुटः वाशुदशः पद्रवाः

यथ। अटशःमुश्रायशःग्रटःटःश्रायशःबेरःश्रायदःविषाःषीःर्दशःदशःद्दिशःषार्द्वतःश्चायः देवाशः उदःश्चीः याद्वितः यदेः विष्ट्रेतःविषाः विश्वाः स्वायः स्वायः स्वायः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः वि

स्रस्थान्ना वित्तस्य स्थान्ति स्थान्य स्थान्य

धेः अप्यर्दे दार्ख्याची खुवा अप्यप्तावार्थे का हिंदा भी दार्वे अप्यप्तादा हिंदा वार्ये का कारा भी दावी । खारवा महिरामा सहस्र नुमार्के द मनरा पो दर्श से नु से स्वित्। नुसुर्का से त्र सदिन में मुक्त स्वान मुन्न साम स्वान स याधिकावन्त्राप्तर्भान्धन्द्रम् संवेता नुस्रानाक्षेत्रे वरानु द्रिस्याचे द्रिस्याचे द्रिस्याचे स्थापित त्मेल,यर्जर,धुँ,धूर्म्,थारा,धुवा,यभिय,धेय,धुरा, मुरा,यर्टा, भुैं,य.र्का,शहुर्ता,शक्र्य,हुँ,शहुरिश्व,र्केट.र्टे,तसूश. यःलूर्यः क्षेत्रः वि क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विष्टे र्षेद्रमाधिक प्यतः श्रेद्री हे अन्दर्ग द्रश्चेम् अन्य विषयः . इ.ही.पट्रेपट.रश्चिमश.पश्च.ही.श्र.श्वे.रश्चिमश.पश्चा.ही.हिर.क्ट्रश.पट.ला.लु.ही हे.हे.श्वे.पट्र.स्रेश. वसेयाने अरळं न देश उत्र दिया या र्वें त न्या न न वर्षे न स्थाने अर्थे या शास्य वर्षे वर्षे या स्थाने स्थाने स बुनायाधीवाक्तारेता हेसात्रा सर्देरावादेरासराङ्ग्रीनास्य द्वीत्रवायात्रा श्रीतायाद्वीरार्देशायी केंग इसावेसा ळं ५ से 'ने ने न हुन न क्रेन अप्तारे ५ रहे अप्यन सर्वे ना न अपना स्त्री न स्त्री न हे अप्तार के न क्रेन स्त्री रलःब्रिवेःवसुवःवर्षेरः।वःवें वर्षेरःसुँग्रायःहेयःययःररःसुँग्रयःवर्षेय्ययःवर्षेरःमरःवहेःवनःसुवःसुवःवीर्यवेः लॅग'र्हेग'सम्बद'र्से प्रदे 'प्र'सेसस्य ह्य'स'वेग'प्र्यामा

July 2 march 4

र्वि.य.र् रेश.य.तयश्वत्यश्रात्यं श्रात्यं राष्ट्र श्रास्त्र में में कितायिया ही सामित्र ही स्थाय स्थाय स्थाय स यायनामास्रीत्रामालीमान्ता। याङ्क्षुमामी यहोयाना सूर्राते स्वतामारास्रीतास्री तुषामदे से सित्रामदे सूनिया न्तुमार्श्वनामानि सुन स्रेन न्सुन माधित स्रो। यह माहेन हिना हुन स्रामान माधित स्रामान माधित स्रोत है न स्रिन यान्वरशुः परासे वरुषा प्रशर्देवरसे दावा क्षरमा सुदाव मारे विषा होती सर्वेदर कुरे वा कुरसे दावेषा वर्केषा वहैंदाउदादे वदाविवादार्कें वे सर्वो र्चेवा मुर्पेदासवे भी सादी द्वीदार्ज सम्मान स्वीदार्ज से स्वीदार्ज से द्वी वीशायशादत्रश्चाताळेंशाग्रामासुमायात्रेवात् तुन्वीशासुवातारेत् सुमायात्रेवात् सेत्रेवात् र्केंद्रशन्द्रन होत्र सेवाया मुगार्थेत्। यसायम् सेत् चेत्रास्याप्त सेंद्रासास सेंद्रा संस्थित स्थित स्थित स्थित बेर्द्रम्बियान्तुः होत्यानदे कु. रु.सारेशाने। रे.मेर्प्यामे सर्वो त्या श्रुपाकु रेवा कु उदा विवास सर्वे प्रति कु सर्वे श्री अपने सप्तु में स्वार में निवार ने प्यार में निवार में प्याय अपने में अपने प्याय स्वार में स मुश्रुद्रश्रामा उत्तराष्ट्री शार्षे द्रान्य रायदा रायदे । यह रायदे व्यट्सान्ध्रम् नर्द्रत्माक्रेन्यायार्क्केन् हेनास्रायनुनास्यार्थे । विम् ययायव्ययार्थेन् स्रोन् स्रिन्यये ययायव्ययार्थेः ૡૢ૾ૺઃખદ:ક્તુત્ય:વિન:ગ્રી:ફ્ર:વ્રિસસ:લ્રેન:લ્રે:ખદ:સે:ખેસ:વાદવ:ત્ય:લવા:સવ:સેવ:સેન:વેન:સુદ:સદ:સદ:વદ્વા:દર્વોસ: त्रुवेॱत्रुसः म्हारूसः भेवा प्रदेवा हेत्र 'र्हेवा प्रेंट् पर्वे 'से प्रट्वा विविधाने विविधाने । विविधाने विविधाने विविधाने विविधाने । ॻॖऀॱढ़ॗऀॱ୴८ॱढ़ऻ॓ऻज़ॺॱॾॖॏॸ॔ॱॹ॓ॱढ़ॏज़ॱॻॏॴॱॻॖॴॱढ़॓ॴॱय़ॸऀॱढ़ॾॱढ़ॏॴॱय़ॴॹॱढ़ऻॿ॓ॴॴढ़ॸऀॱढ़ॾऀॱढ़ॾॱढ़ॏॴॱय़ऻॹ॒ॸॱॸॗॿॕॴॱ नीटा द्धाराने त्यत्र दिवा वी शहेश सादवा सरावहेश साही दिवा विहेश त्यश हवा सेंदि त्यश श्वाश होता वर त्यायायहॅं या ग्रुमाना संभी भाषत करारे वा है भाषा गाहत तमासे रावे रावा गाया थे ता क्रेंताया श्रुमामाहे उता श्रीभा हेशःसः यदे : दरः यदे : यदः यसमादः यद्यभः तुः यदे : दरः यदे : यदः विमाः सरः शुमाशः श्रीभः सरः विमाः यः यस देश'सश'र्नन'भेद'द'श'नशन्द'शेनाश| नक्कु'श'नशन्धन'डेद'द'नश्ना'सदे''इनश'दर्ने'भेद'देश'ह्मर'र्नेर' য়য়য়৽ঢ়ৼ৽য়ড়য়৽য়৽য়ঢ়য়৽য়৽য়য়৽৻ঀ৾৽য়৾য়৽য়য়৽য়য়৽য়ৗৢ৽য়য়ৢয়য়ৢ৽য়য়ৢয়৽য়৽য়য়ৢয়ঢ়য়৾৽য়য়ৢয়৽য়৾৽য়য়ৢয়৽য় नःक्ष्रर्देन्तिः बर्ग्नर्अर्वेर् स्रेन्तु अचेर्प्यअद्ये। अः श्रुवानी विवेद्यन्तिः देन्ति बर्ग्नरसेवानी अस्त्रेवेरः बुवायः याचेरानित्र वर्गार्से नि हिंदा श्रीका का क्षुणाणी वर्षे वर्णाना है व्हरास के निर्माण कर्मे त्रावरे नका नापार सर्वे ना ग्न-अर्बेट त्राहि। अर्बेट के शर्बेट वियु न यी जा वाय विवा यी न राम विवा यी विवा के ते वाय विवा તું શુંદ ન અર્કેદ નવદ ભેંદ્ર ના દે નું નું નું નું નું નું નું નું સું નું અર્કેદ અષ્ઠિ શું એ નિ કેવા વી શ્રુ लगनमन्त्रम् । भ्री सम्देति स्वरान्त्रे स्वरान्त्र स्वरान्त्र स्वरान्त्र स्वरान्त्र स्वरान्त्र स्वरान्त्र स्वरा म्रे में द्राया वार्षे *ॾ*ॖऻॱय़ॱय़ॴॱतुॱय़ॗज़ॱख़ॱढ़ज़ॱॸॖॱऄय़ॺॱ॔य़ॹॖॸॱॼॖऀॸ॒ॱॸढ़ॏढ़ॱय़य़ॆॱय़ॎॼ॓ख़ॱॸॱॸ॓ॱऄज़ॱज़ॏॺॱऄॱॺॼॕॸॱख़ॸॱऄॸॱॿ॓ॸॱऄॱ नुम्यानिक विकासिक में हिंदि श्री अर्थी मिया है स्त्रीतिक कि स्त्रीतिक स्त्रीतिक सिम्पा सिम्पा सिम्पा सिम्पा सिम बुगम्बस्य उर्दे सेन्य प्रति न्य निष्य भी वर्षे वा हित्र क्षेत्र स्ति है वा ही महित्र है वा ही महित्र की प्रति म

र्वि:द:रे। वेवाःक्षः बेरःचवेःसःवदःवदःवेवाःवर्वाःयःवदेःवःदेःचक्षेवासःचस्यःक्षेत्रःसुरःबदःदेवाःसःव्रस्यः *য়*ॱनर्डेन्'स'वेग'रेन्। रूट'रेवे'ब्रिन्'ग्विट'इस्थय'स्। से'न्ग्यि'नङ्'त्यर'र्वेग'सृ'स्थे। वेश'ग्रस्टर'र्वेन'य'नेवे' र्देव के सृष्टी दरायम कु प्रवस्थ ने राजा पर्दे कें ने राकेंद्र कं आयम प्रवित कु रूट द्वा सारे द सूसा परि प्रस् र्त्वे भूर रे मा अरे मा भ्रे अरे | रे अरममा पुरके के रचक रचक रचक कुर चक्ष नक कर विशेष श्चूतर्भात्रात्र्व्याः वित्रात्रेत्रात्र त्युत्रात्ये वाष्ट्रेत्य वित्र वित्र त्या क्षेत्र त्या त्या क्षेत्र त्या त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या त् ·ॺ॒॔ॱय़ॳॱॻॖॸॱॸऺज़ॱढ़ॖऀॱऻॕढ़ॖॱक़ॕॸॱॸ॓ऻॗॱय़ॳॱॻॖॳॱय़ॱढ़ॖॸॱऄॱॿऻॱॳॱॻॖॳॱय़ॱॸॸऄॱढ़ख़ॸऻॗॱॸग़ॸॱढ़ॴॱढ़क़ॕ॔॔॔ॺॱढ़ॺॱऄॱ भ्लेव प्राप्त में मुख्य स्वाप्त के प्राप्त क हिंद्रा श्री अर बेर स्टेंद्र त्याद्यपाद्या विवा पृदे स्वापाविया यात्र त्यायवा पादेशा व्यवस्था स्वयं स्वयं स्वयं शुःचहरःचःदरः। यरःगहरुवस्यःसःग्रुसःवयरःवस्यदःयरःग्रेदःयःदरः। दग्ररःस्वगःर्गेःभ्रेवायरःश्चेदःयरःग्रेदः यःश्रॅवाश्वासर्देर्द्रास्त्रे श्रेन्यार्षेत्रः क्षेन्यात्रा श्रेन्यात्रस्य स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्धाः स्वर्धाः सर्द्धरस्य संस्थित दस्य से दर्वे सान दुः स्य सार्वे वा सुः भ्रे नमः वाशुरसः मंदी वरः नमः विसः के साम विवा वी देसः विवायामळें दाद्या के मृष्टी विकासे येदायका योदि रावादरा रहा से दावी यहेवा के साथा से भूवा हेरा साभूवा यका दे'लश्चरः र्ह्वे से भ्रे दे'लश्चरः र्ह्वे संभ्रे नादेशदर्गे दासके नाला सुनश्चे नर्के वादि सके नाला सुनशः *ज़ॖॱ*ढ़ॸॕ॔॔॔॔ॸॖऄॸॖॱय़ॱॸॆ॓॔॔ॺॱढ़ॸॱॺॸॺॱक़ॗॺॱय़ॸॱय़ॱढ़ॖ॔ॸऻॗॱढ़ॸॱॸ॓ॸॱॸ॓॔ॺॱॸॏ॔ढ़ॱय़ढ़ॕऀज़ॱॺॏॱॸॺॣॸॱॻॖॱज़ॸॺॱ y colong to the sound

ह्म महिन्य ने प्राप्त कर्या महिन्य महिन्य क्षेत्र क्ष

देर:सब्दुर:दे:विंग विवाय:स.ब्रुव:ग्री:वयस:र्ह्स:वार्हेर:श्रूरय:हेवा:ठस:वज्ञेवा:सेद:ब्रुट:ळे:वस:येट:वि:हे: <u> ननरः बरः ऍनः क्रनः वालुरः नले अः नर्बे ः वर्षे ः अपिनः लेवाः वो अः नः नुरः वानु अः खुवा अः नरः क्रुः वन्न अः क्षे नः वि</u> यः भ्रे : बदमा यमारव्यमः भ्रेन : स्रुमः या उसा श्री भारतो : इ.कर् : दर्शे : द्रायमः द्रवा स्रुमः स्रुमः या उसा श्री भारता कर् से त्यों पर हे प्येद द्वा वेदा र पवे कर कुल पदि कर है वेदा के पा भूष है दिवर बर पेंट कर पा हुर पवे कर चर्चे त्य्र्ये अपित्र विवाधित श्रीन ग्राम् वात्र अधिवाय प्रमान स्त्र क्षेत्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त ृक्षः महिरुषः श्चीः मित्रे समुत्रः भूतः मिरुषः सूर्वे स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्व यर १६ र्स्त थरे १ हिंद् १ क्री अप्त १ स्वर्भ द र मार्थ हों पहिंद १ ६८ अप हों पार्च अप १ १ हों द र से दार मार्थ हों पार्ट स्वर्म हों स्वर्म हों पार्ट स्वर्म हों स्वर्म यःविषाःषीःर्देशःवशःयश्वरःदारे वेदरःबह्मियःह्यरःह्यरःविषाःषान्वःवशःश्रेव। वदेःक्वरःवःश्लेशःयःक्रंशःश्लीशःदषोः इ.चार्ट्रट.क्रुंचा.स.चन्नभा.क्ट्रतायर्ट्रट.चीर.क्रुंट.सप्ट.घुट.तम्भाटट.क्रेय.सरावांशेटभासभा ब्रिट.बुट.स.त.क्षेट. विवाः भ्रेश्वादान्द्राच्यात्रात्र व्याद्राच्यात्र व्याद्र विवाधितः विवाधितः विवाधितः विवाधितः विवाधितः विवाधितः ৾৾৶৶৸৽৻য়৾৻৴ৣ৾৻ঀৣয়৻য়ৣ৻ৼয়৻য়৻ড়৻ৠৢয়৸ড়৸৻য়ৣয়৻ড়৸৻ড়৸৻ড়ৢয়৻য়৸৻ড়ৣ৻৸৸৻ড়৸৻য়৻ড়ৢ৻৸৸৻ড়৻ড়ৢ৻৸ *ਜ਼ੑ*৴ॱऄॗ॔ॖ॔ॱय़ढ़॓ॱढ़॓ढ़ॱऒ॔॔॔ॱय़ढ़॓ॱख़ढ़ॺॱॺढ़॔ॺॺॱऄ॒ॱॱय़ॱख़॒ॱॺॺॱॻॖॖॖॖॖॱॱॸज़॓ॹॱऄॗॱज़ॱॺॖॖॕ॔॔॔ॸॱऄढ़ॱॸॖॱज़ॸ॓ढ़ऻ*ॱऄॗ*ड़ॱॿॴॱ য়ড়য়৾৽য়য়৽ঀয়য়৽ঀৼৠৣ৾৽য়ৠৣ৾৽ঀৠৢ৾য়য়৾ড়৾ঀ৽য়৾ড়৾ঀ৽য়ৠৢয়৽য়৾ঀ৽ৠৢয়৽য়ৼয়ৠৢয়৽ঀঀ৾৽য়৽ড়ঀ৽ঀঀ৾৽য়ৼঢ়৾য়৽ঀঀ৾৽য় धोद'मदे'कु'अळंद'धर'र्मेर'नु'ने १ नकु'न'थम। नर्से द'द्रसम्बद्धर'रु मार्के स'दर्ने खा । हे केंसा नर्सर लर. शु. प्रश्नी । ब्रे. क्रूश ब्रूश श्र श. यथा श्री श्राप्ता । श्रिन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त । व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त । ळ८.शु.पम्.यु.यु.च्यु.अक्ष्य.धेतातवी.क्शततत्त्री.क्शतत्त्री.शु.शु.तु.क्षेत्री लूट.य.बु.यात्रायाधूयात्रात्तरायक्त <u>२८। श्चिम्हेर्स्ट प्रदार्श्वभाग्रम् पर्स्व</u> वास्त्रीत्रा वर्दे स्वत्र दुवर विवास वास्त्र वास्त्र विवास विवास विवास क्ष्यासराद्याः द्वयायन्तरासूरास्त्री सरसाम्स्यायस्या स्यापसान्ने साराम्बर्धाः स्वीत्रास्यान्या इर:बर्'ग्रर:सेर्'सर्स:सव्दर्गे'न'बसस्य उर्'ग्रे'कुष:र्वेर:वर्भ्रस:है। दे'त्य:सुनस्यःसु:दर्वेददर:दे'नदीद्वंस्ग्रीसः नरुर्यानायात्रयात्र्यात्र्यात्रेत्तात्र्यात्रात्रयात्रात्रात्रात्रे विष्यात्रात्रयात्रे विष्यात्रात्रे विष्या ॻॸॱऻॎॺॖॕॸॱढ़॓ॱॺ॓ॱॺॸ॓ढ़ॱॸॱॵॱक़ॕॴॱऄॱॴॷॸॱऻॿॎ॓ॺॱॴॷॸॺॱॸॱॷॸॱख़ॿक़ॱॴढ़ॴॱॸॖॱॺॸॺॱक़ॗॺॱॻॖऀॱॴॷॸॱख़ॱ બૈન જેશ રાત્રુસશ જેને નું વનન વસાર્થેના વસાનું સાંદ્રેન છેન

y white Marison

षटार्वि'दारो र्झ्दारार्ट्यन्थरःश्चनायदेःन्वेषायादेःनश्कायाद्वेर्यायाद्वेरायादेवात्त्वेतात्त्वात्त्वेतात्वेतात्वे याश्चरमा देव ग्राम देव भाग बीते भाग में प्राप्त के प्राप्त में प्राप्त के प्र नः र्थें तः नुः नश्चन अः वेतः हे अः ग्रितं त्र अं र्थें तः यः कंनः अदेः श्चें तुः नुः विषा गर्वेनः ग्रितः विषा निषे के अध्या अः ग्री अ देग्रथःचदेः नुसुन् सःविदःहदेः श्रेवः वः यहेत्। विदःहः केत् सं देग्रथः यदे श्रेव्यथः ग्रीशः वश्चवश्रा । यदः वगः केंद्रात्रः . शु.लु.हे. ४.शु.प्यचरः। । ४८.घवा.घ.कू.र.शु.ज.लु.ट्र.हे.य.चु.री । लट.रवा.स्वाय.य.घ.ट्र.य.हे.य.खर.जय.कु.री । ५८. देश हिन प्रमाहि सेन सेवार प्रमाय प्रमान विवार प्रमाने राम के से सार्चे का विवार प्रमान से सार से सार से सार स र्देव'म'त्य'ह्नेत्। विश्व'सव'द्धंव'मठिम'मी'द्यर'र्वे'मठिम'मीश'र्धेर' त्रवश्येद'सर'मशुरश्य'य'दर्दे'विव'हु'वदेव' हे। नश्रुवाराः इस्रान्नाः तुः त्रनाः सर्वेनः यो ने श्रीनः नुः श्रेवः याः विनाः ह्रोनः स्रीनः केनः। नश्रुवः याः इस्रान्नाः तुः त्रमाः कॅंद्र-संत्र-दुर्श-क्षेत्र-यः संद्र-सावर्क्षया से 'द्रवेषि रायदे 'द्वेर-से विश्व हेर्। के रायी हे रायहर पित्या सिवाय है। नगायः कंद्रास्य होद्राद्वीं या सेंद्रा देंद्रा ग्राह्मा कंद्रास्य होद्रा कुषा प्रेश प्रेश होत्र स्था स्था स्था यार याशुरशः श्वाद्दे प्रवित पुर्दे रशः केंद्र ग्रीश प्रदेश से याशा रहः श्वेत्र श्रीश कंद्र सर हो दृष्या श्वाश श्वेशः यन्यात्राम्यात्राम्यात्रीः इतन्त्रे अद्यो निवेश्लेताः हेत्या विषाः वी निवायाः निवायाः विषायाः विषायाः विषायाः व ख़ॖॻऻॴज़ॱज़ॱॸॖऻऄॖॕॸॖॱॸऻढ़॓ॱॸॖॆॱॴऄॸॱॸऻढ़॓ॱॸॆॻऻॴॱॸऻॴज़ढ़ॱज़ॸॱॹऄऻॱऄढ़ॱॸ॓ॱॸॗऒॹऄढ़ॱफ़॔ऄॎढ़ॱॸॱॾॆॱख़ॗॸॱ नेमनेन नमून नर्के मने हिन्दी सासेन मंदि देवा माने निवास हैं निवास हैं निवास हैं निवास निवास निवास निवास है तःषिदेः ढंदः रेगः यः झेःषेः षेदेः क्तरः नेयः ढेदः सें त्यः यहेदः दशः ग्वयः सुरः तुः सेंग्रयः ग्रीः ग्वद्यः सुग्यः सर्देदः सुसः र् ह्रेंग्र र्रा व्राप्त में राज्य राज्य राज्य है है साम होता है से स्वर्थ राज्य राज्य राज्य राज्य राज्य राज्य ळ*∾*ॱदेॱख़ॱदर्देशॱॻऻॖॿॖॻऻॺॱॷॣॸॱख़ॖ॔ख़ॱॺॎॕॱढ़ॺॱॿॻॱॻऻऄॕ॔॔ॸॱॿॖॖॖॖॸॱय़ॱढ़ॣॱॹॖॱॸ॓ॸऻ॒॒ढ़॓ॺॱॺॱढ़ॸ॓ऀॱॷॣॸॱॿॖॱढ़ॢऻ॓ॗऴ॔ॸॱॺॸॱॿॖ॓ॸॱ केन्भिन्हिरे श्रेंवाया नहेत्। श्रिंवाय होन्ने नामाय भिन्हि केत्र सेन्युन। निन्य मार्केन्ने प्रीहेश शु त्यर्भ । व्याक्त्रीं में अर्थः देवायः वावदः यद्यादयः है। । व्यार्यादेवायः देवायः देवायः देवायः व्यार्थः हेन। । इरादेयः ह्य-राय-रेवार्यायाने धिरादें हो दिरादें दाह्ने न त्यारेवाराया यह त्यान विष्या होना विषया वर्षा होने विषया न्वीं यानाताल्यां । वियान्त्रीं । श्चीं मार्कें वासदे श्वीमार्क्यायहें वासिने वासिन स्वासिन स् र्धेम् अप्ययम् अर्द्धम् अप्याभ्ये मेयाया ने अप्यार्षे होन् मुर्वे स्वार्थे स्वर्थे स्वार्थे स्वार्ये स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स नश्रृत्रमः र्र्भेत्रसे दः धेत्रसे त्रस्य ना स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व नर्हेन्द्रेन्ह्रेन्न्रार्थान्यक्षेत्रयान्दरहेन्द्रोन्ख्राची नसूत्रयानिक्षायम् ने निक्षेत्रायाः सुत्र साम्यायान यरम्वेशन्तरम्ब्रह्मरम्ब्रेह्निसेन्द्रमुन्नरम्भेद्धाया वस्त्रम्बर्भेद्धार्यम्बर्धानम्बर्धानम्बर्धानम्बर्धानम्बर् विषार्देव ग्री अ ग्रुव संभी व प्यत् । द रहत र्श्वेव संभी व ग्रुव शेष प्येव क्व ग्रुव प्यव ह न श्रुव संभाव कि स खुन्य त्रुट व्यानी क्षेत्र यात्र क्षुत्र या प्रेत्र की ।

ंधरित्रं त्रे प्रिंर्यं प्रवित्रं प्राप्त वित्रं से प्राप्त क्षेत्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्रवित्र प्राप्त पित्र प्राप्त प्रवित्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्रवित्र से प्रवित्र प्राप्त क्षेत्र क y charles for

सक्षाचकुः साचेन् हेन हुँ सावतावा सामिका स्ता । विस्त्यन्त्री । विस्त्यन्त्री साचित्र स्त्री साचित्र सा

चली वर्षः स्वायः स्वायः में स्वायः में स्वायः द्वायः वर्षः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व

प्रि.य.र्.। सरसाक्ष्यासादी:वायदार्यसामी:वारामी:ह्यी:क्ष्यासाह्यरं यसाम्।व्यासानी:वासानी: क्रॅंशख़्त्रायाराग्ची हिंद्रद्रशायना कन्यारा दिना पोद्रसूत्रया क्रेंश पद्रुवा नवे खुन्य राग्ची नवें साहिस्र राग्ची द्रा द्रु षरःभूनशःदेवे:कुःग्नःखुःधुवःर्केशःदरः। त्रयःवेवेःर्केशःशुःर्केःग्वायरःर्नेःव्देशःर्षेद्रःयःर्श्वेशःर्रे।दर्गेशःहे। केः য়৻ঀয়৻ঀ৸ঀ৴ঀ৻ঢ়ৢয়৻ঀয়৻ঢ়ৢয়৻য়৾ঀ৻য়ৼ৻ৼঀ৻ঢ়ৢ৻ঢ়ৣৼ৻ঀ৾ঽ[৻]ৼৼ৻৻ড়ৢ৾৻য়৻ঀঀৢ৾৻য়ৼ৻ঀৣ৾৻য়ৢয়ৢয়৸৻য়৾ঽ৻৻ঀৢয়ৢয়৻য়৾য়৻ धोव माञ्चातु मेन्। भ्रेंव माया या का या मान्य में पाया भेता या स्था से पाया में माया स्था में पाया से माया से ळासुनायानञ्चराना विनापिताया द्वीयासुग्धान्यते व्यान्यस्य इतावरायास्य व्यान्यस्य विनास्य विनास्य विकास्य विनासि ह्ना अंक खुर्ग अंग अंक निक्र स्वा के निक्र के निक्र के निक्र के निक्र के अंक के निक्र के निक् ष्ट्रित होत् त्रुवाय सेत् वेश श्वाय सेत्र वेश स्वाय हत् व क्षेत्र प्रत्य में विष्य स्वत् हे अर्थ क्षेत्र स्वयं न्नर वें विर केन विन कर नर र विवानी वें अध्यक्ष विवासी राज्य स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स न्। यार कें मर यादेश यार्डे में हिंद यह सम्भाकें। सि के दायरे या वीं साम ये दुवार्ट्टे मार देश वह वा हे दायरे तःसर्हेनाः देशः नशुर्शा दिः क्रें सम्भः सः हिंदः यः सुनाः वर्षयः विष्यानशुर्शः सः सूरः पीतः सशः क्रें स्वयः नः <u> ५८.भम्. भष्ट्रभायभ्री भाष्यभाष्यभाष्ट्रम् । भिष्यभ्राम् १.५५.भूमः भ्राम् भाष्यभाष्यभाष्यभाष्यभाष्यभाष्यभाष्य</u> यो उत्राया भूगान्ता वत्रात्र मान्त्र के उत्राया वर्षेत्र से होन्य हो साम्या से से प्रायम से साम्या स्वर्ण स्वर क्रुशः ग्रीः सह्दः पात्र द्वापित्र शर्देदिः श्रुरिः द्वापा ग्रीः पळरः प्योदिः श्रावितः श्वापाः त्वापा स्वतः प्रवितः श्रीतः स्वतः स्व र्थः र्रेयात्रशाम्बदान्नेत्रामधीत्। इरासे प्रमें त्रासर्रे से नस्याननदार्शे म्यायावयासहयात्यात् सद्दानि ग्री पर्देता ळुंवान्दरक्दार्बेसाविवानुरळे। दार्ळे वावानायुराम्बदाग्रीमानुसावर्गेदान्दरासूदसावहेव। सूनसावग्रीमासेदा y ved intertails 4m

<u>५८.वि.चुर.ईश्वरचर्। ज्ञ</u>्चारा ज्ञ्चरा ज्ञ्चरा स्वार्थः रस्तरा निष्या क्षेत्र वर्षे स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर् १८४४ हिंदावायर नयवाद्य वेया तुःवायर हें नःश्वाया वादायद हें या प्रायेत स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य १८४४ हिंदावायर न्याया स्वाद्य से*न*ॱसूत्रः युनः रनः धेतः राम। इसः बेदेः कें भः खुनामः यः यस्त्रः नश्चितः युने विन्त्रमः यनाः कनामः नर्गे मः यन्। कुः म्यत्रेष्यः क्रेंश्वः भ्रीः द्रम्य श्रींदः यसम्यायात्रयात्रयात्रयः स्वाप्यायाः भ्रीः यहदः विस्यायात्रयः यादये यसः द्वीं यायाद्वाः । कें ना सुना खेत नर्वे न खार्टे केंना अत्र अत्र अत्र अति कें अत्य निष्ठ कें ना अन्य से त निष्ठ अति । विस्त त्र अ बेर्प्यरप्रतातृ बुर्प्याया सु क्षेत्रावायवे राजा बुर्प्या क्षेत्र सेता प्रवेर बुप्यों वाया वाराया सेत्र या नेत् <u> २, य. प्रश्नेष. कुष. बारका भूर. पाश्चित्र, प्रव्याका प्रथाका प्रताका किर्तायका भूर. त्र्या प्रश्नेत्र, प्रवा</u>त्य र्रे नेंदि नाम्याः स्त्रिन्यः से नुरन्नदे से म्राटित्र विमानित्र स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स रेगानी क्षु इत्य शुर्य शुर्य शुं रेत्य से क्षु इत्य वर्षे वकुन् त्युन् वहरूष ग्री रेश य वतुन् वार ग्री क वुन न्यु सेवाश ब्रिसामिते सुँग्रामा भी सुरावामसम् उर्पादम्य मित्रे सुरावामा विसामित्र सुरावामा स्थित स्थाने स्थाने स्थाने स्थ यम्बारम्बाद्यात्र । क्रियान्य विष्यासे नायन्य स्वात् सुरानिया स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्व कुः नः दःर्शेटः हिरः सेरः भुदेः र्श्वे : नविरः र्सुः नवे : रहेवः नश्चे दः निरः र्श्वेरः कः नवे : श्ववः नश्चेवा श विः नविदः र्कें क्षें र त न वुन क्षें र पके न महिना र तथा हार क्षें र हिंद पाद ख़ुदे हुन पार ने कें क्षें र द मार है समाद स वस्रकारुन् सिद्धेत्र पदि में तस्रम्य पद्धे कार्ख्या नमूत्र पाणेताया हि कार्या मुक्ता सिन्दि स्वर् स्वराहित स्व <u>इ.भॅट.२</u>। चय.बु.ब्रॅूश.चॅज.कूट.चोश्रज.कर्टेश.श.चेश। ।चर्टेट.कु.कें.वे.क्ष्य.बुचो.पू.चश्रक्षेटी।शे.ज.चक्षेय.केट. र्गे नरसे त्यापदी सि क्षाप्तवाय ग्री कंपानु वावयापर हा वियाहिन के या धन्त ख्रापदे के निर्देश स्था नसूत्रम्य में भ्री में या नाम्म प्राप्त सुरावम्य सम्बन्ध स्था विषा मी या माया स्था स्था सुर्या से या स्था सुरा র্ক্ত মান্তব্যক্ষা শ্রী বিশ্ব কালবা কলাকানান্দ্র বিশ্ব ব্রহারী কৈ কান্তব্যক্ষা শ্রী কি লাহান্দর বিশ্ব কার্য বিশ वर्षाद्विस्रासेन् प्रस्पर्यात् तुन् तुन् प्रवे रहेषा द्वी सेवार्षा सेवार्षा ख्रावारा सेवार्षा केवा विस्तान्त क त्तृतःतःसुःक्षेत्राश्चःत्रतःत्वेतःर्केतःसेताःत्येतःत्वक्षश्चेतःतेःकःसुत्राशःतक्षुतःत्वेतःसःवस्थःउतःह्वात्राहसःकेतःसँ म्रे। क्रॅंशर्मेशकासुमाया सुरावनेराकुळमायार्थमायार्राम्यानुरामी र्यो नुरामराययरान्नियारार्दरानुस्यायार्थः অঝ-ឝ্বাঝ-৪ৢেদ্-দেন্-ভর-দ্-দ্বজ্ঞ-দেপ-ৠ্বাতির-দেঝ-ঝাদ্রঝ-দেন্দ্রয়ঝ-অ-নৠৄর-য়৾৽র্ঝ-য়াঁ৽

द्री त्र अर्हे ना न न न त्याद त्याद

July 2 march 4

ळॅ शःग्रटःना वदः ११ सः स्रोत् दादः सेना सः १८५ १९५ ५५ में शःसः समित ना मिन्सः स्रोता सः सेना सः सेना स्वरः । त्रबुट-च-नृटा कुःग्रेडिन-य-सँग्रस्य, प्रदेश-विस्त्रस्य, प्रदेश-विद्यन-यविद्य-मेन। ने प्रदेशकान-कूत्रकान्यबुट-वःभ्रेगामाभ्रेन्यां निगान्ना भ्रेंवामभाक्रात्व्राम्भाकेषा वेभानगवामनाभावानिव्यमाभ्रेगामाव्यन्तान् र्शेट्स प्रिवान भूवाना स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् <u> ५८:तु५:से५'य:सु५'तःसेवा'यः पे५'सःवार्हेवायः से वावतः ययः सु५'तः सेवा'यः से५'यः विवा'पेत्रः ता स्र्रेतः ययः </u> र्राची क्षेत्रां सार्के रात्र सार्वे वात्र वितात् विता हिसा सारा प्रमुक्त विता है । से स्वर्त की विवा है । से स सुरायार्श्वे रानदे श्रूयान्तृता क्षानुदे सेंत्रामार्वे राष्ट्रम्य स्टिस्त स्वापा स्टिस्त स्वापा स्टिस्स स्वापा ত্র-ভৌনেশ্বা-ন্নে^{*} বার্দ-নে:রম্মাত্র-ভৌনার্দ-। বত্র-নে:রম্মাত্র-স্ট্রি:র্ম্ব্রম্মান্ত্র-র্মানাভির-নেদ-নিমা येव दर्वो अ वे अ वा शुरुषा दे त्य अ क्षु प्रहाळेव छी क्षें अ वा शुअ र व द हो वे वर द द वा वा पर वरे व्हर वहर पेंदा कुस्रसाखेतायो नगानायो नात्र स्पेतात् सेना नस्रतास्य नामा सेना केता केता स्याना सामा सेना केता स्याना सेना केता स्यान यारायावराचेयान्सवायराधरायावरादेशायायाने सूराधीयावरावदे क्रुःसळवाचे से । वरुशायायके वारायावराचे वार्षायाय इ.लुच.यमा अटश.भिय.जूट्य.कुँट.कू्चाय.भैं.टट.। येट.मुझय.धे.यदु.सॅग.कुच.यमेट.सूचाय.भैं.कय.सैंग. कर-प्र-तिनः सेन्-वार्येन्सः सून्-वार्येनाः पाळेवारीः व्येन्-शून्यः सून्यः सुनावान्यः केवारीं व्येन्। नेश्यवार्येवाः नमान्त्राची क्षेत्रामा केंद्रामा केंद्रामा निष्ठेत के निष्ठेत के किंवा निर्मान केंद्रामा निष्ठेत मानिष्ठेत के निष्ठेत के गर्वेद्र'य'सेट्रा द्येर'व'बिट्राय'र्षेद्र'व'स्र्य्र'र्द्र'सेर'यदे'गर्वेद्र'ळे'व्युट्र'सेट्र'ग्रूट्र'स्र्य्र'में बैटावानिवानिवानिकार्यस्थान्यान्त्राची सेत्। दे न्यान्तु र्वे त्याया बैटा ह्ये वायस्य निवानिकार्या यायसामार्वे दानसुष्यानमान है। से पुरा वेसायान भदासुमान भदासमाने पद्भाग वेसायमान है। से पानी हो दार्था <u>૽૽ૺઌૹઌ૾ૻઽઌૢૺૹૹૢઌ</u>૽૱ૹ૽ૼૹ૽ૼૹ૽૽ૄૠૢઌઌૢ૾ૺૹઌ૽૿ૢઌૢઽ૽ઌૢ૱૱૽ૼઌૢૹઌઌઌઌઌઌઌઌઌઌઌ૽૽ૺઌ૽૽૱૽ૺૡ૽ૺૼૺૼૺૺૺૼૺૺૺૺૺૺૺઌૺૺૼૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺઌઌ૽ૼૺૼૺઌૺ वित्रुवाकेन्द्रम् मिन्न वित्राम् वित्रे मिन्न वित्रे मिन्न के मिन के मिन्न दशःचग्रामान्यः न्रा म्वरः चः धेन् रहनः धोन् दशः म्वरः चः धेदः वेशः यदेः नः उरः म्वरः हः उदः म्वः स्वरः कें मानमें नः माया है। यथा ग्रामाने । वस्त्रे । वस्त्रामाने । वस्त्रामान । वस्त्रामान । वस्त्रामान । वस्त्रामान । वस्त्रामान व्योग राम् विनयाण्येया नरुरामाय्ये नार्श्वे वार्षे वेशनाशुर्यारेनाशनाया देव्यूर्यायाशुर्यात्रम् स्त्राविस्यावस्याविस्यावस्याविस्यावस्याविस्यावस्य मर्वेद्रासायार्केम्थास्यस्यास्येद्रास्यस्यास्य स्थान्त्रास्य स्थान्त्रस्य विश्वास्य देश्चार्यास्य विद्रास्य स्थान्त्रस्य विद्रास्य स्थान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्थानित्रस्य स्था वर्ते र नर्गो र पर स्वर विशेषा हे या द्यो क्षेर यो या वा स्वर प्राया वा स्वर स्वर स्वर प्राया विशेषेर पर स्वर हि स पर से ॲॱळॅं अॱॻॖॸॱॻऻॿढ़ॱॳॖॺॱॺॱक़ॖॕॖढ़ॱढ़ॱऄॗॻऻॱय़ॱढ़ड़ॱढ़ड़ॱढ़ॖॎॸॱॸ॒ॺॊ॔*ॺ*ॱय़ॱॺॱॻऻॸॕॖॻऻॺॱॺॎॕॱख़ॕॱख़ॱऄॗॻऻॱय़ॱढ़॓ॱख़ॸॱऄॸऻ॒ॱऴॸॱ त्रुट्यान्द्रा कुष्वर्षेत्र्यार्श्वेष्यश्वर्ष्याद्वेश्वराष्ट्रेत्राक्ष्यः प्रति । केश्रायाद्वेशः शुः विष्यानवेशः

y with the relaisofu

प्रियाक्त्रिं स्वाक्त्रिं स्वाक्त्य

विंदारी याता श्रीन श्रें सामा बेरामाने रमा श्रुमांची नियो ना विया धिरादा दी। वर्षे ग्युमार्के साहे दे निये मान ढ़ॣॸॱॸॆढ़ॆॱॻऻढ़ॸॱॸॻऻॻॱॻॊॱॸॖॸॸॱख़ॱॺॸॺॱक़ॗॖॺॱॺॱॲ॔ॸॱॸॆ॔ढ़ॱऄॸॱऻॗॱॺॱक़ॗॖॱॸढ़ॆॱॸढ़ॏॸॱय़ढ़ॸॱख़ढ़ॸॴक़ॗॺॱॻॆॱ न्यस्तर्नु नर्जेस्यन्वन्यस्तिन्यस्तिन्यस्ति वहिनाहेद्यस्ति विस्रस्य स्त्रर्ने निम्सन्यस्य स्तर्भस्य स्त्रिस्य . बुग्र अ: रेग्रार्के : बग्रार्के र : प्रश्र के अ: प्रते : कुश्चान का ज्ञान का ज्ञान के दिन के स्वाप्त के दिन स म्यात्र्याम्याविषायदीः स्रीप्तदेवात्र्यासूर्यापदे त्रुष्यायात्रयात्री प्रवेशासार्वे । देवे प्रवर्णायायात्रे स् इस्रायानिक्रामा त्रुवासार्दे वक्कार्या त्रुदायत्वा स्री केंस्रायाना या हो। केंस्रायाना विवासिकार्ये के लिवादा केंस्राया केंदिः रेग्रथः यस्य स्वरं विगायः विनः हुः न्युन् स्वरं त्यरं त्यरं त्यरं त्यरं त्यरं व्यवस्ति। विस् ग्रवस्य ग्रामायाः विस्य स्वरं स्वरं विस्य स्वयं स्वरं विस्य स्वरं विस्य स्वरं विस्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् रदःवर्वेदःवदःदे। केंबाहे विद्योबा बदबाक्य श्वाबाहे उद्येश वावदःवगवावी वर्षे वर्षे प्रावर्थे वर्षे यानरुशासरान्देशान्तेन्तर्मापदे धेन रदाहेन् ग्रीशानमें निपदे क्षेत्रायारदामेश क्रुशासार्वे न्या हे हैं सकर् र्वेसप्यायात्ररात्वुरावी नवी नार्येन्से श्रेन्या श्रेवायायात्ररात्वुरावी श्रेवाया विवा ग्रेरायेन्से श्रेन्ती दवो च दर्भेवा च बेश च से सम्बद्ध । इत्य सम्बद्ध च सम्बद्ध । सम्बद्ध व सम्बद्ध व सम्बद्ध । सम्बद्ध व सम्बद्ध व वादी बार्षेबान्दा द्धार्यमान्दा बेरियनरामान्दा इमाद्ध्यामर्थानार्थे में वाकारी में वाकार्थे वाकार्थे वाकार्थे য়য়৻য়ৼ৻য়ৣঢ়ৣ৻ড়ৣ৻য়ৣয়৾৻৻ড়ৣয়৻য়৻য়৻ড়৻ড়৻ড়৻৺য়ৼৣয়৻য়ৢয়৻ঢ়ৢয়৸য়ড়৻য়য়৻ঢ়ৢ৾ৼ৻য়৸য়য়৻ঢ়ৢয়৻ঢ়ৢয়৻ঢ়য়৻য়য়৻ৼয়ৣ৾ৼ৻ लूर्यातालुप्यात्राच्या नदे र्ख्या सहर प्रदे के त्या या श्री क्षेत्र र्वे त्र वे वा या नाराया या नहेत् यर रर हिन श्री र तुः क्षा रर हिन श्री या बेग्रथःत्रथःर्नः तृत्वः प्रदापः नक्षुत्रः पादिते देष्ट्रप्तातः तृत्वः यात्रवात्रः यात्रेत्रः यात्रेत्रः विदायि र्चेन'स'न्रा' व्रुस्थ'यह्स'न्वुर्थ'र्सेन्थ'ग्रुर'विर'ने'र्सून'सर'ग्रुर'स'न्रा' हेथ'यह्ना'र्सून'सर'ग्रुर'स'नेन' याशुस्रायां के या मृत्रास्य सुत्रास्य सदस्य क्षुत्राय के स्वर्षेत्र स्वरंत्र स्वर्षेत्र स्वरंत्र स्वर्षेत्र स्वरंत्र स्वरंत्र स्वर्षेत्र स्वरंत्र स् y with the relaisofu

सद्माक्तिमान्त्रवाक्षी विद्यान्त्रीया विद्यान्त्रीयान्त्रात्त्रवाक्ष्यान्त्रवाक्ष्यान्त्रवाक्ष्यां विद्यान्त्र

शॅवाश रुट न ळंट खूब र्छं व र्ट सम्म मुद्र यर मुँद व सम्भद यदे सहे श मुद्र र तमूर यर दिए। हे वसा रहा प भ्रे अःविदाद्यिमायार्थे स्वेदे स्वेदावायम् वाद्यायार्थे अर्थे द्वार्ये प्रति विद्यायाः विदायम् विदायम् विदायम् ૡૣ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹ૽૽ૺ૾૽ૡ૽૽ૺ૱ૡ૽૽ૺ૱ૹ૽ૼૼૼૹઌ૽૽ૡ૽ૺ૱૱ૢ૾ઌઌ૽૽૱૱ૹ૽૽ૹૹૢ૱ઌ૱ૹ૽૽ૼ૱ઌૹ૽૽ૢ૽૱ઌૹૢ૱ૡ૽૽ૢ૱ૹ૽૽ૺ૾ षशः क्वरा के तुः नश्या परः दर्गे दशः तुशः नश्चनः पः नर्हे शः पः धे तुः ष। रनः तुदः नः क्वें दे व्यूः नुते वश्चनः पः ददः त्यायात्रासूरानायतुरानासूर। विसाससाग्राराने सूर्त्यासानश्रुरसात्रासूनायार्षे नासार्या ने सूर्त्यते सूनासूरा दे अद्या कुषा भ्री या यद्दे प्रवास मा धेवा ने द्वारा से अद्या दे अद्वा ने अद्वा का यह विवय भ्री या वह वि त्वायाः द्वायाः विस्वयाः विस्वयाः विष्याचारायाः विष्यायाः विष्ययाः विस्वयाः विस्वयाः विस्वयाः विस्वयाः विस्वया वनसःसुःनहुत्यःबुवासःन्दः। । वनुत्यःनवेःनरुसःसो । यह्नःसवेः क्रुःसळ्तःने ःक्षूरःपोत्रा । नेसःतःननेः रट.र्जेच.चर्चताची । ग्रिट.सू.सटस.क्षेत्र.स.लुच.लट.। । चश्चित्य.त.तक्ष्य.टट.र्जेचात्र.श्चिट्यहो । ग्रिट.सू.सटस. क्तुंशर्धेव पर मुशुर्या विशम्बर्या नेशव परि १ स्ट्रिस्त चुः ह्रे। हिंद् साद्दार सके म्वार्केट प्रश्रकें समाविद नी इस मान्या है या पीत स्रीत सी नित्र हुत मञ्जी या भी कि पीत स्रुस पर्यु या सिता ग्रीता दित ग्रीता प्रवास कि म चनाः कें न प्रशास्त्र मावना यायनायाना ने भ्रीना संभी भा ने दे न न न में स्वार्मिन भ्रीन भ्रीन भ्रीन स्वार्मिन स ૹ૽ૺ*૾*ૹ૽ૼઽ૾ૹૢૼઽ૽૱ૢઌ૽ૢ૾ૺ૾ૺૡૼૻ૱ૄૢૢૢૢઌૹઌ૽ૹ૽૽ૢ૽ૡ૽૱૽૽ૺૹ

र्या ह्रिन् वि । स्वर्धिया व्या द्वर्षिया व्या ह्रिन् हे । हेन् व्या प्रति प्रति । ह्रिन् व्या व्या व्या व्या हिन् वि । स्वर्धिया व्या ह्रिन । ह्रिन

y colong in the soft

क्षेत्र-प्रभवाक्ष्यः स्वाद्वर्णात् स्वाद्वर्णात्य स्वाद्वर्णात् स्वाद्वर्णात्यात्वर्यः स्वाद्वर्णात्यात्वर्णात्यात्वर्णात्यात्वर्यत्यात्वर्यात्वर्णात्यात्वर्यत्वर्यत्वर्यात्वर्णात्याद

